वाराणसी, सोमवार 10 मार्च, 2025

फाल्गुन माह, शुक्ल पक्ष 11, वर्ष 14, अंक 33, पृष्ठ 16, मूल्य : 5.00

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं प्रयागराज से प्रकाशित

अन्दर : टॉस हारने में रोहित ने की लारा की बराबरी

अंदर : असम : आसान नहीं है विपक्ष की एकजुटता

डाक/नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

भारत ने दुबई में कामयाबी का परचम लहराया

न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर बहुप्रतीक्षित जीत दर्ज की, स्पिनर्स की चौकड़ी ने रखी जीत की आधारशिला

दुबई। यह पहले से साफ था कि जिस पिच और कंडीशन में भारत यहां खेल रहा है, जीत उसकी ही होगी। एक तो विकेट स्पिनर्स के अनुकूल तो उसने चार स्पिनर्स हमेशा खिलाया। सबने कामयाबी भी दल को दिलाई। हुआ वही, न्यूजीलैंड 251 तक ही पहुंच सका और ये स्कोर ऐसा नहीं था कि वह जीत का साफ दावा कर सके। फिर रोहित और गिल ने पहले विकेट पर सौ के पार स्कोर पहुंचाया तो बचा संदेह भी जाता रहा। यह अलग बात है कि कोहली नाकाम रहे, पर मध्य क्रम के अपेक्षित सहयोग से उसकी जीत संदेह से परे हो गई। कीवियों ने संघर्ष किया, पर ये वे जानते थे कि रन कम बने हैं। उसके पास सैंटनर ही अकेले स्पिनर थे और वो नाकाफी थे।

न्यूजीलैंड का स्कोर भारत ने 49 ओवरों में छह विकेट पर 254 रन बनाकर 12 साल बाद ट्राफी जीतने का अरमान पूरा किया।

जीत के बाद भारत में उल्लास का वातावरण छा गया। पटाखे छोड़े गए, एक दूसरे को बधाई दी गई। भारत आखिरी बार 2013 में जीता था जबकि पिछली बार उसे फाइनल में पाक से हारना पड़ा था। वैसे 25 साल पहले भारत को फाइनल में कीवियों के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वह जख्म को राहत देने वाला रहा। भारत ने लक्ष्य का पीछा करने में बेजा दबाव को शुरू से दूर रखा और नतीजा रोहित का बल्ला रंग जमाने लगा। दूसरी ओर गिल उनके सपोर्टर की भूमिका में नजर आए। रोहित ने खुलकर खेलते हुए विकेट के चारो शाट्स लगाए। 41 गेंदों पर पचासा पूरा कर यह संकेत दिया कि फाइनल पर उनकी छाप रहने वाली है। गिल ने तब केवल 10 रन बनाए थे। लेकिन इसके बाद भारत को एक रन के अंतराल पर दो झटके लगे। 20वें ओवर

चैंपियन्स ट्राफी

12 साल बाद विजेता ट्राफी हथियाई, मैन ऑफ द मैच रोहित ने 76 रन बनाए

में 106 के स्कोर पर भारत को दूसरा झटका लगा। माइकल ब्रेसवेल ने विराट कोहली को एल्बीडब्ल्यू आउट किया।

फ्लिक करने में चूके कोहली दो रन बना सके। शतक की ओर बढ़ रहे रोहित भी भारत को 27वें ओवर में तीसरा झटका लगा। रोहित शर्मा अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। हालांकि, शुरूआती दो विकेट के बाद रन रेट गिर गया था। इसे बढ़ाने के चक्कर में रोहित ने रचिन रवींद्र की गेंद को आगे निकलकर उड़ाने में चूके और स्टंप हो गए। खेलने की कोशिश की और स्टंप आउट हो गए। वह 83 गेंद में सात चौके और तीन छक्के की मदद से 76 रन बनाकर आउट हुए। भारत को 39वें ओवर में 183 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। श्रेयस अय्यर अर्धशतक से चूक गए। वह 62 गेंद में दो चौका और दो छक्के की मदद से 48 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस और अक्षर के बीच 61 रन की साझेदारी हुई।

भारत को 203 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। माइकल ब्रेसवेल ने अक्षर पटेल को विलियम ओरुर्के के हाथों कैच कराया। वह 40 गेंद में 29 रन बना सके। राहुल और पंड्या ने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाए और कुछ बड़े शाट्स खेलकर दल को बहुप्रतीक्षित जीत दिला दी। पंड्या के आउट होने का फर्क नहीं पड़ा और राहुल ने 34 रन के साथ जडेजा (9) संग नाबाद लौटे। सैंटनर ने तीन जबकि ब्रेसवेल ने दो विकेट लिए। इसके पहले कीवियों ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम को अच्छी शुरूआत भी मिली, लेकिन कीवी इस शुरूआत को भुना नहीं सके। एक वक्त ऐसा लग रहा था कि टीम बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही है, लेकिन पहला झटका लगते ही उनकी रफ्तार थमी और जब रचिन आउट हुए और उसके बाद विलियम्सन का विकेट गिरा तो साफ हो गया कि न्यूजीलैंड बड़ा स्कोर नहीं बना सकेगा। भारतीय स्पिनर्स का जाल ऐसा था जहां मनमानी नहीं की जा सकती थी।

शुरूआती पांचों बड़े विकेट भारतीय स्पिनर्स ने ही झटके। कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को दो-दो विकेट बांटे थे। ग्रुप स्टेज के दौरान जब भारत और न्यूजीलैंड का मुकाबला हुआ था तब भी भारतीय स्पिनर्स ने 10 में से नौ विकेट झटके थे। भारत ने एकादश में कोई बदलाव नहीं किया क्योंकि हालात इसकी इजाजत नहीं दे रहे थे। पिच की कंडीशन ऐसी थी जिसमें स्पिनर्स की बोलती रहनी थी। रचिन दो जीवनदान का लाभ नहीं उठा सके। सातवें ओवर में ही पांचवीं गेंद पर हालांकि वरुण ने विल यंग को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 23 गेंद में दो चौके की मदद से 15 रन बनाकर आउट हुए। यहीं पर कीवी टीम लड़खड़ाई। 57 पर पहला झटका लगा था और 75 रन तक आते-आते न्यूजीलैंड के तीन विकेट गिर चुके थे। अगले छह ओवर यानी 13वें ओवर तक कीवियों ने 18 रन और बनाए और दो और विकेट गंवाए। 13 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर 77 रन पर तीन विकेट था। किवी बल्लेबाजों ने स्पिनर्स पर परम्परागत गलती की। वे गेंद के टप्पे का इंतजार करते दिखे और नतीजे में उन्हें आउट होना पड़ा। रचिन आगे की गेंद को पीछे खेले और पैड के रास्ते बोल्ड हो गए। बाद में लेथम स्वीप करने की अपनी ताकत के शिकार बने। चार विकेट पर 138 के बाद न्यूजीलैंड के बड़े स्कोर की आशा कम हो गई थी।

NARAYANDAS
नरायन दास सर्राफ ज्वेलर्स (प्रा0लि0)
सोने, चाँदी, हीरे, प्लेटिनम एवं कुंदन के आभूषण
• 916 हॉलमार्क ज्वेलरी •
रथयात्रा : 8303173010
अर्दली बाजार : 9696470424
चौक(ठठेरी बाजार): 8318650589
चितईपुर(अवलेशपुर) :9696544217
SUNDAY OPEN
•रथयात्रा •अर्दली बाजार •चौक(ठठेरी बाजार) •चितईपुर(अवलेशपुर)वाराणसी
•पार्किंग की सुविधा उपलब्ध•

अबकी तकरार के हैं कई मुद्दे

आज से बजट सत्र का दूसरा चरण

संसद के बजट सत्र के हंगामेदार रहने की आशंका

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की मंजूरी का प्रस्ताव होगा पेश

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र सोमवार को फिर से शुरू हो रहा है। इस दौरान सरकार और विपक्ष के बीच जोरदार तकरार होने के संकेत मिल रहे हैं। विपक्ष, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी, मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना और ट्रंप प्रशासन के साथ भारत के व्यवहार जैसे मुद्दों को उठाने की योजना बना रहा है। वहीं दूसरी ओर सरकार का जोर बजटीय प्रक्रिया को पूरा करने, अनुदान मांगों के लिए संसद की मंजूरी लेने, वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कराने और मणिपुर बजट के लिए मंजूरी दिलाने पर रहेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा के लिए संसद की मंजूरी मांगने के लिए एक वैधानिक प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। इसके साथ ही सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मणिपुर के लिए बजट पेश करेंगी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है। उधर विपक्ष ने कहा कि वह फर्जी इलेक्टोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड (ईपीआईसी) नंबरों के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। इस मुद्दे को उठाने में तृणमूल कांग्रेस सबसे आगे है।

इसी क्रम में चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि वह अगले तीन महीनों के भीतर सुधार वाले कदम उठाएगा। चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के उस दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि पश्चिम बंगाल में दूसरे राज्यों के मतदाताओं को वोट करने की अनुमति देने के लिए मतदाता सूचियों में हेरफेर किया गया था। इसके अलावा आयोग ने यह भी स्पष्ट किया

कि कुछ मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर एक जैसे हो सकते हैं लेकिन उनकी भौगोलिक जानकारी, विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र जैसे अन्य विवरण अलग-अलग हैं।

इस मुद्दे को लेकर तृणमूल कांग्रेस के नेता सोमवार को चुनाव आयोग से मिलने जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान संसद के दोनों सदनों में इस मुद्दे को उठाने के लिए कांग्रेस, डीएमके, शिवसेना-यूबीटी सहित अन्य विपक्षी दलों को भी एकजुट किया है। केंद्र सरकार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक को जल्द से जल्द पारित कराना प्राथमिकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले सप्ताह एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा था कि सरकार वक्फ संशोधन विधेयक को जल्द पारित कराने के लिए उत्सुक है, क्योंकि इससे मुस्लिम समुदाय के कई मुद्दे सुलझ जाएंगे।

इस विधेयक को लेकर विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच संसद की एक संयुक्त समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा में पेश कर दी है। मणिपुर में ताजा हिंसा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पारस्परिक शुल्क लगाने की धमकी और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के मुद्दे पर भी संसद में हंगामा होने की उम्मीद है। इस सिलसिले में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि इंडिया ब्लॉक के नेता वक्फ विधेयक का संयुक्त रूप से विरोध करने के लिए व्यापक विचार-विमर्श करेंगे। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कांग्रेस चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाती रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया अब स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं रह गई है बल्कि यह योजनाबद्ध और सुनियोजित तरीके से कराई जा रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस बजट सत्र के दौरान ट्रंप की पारस्परिक-टैरिफ धमकियों का मुद्दा भी उठाएगी और इन धमकियों से निपटने के लिए द्विदलीय सामूहिक संकल्प का आह्वान करेगी। संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी तक चला था। दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू होकर 4 अप्रैल तक चलेगा।

मुंबई में बड़ा हादसा, दम घुटने से पांच की मौत

दु:खद

पानी की टंकी साफ कर रह थे पांच कर्मचारी

मुंबई। मुंबई के नागपाड़ा इलाके में एक पानी की टंकी की सफाई के दौरान दम घुटने से पांच सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई। घटना रविवार की दोपहर डेढ़ बजे हुई। पांचों कर्मचारियों को अस्पताल ले जाया गया। एक कर्मचारी का इलाज चल रहा है। पहले अधिकारियों ने मृतकों की संख्या पांच बताई थी।

नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना नागपाड़ा इलाके में डिमटीमकर रोड पर स्थित बिस्मिल्लाह स्पेस बिल्डिंग में अपराह्न करीब 1.30 बजे हुई। पांच लोग टंकी की सफाई करने के लिए उसमें दाखिल हुए और बेहोश हो गए। उन्हें दमकल कर्मियों ने निकाला और जेजे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने पांच को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान हसीपाल शेख (19), राजा शेख (20), जियाउल्ला शेख (36), इमांदु शेख (38) के रूप में की गई है, जबकि पांचवें व्यक्ति पुरहान शेख (31) का इलाज के दौरान मौत हो गई। पहले ही अधिकारियों ने मृतकों की संख्या पांच बताई थी।

जेजे पुलिस थाना के एक अधिकारी ने बताया कि एक दुर्घटनावश मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज कर ली गई है और यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि जिन लोगों ने इन पांचों मजदूरों को काम पर रखा था, उनकी ओर से कोई चूक हुई थी या नहीं और क्या सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जांच के लिए अग्निशमन सेवा, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और पुलिस विभाग के कर्मी घटनास्थल पर मौजूद हैं।

सीनियर छात्र ने 6 साल के बच्चे को मारे 30 थप्पड़

आगरा। आगरा से एक सनसनीखेज मामला आया है। जहां एक प्राइवेट स्कूल के 6 साल के बच्चे के साथ बर्बरता की गई। कक्षा आठ के छात्र ने बच्चे को 30 थप्पड़ मारे। फिर बाथरूम में बंद कर दिया। इस दौरान उसने धमकी देते हुए थूककर भी चटवाया। मासूम ने घर आकर सारी बात बताई तो उनके पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। उन्होंने इसकी शिकायत स्कूल प्रशासन से की। जिसके बाद आरोपी छात्र को सस्पेंड कर दिया गया। ये मामला लोहामंडी क्षेत्र का है। जहा सोल कारोबारी का छह साल का बेटा डीपीएस में प्री प्राइमरी का छात्र है। हाल ही में वह स्कूल जाने से इनकार कर देता था। परिजनों जब भी स्कूल की बात करते तो वह डर के मारे कांपने लगता। मां-बाप को लगा कि शायद बुखार की वजह से ऐसा हो रहा है लेकिन डाक्टर को दिखाने के बाद भी वह ठीक नहीं हुआ। बच्चा रात में सोते-सोते बड़बड़ाता रहता था। जब परिवार के लोगों ने ध्यान से सुना तो हैरान रह गए। बच्चा बोल रहा था मुझे मत मारो। परिजन उसे बाल रोग विशेषज्ञ के पास लगे गए। जहां पूछे जाने पर उसने सारी आपबीती सुनाई। मासूम ने बताया कि एक सीनियर उसे स्कूल में परेशान करता है। उसने वॉशरूम में बंद कर दिया था। जूतों पर थूककर चटवाया था।

पूर्वमंत्री राजा भैया पर दिल्ली में एफआईआर

मामला दर्ज

पत्नी भानवी सिंह ने दर्ज कराया मुकदमा, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफदिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। उनके खिलाफ उनकी पत्नी भानवी सिंह ने प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था और उनकी शिकायत पर यह एफआईआर दर्ज हुई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की आगे की जांच कर रही है। भानवी सिंह पिछले काफी समय से अपने पति से अलग दिल्ली में रह रही हैं।

पुलिस का कहना है कि सफदरजंग एन्क्लेव थाने में उत्तर प्रदेश के नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के

खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। ये मामला पहले से क्राइम अगेंस्ट वूमेन सेल में चल रहा था।

मामला मीडिएशन सेंटर भी गया था, लेकिन इसके बाद मामला जब थाने आया तो केस दर्ज किया गया है।प्रतापगढ़ के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली भानवी कुमारी सिंह ने अपने पति विधायक रघुराज प्रताप सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस में गंभीर आरोपों के साथ शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने अपने पति पर शारीरिक और मानसिक क्रूरता का आरोप लगाते हुए धारा 498अ के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। भानवी सिंह ने शिकायत में कहा है कि उनके पति ने उन्हें वर्षों तक शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। भानवी सिंह का आरोप है कि लगातार मारपीट के कारण उनके शरीर के अंग क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उन्हें अपने जीवन पर खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने पहले भी राष्ट्रीय महिला आयोग और दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन परिवार की शांति बनाए रखने के उद्देश्य से उसे आगे नहीं बढ़ाया। अपनी शिकायत में ससुराल पक्ष और सास पर भी कई गंभीर आरोप उन्होंने लगाए। उन्होंने कहा कि पहले मैं वैवाहिक जीवन को आगे बढ़ाने और परिवार में शांति के लिए चुप हो गई। इसके बाद भी हमारे ऊपर अत्याचार खत्म नहीं हुए।

तदर्थ जजों की नियुक्ति की जाए : सुप्रीम कोर्ट

आदेश

हाईकोर्ट्स ने सरकार को नहीं भेजे न्यायाधीशों के नाम

नई दिल्ली। देशभर के न्यायालयों में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या से निपटने के लिए हाईकोर्ट में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति को सुप्रीम कोर्ट ने एक महीने पहले मंजूरी दी थी। मगर सरकार को अब तक हाईकोर्ट से तदर्थ न्यायाधीश पद के उम्मीदवारों के नाम नहीं मिले हैं।

देशभर की अदालतों में 18 लाख से ज्यादा आपराधिक मामले लंबित हैं। इससे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 30 जनवरी को उच्च न्यायालयों को तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति करने की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि तदर्थ न्यायाधीशों की संख्या कोर्ट की कुल स्वीकृत संख्या के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। संविधान का अनुच्छेद 224ए भी लंबित मामलों से निपटने में मदद के लिए उच्च न्यायालयों में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को तदर्थ न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देता है। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय कानून मंत्रालय को तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए संबंधित उच्च न्यायालय के कॉलेजियम से अभी तक कोई सिफारिश नहीं मिली है।

तय प्रक्रिया के मुताबिक संबंधित उच्च न्यायालय कॉलेजियम कानून मंत्रालय में न्याय विभाग को न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किए जाने वाले उम्मीदवारों की सिफारिशें या नाम भेजते हैं। इसके बाद विभाग उम्मीदवारों पर इनपुट और विवरण जोड़ता है। फिर इसे

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को भेजा जाता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम अंतिम फैसला लेता है और सरकार को चयनित व्यक्तियों को न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश करता है। इसके बाद राष्ट्रपति नवनियुक्त न्यायाधीश के नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर करते हैं। तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया भी ऐसी ही होगी। लेकिन राष्ट्रपति नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। हालांकि इस बारे में राष्ट्रपति की सहमति ली जाएगी। उच्च न्यायालयों में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति पर 20 अप्रैल 2021 को दिए फैसले में शीर्ष अदालत ने कुछ शर्तें लगाई थीं।

बाद में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई और सूर्यकांत की सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ ने कुछ शर्तों में ढील दी और कुछ को स्थगित रखा। पूर्व मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने लंबित मामलों को निपटाने के लिए सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की दो से तीन साल की अवधि के लिए तदर्थ नियुक्ति करने का निर्देश दिया था। इसमें शर्त थी कि यदि हाईकोर्ट में स्वीकृत पदों की संख्या 80 प्रतिशत है, तो तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं की जा सकती। जबकि दूसरी शर्त थी तदर्थ न्यायाधीश अलग-अलग बेंचों पर बैठकर मामलों का निपटारा कर सकते हैं।

संभल में लाउडस्पीकर पर अजान देना पड़ा महंगा

कार्रवाई

इमाम के खिलाफ केस दर्ज, लाउडस्पीकर को कब्जे में लिया

संभल। चंदौसी क्षेत्र में तेज आवाज में अजान होने पर पुलिस ने मस्जिद के इमाम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही लाउडस्पीकर को कब्जे में भी ले लिया है। इससे पहले भी संभल प्रशासन ने कई स्थानों पर लाउडस्पीकर उतरवाए थे। साथ ही अवहेलना करने पर सख्त कार्रवाई करने के आदेश भी दिए थे। इसके अलावा धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज में लाउडस्पीकर न बजाने की भी हिदायत दी थी।

पुलिस ने रविवार को बताया कि शनिवार को चंदौसी नगर के पंजाबीयान मोहल्ले की एक मस्जिद में मानक से अधिक ऊंची आवाज में लाउडस्पीकर से अजान दिए जाने की शिकायत मिली थी। जिस पर मस्जिद के इमाम हाफिज शकील शम्सी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और ध्वनि प्रदूषण (विनियमन व नियंत्रण) नियम की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। उसने बताया कि पुलिस ने लाउडस्पीकर को जब्त कर लिया है। विधिक कार्रवाई जारी है।

पीलीभीत में भी लाउडस्पीकर बजाने पर मौलवी पर केसइससे पहले पीलीभीत जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र में एक मस्जिद में प्रशासन की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में एक मौलवी पर 2 मार्च को मुकदमा दर्ज किया गया।

जहानाबाद के थानाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि थाने में तैनात उपनिरीक्षक वरुण की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया

गया है कि 1 मार्च की दोपहर काजीटोला स्थित एक मस्जिद में नमाज के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा था।थानाध्यक्ष ने कहा कि मौलवी अशफाक को 25 फरवरी को ही उच्चतम न्यायालय और शासन के आदेशों से अवगत करा दिया गया था, जिनके मुताबिक सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अशफाक 28 फरवरी की शाम को भी नमाज एवं अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे थे और मांगने पर वह कोई अनुमति पत्र नहीं दिखा सके थे।नियम के उल्लंघन के आरोप में मौलवी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (सरकारी आदेशों की अवहेलना), 270 (सार्वजनिक उपद्रव) और 293 (किसी वैध प्राधिकरण की ओर से जारी निषेधाज्ञा के बावजूद सार्वजनिक उपद्रव जारी रखना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पीलीभीत में भी लाउडस्पीकर बजाने पर मौलवी पर केस

पीलीभीत। इससे पहले पीलीभीत जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र में एक मस्जिद में प्रशासन की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करने के आरोप में एक मौलवी पर 2 मार्च को मुकदमा दर्ज किया गया। जहानाबाद के थानाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि थाने में तैनात उपनिरीक्षक वरुण की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 1 मार्च की दोपहर काजीटोला स्थित एक मस्जिद में नमाज के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया जा रहा था। थानाध्यक्ष ने कहा कि मौलवी अशफाक को 25 फरवरी को ही उच्चतम न्यायालय और शासन के आदेशों से अवगत करा दिया गया था. जिनके मुताबिक सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना लाउडस्पीकर या पब्लिक एड्रेस सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अशफाक 28 फरवरी की शाम को भी नमाज एवं अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे थे और मांगने पर वह कोई अनुमति पत्र नहीं दिखा सके थे।

गंगा नदी में डूबे चार युवक, दो की मौत

दु:खद

रील बनाने के दौरान पटना में हुआ बड़ा हादसा

पटना। कलेक्ट्रेट घाट पर रविवार की देर शाम बड़ा हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि रील बनाते समय 4 युवक गंगा नदी में गिर गए। इनमें से दो युवकों को तो स्थानीय लोगों ने बचा लिया। लेकिन बाकी दो की गहरे पानी में डूबने की वजह से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक दोनों मृतक युवक सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के शाहगंज कब्रिस्तान इलाके के रहने वाले थे और ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे थे।

बताया जा रहा है कि चार दोस्त दोपहर करीब 1 से 1:30 बजे कलेक्ट्रेट घाट पहुंचे थे। इनमें से आमिर और हसनुल बन्ना गंगा में नहा रहे थे, जबकि तीसरा दोस्त वीडियो बना रहा था और चौथा किनारे बैठा था। रील्स बनाने के दौरान आमिर और बन्ना गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद नाविक ने एक युवक को बांस फेंककर बचा लिया, लेकिन आमिर और बन्ना की डूबने से मौत हो गई।

बाइक सवारों ने सराफा कारोबारी को गोली मारी

दुस्साहस

दिनदहाड़े 35 हजार नगदी व 50 हजार की चांदी लूटी

व्यापारियों में दहशत, जांच में जुटी पुलिस बोली, जल्द होगी गिरफ्तारी

वाराणसी/बड़ागांव। बड़ागांव थाना क्षेत्र के अहरक पश्चिमपुर में रविवार दोपहर बाइक सवार तीन बदमाशों ने सराफा कारोबारी की दुकान में लूटपाट की और विरोध करने पर पिता-पुत्र को गोली मार दी। घायल कारोबारी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और बदमाशों की तलाश जारी है।

रविवार दोपहर करीब 3 बजे तीन बदमाश अपाचे बाइक से ज्वेलरी शॉप अमित ज्वैलर्स पहुंचे। पहले एक बदमाश दुकान में घुसकर असलहा दिखाते हुए कैश और चांदी बैग में डालने को कहा,कुछ देर बाद दूसरा बदमाश भी दुकान के अंदर चला गया, जबकि तीसरा बदमाश बाइक स्टार्ट कर बाहर खड़ा रहा। बदमाशों ने दुकान से 35 हजार नकद और लगभग 50 हजार मूल्य की चांदी लूट ली। जाते समय बदमाशों ने दुकानदार सियाराम (43) और उनके बेटे विकास (24) के बाएं कंधे पर गोली मार दी और दल्लीपुर-बाबतपुर की ओर फरार हो गए।

घायल का अस्पताल में इलाज जारी

गोली लगने से विकास वर्मा और सियाराम गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घायल विकास मारुति सुजुकी (नेक्सा) के काजीसराय शोरूम में वेल्युअर का काम करता हैं।और रोज की तरह काम से छूटकर दोपहर 2 बजे अपने ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंचा था।

पुलिस कर रही बदमाशों की तलाश

घटना की जानकारी मिलते ही डीसीपी गोमती जोन, एडीसीपी, एसीपी और स्थानीय थाने की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और बदमाशों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

पुलिस बोली, अपराधी नहीं बचेंगे

दिनदहाड़े हुई इस घटना से स्थानीय सराफा व्यापारियों में दहशत का माहौल है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

पीस कमेटी की बैठक

रोहनिया। डीसीपी वरुणा जोन एवं एसीपी रोहनिया संजीव शर्मा के निर्देशानुसार होली तथा रमजान त्यौहार को लेकर रोहनिया थाना प्रभारी विवेक कुमार शुक्ला ने रविवार को मोहनसराय पुलिस चौकी पर चौकी प्रभारी सुफियान खान की उपस्थिति में तथा अखरी पुलिस चौकी पर प्रभारी अवनीश कुमार मिश्रा तथा गंगापुर पुलिस चौकी पर प्रभारी गणेश दत्त त्रिपाठी की उपस्थिति में पीस कमेटी की बैठक किया गया। बैठक के दौरान रोहनिया थाना प्रभारी विवेक कुमार शुक्ला ने हिंदू तथा मुस्लिम समुदाय के लोगों सहित क्षेत्र के सभ्रांत लोगों से आपस में भाईचारे का व्यवहार रखते हुए आने वाले होली तथा रमजान त्यौहार को शांति पूर्वक सकुशल संपन्न कराने हेतु अपील किया। पीस कमेटी की बैठक में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान मनोज वर्मा, अमलेश मिश्रा ,रामधनी यादव, राजेश मिश्रा ,गोपाल यादव, दिलीप केसरी, उमेश पटेल, मनीष जायसवाल, चंदन सिंह, निखिल सिंह, संजय कुमार केसरी, राजीव राय इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप

शक्तिपीठ माता विशालाक्षी को रजत मुकुट अर्पित

वाराणसी। शक्तिपीठ माता विशालाक्षी देवी को फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी तिथि, रविवार को आधा किलो वजन का मुकुट धारण कराया गया। हैदराबाद के एक श्रद्धालु ने माता के दोनों विग्रहों को दो मुकुट भेंट किया। रविवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री विश्वभूषण मिश्र ने माता को मुकुट धारण कराया। इसके पूर्व सनातनप्रेमी श्री मिश्र ने प्रातः माता का विधि विधान से अभिषेक किया। पंचामृत से स्नान कराने के बाद माता का नवीन वस्त्र, हार और पुष्प से अलंकार किया। तत्पश्चात श्री मिश्र ने दोनों विग्रहों को रजत मुकुट धारण कराया। अलंकार के बाद माता की आरती हुई। हैदराबाद के श्रद्धालु ब्रम्हाइया कुराबाला कोटा और जय जी ने आधा किलो वजन का दो मुकुट भेंट किया था, जिसे रविवार को माता को अर्पित किया गया।

दो के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा

वाराणसी। सारनाथ स्थानीय पुलिस ने दो के खिलाफ के गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज कर लिया। इस प्रकरण में थानाध्यक्ष सारनाथ विवेक कुमार त्रिपाठी ने तहरीर दिया था। थानाध्यक्ष सारनाथ ने बताया कि सिकंदरपुर, थाना कोतवाली, जिला गाजीपुर निवासी अजय सिंह उर्फ भोलू सिंह (26) एवं ददरीघाट, कोतवाली, जिला गाजीपुर निवासी बहादुर चौधरी (29) गैंग बनाकर चोरी, लुट व स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम देते थे। इनके खिलाफ विभिन्न थानों में दर्जन भर से ज्यादा मुकदमा दर्ज है। बताया कि फिलहाल दोनों जेल में बंद हैं।

पत्रकार की हत्या के विरोध में कैंडल मार्च

वाराणसी। एक दैनिक अखबार के पत्रकार घवेंद्र वाजपेई (40) की गोली मारकर हत्या किये जाने के विरोध में रविवार को कैंडिल मार्च निकाला। कैंडल मार्च निकालते हुए दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस मामले में सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा गया कि पत्रकार की हत्या साबित होता है कि प्रदेश के अपराधियों में प्रशासन का भय समाप्त हो चुका है। मौजूद पत्रकारों ने आरोपियों को तत्काल पकड़कर फांसी दिये जाने तथा पत्रकारों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा तत्काल कड़े कानून बनाए जाने की मांग की।

तमंचा के साथ गिरफ्तार

मिर्जामुराद। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शनिवार की रात मेंहदीगंज रिंगरोड के नीचे अंडरपास के पास से एक अवैध तमंचा व एक अदद जिंदा कारतूस के साथ शिवपुर थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव निवासी रोहित प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने रविवार को लिखा पड़ी करने के बाद पकड़े गए युवक को जेल भेज दी।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में मिजार्मुराद थाना प्रभारी सुधीर कुमार त्रिपाठी, खजुरी चौकी प्रभारी अनिकेत श्रीवास्तव, एसआई मधुसूदन त्रिपाठी, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार व रामाश्रय सरोज रहे।

रौनाकलां उपकेंद्र से आज 10 घंटे कटेगी बिजली

चौबेपुर। विद्युत वितरण रौनाकला के अधिशासी अभियंता राजकुमार ने बताया कि 10 मार्च को विद्युत उपकेंद्र रौनाकला पर स्थित 10 एमवीए का नया ट्रांसफॉर्मर लगाया जाएगा। इसके लिए प्रातः साढ़े आठ बजे से 10 घंटे के लिए शटडाउन लिया जाएगा। इस दौरान उपकेंद्र से जुड़े ग्रामीण इलाकों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बिजली रहते आवश्यक कामकाज निपटान का अनुरोध किया है।

मृतक मंदीप के घर पहुंचा सपा का प्रतिनिधिमंडल

पिंडरा। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल रविवार को जंगलपुर (कठिरांव) पहुंचा और विगत दिनों यहां के निवासी मंदीप सोनकर की पीटकर हत्या करने के मामले में अभी तक आरोपितों की गिरफ्तारी न होने पर रोष जताया और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दिया। बताते कि बीते एक फरवरी को बाइक से एक बुजुर्ग को धक्का लगने के बाद बरही निवासी त्रिभवनी व ग्राम प्रधान समेत उनके समर्थकों ने मंदीप की पिटाई कर दी। जिसकी 15 फरवरी को बीएचयू में ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। प्रतिनिधिमंडल ने आसपास के लोगों से घटना की सही जानकारी प्राप्त की। पीड़ित परिवार ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को बताया गया कि इस प्रकरण में अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी पुलिस ने नहीं की है। जिस पर जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ एवं बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने तत्काल एसीपी से फोन पर बात की तो एसीपी ने बताया कि इस प्रकरण में कुर्की के कार्यवाही की प्रक्रिया की जा रही है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि समूचे घटनाक्रम की रिपोर्ट बनाकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेजा जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महासचिव सत्य प्रकाश सोनकर सोनू, प्रदेश सचिव कमलेश पटेल, जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट, पूर्व पार्षद वरुण सिंह, विधानसभा अध्यक्ष मनोज यादव, महिला सभा की जिलाध्यक्ष शशि यादव, लाल बाबू सोनकर आदि शामिल थे।

शराब के साथ युवक पकड़ाया

वाराणसी। जीआरपी कैंट ने रविवार को जांच के दौरान शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। प्रभारी हेमंत सिंह ने बताया कि अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे श्री प्रकाश डी., पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे राहुल राज, पुलिस अधीक्षक, रेलवे अनुभाग प्रयागराज अभिषेक यादव, पुलिस उपाधीक्षक, रेलवे वाराणसी कुंवर प्रभात के आदेशानुसार रेलवे स्टेशन पर चलाये जा रहे जांच के दौरान रविवार को प्लेटफार्म नं-एक के पूर्वी तरफ काशी छोर पानी टंकी के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान उसके पास से 48 पाउच शराब बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान प्रकाश कुमार चौहान (20)पुत्र वाल्मिकी प्रसाद निवासी काशी चक जिला नेवादा बिहार के रूप में की गयी। धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की गई।

स्वयंसेवकों को आग से बचाव के बताए गए गुर

वाराणसी। यूपी कॉलेज में रविवार को एनएसएस शिविर में स्वयंसेवकों को सिविल डिफेंस की ओर से विभिन्न प्रकार के आग को बुझाने का प्रशिक्षण दिया गया। उप नियंत्रक जितेन्द्र देव सिंह ने स्वयंसेवकों को नागरिक सुरक्षा के बारे में बताया और विभिन्न प्रकार के आग से बचाव का प्रशिक्षण दिया।? स्वयंसेवकों को लकड़ी और सिलिंडर की आग को बुझाने का अभ्यास कराया। राष्ट्रीय सेवा योजना कोऑर्डिनेटर डॉ. रविन्द्र कुमार गौतम ने शिविर का निरीक्षण किया। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर एडीसी विवेक कुमार, डिवीजनल वार्डेन संजय कुमार राय, डिप्टी डिवीजनल वार्डेन अरविंद विश्वकर्मा, डॉ. आनंद राघव चौबे, डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, अग्नि प्रकाश शर्मा, श्वेता सोनकर, प्रो. रमेशधर द्विवेदी, प्रो. गरिमा सिंह, प्रो. नीलिमा सिंह, प्रो. रेणु सिंह, प्रो. अनीता सिंह, प्रो. मधु सिंह, प्रो. शशिकांत द्विवेदी, प्रो. पंकज कुमार सिंह आदि थे।

रामनगर में 60 किलो पनीर और 10 किलो छेना नष्ट किया गया

रामनगर। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बलुआ घाट के समीप अवैध रूप से चल रही किसान डेयरी के नाम से चल रही दुकान पर रविवार को छापा मारा। अधिकारियों ने इस दौरान बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री जब्त किया। खाद्य विभाग को सूचना मिली थी कि बलुआ घाट पर दीनदयाल अलीनगर निवासी प्रभाकर उपाध्याय कुछ वर्षों से बगैर लाइसेंस के किसान डेयरी संचालित कर रहे हैं। इस पर विभाग के अधिकारियों पंकज यादव, सुरेन्द्र नारायण सिंह, कौशलेंद्र शर्मा ,राजेश, संतोष कुमार आदि छापेमारी की। टीम ने डेयरी यूनिट से छेना, पनीर और दूध का नमूना एकत्र किया। मौके पर मिले 200 लीटर दूध, 60 किलो पनीर और 10 किलो छेना को नष्ट किया गया। नष्ट किये गए खाद्य पदार्थों की अनुमानित कीमत लगभग 40 हजार बताई जा रही है।

महिला से मारपीट में मुकदमा

बड़ागांव। थानाक्षेत्र के बसनी पठकान गांव निवासिनी एक महिला को उसके घर में घुसकर दो युवकों द्वारा मारने पीटने तथा जान से मारने की धमकी दिये जाने के मामले में पीड़िता के प्रार्थना पत्र पर बड़ागांव पुलिस विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच कर रही है।उपरोक्त गांव के मायके में रह रही विवाहिता शिवानी ने दिये गये प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है की शनिवार को दोपहर मैं अपने घर पर थी इसी बीच स्थानीय थानाक्षेत्र के लोकीपुर (साधोगंज) निवासी शैलेश एवं इसी थानाक्षेत्र के सातो महुआ गांव निवासी करन मेरे घर में घुसकर मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिया है।

इलाज के दौरान बालक की मौत

पिंडरा। फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा बाजार निवासी विशाल गुप्ता के सात वर्षीय पुत्र यथार्थ की इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। इकलौते पुत्र के मौत होने से बाजार में शोक की लहर दिखी। बताते हैं कि विशाल के पुत्र यथार्थ की बारात देखने के दौरान 28 फरवरी को छत से गिरने घायल हो गया था। जिसका इलाज काजीसराय स्थित एक हॉस्पिटल में चल रहा था। रविवार की सुबह मौत होने से बाजार में शोक दिखा। पिता की पिंडरा बाजार में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है।

लोकतंत्र व संविधान की उड़ा रहे धज्जी

पीडीए जन चौपाल

समाजवादी पार्टी जिला एवं महानगर इकाई की तरफ से आयोजन

वाराणसी। समाजवादी पार्टी जिला एवं महानगर इकाई की तरफ से रविवार को आयोजित पीडीए जन चौपाल में वक्ताओं ने कहा कि मौजूदा समय में लोकतंत्र और संविधान के मर्यादा की धज्जियां उड़ायी जा रही है।

जिला इकाई की तरफ से सेवापुरी विधानसभा के ठठरा बाजार में आयोजित चौपाल में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि आज देश संकट के दौर से गुजर रहा है। लोकतंत्र और संविधान के मर्यादा की धज्जियां उड़ायी जा रही है। भाजपा जो कहती है, ठीक उसका उल्टा करती है। प्रदेश में न कोई कानून व्यवस्था है न पुलिस का खौफ है। सत्ता संरक्षित अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि अम्बेडकर साहब के संविधान के बदले वह देश पर अपने मन-विधान और नागपुर का संविधान थोपना चाहते हैं। जिसे समाजवादी पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ ने कहा कि आज पीडीए के लोगों को उनके अधिकारों के साथ-साथ संविधान के बारे में जागरूक करना होगा। कार्यक्रम में पखंडी बिंद, राजेश यादव, कन्हैया राजभर, हरीश मिश्रा, जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट, रामसिंह यादव, इंजीनियर अनिल कुमार, रामसुंदर यादव आदि थे।

महानगर इकाई की तरफ से सेक्टर 28 स्थित रामलीला मैदान दशमी में आयोजित चौपाल में दिलीप डे ने कहा कि पूरे प्रदेश में पीडीए चर्चा का कार्यक्रम चल रहा है। समाज के शोषित, वंचित, कमजोर वर्ग को समाज के मुख्य धारा में लाना ही इस चौपाल का मुख्य मकसद है। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब के संविधान में दिए गए अधिकारों से अवगत कराते हुए पीडीए के लोगों को सचेत रहने का आह्वान किया। महासचिव योगेंद्र यादव ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार से दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, नौजवान, किसान पूरी तरह से निराश हो चुके है तथा आशा भरी नजरों से सपा की ओर देख रहे हैं। चौपाल में अंकित यादव, अमन यादव, विपत यादव, डॉ. राहुल सोनकर, जाहिद नासिर, अवधेश कुशवाहा, इम्तियाज गामा, रजत कुमार, रामजी यादव, विवेक जोसफ आदि थे।

बिडिंग के विरोध में विद्युत कर्मियों का प्रदर्शन आज

वाराणसी। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की खातिर ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट नियुक्त करने के लिए बिडिंग के विरोध में 10 मार्च को बिजली कर्मचारी राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजना मुख्यालयों पर व्यापक विरोध प्रदर्शन करेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर 10 मार्च को अपराह्न एक बजे शक्ति भवन मुख्यालय पर जोरदार विरोध प्रदर्शन होगा। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि निजीकरण के लिए ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट की बीड शक्ति भवन अपराह्न तीन बजे खोली जानी है। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों की बिजली व्यवस्था निजी घरानों को सौंपने के पहले सरकार को यह विचार करना चाहिए कि उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा और आगरा में निजी कंपनी द्वारा किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति में किए जा रहे भेदभाव को देखते हुए प्रदेश के 42 जनपदों में बिजली के निजीकरण का निर्णय कदापि उचित नहीं होगा।

खाते में पैसा न आने पर रिपोर्ट

बड़ागांव। थानाक्षेत्र के बसनी दर्जीपुर गांव निवासी एक व्यक्ति का खाता भारतीय स्टेट बैंक बाबतपुर में है 26 सितंबर को उसके खाते से दस हजार रूपया निकाल गया उसने इस बात की शिकायत शाखा प्रबंधक से किया तो पैसा वापस खाते में आने की बात कही गई और आज तक पैसा वापस नहीं आया जिससे परेशान होकर भुक्तभोगी ने शनिवार शाम स्थानीय थाने में आई टी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय थानाक्षेत्र के बसनी दल्लुपुर निवासी भईया लाल का बचत खाता भारतीय स्टेट बैंक एयर कार्गो बाबतपुर में है ।25 सितंबर को वह बसनी बाजार स्थित एसबीआई के एटीएम से पांच सौ रुपए निकाला उसके ठीक दुसरे दिन 26 सितंबर को उसके खाते से दस हजार रूपया निकाल लिया गया।इस बात की शिकायत उसने उक्त बैंक के शाखा प्रबंधक से किया लेकिन आज तक रुपया वापस नहीं मिला।

हृदयाघात देखभाल परियोजना प्रदेश के लिए मॉडल

सुविधा

संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) ने स्टेमी केयर प्रोजेक्ट का जाना हाल

वाराणसी। प्रमुख सचिव के निर्देशानुसार वाराणसी में स्टेमी केयर नेटवर्क को एक हब और स्पोक्सरू मॉडल के आधार पर स्थापित करने का निर्णय लिया गया था। जनपद के राजकीय चिकित्सालयों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) पर हृदयाघात देखभाल परियोजना (स्टेमी केयर प्रोजेक्ट) संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत इलैक्ट्रो कार्डियोग्राफी (ईसीजी) व थ्रंबोलिसिस प्रक्रिया हृदयाघात रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है। जनपद में क्रियाशील हार्ट सेंटरों पर विंडो अवधि में आये हृदयाघात के शत-प्रतिशत रोगियों की जान बचाई गयी है। परियोजना के तहत बीएचयू हब एवं जनपद के सभी राजकीय चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्पोक के रूप में कार्य कर रहे हैं। हृदयाघात रोगियों के लिए इसीजी तथा लोडिंग डोज सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध हैं, इसकी जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने दी।

बताया कि महानिदेशक के निर्देश पर संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ कमलेश यादव तथा स्टेट नोडल स्टेमी प्रोजेक्ट डॉ अमन खान की दो सदस्यीय टीम ने जनपद में संचालित हृदयाघात देखभाल परियोजना की प्रक्रिया को जानने के लिए हृदय रोग विभाग बीएचयू, स्वामी विवेकानंद मेमोरियल हॉस्पिटल (एसवीएम) भेलूपुर, सर सुन्दरलाल मंडलीय चिकित्सालय (एसएसपीजी) का दौरा कर परियोजना का हाल जाना। परियोजना की विस्तृत जानकारी एसवीएम राजकीय चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ क्षितिज तिवारी* ने दो सदस्यीय टीम को दी उन्होंने हृदयाघात परियोजना के अंतर्गत संचालित की जा रही प्रक्रियाओं से अवगत कराते हुए बताया कि ईसीजी के माध्यम से हृदयाघात के मरीजों की जांच की जाती है। व्यक्ति को सीने में अचानक से तेज दर्द होने पर यदि वह एक घंटे के अंदर गोल्डन आवर में ही चिकित्सालय पहुँच जाता है तो उसे थ्रंबोलिसिस प्रक्रिया के अंतर्गत एक विशेष प्रकार का इंजेक्शन देकर उसे स्थिर किया जा सकता है। वहीं व्यक्ति को सीने में लगातार दर्द हो रहा हो तथा वह चार से छह घंटे में चिकित्सालय पहुँच जाता है तो उस विंडो पीरियड में थ्रंबोलिसिस प्रक्रिया पूर्ण की जा सकती है तथा मरीज की जान बचाई जा सकती है। यदि रोगी के सीने में लगातार दर्द हो रहा है तो ऐसी स्थिति में भी मरीज 12 घंटे के अंदर चिकित्सालय पहुँच जाता है तो उस पीरियड में भी थ्रंबोलिसिस प्रक्रिया के अंतर्गत एक विशेष प्रकार का इंजेक्शन देकर उसे स्थिर किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि थ्रंबोलिसिस प्रक्रिया के अंतर्गत लगाए जाने वाला इंजेक्शन, मरीज के नसों में रक्त के अवरुद्ध प्रवाह को दूर करने की प्रक्रिया को पूरा करता है। इससे मरीज स्थिर हो जाता है और उसकी जान बच जाती है। हार्ट अटैक आने या मरीज में हृदयाघात की समस्या दिखाई देने पर उसे थ्रंबोलिसिस थेरेपी दी जाती है, इससे मरीज ठीक हो जाता है।

दिव्यांग लाभार्थियों को आधार प्रमाणीकरण कराने का निर्देश

वाराणसी। जिले में 720 दिव्यांग लाभार्थियों को दिव्यांग पेंशन मिलता है। लेकिन अभी तक एक भी लाभार्थी ने अपने पेंशन का आधार प्रमाणीकरण एवं एनपीसीआई नहीं कराया है। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राम प्रकाश सिंह ने सभी दिव्यांग लाभार्थियों से अनुरोध किया है वे उनके कार्यालय में आकर अपने पेंशन का आधार प्रमाणीकरण करा ले और बैंक जाकर अपने बैंक खाते का एनपीसीआई अवश्य करा ले अन्यथा वित्तीय वर्ष समाप्त होने पर दिव्यांग पेंशन पाने से वंचित हो जायेंगे। उन्होंने बताया कि आराजीलाइन ब्लॉक में 105, बड़ागांव में 31, चिरईगांव में 55, चोलापुर में 82, हरहुआ में 35, काशी विद्यापीठ में 18, पिंडरा में 68, सेवापुरी में 88 तथा शहरी क्षेत्र में 238 दिव्यांग लाभार्थी पेंशन पाते हैं।

हरिजन बस्ती में दहेज को लेकर किया जागरूक

अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से लहरतारा कबीर प्राकट्य स्थल पर विशेष शिविर का आयोजन

वाराणसी। राष्ट्रीय सेवा योजना के कबीर प्राकट्य स्थल, लहरतारा में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर में रविवार को हरिजन बस्ती में दहेज प्रथा के विरुद्ध रैली निकाली गई। रैली में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दहेज प्रथा की बुराइयों का प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात एक संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता के समाज कार्य विभाग की प्रो. भावना वर्मा ने बताया कि हम सब अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस क्यों मनाते हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण यह है कि जिससे वह अपने जीवन से जुड़े सभी फैसले स्वयं ले सकें और परिवार तथा समाज में अच्छे से रह सकें। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना महिला सशक्तीकरण है। एनएसएस की विशेष कार्य अधिकारी डा. मंजू सिंह ने कहा कि महिला समाज की महत्वपूर्ण आधारशिला है। एक शिक्षित महिला ही पूरे समाज को शिक्षित करती है इसलिए महिला को शिक्षित करना उसके अधिकारों का बोध होना बहुत ही आवश्यक है। शिविर के बौद्धिक सत्र में डा. गरिमा रानी, टैक्सटाइल डिजाइनर ने कहा कि महिलाओं का पारिवारिक बंधनों से मुक्त होकर अपने और अपने देश के बारे में सोचने की क्षमता का विकास होना ही महिला सशक्तीकरण कहलाता है।

मंडुवाडीह थाने से एसआई विकास मौर्य, नेहा परवीन, खुशबू राय, लक्ष्मी तिवारी ने सभी स्वयंसेविकाओं के साथ महिलाओं के क्या-क्या कानूनी अधिकार है इस पर विस्तार से बातचीत की। साथ ही गुड और बेड टच के बारे में भी बताया। निशु पाल के द्वारा जिम्नास्ट का भी प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त ललित कला की छात्राओं ने रैंप वॉक के जरिए महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। यह शिविर कार्यक्रम अधिकारी डा. अंजना वर्मा, डा. वीणा वादिनी एवं एंजेला के द्वारा संचालित किया जा रहा है।

प्रशासनिक उत्पीड़न के खिलाफ ईंट-भट्ठा संचालक लामबंद

संगठन का गठन

ईंट निर्माता संघ वाराणसी मंडल के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह व महामंत्री सत्येन्द्र यादव बने

वाराणसी। सारनाथ थाना क्षेत्र स्थित एक रेस्टोरेंट में ईंट-भट्ठा संचालकों की हुई बैठक में प्रशासनिक उत्पीड़न के लिए संघर्ष करने के लिए ईंट निर्माता संघ वाराणसी मंडल का गठन हुआ। नये संगठन का सर्वसम्मति से अध्यक्ष हरिशंकर सिंह मुन्ना और महामंत्री सत्येंद्र यादव सत्या बनाया गया।

नये संगठन में लालजी यादव व सुरेश यादव उपाध्यक्ष, अमित कुमार सिंह कोषाध्यक्ष, घनश्याम सिंह यादव मंत्री, संजय सिंह बंगाली एडवोकेट महामंत्री, हेमंत कुमार सिंह सचिव, श्याम प्रताप सिंह व आलोक पांडेय संरक्षक, अरविंद सिंह व अनिल पटेल संगठन मंत्री के अलावा कार्यकारिणी सदस्य में ज्ञान चंद्र तिवारी, बाबू सिंह, नंदलाल जायसवाल, प्रवीण कुमार सिंह, अजीत सिंह सहित 55 सदस्य शामिल किये गये हैं। नवनियुक्त अध्यक्ष ने ईंट-भट्ठा संचालन में आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए संगठित होकर आवाज उठाने की बात कही। कहा कि अब हम लोग इसी संगठन के माध्यम से भट्ठा उद्योग की बेहतरी के लिए निर्णायक लड़ाई जारी रखेंगे।

उन्होंने कहा कि ईंट-भट्ठा उद्योग से जीएसटी, प्रदूषण एनओसी, खनन, जिला पंचायत टैक्स आदि मद में बड़ी धनराशि सरकार के खजाने में राजस्व के रूप में जाती है। सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलता है। लेकिन प्रशासन की ओर से आए दिन जांच के नाम पर भट्ठा संचालकों प्रताड़ित किया जा रहा है, जो न्याय संगत नहीं है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि प्रदूषण एनओसी के लिए सरल नियमावली लागू की जाए।

नवनियुक्त महामंत्री सत्येन्द्र यादव सत्या ने कहा कि जब भट्ठा संचालन का पीक सीजन होता है। उसी दौरान खनन, प्रदूषण, रॉयल्टी को लेकर भट्ठा मालिकों को प्रताड़ित किया जाता है।

भट्ठा संचालन को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए संगठित होना आवश्यक हो गया है। संगठन का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही उच्चधिकारियों और मुख्यमंत्री से मिलेगा और भट्ठा संचालन में आ रही समस्याओं से अवगत कराया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन रामलाल पटेल ने किया।

इस्कॉन मंदिर में दिखा धार्मिक सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संगम

ब्रज की होली महोत्सव

कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया

वाराणसी। इस्कॉन वाराणसी द्वारा आयोजित ब्रज की होली-फुलों की होली महोत्सव का आयोजन गुरुधाम लॉन में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भावनाओं का एक अद्भुत संगम है, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तों ने भक्ति और प्रेम के रंगों में सराबोर होकर एक अनूठा आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त किया।

महोत्सव का मुख्य आकर्षण फूलों की होली जिसमें भक्तों पर पांच क्विंटल से अधिक पुष्पों की वर्षा की गई। गुलाब और गेंदा सहित रंग-बिरंगे पुष्पों से सजे इस आयोजन में जब फूलों की वर्षा प्रारंभ हुई,तो समूचा वातावरण भक्तिरस से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय संकीर्तन बैंड द्वारा मंत्रमय संकीर्तन का विशेष आयोजन हुआ जिसके मधुर ध्वनि ने पूरे गुरुधाम लॉन को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस अवसर पर श्री श्री कृष्ण,बलराम एवं गौर निताई का भव्य अभिषेक हुआ। जिसमें विग्रहों का 21 प्रकार के रंग-बिरंगे पदार्थों व दूध,दही,शहद, गंगा जल,फल रस और विभिन्न दिव्य सामग्रियों से अभिषेक किया गया।व 5100 गुझिया महाप्रसाद का भोग लगा व भक्तों में वितरण किया गया। इस अवसर पर किशन जालान,मंदिर प्रबंधन के अध्यक्ष अच्युत मोहन दास,रामकेशव प्रभु साक्षी मुरारी प्रभु रसिक गोविंदा प्रभु मुरारी गुप्त दास प्रभु सहित अनेकों लोग ने अभिषेक किए व फूलों की होली खेली। इस आयोजन में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में वरिष्ठ संतजन, समाजसेवी, प्रशासनिक अधिकारी एवं कला एवं संस्कृति जगत से जुड़े प्रतिष्ठित लोग व भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

जमीन धोखाधड़ी में चार के खिलाफ मुकदमा

वाराणासी। सारनाथ खजूही में जमीन बिक्री के मामले में धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने रविवार को चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया एवं मामले की जांच में जुट गई। इस प्रकरण में पीड़ित की तरफ से जमीन बिक्री में धोखाधड़ी की शिकायत की गई थी। मुर्की अगाध मूर्तजीपुर, जिला गाजीपुर निवासी कृष्णानंद सिंह यादव ने नवापुरा निवासी अरविंद मौर्या पर आरोप लगवाया कि इन्होंने खजुहिं मुहल्ले में 125.39 वर्ग मीटर भूमि अमित यादव से बैनामा करवाया। जमीन पर पहले से ही बाउंड्री थी। इसके बदले में उन्होंने पूरे पैसे भी ले लिए। जमीन पर जब कब्जा लेने के लिए गया तो उस जमीन पर बरईपुर निवासी मनोज पांडे उर्फ बगड़ गुरु ने उक्त भूमि पर कब्जा किया जा रहा है एवं अपनी संपत्ति बताई जा रही है। पुलिस ने इस प्रकरण में अरविंद मौर्या, अर्चना यादव, मनोज पांडे व अमित यादव के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 316 (3) व 351 (3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया।

बअदालत उपजिलाधिकारी न्यायिक
पं0 दी0 द0 उपा0 नगर, चन्दौली
बमुकदमा नं0-T202414180404572
सम्मन बगरज एन फैसला मुकदमा आर्डर 5 कायदा 1 व 5
अमरनाथ वगै0 बनाम सरकार
बनाम
अजय कुमार व अविनाश कुमार पुत्रगण स्व0 श्यामधर, प्रियंका कुमारी व मेनका कुमारी व रेखा कुमारी पुत्रीगण स्व0 श्यामधर, घनश्याम पुत्र स्व0 दया रामजी पुत्र सोमारू। सभी निवासीगण-रेमा, पर0-धूस, तह0-पं0 दी0 द0 उपा0 नगर, जिला-चन्दौली।
बावजह हो कि वास्ते आपके नाम एकनालिष बाबत दाखिल हुआ है लिहाजा आपको लाजिम है कि खुद या बजरिये अधिवक्ता/वकील हाजिर हो कर कुछ उज्र हो आज तारीख 11 माह 03 सन् 2025 ई0 वक्त 10 बजे बमुकदमा अदालतन या बजरिये अधिवक्ता/वकील अदालत हाजा में हाजिर होकर मुकदमें की पैरवी करें वरना आपके खिलाफ एक तरफा हुक्म सादि कर दिया जायेगा। वसीका मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से आज दिनांक 07 माह 03 सन् 2025 ई0 की जारी किया गया।
उपजिलाधिकारी न्यायिक पं0 दी0 द0 उपा0 नगर, चन्दौली

जनसंदेश टाइम्स
वर्गीकृत
आवश्यकता
आवश्यकता है- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर से सम्बद्ध देवचन्द दलसिंगार भारतीय विद्यापीठ महाविद्यालय आर्यनगर, मुहम्मदपुर, शेखनपुर, गाजीपुर में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातक स्तर पर वाणिज्य वर्ग में 6 प्रवक्ता एवं स्नातक कला संकाय में अंग्रेजी-1, शिक्षाशास्त्र-1, मध्यकालीन इतिहास-1, शारीरिक शिक्षा-1 एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में राजनीति शास्त्र-2 एवं संस्कृत-2 पदों के प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान यू0जी0सी0/30 प्र0 शासन विश्वविद्यालय परिनियमावलीनुसार इच्छुक एवं अर्हत अभ्यर्थी आधार कार्ड के साथ अपना फोटो लगाकर आवेदन पत्र सम्पूर्ण शैक्षिक एवं प्रशिक्षण प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ 21 दिन के अन्दर महाविद्यालय के पते पर प्रेषित करें। साक्षात्कार की सूचना दूरभाष पंजीकरण डाक द्वारा दी जायेगी।
प्रबन्धक
मो0-9839524114, 8542842752

वाराणसी सर्राफा भाव

सोना (RTGS 999.0)
89150/inc.GST

चांदी (99.50)
98350/- प्रति किलो

चांदी सिक्का
120000/- प्रति सैकड़ा

वाराणसी नामा

एमनेस्टी योजना बनी जी का जंजाल

हर रोज पांच व्यापारियों को जोड़ने का लक्ष्य पूरा करने में छूट रहा पसीना

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। राज्य कर विभाग के अधिकारियों के लिए एमनेस्टी योजना जी का जंजाल बन गयी है। कारण, एमनेस्टी योजना के तहत खंड के प्रत्येक अधिकारियों को रोजाना पांच-पांच व्यापारियों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए अधिकारियों को पसीने छूट रहे हैं। अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर बेचैनी का आलम है कि यदि लक्ष्य पूरा नहीं हुआ तो विभागीय कार्रवाई की तलवार उन पर लटक सकती है।

विभागीय जानकारों की मानें तो प्रदेश में राज्य कर विभाग में 436 खंड हैं, जिनमें लगभग 1200 अधिकारी तैनात हैं। बमुश्किल पांच से दस फीसदी अधिकारी ही रोजाना पांच व्यापारियों को इस योजना में जोड़ने में सफल हो रहे हैं। लक्ष्य पूरा न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश प्रमुख सचिव एम. देवराज ने दिए हैं।

राज्य कर विभाग

लक्ष्य पूरा न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की तैयारी

प्रमुख सचिव ने इस संबंध में समस्त जोनल एडिशनल कमिश्नरों को जारी पत्र में साफ कहा है कि हर हाल में रोजाना पांच केस एमनेस्टी योजना में शामिल करने ही हैं। इसे पूरा न करने वाले अधिकारी का नाम निलंबन के लिए भेज दिया जाएगा।

क्या है एमनेस्टी योजना

एमनेस्टी योजना कारोबारियों को जीएसटी मामलों में ब्याज और जुर्माने से राहत दे रही है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18, वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 के मामलों में राहत मिलेगी। इन तीन वित्त वर्षों के मामलों को एमनेस्टी योजना में लाने से कारोबारियों को केवल टैक्स देना पड़ेगा। ब्याज व पेनाल्टी से छूट मिल जाएगी। प्रदेश में लगभग 1.92 लाख व्यापारी एमनेस्टी योजना के दायरे में हैं। उन पर विभाग के 7816 करोड़ रुपये बकाया है। टैक्स चुकाने पर 5150 करोड़ रुपये के ब्याज और 1213 करोड़ रुपये पेनाल्टी की छूट मिलेगी।

विभागीय जानकारों की मानें तो एमनेस्टी योजना स्वैच्छिक है। व्यापारियों को इसमें शामिल करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। यही वजह है कि लगभग 1.92 लाख केसों में से अभी तक करीब 25 हजार ने ही योजना में अपील के लिए आवेदन किया है। इस योजना की अंतिम तारीख 31 मार्च है। सबसे ज्यादा विवादों के मामले लखनऊ जोन में हैं, जहां करीब 22 हजार केस हैं। दूसरे नंबर पर 19 हजार केस के साथ वाराणसी है। तीसरे नंबर पर 18500 केस लेकर गाजियाबाद है। चौथे नंबर पर 14 हजार केस कानपुर में और पांचवें पर 13500 केस मुरादाबाद में हैं। छठे स्थान पर 10 हजार मामले गोरखपुर के हैं।

पांडेयपुर चौराहे पर सजी पांच चिताओं की होलिका

प्रतिस्पर्धा का माहौल

सात-सात मन आम की लकड़ी से सजी चिताएं लोगों में कौतूहल

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। वरुणापार स्थित पांडेयपुर चौराहे पर पांच चिताओं की होलिका सजायी गयी है। प्रतिस्पर्धा के माहौल के चलते कुछ अलग दिखने की चाहत ने युवाओं ने जो होलिका सजायी है, उससे लोगों में काफी कौतूहल है। हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि ऐसी होलिका नहीं सजानी चाहिए।

पांडेयपुर चौराहे पर होलिका के सामने सात-सात मन आम की लकड़ी से पांच चिताये सजायी गयी है। जो राहगीरों के लिए न सिर्फ कौतूहल का विषय बन गया है, बल्कि लोग रुक कर उसकी फोटो मोबाइल में कैद कर रहे हैं, जिससे अधिकांश समय जाम की समस्या भी उत्पन्न हो जा रही है। पाण्डेयपुर चौराहे पर हनुमानजी मन्दिर के पास होलिका सजाई गयी हैं। जहां होलिका और प्रहलाद के अलावा चिताए सजायी गयी है। सभी चिताओं पर प्रतीकात्मक स्वरूप पांच शव को भी लिटाया गया है।

शव को कन्धा देने, उन चिताओं के पास दाग देने वाला मारकिन कपड़ा धारण कर अग्नि देने व शव को बास से पीटता स्ट्रेचू भी स्थापित किया गया हैं। साथ ही शव के अवशेष हड्डियों को ले जाता स्वान को भी स्थापित किया गया हैं। मुख्य होलिका में होलिका की बड़ी मूर्ति व प्रहलाद को भी स्थापित किया गया हैं।

होली पर सपा करेगी पीडीए मिलन समारोह

वाराणसी। समाजवादी पार्टी होली पर प्रदेश के जिलों में पीडीए मिलन समारोह का आयोजन करेगी। इसे लेकर प्रदेश के सभी जिलों में तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

पार्टी सूत्रों की मानें तो होली पर समाजवादी पार्टी एवं इनके फ्रंटल संगठनों की तरफ से पीडीए मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों में तैयारियां भी शुरू की जा चुकी है। पीडीए मिलन समारोह के जरिये पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) को पार्टी की नीतियों और संविधान के संबंध में जानकारियां दी जाएंगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सपा पीडीए के बीच लगातार अभियान चला रही है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में इसका उसे फायदा मिल सके। लोकसभा चुनाव में पीडीए की रणनीति सफल होने के बाद पार्टी इसे लगातार आगे बढ़ा रही है।

तैयारी शुरू

जिला एवं महानगर इकाइयों को दिये गये निर्देश

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि पीडीए से सत्ताधारी दल भी डरा है। इसलिए भाजपा के नेता भी अपनी सभाओं में, सदन और सदन के बाहर भी सपा की इस रणनीति का जिक्र करते हैं। इसलिए पार्टी ने फैसला किया है कि होली के अवसर पर सभी जिलों में छोटे-छोटे पीडीए मिलन समारोह कर-के इन वर्गों में पैठ बढ़ाई जाए। जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट का कहना है कि पार्टी की तरफ से होली पर पीडीए मिलन समारोह मनाने का निर्देश मिला है। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गयी है। इसके लिए सभी फ्रंटल संगठनों को भी गाइडलाइन जारी की जा चुकी है।

विद्युत भवन के मेन गेट पर गरजे अवर अभियंता

निजीकरण का विरोध

अवर अभियंताओं के महापंचायत से घबराए प्रबंधन ने बंद कर दिया मेन गेट

सड़क पर भी सरकार विरोधी नारेबाजी के बीच अभियंताओं ने दिखायी एकजुटता

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन उत्तर प्रदेश के बैनर तले अवर अभियंताओं ने रविवार को भिखारीपुर स्थित विद्युत भवन के मेन गेट पर महापंचायत की और निजीकरण के खिलाफ जोरदार आवाज बुलंद की। अवर अभियंताओं के महापंचायत से घबराएं पूर्वांचल-डिस्कॉम प्रबंधन ने मेन गेट बंद कर दिया था। ऐसे में अवर अभियंताओं ने सड़क पर ही सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए अपनी एकजुटता का परिचय दिया। अवर अभियंताओं के महापंचायत को देखते हुए शनिवार को ही पूर्वांचल-डिस्कॉम मुख्यालय पर पुलिस फोर्स तैनात कर दी गयी थी। रविवार को तो फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंच गयी थी। बावजूद इसके अवर अभियंता काफी संख्या में जुटे और पूर्वांचल-डिस्कॉम प्रबंधन के तानाशाही रवैये की निंदा की। महापंचायत में पूर्वांचल के 21 जनपदों के समस्त पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। केन्द्रीय महासचिव व पूर्वांचल अध्यक्ष बलबीर यादव ने कहा कि प्रबंधन का तानाशाही रवैया लगातार जारी है। पूर्व में दिए गए नोटिस के बावजूद मेन गेट बंद कर दिया गया। डिस्कॉम प्रबंधन को एक सप्ताह पूर्व ही नोटिस दिया गया था, लेकिन प्रबंधन ने महापंचायत न करने की कोई सूचना नहीं दी। ऐसे में अवर अभियंता जुटे और अपनी मांगों को जोरदार तरीके से रखा।

वक्ताओं ने कहा कि पूर्वांचल-डिस्कॉम प्रबंधन ने बाहर कॉलोनी के मेन गेट पर ही रोक कर औद्योगिक अशांति पैदा करने का प्रयास किया है। जिससे संगठन के सभी सदस्यों में काफी रोष व्याप्त है। संगठन के सभी सदस्य गेट के बाहर बने फुटपाथ पर ही निजीकरण के विरुद्ध महापंचायत व जनजागरण अभियान चलाया। पूर्वांचल संरक्षक अवधेश मिश्रा ने कहा कि ऊर्जा विभाग सार्वजनिक क्षेत्र का एक विभाग है, जिसमें रोजगार के अवसर अन्य विभागों की तुलना में बहुत अधिक है। यदि ऊर्जा क्षेत्र का निजीकरण होता है तो रोजगार के अवसर समाप्त हो जायेंगे। महापंचायत को दीपक गुप्ता, उपेंद्र कुमार, सियाराम यादव, अभिषेक मौर्या, राम सिंह, नीरज बिन्द, शिवम चौधरी, प्रमोद यादव, अवधेश कुमार, निर्भीक भारती, रोहित कुमार, मनीष राय, जितेन्द्र प्रसाद, सुनील सिंह, अनिल शुक्ला, गुलाब चन्द, लालव्रत, नागेंद्र सरोज, सतीश बिन्द, रामाशीष, नवनीत यादव, जफर इकबाल, विकास दुबे, वेद प्रकाश तिवारी आदि ने संबोधित किया।

पोस्टर से बताया चिता भस्म की होली सनातन के विरुद्ध

विरोध

पक्के महाल सहित अन्य क्षेत्रों की गलियों में विरोध के लिए चिपकाये गये पोस्टर

वाराणसी। बीते कुछ सालों में कुछ लोगों की ओर से मर्णिकर्णिका घाट पर आयोजित की जाने वाले चिता भस्म की होली का विरोध काशी की गलियों में भी शुरू हो गयी है। पक्के महाल सहित अन्य गलियों में पोस्टर चिपकाकर लोगों से अपील किया गया है कि इसमें शामिल ना हों और इसका विरोध करें क्योंकि इस तरह की होली को आमजनों को खेलने का का कोई औचित्य नहीं हैं।

चिता भस्म की होली में मर्णिकर्णिका घाट पर जलती चिताओं के बीच लाखों लोगों की उपस्थिति में ऐसी होली खेली जाती है, जो रंगों से नहीं बल्कि चिता की राख होती है। इस तरह की होली बीते कुछ वर्षों में ब्रांड बना दिया गया है। पिछले साल इसी होली के दौरान विश्वनाथ कॉरिडोर में खूब जूता चप्पल चला था। बिना किसी के सामने आये लोगों ने पोस्टर के माध्यम से लोगों से अपील किया है कि इस तरह की हुड़दंग बंद होना चाहिए। सभी ने लोगों से कहा कि ऐसे आयोजन बंद कर देना चाहिए।

होली पर घर आने वालों की डगर नहीं आसां

मुसीबत

महानगरों से आने वाली ट्रेनों में वेटिंग की लम्बी फेहरिस्त

सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत के यात्री भी वेटिंग की कतार में

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। महानगरों में रहनें वाले लोगों के लिए अपने घर पर होली मनाना इस बार आसान नही होगा। सफर की डगर कठीन होती दिख रही है। ऐसे में दलाल टिकट पर पूरी तरह हावी होंगे। और यात्रियों की जेब पर डाका डालने का काम करेंगे। 14 मार्च को होली है। इसके लिए महानगरों में रहने वाले लोग छह मार्च से ही अपने घरों की रवानगी करेंगे। छह मार्च से प्रमुख ट्रेनों में वेटिंग देखी जा रही है।

हांलाकि रेल प्रशासन का साफ कहना है कि दलालों पर अंकुश लगा दिया गया है इसके साथ ही टिकट पर नजर रखी जा रही है ताकि फर्जी तरीके से कोई भी टिकट ना बनवा सके।

एक नजर में सीट की स्थिति : दिल्ली से वाराणसी आने वाली वंदे भारत के चेयरकार में 10 मार्च को 79 ईसी में 28, 11 मार्च को 158 व 49 की वेटिंग है। 12 मार्च को 17 व 31 की वेटिंग है दिल्ली से बनारस आने वाली ट्रेनों में शिवगंगा एक्सप्रेस में 10 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 11, द्वितीय वातानुकुलित में 63, तृतीय वातानुकुलित में 115 व शयनयान में 266 की वेटिंग वहीं 11 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 15,द्वितीय में 59,तृतीय में 113 व शयनयान में 296 की वेटिंग, 12 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 4,द्वितीय में 22,तृतीय में 46 व शयनयान में 177 की वेटिंग, दिल्ली मंडुआडीह एक्सप्रेस में 10 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 11, द्वितीय में 53,तृतीय में 123 व शयनयान में 204 की वेटिंग, 11 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 8,द्वितीय में 37 तृतीय में 90 व शयनयान में 232 की वेटिंग, 12 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 4, द्वितीय में 16 तृतीय में 34 व शयनयान में 134 की वेटिंग, वहीं पूर्वा एक्सप्रेस में 10 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 8 द्वितीय में 38 व शयनयान में नो टिकट है। 12 मार्च को प्रथम में 3 द्वितीय में 7 व शयनयान में नो टिकट है। श्रमजीवी एक्सप्रेस में 10 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में रिग्रेट, द्वितीय में 15 तृतीय में 43 व शयनयान में 198 की वेटिंग, 11 मार्च प्रथम वातानुकुलित में रिग्रेट, द्वितीय में रिग्रेट,तृतीय में 68 व शयनयान में रिग्रेट,12 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में रिग्रेट द्वितीय रिग्रेट तृतीय में 54 54,व शयनयान में रिग्रेट,काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस में 10 मार्च प्रथम वातानुकुलित में 2, द्वितीय में 12,तृतीय में 23 व शयनयान में 64,11 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 5,द्वितीय में 18,तृतीय में 39 व शयनयान में 95 की वेटिंग है। 12 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 2 द्वितीय 16 तृतीय व शयनयान 83 की वेटिंग है।

मुम्बई वाली ट्रेनों पर एक नजर

महानगरी एक्सप्रेस में 10 मार्च द्वितीय वातानुकुलित में 13,तृतीय में 25 व शयनयान में 98 की वेटिंग, 11 मार्च को द्वितीय में 12,तृतीय में 31 शयनयान में 115 की वेटिंग 12 मार्च को द्वितीय में 11 तृतीय में 28 शयनयान में 129 की वेटिंग। लोकमान्य तिलक मंडुआडीह एक्सप्रेस में 10 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 4,द्वितीय में 13 तृतीय में 14 व शयनयान में 81 वेटिंग 11 मार्च को प्रथम वातानुकुलित में 5 द्वितीय में 13 तृतीय में 13 शयनयान में 105 की वेटिंग 12 मार्च को प्रथम में 4 द्वितीय में 9 तृतीय में 25 शयनयान में 115 की वेटिंग।

बाबा और गौरा की चल प्रतिमाओं का शास्त्रीय अर्चना से पूजन

वाराणसी। रंगभरी एकादशी त्रिदिवसीय लोक उत्सव की श्रृंखला में इस वर्ष मंदिर के पारंपरिक पर्व को लोकमानस के और निकट लाने का प्रयास किया गया। दिनांक 8 मार्च 2025 को बाबा विश्वनाथ एवं मां गौरा की चल प्रतिमा शास्त्रीय अर्चना के साथ मंदिर चौक में शिवार्चनम मंच के निकट तीन दिन के लिए विराजमान की गई। यह विशेष आयोजन भक्तों और श्रद्धालुओं के बीच गहरे धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से किया गया।

रंगभरी उत्सव की इसी श्रृंखला में रविवार को प्रातः वेला में मथुरा श्री कृष्ण जन्मस्थल से बाबा विश्वनाथ के लिए भेंट की गई अबीर एवं उपहार सामग्री तथा सोनभद्र से श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे वनवासी समाज के भक्तों द्वारा राजकीय फूल पलाश से निर्मित हर्बल गुलाल को प्रातः वेला में बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह में अर्पित किया गया। इस पूजन में मंदिर न्यास का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री विश्व भूषण मिश्र एवं डिप्टी कलेक्टर श्री शम्भु शरण ने विधि-विधानपूर्वक श्री विश्वेश्वर का पूजन किया और हर्बल गुलाल अर्पित किया। इसके पश्चात बाबा विश्वनाथ की चल रजत प्रतिमा की पालकी मंदिर चौक में निकाली गई। यह यात्रा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय काशिवाशियों के बीच एक विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। हजारों श्रद्धालुओं ने इस यात्रा में भाग लिया और बाबा विश्वनाथ एवं मां गौरा की प्रतिमा पर हल्दी लगाने की प्रथा का निर्वहन किया, जो इस उत्सव की एक अहम धार्मिक परंपरा है। बाबा विश्वनाथ के हल्दी समारोह में विशेष रूप से मथुरा से आए भक्तगण, श्री कृष्ण जन्मस्थली से बाबा विश्वनाथ हेतु उपहार सामग्री लेकर आए भक्त, प्रसिद्ध इतिहासकार एवं लेखक श्री विक्रम सम्पत जी, और वनवासी समाज के भक्तों ने अपनी सहभागिता की। इस आयोजन के माध्यम से न केवल काशी के भक्तों का एकजुटता और आस्था का प्रदर्शन हुआ, बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक एवं परंपराओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। मंदिर प्रशासन की ओर से यह आयोजन बहुत ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ।

मोदी मैजिक, योगी पिचकारी के बीच राकेट लांचर व अनार के प्रति दीवानगी

जितेंद्र श्रीवास्तव

होली बाजार

अब भी युवाओं में 'बाबा का बुलडोजर' की निकल रही डिमांड

थोक व फुटकर बाजार में तरह-तरह की पिचकारियों की भरमार

रंगों के बाजार में भारतीय उत्पादों का दिख रहा जबर्दस्त जलवा

वाराणसी। होली बाजार में मोदी मैजिक, योगी पिचकारी के बीच राकेट लांचर और अनार के प्रति दीवानगी देखने को मिल रही है। इतना ही नहीं, रंगोत्सव बाजार पर सियासत का रंग भी सिर चढ़कर बोल रहा है। बाजार में जिधर नजर डालिए, उधर मोदी, योगी की फोटोयुक्त पिचकारियों की भरमार है। युवाओं के बीच अभी भी 'बाबा का बुलडोजर' की डिमांड निकल रही है। राकेश लांचर से गोली नहीं बल्कि रंगों की बरसात होगी तो वहीं अनार भी चिंगारी के बदले रंग बरसाएगा। कहने में संकोच नहीं कि फिजांओं में अब रंगोत्सव का उल्लास घुलने लगा है। थोक और फुटकर बाजार में ग्राहकों की भीड़ नजर आ रही है।

थोक कारोबारियों की माने तो इस बार भी बाजार में मोदी की फोटोवाली पिचकारी, मुखौटा और टीशर्ट भी मौजूद है। इलेक्ट्रानिक्स गन भी धूम मचाए हुए हैं। इस बार भी पिठ्ठू बंदूक से लेकर डोरेमोन वाटर टैंक वैरायटी की पिचकरियां नजर आ रही है। बच्चे मास्क, पिचकारी वाटरमैन, वाटर बैलून की खरीदारी करते नजर आ रहे हैं। बेलन-हथौड़ा जैसे यूनिक पिचकारी भी लोग खरीद रहे है। इसके अलावा, भगवान भोलेनाथ के त्रिशूल, डमरू और बांसुरी के डिजाइन वाली पिचकारियों की भी खूब मांग बढ़ गई है। थोक मंडी हड़हासराय हो राजादरवाजा, यहां पर इस बार भी योगी बाबा के बुलडोजर और मोदी व योगी पिचकारी तथा मुखौटे की जबरदस्त मांग निकल रही है। अधिकांश थोक की दुकानों से बुलडोजर पिचकारी गायब हो चुकी है। इसके अलावा केसरिया टोपी, मोदी-योगी की फोटो वाली टी-शर्ट भी लोगों को भा रही है। कारोबारियों की मानें तो इस बार होली बाजार भारतीय पिचकारियों से पटा है। बुलडोजर बाबा पिचकारी के अलावा मोदी मैजिक, योगी पिचकारी, प्रियंका पिचकारी, राजीव पिचकारी, स्पाइडर मैन, छोटा भीम नाम की भी पिचकारियां भी बाजार में हैं, लेकिन लोगों का सबसे अधिक रुझान मोदी-योगी और बुलडोजर पिचकारी की ही ओर है।

साथ ही बच्चों के कार्टून वाली डोरेमन, मोटू-पतलू और सिने अभिनेताओं की फोटो वाली पिचकारियों की भी बिक्री हो रही है। शहर और देहात क्षेत्र के कोने-कोने में होली के अस्थायी स्टॉल लग गये हैं। बच्चों और बड़ों को लुभाने के लिए तरह-तरह के मैजिक गुलाल गन व इंडियन पिचकारियां बाजार में उपलब्ध हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगे पिचकारियों और रंग-गुलाल की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ बढ़ने लगी है। होली बाजार में इस वर्ष खास बात यह है कि चाइना कारोबार पर असर पड़ा है।

इन पिचकारियों की भी निकल रही डिमांड

होली बाजार में सीरिज पंप, छड़ी, तलवार, साका-लाका-बूमबूम, लांचर, बस्ता (टंकी वाली), त्रिशुल, एके 47, सिक्स राउंड कट्टा, माउजर है तो चूहा, मछली, डायनासोर, कंगारू, शिशु, कुत्ता, शेर, भालू, हाथी, अप्पू, मास्क, टैंक, स्पाइडरमैन, मोबाइल, जंबोजेट, बंदूक, पावर रेंजर, एयर होस्टेज, चिड़िया, पबजी मॉडल की स्टेन गन, पिट्ठू ठंकी, एयरगन आदि शेफवाली पिचकारियां भी है। इनकी भी डिमांड निकल रही है।

रंग-बिरंगी विग भी लोगों को लुभा रहे

पिचकारियों की दुकानों में टंगी रंग-बिरंगी विग की भी खूब बिक्री हो रही है। विविध प्रकार के हेयर स्टाइल वाली विग लोगों को भा रही है। इसके अलावा बाबाओं की जटा और महिलाओं के बालों वाली रंग-बिरंगी विग की भी भरमार है।

कार्टून कैरेक्टर वाले मास्क बच्चों की पसंद

बाजार में बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाले रंग-बिरंगे मास्क देखे जा सकते हैं। इसमें छोटा भीम, एवेंजर, स्पाइडर मैन, हल्क और घोस्ट, बार्बी डॉल्स, मोनो फिश, आयरन मैन, बैटमैन, रोबोट, कैप्टन अमेरिका वाले मास्क मुख्य हैं। होली बाजार में सेलिब्रिटी वाले विग भी खूब बिक रहे हैं। इस बार बाजार में टी-शर्ट के साथ कुर्ती भी उपलब्ध है। यह लोगों को काफी आकर्षित कर रहा है।

देशी कंपनियों की पिचकारियां और हर्बल रंग-गुलाल की डिमांड निकलने लगी है। क्योंकि उपभोक्ता इन्हें काफी पसंद कर रहे है। पूर्वांचल की थोक मंडी काशी में हैं। यहां से पूर्वांचल ही नहीं, बिहार के भी कुछ जिलों के व्यापारी यहां से खरीदारी करते हैं। इन दिनों थोक मंडी में होली के लिए पिचकारी, मुखौटे, बाल, रंग-गुलाल आदि की भरमार है। सबसे अधिक मोदी के मुखौटे व भाजपा नाम की पिचकारी की धूम हैं। कारोबारियों ने बताया कि बाजार में हर तरह की पिचकारियों का स्टॉक पहले ही बना लिया गया था।

होली के एक पखवारे पहले से ही बिक्री शुरू हो जाती है। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार के भी कुछ हिस्सों के फुटकर व्यापारी खरीदारी में मगशूल है। सबसे अधिक मांग मोदी-योगी पिचकारी और मुखौटे की निकल रही है। बाजार पर पूरी तरह से मेड इन इंडिया पिचकारियों का कब्जा है। कहने का आशय यह कि रंगों के बाजार में भारतीय उत्पाद धूम मचा रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि इस बार भी बुलडोजर पिचकारी की जबरदस्त मांग है।

कुछ दुकानों पर ही बुलडोजर पिचकारी बची हैं। अधिकतर दुकानों से ये गायब हैं, इससे ग्राहक निराश हो रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार त्रिशूल वाली, रॉकेट लांचर डिजाइन और अनार बम जैसी अनोखी पिचकारियां भी लोगों को खूब पसंद आ रही हैं।

अंततः बनने लगीं पहड़िया मंडी की सड़कें

सुधरेंगे हालात

फल मंडी को जाने वाले जर्जर मार्ग पर आरसीसी ढलाई से बनी सड़क

गुणवत्ता की खातिर मंडी के अधिकारी कर रहे लगातार कार्यों की मॉनीटरिंग

वाराणसी। पहड़िया मंडी के आढ़तियों और व्यापारियों का संघर्ष रंग लाया और मंडी के अंदर की सड़कें बननी शुरू हो गयी है। फल मंडी की तरफ जाने वाले जर्जर मार्ग पर आरसीसी ढलाई से सड़क बनायी जा रही है। गुणवत्ता की खातिर मंडी के अधिकारी लगातार कार्यों की मॉनीटरिंग भी कर रहे हैं। आढ़तियों का कहना है कि पहड़िया फल एवं सब्जी मंडी की जर्जर सड़क व गंदगी के बीच कारोबार दुश्वार हो गया है। सालों से इस परेशानी को न सिर्फ आढ़तियां, बल्कि कारोबारी भी झेल रहे हैं। गैर जिलों से आने वाले व्यापारी और खरीदार तो यहां की व्यवस्था को कोसते नहीं थकते थे। इसके लिए लगातार कई बार संघर्ष हुआ तो अब जाकर प्रदेश मुख्यालय और अधिकारियों की तंद्रा टूटी है और जर्जर सड़क की जगह आरसीसी सड़क बनाने का काम शुरू हो चुका है।

मंडी के प्रवेश द्वार गेट नम्बर एक से फल मंडी को जाने वाले मार्ग पर आरसीसी ढलाई से सड़क का निर्माण का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। कार्यदायी एजेंसी के संतोष सिंह व मनोज सिंह की देखरेख में यह कार्य हो रहा है। बीच-बीच में मंडी उपनिदेशक निर्माण सुरेन्द्र कुमार वर्मा व मंडी उपनिदेशक प्रशासन/विपणन जैनेन्द्र सिंह निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग करते हुए ठेकेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी देते रहते हैं।

सर्व वैश्य समाज का होली मिलन समारोह 16 को

वाराणसी। सर्व वैश्य द्वारा 16 मार्च शाम 4.30 बजे से रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर सिगरा मे होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रख्यात लोक गायिका मालिनी अवस्थी द्वारा सांस्कृति प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर वैश्य समाज के सभी घटकों की बैठक रविवार को सर्किट हाउस में हुई।

वैश्य समाज के सभी घटकों से अनुरोध किया गया कि अधिक से अधिक संख्या मे सपरिवार उपस्थित होकर होली मिलन को सफल बनाएं। बैठक की अध्यक्षता कर रहे उद्यमी आरके चौधरी ने सभी वैश्य भाइयों से कार्यक्रम में सहभागिता करने का आह्वान किया। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमाशंकर अग्रवाल ने बताया कि लगभग 1100 वैश्य परिवार की उपस्थिति मे होली मिलन का कार्यक्रम चाट, गुझिया ठंडई के साथ होगा। बैठक मे मनोज मद्धेसिया, रविशंकर सिंह, पंकज अग्रवाल, अरविन्द जायसवाल, मनोज जायसवाल, अवधेश गुप्ता, राजीव अग्रवाल, सत्यनारायण सेठ, पवन अग्रवाल, हेमदेव अग्रवाल, राकेश जायसवाल सहित सभी उपस्थित रहे।

संक्षेप

दीक्षा को मिस फ्रेशर व विशाल को मिस्टर फ्रेशर का खिताब

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के शिक्षाशास्त्र विभाग में बीएड तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए फ्रेशर्स पार्टी 'रूबरू' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रैंप वॉक, गायन, कविता पाठ, लोक नृत्य, क्विज आदि प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दीक्षा सिंह को मिस फ्रेशर एवं विशाल को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र राम ने कहा इस तरह के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में छिपी हुई प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिताओं में भाग लेना महत्वपूर्ण होता है न कि विजय प्राप्त करना। उन्होंने बताया कि हमारे युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, उन्हें उचित तरीके से तराशने की आवश्यकता है। स्वागत भानु प्रताप यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. रमाकांत सिंह, डा. राखी देब, डा. राजेंद्र यादव, डा. अभिलाषा जायसवाल, डा. रमेश प्रजापति, डा. ज्योत्सना राय, डा. पवन कुमार सिंह, शिखा राय, बादल सिंह, कृष्णा, नयन भूषण राय, बृजेश मौर्य, अंकित दुबे, ऋषभ, संभव, अमर, आभाष, मोहित कुमार यादव, बृजेश मौर्य, आभास जोशी, अंकित दुबे, अंजलि, सुप्रिया आदि उपस्थित रहे।

चाक और दोना पत्तल मशीन वितरित

वाराणसी। माटीकला बोर्ड, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से जिला उद्योग केंद्र सभागार में सेमिनार का आयोजन हुआ। इसमें 32 विद्युत चलित चाक, 10 मोटराज्ड दोना पत्तल मशीन का वितरण किया गया। संयुक्त आयुक्त उद्योग उमेश सिंह एवं माटीकला बोर्ड के पूर्व सदस्य अजीत प्रजापति ने बताया कि सेमिनार का मुख्य उद्देश्य मिट्टी का उत्पाद बनाने वाले कारीगरों और शिल्पियों के व्यवसाय में वृद्धि करने, कलाकारों की परम्परागत कला को संरक्षित करने तथा उनकी सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सुदृढ़ता एवं तकनीकी विकास को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी विनोद कुमार सिंह, गिरजा प्रसाद, परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह आदि थे।

प्रदेश स्तरीय भाषण में काशी विद्यापीठ उपजेता

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस -2025 के अवसर पर राजभवन, लखनऊ में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. शैला परवीन ने बताया कि बीएससी तृतीय सेमेस्टर की विद्यार्थी स्वाति, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय,चंदौली ने अनुसूचित जनजाति संवर्ग में हुई प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में भाषण एवं नाट्य प्रस्तुति प्रतियोगिताओं के तीसरे एवं अंतिम चरण का आयोजन कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में राजभवन, लखनऊ में आयोजित हुआ। कुलाधिपति ने विजयी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रो. शैला परवीन ने बताया कि प्रथम चरण में विश्वविद्यालय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिता संपन्न हुई थी। वहीं, द्वितीय चरण में उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों को छह समूहों में बांटा गया था। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ को समूह चार में रखा गया था। इसके बाद तृतीय चरण राजभवन लखनऊ में आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय को द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी ने स्वाति सहित कार्यक्रम समन्वयक प्रो. शैला परवीन, नोडल अधिकारी प्रो. राजेश मिश्रा एवं उनकी पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

स्वयं सेवकों ने स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

अभियान

काशी विद्यापीठ के एनएसएस स्वयंसेवकों ने सामने घाट मलिन बस्ती में चलाया स्वच्छता अभियान

वाराणसी। राष्ट्रीय सेवा योजना, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के तत्वावधान में सात दिवसीय (दिन/रात) विशेष शिविर के छठवें दिन रविवार को गायत्री शक्तिपीठ सामने घाट, नगवा में स्वच्छता अभियान एवं समुदाय सेवा का कार्य किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डा. ध्यानेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में नगवां मलिन बस्ती एवं संत रविदास घाट पर व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही स्वयंसेवकों ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। शिविर में मोहम्मद शुऐब अली, नारायणजी चौबे, हर्ष गुप्ता, सुमित रावत, आर्यन मौर्य, प्रियांशु, कार्तिकेय, अंकित, विधान, प्रिंस सिंह, आदित्य अग्रहरि, सोनू, आकाश, अनुराग, कृष त्रिपाठी, अर्पित जायसवाल, आनंद, अंकुश, वरुण, सिद्धार्थ, यशदीप, आदित्य, रोहन सहित 50 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

उदपुर में लगी चौपाल में उठे स्थानीय मुद्दे

पिंडरा। लोकजन सोशलिस्ट पार्टी द्वारा रविवार को पिंडरा विस क्षेत्र के उदपुर गांव में चौपाल लगाई गई। इस दौरान ग्रामीणों ने तमाम स्थानीय समस्याएं रखी, जिन्हें पत्रक के माध्यम से मुख्यमंत्री समेत अन्य अधिकारियों मांग पत्र सौंपकर समस्याओं का निस्तारण कराने का आश्वासन दिया गया।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. वीरेंद्र विश्वकर्मा ने चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बावजूद उदपुर के लोग सड़क, पानी और खेतों की सिंचाई की समस्या से जूझ रहे हैं। चौपाल के दौरान संविधान को बचाने और जातिगत जनगणना कराने तथा ईवीएम से चुनाव न कराकर बैलेट पेपर से कराने की मांग उठी। चौपाल में जनसमस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री समेत संबंधित अधिकारियों से मिलकर समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया। चौपाल की अध्यक्षता सुनील स्वर्णकार ने स्वागत राजेन्द्र उर्फ विधायक ने संचालन चंद्रप्रकाश स्वर्णकार व धन्यवाद ज्ञापन संजय यादव ने दिया। इस दौरान प्रमुख रूप से सुभाष सरोज, दिनेश शर्मा, गुड्डू विश्वकर्मा, साहिल खान, पूर्व प्रधान श्यामलाल विश्वकर्मा, धर्मेंद्र प्रजापति समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

भयमुक्त होने पर ही जीवन सुंदर : शंकरानंद

संवाद

बीएचयू के वाणिज्य संकाय के प्लेटिनम सभागार में 'शोधार्थी संवाद' कार्यक्रम

वाराणसी। श्रवण, चिंतन, अध्ययन, विश्लेषण, आत्मावलोकन, प्रवचन, निदिध्यासन, लेखन और व्याख्यान- इन नौ प्रक्रियाओं से गुजरकर ही हमारी साधना पूरी होती है। यह बातें कहीं भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल? भारतीय संगठन? मंत्री और वरिष्ठ चिंतक बीआर शंकरानंद ने। वह भारतीय शिक्षण मंडल, काशी प्रांत द्वारा बीएचयू के? वाणिज्य संकाय के प्लेटिनम सभागार में रविवार को आयोजित 'शोधार्थी संवाद' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में 'विजन फॉर विकसित भारत' के ग्यारस संवर्गों के शोधार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इन? नौ प्रक्रियाओं से गुजरकर यदि आप अपने व्यक्तित्व का निर्माण करेंगे तो अपने क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करेंगे। इसके लिए? यह भी आवश्यक है कि आप हर? तरह से भयमुक्त हों।

उन्होंने कहा कि भय से मुक्ति के लिए 'छांदोग्योपनिषद्' में छह बिंदु बताए गए हैं - युवास्यात, साधु युवा, आध्यायक, आशिष्ठः यानी बड़े लोगों के आशीर्वाद प्राप्त करने की पात्रता और उदात्त भाव, दृढिष्ठः यानी जबरदस्त मनोबल और बलिष्ठः यानी बलवान। इन तत्त्वों से युक्त युवक समृद्ध से भरी हुई भूमि का स्वामित्व प्राप्त करता है यानी उसमें अद्भुत नेतृत्व की क्षमता आती है। इस आयोजन में काशी और प्रयाग क्षेत्र के सौ से अधिक शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राजीव उपाध्याय ने और संचालन प्रो. रचना शर्मा ने किया। समारोह में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री सुनील शर्मा, अखिल भारतीय सह-प्रचार प्रमुख डा. अनिल कुमार सिंह और काशी प्रांत के उपाध्यक्ष प्रो. हरेंद्र कुमार सिंह, प्रांत मंत्री डा. अशोक कुमार ज्योति, सचिन कुमार सिंह, अशोक बिश्नोई, डा. अभिजीत कुमार सिंह, सत्यवीर, ज्योति पटेल, श्वेता पांडेय, कश्यप कुमार, स्वर्णिमा तिवारी आदि उपस्थित थे।जजज

कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में बनेंगे ओपन जिम

प्लान

विद्यालय की छात्राओं को स्वस्थ रखने व खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की योजना

वाराणसी। जनपद में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में जल्द ही अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कर ओपन जिम की स्थापना की जाएगी। यहां की छात्राओं को स्वस्थ रखने व खेलकूद प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की योजना पर भी तेजी से काम चल रहा है। अब केजीबीवी में ओपन जिम भी बनाए जाएंगे। केंद्र सरकार की प्रोजेक्ट एडवायजरी बोर्ड (पीएबी) की बैठक में इस पर सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। हाल ही में हुई बैठक में तय किया गया है कि ओपन जिम के लिए 13.66 करोड़ रुपये प्रदेश के सभी विद्यालयों को दिए जाएंगे। इसके साथ ही 683 कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में खेलकूद सामग्री खरीदने के लिए प्रति विद्यालय दो-दो लाख रुपये कुल 13.66 करोड़ दिए जाएंगे। वहीं एक कस्तूरबा विद्यालय, एक खेल योजना को भी बढ़ावा देने के लिए पीएबी ने सहमति दी है। यह बजट नए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए होगा। समग्र शिक्षा के उप निदेशक डा. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि 'एक कस्तूरबा एक खेल योजना' के तहत 145 कस्तूरबा विद्यालयों के लिए पांच लाख प्रति विद्यालय के हिसाब से बजट स्वीकृत किया जाएगा। इसे और कस्तूरबा विद्यालयों में भी आगे बढ़ाया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जाएगा ताकि छात्राएं पढ़ाई के साथ-साथ हर क्षेत्र में अपना स्थान बना सकें।

छात्राओं को इकाना में दिखाएंगे मैच

उप निदेशक ने बताया कि पिछले एक साल में केजीबीवी की छात्राओं ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर की कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और मेडल भी जीते हैं। क्रिकेटर अर्चना भी केजीबीवी की एल्युमिनाई हैं। क्रिकेट में रुचि रखने वाली छात्राओं को इकाना स्टेडियम में मैच दिखाने की भी योजना है, ताकि छात्राएं बेहतर करने के लिए प्रेरित हों।

सेंट्रल हिंदू ब्वायज स्कूल के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

वाराणसी। सेंट्रल हिंदू ब्वायज स्कूल के छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य (एसओएफ-आईसीओ) एवं हिंदी ओलम्पियाड (एसओएफ-आईएचओ) तथा राष्ट्र स्तरीय विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया। अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य ओलम्पियाड में विद्यालय के छात्र फैसल हम्माद ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 99.98 पर्सेंटाइल के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर पचास हजार रुपये नकद एवं कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया, तो वहीं हिंदी ओलम्पियाड में छात्र रौशन यादव ने भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर 99.66 पर्सेंटाइल के साथ एक हजार रुपये नकद एवं कांस्य पदक प्राप्त करने में सफलता हासिल की। विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा (एनएसटीएसइ) में कक्षा नौ से अर्नव राज (राज्य रैंक 5, राष्ट्रीय रैंक 235) एवं अमन यादव (राज्य रैंक 7, राष्ट्रीय रैंक 305) तथा कक्षा आठ के छात्र रोमन कुमार ने (राज्य रैंक 9 एवं राष्ट्रीय रैंक 323) हासिल कर गौरवान्वित किया। विद्यार्थियों की इन सफलताओं के लिए विद्यालय की प्राचार्या डा. स्वाती अग्रवाल ने विजेता छात्रों व उनके शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी तथा आगे भी शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के संकल्प को दोहराया।

महिलाएं अपने पास का परिवेश करें सशक्त - प्रो.सोनाली सिंह

संबोधन

स्पंदन एवं उड़ान के विजयी प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर डीएवी पीजी कॉलेज में आइक्यूएसी के अंतर्गत स्त्री विमर्श प्रकोष्ठ के तत्वावधान में स्व. पीएन सिंह यादव स्मृति सभागार में लैंगिक समानता पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। नारी शक्ति को समर्पित पखवारे के समापन सत्र में बतौर मुख्य वक्ता शामिल बीएचयू के राजनीति विज्ञान विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर डा. सोनाली सिंह ने कहा कि समाज मे स्त्री सशक्तीकरण को लेकर गलत धारणा बना दी गयी है, महिलाओं को सम्मान मिले, वे सशक्त हों और अपने आसपास के परिवेश को सशक्त बनाएं, तब सही मायने में स्त्री सशक्तीकरण माना जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी प्राचार्य प्रो. मिश्रीलाल ने व स्वागत डा. पारुल जैन, संचालन डा. वंदना बालचंदनानी एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. कल्पना सिंह ने दिया। इस मौके पर प्रख्यात नाटककार गौतम चटर्जी द्वारा लिखित 'बहुरि अकेला' का मंचन किया गया।

नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि कलियुग में रावण को मारना बहुत मुश्किल है, परन्तु अंत तो उसका भी सुनिश्चित है। नाटक का संयोजन डा. विजय यादव ने किया। कार्यक्रम में समस्त विभागों के अध्यक्ष सहित प्राध्यापक आदि शामिल रहे।

उड़ान व स्पंदन के विजेताओं का सम्मान

कार्यक्रम में युवा महोत्सव उड़ान एवं स्पंदन में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले युवाओं का सम्मान किया गया। स्पंदन में डीएवी की टीम ने कुल नौ पदक हासिल किए। मुख्य अतिथि प्रो.सोनाली सिंह, कार्यकारी प्राचार्य प्रो.मिश्रीलाल, उपाचार्य प्रो.राहुल, आइक्यूएसी की समन्वयक डा. पारुल जैन एवं सांस्कृतिक समिति की समन्वयक डा. तरु सिंह ने प्रतिभागियों को मेडल, अंगवस्त्रम एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस मौके पर सांस्कृतिक समिति के प्रो. विजयनाथ दुबे, डा. हसन बानो, डा. साक्षी चौधरी, डा. स्वाति सुचरिता नंदा, डा. श्रुति अग्रवाल, डा. शालिनी सिंह, डा. विकास सिंह, डा. त्रिपुर सुंदरी, डा. विजय यादव, डा. सत्यार्थ आदि को भी सम्मानित किया गया। इनके साथ ही प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों अन्य शैक्षणिक - गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहीं महिलाएं

समारोह

काशी विद्यापीठ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर विभिन्न विभागों व संकायों में कार्यशाला व संगोष्ठी का आयोजन

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न विभागों व संकायों में संगोष्ठी व कार्यशालाएं आयोजित हुईं। विधि विभाग में 'भारतीय समाज में महिला पथ प्रदर्शक के रूप में' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि आर्य महिला पीजी कालेज के इतिहास विभाग की डा. अनीता सिंह ने कहा कि महिला एवं पुरुष समाज में समान रूप से संलग्न हैं। भारतीय संदर्भ में महिला पुरुष के बीच में अनेक असमानताएं गढ़ दी गई हैं, जिससे महिलाएं हाशिये पर दिख रही हैं लेकिन तथ्यात्मक रूप से महिलाएं अनेक बाधाओं को दूर करते हुए भारतीय समाज के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहीं है।

विशिष्ट अतिथि बीएचयू समाजशास्त्र विभाग की डा. अरुणा कुमाली ने बताया कि महिलाएं किसी दया की पात्र नहीं हैं, वे संघर्ष एवं कार्य से पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर प्रत्येक क्षेत्र में ख्याति प्राप्त कर रहीं हैं। स्वागत विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. रंजन कुमार, संचालन डा. मेराज हाशमी एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. शिल्पी गुप्ता ने किया।

अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित गोष्ठी में कार्यक्रम समन्वयक डा. ऊर्जस्विता सिंह ने बताया कि आज का दिन महिलाओं को समर्पित है। यह दिवस हमें महिलाओं द्वारा समाज में दिए गए योगदान, उनके संघर्ष तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियों की याद दिलाता है। कार्यक्रम सह-समन्वयक डा. राकेश कुमार तिवारी ने कहा कि आधुनिक दौर में एक महिला एक पूर्ण चक्र है। उसके भीतर सृजन, पोषण और परिवर्तन की असीम शक्ति है। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. अंकिता गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रो. पारसनाथ मौर्या, डा. गंगाधर, डा. पारिजात सौरभ, प्रियंका, नीलम, रीना, सुलभा, अर्चना, दीपा आदि ने अपने विचार रखें।

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, शिक्षाशास्त्र विभाग में 'भारत में स्त्री शिक्षाः भूत एवं भविष्य' विषयक ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. भावना वर्मा ने कहा कि आज हमें लैंगिक एवं आर्थिक समानता की बात करनी चाहिए। महिला सशक्तीकरण के माध्यम से हम महिलाओं को उनका सम्मान एवं अधिकार प्रदान कर सकते हैं। हमें पुरुष प्रधान समाज से बाहर निकल कर एक समतामूलक समाज की तरफ जाना होगा। मुख्य वक्ता डॉ. ऊर्जस्विता ने बताया कि स्त्री शिक्षा के विकास में अनेक महापुरुषों ने अपना योगदान दिया जिसमें ज्योतिबा फुले, फातिमा बीबी, सावित्री बाई फूले, राजाराम मोहन राय, डा. आंबेडकर, दुर्गा बाई देशमुख एवं हंसा मेहता प्रमुख हैं। स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र राम ने कहा कि महिलाएं आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना योगदान दे रही हैं, परंतु अभी भारतीय समाज में महिलाओं वह स्थान एवं सम्मान नहीं मिल पाया है जिसकी वह हकदार हैं। इस मौके पर प्रो. अनिल चौधरी, प्रो. रमाकांत सिंह, डॉ. राजेश यादव आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन डा. अभिलाषा जायसवाल एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. राखी देब ने किया।

नामी-गिरामी पहलवानों ने दिखाए दांव-पेंच

कुश्ती

स्व. केदार पहलवान की स्मृति में आयोजित कुश्ती दंगल में कई राज्यों के पहलवानों ने लिया भाग

वाराणसी । राष्ट्रीय स्तर के पहलवान स्वर्गीय केदार पहलवान की स्मृति में अखिल भारतीय विराट कुश्ती दंगल का आयोजन रविवार को बावनबीघा रोड पर बनियापुर राजनहिया स्थित केदार पहलवान अंतर्राष्ट्रीय व्यायामशाला में किया गया। दंगल का उद्घाटन हिंद केशरी लालाजी पहलवान ने केदार पहलवान के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं अखाड़े में पहलवानों का हाथ मिलाकर किया। रेफरी की भूमिका सुभाष पहलवान ने निभाई। इस कुश्ती में रेलवे सेवा एवं पुलिस के अलावा दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पहलवानों ने जोर आजमाइश की।

दंगल में गया सेट अखाड़े के रोशन पहलवान ने देवरिया के लाला पहलवान को मात्र तीन मिनट में आसमान दिखाकर बाजी मारी। इस क्रम में धर्मराज (कपीसा) और शिवाजी (नचनिया वीर) विकास (वाराणसी)तथा हृदय नारायण ?(मऊ)के अलावा दर्जनों जोड़ी के पहलवानों ने अखाड़े में दांव-पेच का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम संयोजक शिव धनी पहलवान ने बताया कि इस अखाड़े के दर्जनों पहलवान सी रेलवे एवं पुलिस विभाग मैं कार्यरत है।

इस मौके पर गणेश पहलवान, आनंद पहलवान, मनोज पहलवान, नत्थू लाल जी यादव, झगड्डू भैया, रामसेवक यादव, क्षमता पहलवान, राजेश यादव आदि उपस्थित रहे अध्यक्षता दयाराम ने की।

सात सड़कों की मरम्मत के लिए 7.61 करोड़ की योजना स्वीकृत

बैठक

सड़कों पर सुरक्षात्मक कार्य होने से हादसों में आयेगी कमी

बलिया। सड़क हादसों में कमी लाने के लिए सड़कों की मरम्मत की जाएगी। इसके लिए चिह्नित सात सड़कों के लिए शासन से 7.61 करोड़ की योजना स्वीकृत की गई है। इसमें 3.85 करोड़ की धनराशि शासन से आवंटित भी कर दी गई है।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में इन सड़कों की मरम्मत आदि का मुद्दा हमेशा उठता रहा है। इसमें सड़कों में सुधार एवं सुरक्षात्मक कार्य की जरूरत महसूस करते हुए लोक निर्माण विभाग की तरफ से योजना बनाकर शासन को भेजी गई थी। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद अब जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। इससे इन ब्लैक स्पाटों पर हादसों में कमी आने की उम्मीद है। जिले में 28 स्थलों पर ब्लैक स्पाट चिह्नित किए गए हैं।

इन सभी पर संबंधित विभागों को मार्ग पर होने वाली घटनाओं में कमी लाने के उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड कमलाकांत ने बताया कि सड़क सुरक्षा कार्य के लिए शासन से सड़कों की मरम्मत आदि की स्वीकृति मिली है। सड़कों पर सुरक्षात्मक कार्य हो जाने से हादसों में कमी आएगी।

योजना के अनुसार जल्द ही कार्य को पूरा किया जाएगा।

इन सात सड़कों पर होगा मरम्मत कार्य

- बांसडीह-बलिया-घोसी राज्यमार्ग पर पांच चौराहों पर सड़क सुरक्षा का कार्य किया जाएगा। 83.14 लाख की योजना है। प्रथम किस्त 41.57 लाख जारी हो गए हैं।
- नगरा-सिकंदरपुर मुख्य मार्ग पर टी जंक्शन एकइल, नरही पर कार्य होंगे। इसके लिए 43.12 लाख का बजट पास हुआ है। 21.26 लाख की धनराशि जारी कर दी गई है।
- नगरा-रसड़ा मार्ग पर तुर्तीपार मार्ग पर पड़ने वाले 4 टी-जंक्शन निछआडीह, परसिया, परसाटार, चौकिया मोड़ पर कार्य होंगे। 82.76 लाख लगेंगे। 41.36 लाख जारी हुए हैं।
- सिकंदरपुर-बांसडीह-रेवती-बैरिया-लालगंज मार्ग पर रोड सेफ्टी इसके लिए 86.95 लाख प्रस्तावित हैं। 43.47 लाख की धनराशि आवंटित भी कर दी गई है।
- चोगड़ा-चिलकहर-कुरेजी बंगला पर रोड सेफ्टी कार्य होंगे। इसके लिए 159.62 लाख की धनराशि पास की गई है। शासन से 79.81 लाख जारी हो गए हैं।
- ईसारी चट्टी से बांसडीह-घोसी एसएच 107 सुल्तानपुर मार्ग वाया जाम मार्ग पर रोड के लिए 105.23 लाख पास हुए हैं। शासन से 52.61 लाख जारी हुए हैं।
- सिधागर घाट से पकवाइनार-सोनापाली तक रोड सेफ्टी कार्य की स्वीकृति मिली है। 127.24 लाख की धनराशि की स्वीकृति हुई है। शासन से 63.62 लाख जारी भी कर दिए गए हैं।

आरक्षण लूटने वालों का सहयोग कर रही सरकार

बोले कमलेश चौहान

सिकंदरपुर पहुंची आरक्षण बंटवारा पदयात्रा का स्वागत

सिकंदरपुर। स्थानीय बस स्टेशन चौराहे पर जनता क्रांति पार्टी (राष्ट्रवादी) के तत्वावधान में आरक्षण बंटवारा पदयात्रा के पहुंचने पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश चौहान के नेतृत्व में शनिवार को निकली यह यात्रा रविवार की शाम स्थानीय बस स्टेशन चौराहे पर पहुंची।

नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश चौहान ने कहा कि आरक्षण बंटवारा पदयात्रा का उदेश्य उन लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाना है, जो लोग आरक्षण से वंचित है। सर्वोच्च न्यायलय ने कहा है कि आरक्षण का बंटवारा होना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी कहा है कि आरक्षण का बंटवारा होना चाहिए। भाजपा सरकार में बनाया गया सामाजिक न्याय समिति एवं रोहणी आयोग ने आरक्षण बंटवारा करने का सुझाव सरकार को दिया। इसके बावजूद भी भाजपा सरकार आरक्षण का बंटवारा करने की जगह आरक्षण को लूटने वाले का सहयोग कर रही है। अति पिछड़ा, अति दलित एक होकर जनता क्रान्ति पार्टी (राष्ट्रवादी) के साथ होकर अपनी लड़ाई को मजबूती से लड़ने के लिए तैयार है। प्रदेश अध्यक्ष सुनील चौहान ने कहा कि भाजपा सरकार में गरीब, किसान, मजदूर के हिस्सेदारी को लूटने वालों का सहयोग किया जा रहा है। भाजपा का नाटक जनता जान चुकी है।

इस अवसर पर सुनील चौहान, सुरेश प्रसाद गुप्ता, पिंटू चौहान, सुब्बान चौहान, जय सिंह चौहान, जयबहादुर मौर्या, लक्ष्मण चौहान, रामकठिन चौहान, सेठ जी, सचिन चौहान, हकीम चौहान, राजन गुप्ता, रामबदन चौहान, हरिलाल चौहान, मन्नू चौहान, नन्हू चाचा, लालबहादुर चौहान, हरिश्चंद्र चौहान, अमित चौहान, विहारी, शिवमूरत, संजीव चौहान, गुलाब चंद आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

सड़क हादसे में अधेड़ की मौत, मचा कोहराम

अजीत कुमार सिंह (फाइल फोटो)

बांसडीह। घर से बैरिया जाते समय रेवती में हुए सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जिला अस्पताल जाते समय रास्ते में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कस्बा के उत्तर टोला वार्ड नंबर आठ निवासी 50 वर्षीय अजीत कुमार सिंह परिवार के साथ बैरिया में रहते थे। वह शनिवार की देर शाम बांसडीह से बैरिया जा रहे थे, तभी रेवती में हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। आस-पास उपस्थित लोगों ने उनको सीएचसी रेवती पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजन उनको जिला अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सक ने जांचोपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अजीत मृदभाषी और मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। लोग उनके घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त कर रहे है। मृतक के एक पुत्र और एक पुत्री है। वहीं, मृतक की पत्नी का रोते-रोते बुरा हाल है।

तहसील में चरम पर पहुंची 'रिश्वतखोरी'

बैरिया। स्थानीय तहसील में रिश्वतखोरी चरम पर होने का आरोप लगातार अधिवक्ताओं एवं जागरूक लोगों द्वारा लगाया जा रहा है। इन दिनों अधिवक्ता हड़ताल पर है। उसमें एक मुद्दा रिश्वतखोरी भी है। यहां तैनात लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक हो या अन्य तहसील कर्मी, अधिकांश ने अपने यहां प्राइवेट मुंशी नियुक्त कर रखा है। वह तमाम गैर कानूनी कार्यों को संपादित करते है। यहां दाखिल-खारिज, वरासत, जमीन की पैमाइश जैसे मामले समय अवधि बीत जाने के बावजूद लंबित रखे जा रहे हैं। फरियादी कितना भी भटके? हर बार जिम्मेदारों द्वारा नए-नए पेंच फंसा दिया जाता है। राजस्व विभाग में इन मामलों में रिश्वतखोरी की बात छिपी नहीं है। लोग भी इसी मानसिकता के हैं। यह तहसील जनपद का पहला तहसील है, जहां कभी भी एंटी करप्शन विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की है। यही कारण है कि पैमाइश, खतौनी संशोधन, वरासत, दाखिल-खारिज, आय, जाति, निवास जैसे सामान्य प्रकरणों को भी जिम्मेदार लंबित रख रहे हैं और अधिकारी देर के लिए उनसे स्पष्टीकरण नहीं मांग रहे हैं। वरासत के कई ऐसे मामले है, जो दशकों से लंबित है। बैरिया तहसील के हर कार्यालय, हर न्यायालय एवं हर लेखपाल के साथ या राजस्व निरीक्षक के साथ प्राइवेट मुंशियों की भरमार है। इनका वेतन नियुक्त करने वाले लोग अपने पास से नहीं देते हैं। वह जो सुविधा शुल्क वसूलते है, उसमें का कुछ निश्चित हिस्सा इन प्राइवेट मुंशियों को दे दिया जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यहां तैनात सरकारी कर्मचारी एवं अधिकारी काम नहीं करने का वेतन लेते हैं। तत्कालीन एसडीएम सुनील कुमार के समक्ष पत्रकारों ने कई बार यह मुद्दा उठाया था। वह हर बार यही कहते थे कि आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अब नए एसडीम आने वाले हैं। वह भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या कुछ कर पाते हैं? यह देखने वाली बात होगी।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

बैरिया। स्थानीय पुलिस ने रविवार को बैरिया-रानीगंज मार्ग पर स्थित एक रेस्टोरेंट के सामने से तमंचा एवं कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया है। पुलिस ने उसे संबंधित धाराओं में पाबंद कर चालान न्यायालय कर दिया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया युवक दोकटी थाना क्षेत्र के बहुआरा गांव निवासी आलोक कुमार सिंह है, जो तमंचा एवं एक जिंदा कारतूस के साथ बैरिया स्थित एक रेस्टोरेंट के सामने खड़ा था। पुलिस को उसकी हरकतें असामान्य लगी। पुलिस ने उसे पड़क कर तलाशी लिया तो उसके पास से एक जिंदा कारतूस एवं तमंचा बरामद हुआ।

परिजनों से मिलकर व्यक्त की शोक संवेदना

बलिया। प्रदेश सह संयोजक, राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं बैठकें विभाग भाजपा संजय शुक्ला तथा भाजपा के जिला महामंत्री आलोक शुक्ला के पिता घनश्याम शुक्ला के निधन की सूचना पर निदेशक/ निवर्तमान राष्ट्रीय मंत्री, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शफाअत हुसैन ने आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। वह अपने कार्यक्रम के अनुसार रविवार को दोपहर करीब एक बजे नगर पंचायत नगरा स्थित भंगमलपुर आवास पर पहुंचकर परिजनों से मिले और संवेदना व्यक्त किए। इस मौके पर मो. अनीस, जिर्माुद्दीन खां, देवनारायण प्रजापति देवा भाई, जयप्रकाश जायसवाल, आचार्य ओमप्रकाश वर्मा, राजू सोनी, मृदुला श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

राजेन्द्र शर्मा के चित्र पर अर्पित किया पुष्प

बलिया। विश्वकर्मा सेवा संस्थान द्वारा रविवार को भृगुआश्रम स्थित भृगु मंदिर में पूर्व अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य राजेन्द्र प्रसाद शर्मा के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने राजेन्द्र प्रसाद शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। इस अवसर पर सुशील कुमार शर्मा, विंध्यवासिनी शर्मा, आनंद शर्मा, इंद्रभूषण शर्मा, अनिल शर्मा, गुप्तेश्वर शर्मा, सरल शर्मा, रामप्रवेश शर्मा आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता छट्ठूलाल शर्मा तथा संचालन डा. राजहंस शर्मा ने किया।

बाल अपचारी समेत चार अभियुक्त गिरफ्तार

सिकंदरपुर। स्थानीय पुलिस ने ग्राम चकखान में विगत् दिनों हुए घराती एवं बराती विवाद में गैर इरादतन हत्या से सम्बन्धित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया है। एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार झा के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सिकन्दरपुर गौरव शर्मा के कुशल नेतृत्व में सिकन्दरपुर पुलिस को सफलता मिली है। रविवार को सिकंदरपुर पुलिस ने धारा 191(2), 105, 115(2) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त दीपक राजभर पुत्र विरेन्द्र राजभर, बब्लू राजभर पुत्र कुमार राजभर, चन्दन राजभर पुत्र सियाराम राजभर निवासीगण ग्राम चकखान, थाना सिकन्दरपुर एवं एक बाल अपचारी को जलालीपुर मोड़ कस्बा सिकन्दरपुर से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से चार लाठी आलाकत्ल बरामद किया गया।

पुलिस ने उनको न्यायालय के लिए रवाना कर दिया। क्षेत्र के चकखान गांव में शनिवार की रात आई बारात में नर्तकी के नाच को लेकर हुई मारपीट में बारातियों में से जहां आधा दर्जन लोग घायल हो गए थे, वहीं दूल्हे के ममेरे भाई की मौत हो गई थी। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विकास चन्द पाण्डेय, उनि ज्ञानप्रकाश तिवारी, हेकां. विरेन्द्र लाल यादव, कां. निरंजन कुमार, कां. पुष्प कुमार, कां. कृष्ण कुमार यादव शामिल रहे।

गंगा में डूबे दो लड़कियों समेत तीन लोग

बलिया। दुबहर थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीरामपुर घाट पर रविवार को मुंडन संस्कार में शामिल एक युवक और दो लड़कियां नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने से डूब गई। गोताखोर जाल लगाकर तीनों की तलाश शुरू किये, पर उनका पता नहीं चल सका। वहीं, नदी किनारे परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल है। दुबहर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम छोटका दुबहर निवासी संतोष कुमार वर्मा का बड़ा पुत्र अंकित कुमार वर्मा (19) अड़रा के किसी रिश्तेदार के मुंडन में शिवरामपुर घाट पर गया था। इस दौरान अपने मित्रों के साथ गंगा नदी में स्नान कर रहा था, तभी उसके साथ तीन लड़के गहरे पानी में डूबने लगे। तीनों को बचाने के लिए नाव वालों ने काफी प्रयास किया, जिसमें दो को बचा लिया गया। लेकिन अंकित का कुछ पता नहीं चल पाया। घटना की जानकारी होते ही पूरे गांव सहित क्षेत्र में हाहाकार मच गया। वहीं, नगरा थाना क्षेत्र की चार लड़कियां इसी घाट पर नहाते-नहाते अधिक पानी में चली गईं। इसमें दो लड़कियों को आस-पास के लोगों ने किसी तरह बचा लिया, लेकिन दो का कोई अता-पता नहीं चला। उनके परिजनों ने बताया कि आस्था राजभर (15) पुत्री अवधेश राजभर और खुशी राजभर (20) पुत्री श्रीभगवान राजभर निवासीगण गोठई, थाना नगरा अपने चाचा के लड़के के मुंडन में आई थीं। सहेलियों के साथ गंगा में स्नान कर रही थी। गोताखोर तलाश में जुटे है।

नारी को कहा जाता है जगत जननी

बोलीं उमा दीदी

नारी नर्क का द्वार नहीं, बल्कि परमात्मा के सिर का ताज है

बलिया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थानीय शाखा पर महिला सशक्तिकरण एवं नारी उत्थान हेतु अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला जेल की उप जेल अधीक्षक श्रीमती रीना तिवारी एवं श्रीमती माया सिंह ने दीप प्रज्वलित करके किया। बलिया ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रभारी उमा दीदी ने कहा कि परमपिता परमात्मा को सृष्टि का सृजनहार कहते हैं, परन्तु साकार रूप में इस धरा पर सृष्टि का सृजनहार नारी ही होती है।

इसीलिए नारी को जगत जननी भी कहा जाता है। कहा कि नारी ही परिवार की धूरी है। जब परिवार का निर्माण होता है तो परिवार से समाज का निर्माण होता है और समाज से संसार का निर्माण होता है। व्यक्ति व समाज से मूल्यों का ही ह्रास हो चुका है। इस कारण मानव पापाचार, व्यभिचार, अत्याचार की तरफ बढ़ता जा रहा है। नतीजा चारों तरफ दुख ही दुख बढ़ता जा रहा है। कहा कि नारी नर्क का द्वार नहीं, बल्कि परमात्मा के सिर का ताज है। नारी को युगों-युगों से घर की लक्ष्मी मानकर लोग सम्मान करते आये हैं। उप जेल अधीक्षक श्रीमती रीना तिवारी ने कहा कि नारी को जागरूक होना पड़ेगा। इस अवसर पर पूजा बहन, सुरेश भाई, नीलम, वंदना, प्रमिला पाण्डेय, प्रतिभा उपाध्याय, संगीता, माया सिंह, रीना सिंह, प्रिया, शीलू उपाध्याय, उषा सिंह, पार्वती, शांति, मीरा, सुमन आदि मौजूद रहे। संचालन वंदना ने किया।

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करती उप जेल अधीक्षक रीना तिवारी एवं उमा दीदी

महिलाओं को दी कानूनी जानकारी

बांसडीह। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नव भारतीय नारी विकास समिति के तत्वावधान में राजागांव खरौनी में महिला सशक्तिकरण को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य फोकस महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य अधिकार, लैंगिक समानता और नेतृत्व विकास पर रहा। मुख्य अतिथि नाजनीन वारसी ने कहा कि टीकाकरण समय-समय पर कराना अनिवार्य है। हमेशा स्वच्छ रहना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ रहना भी आवश्यक है। वहीं, हिंसा और लैंगिक भेदभाव से बचाव के उपायों पर विशेष जोर दिया गया। महिलाओं को उनके कानूनी और स्वास्थ्य अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर मनोज कुमार सिंह, वशिष्ठ यादव, युसुफ, स्वीटी, अनिकेत, मंजीत आदि उपस्थित रहे। संचालन अजहर अली ने किया। सभी का आभार स्वीटी दूबे ने व्यक्त किया।

जान जोखिम में डालकर कार्य कर रहे लाइनमैन

बिना सेफ्टी बेल्ट के खंभे पर चढ़ा संविदा कर्मी

बैरिया। बिजली विभाग में संविदा पर तैनात कर्मियों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसका अंदाजा यह देखकर सहज लगाया जा सकता है कि जमीन से 20 से 40 फीट ऊपर तक बिना सेफ्टी बेल्ट के यह लाइनमैन बिजली का लाइन बनाने का काम कर रहे हैं। उनके पास ना तो इनका बीमा है और ना पीएफ फंड। विभाग ने इनके लिए कोई परिचय पत्र भी जारी नहीं किया है। अलबत्ता संसाधनों के अभाव में बिजली का लाइन जोड़ते समय मृत्यु हो जाने पर ऐसे संविदा विद्युत कर्मियों को बिजली विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी पहचानने से भी इंकार कर देते हैं। इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि बलिया जनपद में विद्युत उपकेंद्रों का रख-रखाव एवं विद्युत सप्लाई का लाइन देखने के लिए एक निजी कंपनी का ठेका है, जो केवल हर महीने निश्चित मजदूरी लाइनमैनों को दे देती है। संविदा कर्मी जान जोखिम में डालकर काम करते है। अगर थोड़ा सा भी इधर-उधर हुआ तो उन्हें काम से हटा दिया जाता है। स्थानीय लोगों ने इस पर घोर आपत्ति करते हुए कहा है कि बेरोजगारी के आलम में क्षेत्र के दर्जनों युवा कम मजदूरी पर इस कंपनी से जुड़कर बिजली सप्लाई एवं विद्युत उपकेंद्र के रख-रखाव का कार्य देखते हैं, किंतु ठेकेदार उन्हें संसाधन नहीं देता है। सेफ्टी बेल्ट उपलब्ध नहीं करता है। यह चिंता वाली बात है। जिला श्रम अधिकारी को इस पर ध्यान देना चाहिए। इस बाबत पूछने पर एसडीओ अंबुज तिवारी ने बताया कि सभी मजदूरों को बेल्ट उपलब्ध कराने का निर्देश कंपनी को काफी पहले दिया गया है। अगर किसी को सेफ्टी बेल्ट नहीं मिला है और उनसे काम लिया जा रहा है तो मुझे बताएं।

तत्काल कंपनी से सेफ्टी बेल्ट उपलब्ध कराएंगे। जान जोखिम में डालकर कोई भी काम नहीं ले सकता है। यह अपराध की श्रेणी में आता है।

किशोरी ने फंदे पर लटक कर दे दी जान

मनियर। नगर के वार्ड नंबर 10 बड़ा पोखरा के पास एक युवती ने रविवार को सुबह पंखे के हुक में फंदे पर लटककर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार नपं मनियर के वार्ड नंबर 10 निवासी मनोज कुमार की 17 वर्षीय पुत्री पंखे के हुक में साड़ी का फंदा बनाकर झूल कर आत्महत्या कर ली। वह कक्षा 11वीं की छात्रा थी। सुबह करीब 11 बजे तक उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजन खिड़की से देखे तो सन्न रह गए। परिजनो का रो-रोकर बुरा हाल है। चर्चा है कि परिजनों की डांट के चलते उसने आत्महत्या जैसा कठोर कदम उठाया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रत्नेश कुमार दूबे ने बताया कि किशोरी की आत्महत्या की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। जांच की जा रही हैं।

हृदयगति रुकने से पूर्व प्रधानाचार्य का निधन

जनसंदेश न्यूज

हरिवंश सिंह (फाइल फोटो)

बैरिया। जयप्रकाश नारायण सेवाश्रम इंटर कालेज जयप्रकाशनगर के पूर्व प्रधानाचार्य क्षेत्र के लक्ष्मण छपरा गांव निवासी हरिवंश सिंह (70) का हृदय गति रुकने के कारण शनिवार को उनके आवास पर असामयिक निधन हो गया। वह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह के गुरु रहे हरिवंश सिंह क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे। उनके निधन से शिक्षा जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। उनकी अंत्येष्टि रविवार को गंगा तट पर किया गया। उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा हुआ है। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह, पूर्व सांसद भरत सिंह, पूर्व सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त, पूर्व विधायक विक्रम सिंह सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य लोगों ने उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया है।

छेड़खानी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

बलिया। बांसडीह पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ छेड़खानी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अनिल कुमार झा के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी बांसडीह प्रभात कुमार के कुशल नेतृत्व में बांसडीह पुलिस टीम को सफलता मिली है। मिली सफलता । धारा 74, 76, 115(2), 352, 351(3) बीएनएस व 7/8 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु रविवार को पुलिस क्षेत्र में मौजूद थी। मुखबीर से सूचना मिली कि मुकदमा उपरोक्त से सम्बंधित अभियुक्त टुनटुन राजभर पुत्र बीरबहादुर राजभर निवासी पुरन्दरपुर, थाना बांसडीह नरायनपुर मोड़ पर मौजूद है। इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए अभियुक्त को नरायनपुर मोड़ से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है। पुलिस टीम में उनि अनूप कुमार, हेकां. शाहिद अली, हेकां लालबहादुर शामिल रहे।

होली पर्व: कब है होली, 14 या 15 मार्च को

बैठक

होली पर्व को लेकर बनी सस्पेंस की स्थिति

बलिया। इधर दो-तीन सालों से होली पर्व को लेकर सस्पेंस की स्थिति बनी रहती है। पिछले साल भी दो दिन बलिया में होली रही। इसके कारण होली का पर्व लोग एक साथ मिलकर नहीं मना पाते है। सरकारी कैलेंडर में 14 मार्च को होली मनायी जाएगी, लेकिन विद्वानों द्वारा पंचांग के अनुसार 15 मार्च होली मनाये जाने की बातें प्रसारित हो रही हैं। वहीं 15 मार्च को सीबीएसई बोर्ड के इंटर की हिंदी की परीक्षा है। यदि 15 मार्च को होली होगा तो परीक्षा में बैठने वाले बच्चे होली नहीं मना पाएंगे। नगर कोतवाल योगेंद्र सिंह से बातचीत में उन्होंने कहा कि 14 मार्च को ही बलिया शहर में होली होगी। एडीएम अनिल कुमार से बात हुई कि होली किस तारीख को होगी। इस पर एडीएम ने लोगों से राय लेकर अपनी बात कहने के लिये कही। उधर, बाबा बालेश्वर नाथ मंदिर के प्रबंध कमेटी की तरफ से फरमान जारी हुआ है कि 15 मार्च को ही होली मनायी जाएगी। वैसे, पूर्वांचल में वाराणसी, आजमगढ़, मऊ, लखनऊ में 14 मार्च को ही होली मनायी जा रही है।

संभ्रांत लोगों से संवाद कर ली जा रही जानकारी

बलिया। क्षेत्राधिकारी बैरिया द्वारा होली, रमजान एवं अन्य त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराए जाने तथा कानून/शांति व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत थाना हल्दी तथा चौकी लालगंज में संभ्रान्त लोगों के साथ पीस कमेटी की बैठक किया गया। उन्होंने सभी को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त करते हुए शांतिपूर्वक त्यौहार मनाने की अपील की। होली, रमजान एवं अन्य त्यौहारों के दृष्टिगत शांति/सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी बैरिया मो. फहीम कुरैशी द्वारा थाना हल्दी एवं चौकी लालगंज में संभ्रान्त नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक की गयी। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक नरही नदीम अहमद फरीदी द्वारा होली, रमजान एवं अन्य त्यौहारों के दृष्टिगत शांति/सुरक्षा व्यवस्था हेतु थाना नरही में क्षेत्र के सभी संभ्रान्त नागरिकों एवं धर्म गुरुओं के साथ पीस कमेटी की बैठक की गयी। बलिया पुलिस द्वारा लगातार शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस-पास भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न प्रकार की दुकानों पर पहुंचकर दुकानदारों एवं आमजन से शांति/सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में संवाद स्थापित किया जा रहा है। यदि किसी भी अराजक तत्वों द्वारा आगामी त्यौहारों में शांति व्यवस्था भंग की जाती है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सौहार्द्रपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील

दोकटी। स्थानीय थाना क्षेत्र के लालगंज पुलिस चौकी पर क्षेत्राधिकारी बैरिया मुहम्मद फहीम की अध्यक्षता में होली और रमजान को लेकर पीस कमेटी की बैठक रविवार को हुई। क्षेत्राधिकारी ने दोनों समुदायों के लोगों से सौहार्द्रपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील किया। कहा कि होली में कुछ अराजक तत्व भी सक्रिय हो जाते है। यदि क्षेत्र में ऐसा कुछ होता है तो तुरन्त ही पुलिस को सूचना दे। पुलिस हमेशा आपके लिए तत्पर रहेगी। थानाध्यक्ष हरिशंकर सिंह ने कहा कि यदि कही भी किसी को लगे कि शांति भंग होने का अंदेशा है तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस तत्परता के साथ मौके पर पहुंच जाएगी। इस अवसर पर चौकी प्रभारी अश्विनी मिश्र, मोनू पाठक प्रधान प्रतिनिधि, मुन्ना राम ग्राम प्रधान, छब्बीस सिंह प्रधान प्रतिनिधि, अंजय सिंह आदि मौजूद रहे।

आज मनायी जायेगी आंवला एकादशी

बलिया। इंदरपुर, थम्हनपुरा निवासी ज्योतिषाचार्य डॉ. अखिलेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की रंगभरी, आमलकी या आंवला एकादशी 10 मार्च को है। इस दिन भगवान विष्णु एवं शिव की उपासना करना और शिवलिंग पर लाल रंग का गुलाल तथा माता पार्वती को सोलह श्रृंगार की सामग्री अर्पित करने की मान्यता है। साथ ही आंवले के पेड़ की पूजा करना, श्रीहरि की कथा सुनने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वैवाहिक जीवन की बाधाओं को दूर करने तथा अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए नारियल, चुनरी के चढ़ावे के साथ तुलसी पूजन, आरती और तुलसी चालीसा का पाठ करना श्रेयस्कर होता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के लिए श्रीहरि विष्णु को खीर बनाकर उसमें तुलसी डालकर भोग लगाएं और पीले फूल की माला अर्पित करे। कार्य क्षेत्र के प्रगति के लिए आंवले के जड़ की मिट्टी का तिलक धारण करे।

रासेयो के उद्देश्यों को करें आत्मसात

मझौवां। अमरनाथ मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुबेछपरा के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्रथम एक दिवसीय शिविर एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सभी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार राय ने विषयवस्तु, प्रवर्तन एवं संचालन किया। मुख्य वक्ता पूर्व कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार मिश्र रहे। इन्होंने सभी स्वयंसेवियों का राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्भव, विकास, उद्देश्य, कार्य प्रणाली तथा लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि विद्यार्थियों के चतुर्दिक विकास के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों को आत्मसात करते हुए इसे अपनाना चाहिए। इसके बाद सभी शिक्षकों ने प्राचार्य प्रो. गौरीशंकर द्विवेदी को माल्यार्पण और अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया।

दहेज मुक्ति का शपथ प्राचार्य एवं नशा मुक्ति संबंधी शपथ को प्रो. गीता द्वारा दिलाया गया। अंत में प्राचार्य के आशीर्वचन और राष्ट्रगान से शिविर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्राचार्य और अन्य वक्ताओं ने महिलाओं की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक उन्नति के महत्व पर चर्चा की। महिलाओं के समान अधिकारों और उनकी सशक्तिकरण के लिए समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया गया।

शिकायतकर्ता से अवश्य लें संतुष्टि संबंधित फीडबैक

बोले प्रवीण लक्षकार

डीएम ने की आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा

जनसंदेश न्यूज

कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा करते डीएम प्रवीण लक्षकार

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा के दौरान सभी अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाए। इसके साथ ही उन्होंने प्रत्येक शिकायत के निस्तारण पर शिकायतकर्ता से संतुष्टि संबंधित फीडबैक अवश्य प्राप्त करने के भी निर्देश दिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाय। उन्होंने मुख्य राजस्व अधिकारी को आईजीआरएस काल सेंटर भी स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों को आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण के संबंध में शासन स्तर से किए गए नए प्राविधानों की जानकारी का प्रशिक्षण भी दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर इन प्राविधानों की जानकारी अवश्य दिया जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन, अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार, राजेश कुमार गुप्ता, नगर मजिस्ट्रेट आसाराम वर्मा, जिला विकास अधिकारी आनंद प्रकाश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

होली के लिए चलायी जाएगी रोडवेज की अतिरिक्त बसें

बलिया। होली पर लोगों को अपने घर लाने के लिए परिवहन निगम की तरफ से अतिरिक्तबसों का संचालन किया जा रहा है। शनिवार को निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अवकाश भी रद्द कर दिया गया है। बलिया डिपो से वाराणसी, आजमगढ़, दिल्ली, लखनऊ एवं कानपुर तक के लिए अतिरिक्त बसें चलाई जाएगी। आठ से 18 मार्च तक निगम के बसों को अनवरत चलाया जाएगा। इसके लिए डिपो के अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है। दिल्ली और लोकल रूट पर बसों की संख्या बढ़ाने के साथ ही उनकी फिटनेस और सीटों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डिपो में निगम एवं अनुबंधित सौ से अधिक बसें संचालित होती है। त्योहार पर बसों में कोई समस्या न आए, इसके लिए वर्कशाप में फिटनेस की जा रही है। एआरएम अजय कुमार ने बताया कि होली पर लखनऊ, कानपुर व दिल्ली से अधिक यात्री आते हैं। ऐसे में दिल्ली के लिए अधिक बसें चलाई जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 43245 वादों का निस्तारण

बलिया। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बलिया अमित पाल सिंह द्वारा दीप प्रवज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर मल्यार्पण करके किया गया। संचालन अपर जनपद न्यायाधीश व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया हरीश कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में न्यायालय के समस्त पीठासीन अधिकारीगण, समस्त बैंक प्रबन्धकगण एवं समस्त कर्मचारीगण व वादकारी उपस्थित रहें। राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी न्यायालय बलिया के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, समस्त बैंक प्रबन्धकों तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा वादों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में सिविल, अपराधिक, राजस्व, बैंक विवाद आदि के कुल 43,245 वाद निस्तारित किये गये, जिसमें कुल समझौता धनराशि 12,45,58,677.31 रूपये (बारह करोड़ पैतालिस लाख अंठावन हजार छः सौ सतहत्तर रूपये इक्तीस पैसे) तथा मौके पर ही कुल धनराशि 6,58,18,454 (छः करोड़ अंठावन लाख अठारह हजार चार सौ चौवन रूपये मात्र) की वसूली की गयी।

फीता काटकर राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ करते जनपद न्यायाधीश

संक्षेप

सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही सरकार

बे रु आर बारी। स्थानीय ब्लाक अंतर्गत प्राथमिक पाठशाला बभनौली के प्रांगण में रविवार को पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह गुड्डू ने उपस्थित लोगों से संवाद किया। साथ ही समाजवादी पार्टी के पीडीए कार्यक्रम के बारे में लोगों को विस्तार से बताया। कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को सपा आगे बढ़ने का काम कर रही है। पीडीए के लोग 2027 में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने जा रहे है। कहा कि भाजपा सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। यह सरकार केवल पूंजीपतियों की है। इन लोगों को पीडीए के लोगों से कोई मतलब नहीं है। इस अवसर पर कमलेश सिंह, रासबिहारी मिश्र, प्रेमसागर मिश्र, जगदीश मिश्रा, अजय गुप्ता, राकेश मिश्रा, नजीरुद्दीन, लालजी, सुरेश यादव, रामजी, शंकर यादव, रामजी राजभर आदि मौजूद रहे। वहीं, ग्राम पंचायत धनौती में पीडीए चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि नीरज सिंह गुड्डू ने कहा कि पीडीए के सहयोग से आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा की बहुमत की सरकार बनेगी। इसमें पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक सबको सम्मान मिलेगा। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता त्रस्त है। इस सरकार को उखाड़ फेंकने की जरूरत है। इस अवसर पर भगत सिंह, नारायणजी पांडेय, आशीष सिंह, स्वामीनाथ राम, रामेश्वर तिवारी, गुप्तेश्वर सिंह, बलिंदर राम आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता जितेंद्र सिंह तथा संचालन डा. अख्तर अली ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भाजपा और महिला मोर्चा की ओर से महिला सम्मान समारोह का आयोजन

मऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भाजपा और महिला मोर्चा द्वारा मां शीतला धाम में एक गरिमामयी महिला समारोह एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद मऊ के प्रभारी तथा मुख्य अतिथि रमेश सिंह ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया और मातृशक्ति को संबोधित करते हुए उनके साहस, समर्पण और सामाजिक परिवर्तन में भूमिका को रेखांकित किया। रमेश सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की और महिलाओं के सम्मान में अपना संबोधन प्रस्तुत किया। समाज में अनूठा योगदान देने वाली कुसुम वर्मा, विनीता पांडेय, कंचन तिवारी, डॉ. उत्तर सिंह, वीना गुप्ता, आभा त्रिपाठी, मंजू चैरसिया, रीना सिंह, सोनिया, श्रद्धा खंडेलवाल, रागिनी मिश्रा, दिपाली बंसल को मंच पर प्रशस्ति पत्र, शॉल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष नूपुर अग्रवाल कार्यक्रम संयोजक रामश्रय मौर्य, सह संयोजक प्रीतूलता पांडेय और भारी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने सभी उपस्थित लोगों में देशभक्ति और सामूहिक उत्साह का संचार किया। यह समारोह महिलाओं की उपलब्धियों को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। भाजपा और महिला मोर्चा ने घोषणा की कि ऐसे आयोजन नियमित रूप से होते रहेंगे।

ऑल इंडिया टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए वेदांत क्रिकेट क्लब मऊ की टीम आज होगी रवाना

मऊ। ओड़िशा के भद्रक जिले मे होने वाले ऑल इंडिया टी-20 क्रिकेट टूनार्मेंट मे वेदांत क्रिकेट क्लब मऊ (एमएस स्पोर्ट्स यूपी) सिरकत करने के लिए कल पंडित दिन दयाल रेलवे स्टेशन स्टेशन से पुरुषोत्तम एक्सप्रेस से ओड़िशा के लिए रवाना होंगी जिसका पहला मैच 12 मार्च बुधवार को छत्तीसगढ़ फारेस्ट की टीम से होगा कप्तान सुन्दरम दुबे ने बताया कि मेराज खान के द्वारा इस ऑल इंडिया टूनार्मेंट मे मऊ को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है और पूरी टीम का प्रयास रहेगा कि टूनार्मेंट मे विजयी होकर मऊ जिले का नाम राज्यस्तरीय पटल पर सुनहरे अक्षरों मे अंकित कराये। इस टूनार्मेंट के लिए संभावित टीम सुन्दरम दुबे (कप्तान), ज्ञान प्रकाश यादव, अमरीश साहनी, संदीप मौर्य, अजय मौर्य, बालकेश यादव, राहुल सिंह, अखिल कुमार, सचिन यादव, विकास, आदर्श, अनुज, अजीत, मेराज खान (कोच), विकास राय (टीम मेंटर) के भूमिका मे रहेंगे।

यात्रियों को स्टेशन पर नहीं मिल रही एटीएम की सुविधा

गाजीपुर। स्थानीय सिटी रेलवे स्टेशन पर एटीएम नहीं है। इसके चलते यात्रियों को परेशानी होती है। क्षेत्रीय नागरिकों ने कई बार विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस तरफ दिलाया लेकिन अभी तक स्थिति यथावत है। यात्रियों को रुपए की जरूरत होने पर लंका, सकलेनाबाद, मालगोदाम रोड़ सहित अन्य एटीएम का सहारा लेना पड़ रहा है। कई बार यात्रियों को सिटी रेलवे स्टेशन पर एटीएम मशीन नहीं होने की जानकारी नहीं होने पर स्टेशन पहुंचने पर एटीएम की तलाश में स्टेशन से बाहर आना पड़ता है। यात्रियों द्वारा रेलवे प्रशासन से रेलवे परिसर में एटीएम मशीन लगाने की मांग काफी समय से की जा रही है, जिसके बाद भी स्टेशन परिसर में एटीएम आरंभ नहीं हो सका है। एटीएम मशीन नहीं होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी समान्य श्रेणी यात्रियों को होती है, क्योंकि कभी कभी आरक्षित टिकट काउंटर से टिकट लेने पर एटीएम कार्ड काम नहीं करता है। वहा पर यात्रियों को नगद राशि देकर ही टिकट लेना पड़ता है। वही यात्रियों की सुविधा के लिए वीटीएम मशीन भी है, लेकिन इसमें भी एटीएम कार्ड नहीं लगता है।

ई-रिक्शा पलटने से दो बच्चों समेत तीन घायल

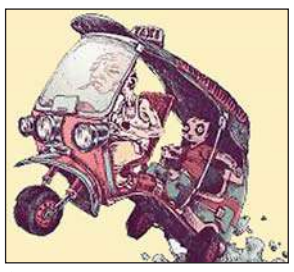

बैरिया। रामगढ़ की तरफ से सवारियों को लेकर आ रहा ई-रिक्शा सामने से आ रहे मिट्टी लदे डंपर से बचने के प्रयास में असंतुलित होकर पलट गया। इससे दो बच्चों समेत तीन लोग घायल हो गये। आस-पास के लोगों ने घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा पहुंचाया। घटना रविवार की है। बता दें कि रामगढ़ निवासी राजकुमारी देवी पत्नी संतोष कुमार अपने आठ वर्षीय पुत्र आलोक एवं छह वर्षीय पुत्री श्वेता के साथ किसी कार्यवश रानीगंज बाजार जा रही थी। रामगढ़ से ई-रिक्शा पकड़कर बैरिया आने के क्रम में ई-रिक्शा पलट गया और दो बच्चों समेत तीन लोग घायल हो गये।

बाइक पलटने से युवक घायल

मनियर। बाइक द्वारा पिलुई से चोरकैंड जा रहे अनिल कुमार (35) पुत्र बच्चालाल गोंड निवासी सोरकैंड शनिवार की देर शाम धसका नहर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे अनिल गंभीर रूप से घायल हो गये। आस-पास के लोगों ने उनको पीएचसी मनियर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उन्हें जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया।

कार्ययोजना के अनुमोदन के लिए अध्यक्ष हुए अधिकृत

सांसदों ने अधिकारियों की कम उपस्थिति पर व्यक्त किया खेद

आचार्य नरेन्द्र देव सभागार में जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में शामिल अध्यक्ष आनंद चौधरी, सांसद सनातन पांडेय, रमाशंकर विद्यार्थी एवं अन्य

जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में शामिल सदस्य एवं अन्य

जनसंदेश न्यूज

बलिया। जिला पंचायत के बोर्ड की बैठक रविवार को अध्यक्ष आनंद चौधरी की अध्यक्षता में आचार्य नरेन्द्र देव सभागार में हुई। इसमें जिला पंचायत के चालू वित्तीय वर्ष के संशोधित बजट 1201.45 करोड़ के अलावा वर्ष 2025-26 के मूल बजट 69.21 करोड़ का अनुमोदन, विभव एवं संपत्ति कर वर्ष 2024-25, मनरेगा के अंतर्गत लेबर बजट एवं अन्य कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही सर्वसम्मति से कार्ययोजना के अनुमोदन हेतु अध्यक्ष को अधिकृत किया गया। सलेमपुर लोकसभा के सांसद रमाशंकर विद्यार्थी ने सदन में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर खेद व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि मै वर्तमान समय में भारत सरकार पंचायतीराज विभाग के सलाहकार समिति का सदस्य हूं। इस बात को मै अपने समिति के समक्ष रखूंगा। जिला पंचायत सदस्यों को आश्वासन दिया कि इस बात को मै दिशा की बैठक में भी रखूंगा। बलिया लोकसभा के सांसद सनातन पांडेय ने भी अधिकारियों की कम उपस्थिति पर असंतोष व्यक्त किया। कहा कि अधिकारियों की कम उपस्थिति जिला पंचायत का अपमान है। आश्वासन दिया कि इस बात को उच्च सदन में रखूंगा। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद चौधरी ने सदस्यों की बातों को गंभीरता से सुना और अपने स्तर से उसको निस्तारण कराने हेतु आश्वस्त किया। जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद चौधरी ने सांसदगण, जिला पंचायत सदस्यों एवं प्रमुख क्षेत्र पंचायतों का आभार व्यक्त किया।

चित्रकला और प्रदर्शनी देखकर अभिभूत हुए बच्चे

शैक्षिक भ्रमण

फेस्टिवल में सनबीम स्कूल के बच्चों ने किया भ्रमण

फेस्टिबल में शामिल बच्चे

बलिया। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के लिए शैक्षिक भ्रमण भी अत्यंत आवश्यक है। यह आधुनिक समय की सशक्त मांग भी है। स्थान विशेष की ऐतिहासिक तथ्यों, सभ्यता, स्थापत्य कला, प्रदर्शनी आदि प्रतिभाओं से जहां अपने देश के विरासत को समझते हैं, वहीं भावी भविष्य के सशक्त निर्माण के निमित्त प्रसिद्ध हस्तियों से विभिन्न बिंदुओं पर ज्ञानार्जन भी करते हैं। उनके अनुभव से उन्हें प्रेरणा मिलती है। काशी साहित्य कला उत्सव के अंतर्गत ताज गंगेज वाराणसी के विशाल हाल एवं प्रांगण में सात से नौ मार्च तक चले लिट फेस्टिवल में सनबीम स्कूल बलिया के जूनियर एवं सीनियर विद्यार्थियों को शामिल होने का अवसर मिला। इस उत्सव में देश-विदेश की जानी-मानी प्रतिभाओं ने शिरकत किया था। बच्चों ने विकसित देशों में अपनी अंग्रेजी कविता की खुश्बू बिखेर चुके अश्वनी सर से सवाल जवाब कर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने चेक बुक हुआ मेमोरी पर रचना के बारे में सविस्तार समझाया।

न्यूयार्क से आई कवयित्री जैनेट रोजफ से भी आधुनिक कविता के संबंध में जानकारी ली। विभिन्न चित्रकला, प्रदर्शनी एवं कार्यक्रम को देखकर बच्चे अत्यंत अभिभूत थे। ग्रुप आफ सनबीम स्कूल्स के चेयरमैन डॉ. दीपक मधोक एवं निदेशक भारती मधोक बच्चों की प्रतिभा व जिज्ञासा से अत्यंत प्रभावित थे। शैक्षिक भ्रमण के दौरान बच्चे स्वर्वेद महामंदिर का भी दर्शन किए।

वहां के उच्च शिल्प की अनोखे वास्तु कला को देखा। उन्होंने वहां ध्यान भी किया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान हेड मिस्ट्रेस नीतू पांडेय, मोनिका दुबे, नवचंद्र, अरविंद, विशाल, सत्येंद, अभिजीत विश्वास, स्वर्णिमा द्विवेदी, अमिता, नफीसा बानो, अनुराग, पूजा पांडेय आदि मौजूद रहे। विद्यालय के निदेशक डॉ. कुंवर अरुण सिंह और प्रधानाचार्या डॉ. अर्पिता सिंह बच्चों के हित में विविध जानकारी से युक्त अवसर प्रदान करने में तत्पर रहते हैं।

चांददियर में बनेगा ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर

पहल

धन आवंटित होते ही भवन निर्माण का कार्य शुरू होने की उम्मीद

बलिया। परिवहन मंत्रालय की ओर से जनपद को ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर की सौगात मिली है। इसके लिए बैरिया तहसील क्षेत्र के चांददियर में जमीन की तलाश हो चुकी है। धन आवंटित होते ही भवन निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। यह प्रदेश का दूसरा सेंटर होगा। इससे पहले रायबरेली में इसकी स्थापना की गई है। जैसे-तैसे वाहन चलाने की जानकारी लेकर गाड़ी चलाने वाले चालकों से दुर्घटना होने की आशंका अधिक होती है। उनको प्रशिक्षित करने अथवा टेस्ट लेने का इंतजाम विभाग के पास अब तक नहीं है। इस तरह की समस्याओं को देखते हुए शासन की ओर से जिले में ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर की स्थापना करने की पहल की गई है। सूत्रों की माने तो इसके स्थापित होने के बाद प्रोफेशनल ड्राइविंग के साथ सड़क हादसों समेत अन्य रोड स्किल्स पर जुड़े तकनीकी पहलुओं पर अनुसंधान होगा। लगभग 12 एकड़ जमीन पर बनने वाले इस संस्थान में 60 से 80 स्टूडेंट्स के रहने के लिए रेजिडेंशियल बिग के साथ ही अन्य कई भवन बनाये जायेंगे। आईडीटीआर के खुलने से युवाओं को लाभ मिलेगा। इसके बनकर तैयार होने तथा चालू होने के बाद के बाद तकनीकी रूप से दक्ष एवं सक्षम ड्राइवरों पौध इस संस्थान से पारंगत होकर निकलेगी। इसके साथ ही हादसों एवं विषयों पर रिसर्च होगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बैरिया तहसील क्षेत्र के चांददियर में अंतरराज्यीयबस अड्डा के साथ ही आईडीटीआर के लिए जमीन खोजी गई है। इसका प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जा चुका है। इस संदर्भ में एआरटीओ अरूण कुमार राय ने बताया कि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के प्रयास से जनपद में आईडीटीआर सेंटर की स्थापना करने की मंजूरी मिली है। इसके स्थापित होने के बाद पूरी तरह से ट्रेंड एवं कुशल चालक तैयार होकर यहां से निकलेंगे। इसके साथ ही वाहन परिचालन से जुड़े विषयों पर अनुसंधान करने वाले शोध छात्रों के लिए भी यह संस्थान मुफीद होगा।

आस-पास के जनपदों को भी मिलेगा लाभ

बलिया। जनपद में खुलने वाला आईडीटीआर प्रदेश का दूसरा संस्थान होगा। इसके पहले रायबरेली जनपद में इसकी स्थापना हो चुकी है। इसके खुलने से बलिया ही नहीं, बल्कि आस-पास के जनपदों को भी लाभ मिलेगा। आधुनिक सुविधाओं से लैस आईडीटीआर ड्राइविंग सीखने के क्षेत्र में एक नई दिशा देने का काम करेगा। इसके बनकर तैयार होने के बाद कुशल प्रशिक्षकों द्वारा वाहन चलाने की ट्रेनिंग एवं यातायात नियमों की जानकारी दी जायेगी। इसके लिए संस्थान परिसर में सिंगल लेन से लेकर छह लेन तक की सड़कें बनायी जायेगी। यहां पर ट्रेनिंग लेने वालो को वाहनों के सेल्फ मेंटिनेंस की भी ट्रेनिंग दी जायेगी। बताया जाता है कि फिलहाल मोटर ट्रेनिंग के लिए लोगों को निजी संस्थानों का सहारा लेना पड़ता है। निजी संस्थान लोगों से मोटी रकम वसूलते है।

प्रतिबंध के बावजूद नहीं थम रहा डीजे का शोर

मनमानी

प्रदूषण रोकने के लिए उच्च न्यायालय के आदेश का भी नहीं हो पा रहा अनुपालन

गाजीपुर। प्रदूषण को रोकने के लिए उच्च न्यायालय के आदेश का भी अनुपालन नहीं हो पा रहा है। यही कारण है कि प्रतिबंध के बावजूद भी रात दस बजे के बाद डीजे व साउंड का शोर नहीं थम रहा है। अभी भी बहुत से ऐसे लोग हैं जिन्होंने वैवाहिक कार्यक्रम में डीजे बजाने की अनुमति तक प्रशासन से नहीं ली है। जो स्थिति है उसमें ध्वनि प्रदूषण को लेकर अधिकारियों के दावों की धज्जियां उड़ने लगी हैं। वैवाहिक समारोह में रोक के बाद भी डीजे व साउंड बज रहा है। बड़े-बड़े दावे करने वाले प्रशासनिक अधिकारी इस पर मौन साधे हुए हैं। ध्वनि प्रदूषण को लेकर न्यायालय के आदेश का पालन कराने के लिए प्रदेश सरकार ने शासनादेश जारी करते हुए रात दस बजे से सुबह छह बजे तक तेज आवाज में बजने वाले साउंड, डीजे व लाउडस्पीकर पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही वैवाहिक कार्यक्रमों और संस्थानों को भी ध्वनि प्रदूषण की बाबत जिला प्रशासन से अनुमति लेने के आदेश दिया गया है। बीते माह से वैवाहिक कार्यक्रम प्रारंभ हो गए है। सरकार ने साफ निर्देश दिया गया है कि आयोजक दस बजे के बाद किसी भी तरह के ध्वनि प्रदूषण वाला यंत्र नहीं बजाएंगे। इसमें भी यह लिखा रहता है कि डीजे कितने बजे तक बजाना है, इसकी डेसिबल क्षमता कितनी होगी। आवासीय इलाकों, बाजारों व ग्रामीण क्षेत्रों में डेसिबल का मानक तय होता है। प्रशासन के स्पष्ट आदेश के बावजूद क्षेत्र में मनमाने तरीके से वैवाहिक कार्यक्रमों में डीजे, साउंड व बैंडबाजा बज रहा है।

जिससे तेज ध्वनि के कारण हृदय रोगियों का खतरा बढ़ जाता है। फुल्लनपुर निवासी राजीव कुमार सिंह का कहना है कि शादी समारोह में देर रात डीजे बजता रहता है, जिससे काफी परेशानियां उठानी पड़ रही है। कोर्ट के आदेश के बाद भी कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है।

शादी-विवाह के अवसर पर प्रभावी रोक लगाने के दौरान होने वाले विवाद की आशंका में कार्रवाई के कदम थम जा रहे हैं। यही कारण है कि सहालग के इस मौसम में एक तरह से मौन छूट भी दिया गया है।

शादी समारोह में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के लिए डीजे संचालक के आवेदन पर अनुमति प्रदान की जाती है। नियम उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी।

एसडीएम सदर गाजीपुर।

महिला के चेहरे पर स्प्रे छिड़क कर छीना आभूषण व बैग

बलिया। शहर के गुदरी बाजार में एक महिला के चेहरे पर स्प्रे छिड़क कर दो युवक उनके गहने और बैग लेकर भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आस-पास के दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। महिला के पुत्र राहुल की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई में जुटी है। नगर के बेदुआ निवासी सीमा देवी दोपहर बाद घर से चौक स्थित अपनी दुकान पर जा रहीं थीं। इसी दौरान चौक महाराजा अग्रसेन मार्ग के मोड़ पर दो युवकों ने सीमा को रोक लिया। एक पर्ची दिखाते हुए डाक्टर का पता पूछने लगा। इसी बीच एक युवक तबीयत खराब होने का हवाला देते हुए पानी की बोतल खरीदने की बात कहकर पास के गली में उन्हें ले गया। इसी बीच महिला के चेहरे पर कुछ स्प्रे कर शरीर पर पहने आभूषण लेकर भाग गया। बैग में पहले से मोबाइल, शाल एवं चार सौ रुपये थे।

वाहन चेकिंग अभियान में 1384 वाहनों का चालान

जनसंदेश न्यूज

मऊ। आगामी होली त्यौहार को सकुशल संपन्न कराए जाने एवं शांति/सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के क्रम में पुलिस अधीक्षक इलामारन जी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक महेश सिंह अत्री के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारीगणों के नेतृत्व में 08/09 मार्च को व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें तीन सवारी वाले दो पहिया वाहनों, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट लगाए वाहनों एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करने वालों की चेकिंग की गई।

इस दौरान कुल 345 तीन सवारी वाले वाहनों, 693 बिना हेलमेट वाले वाहनों, 270 बिना सीट बेल्ट तथा 141 वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करने वालों को चेक किया गया तथा 1384 वाहनों का चालान एवं 66 वाहनों को सीज किया गया।

गुमशुदा 4 मोबाइल बरामद कर उनके स्वामियों को किया गया सुपुर्द

मऊ। थाना मधुबन साइबर टीम द्वारा रविवार को थाना स्थानीय पर दर्ज गुमशुदगी को सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुमशुदा मोबाइल धारको का थाना स्थानीय पर नियुक्त साइबर व सीसीटीएनएस टीम द्वारा गुमशुदा मोबाइलों को बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किया गया। जिसमें 01 वनप्लस, 01 सैमसंग, 01 ओपो, 01 रियलमी है। आवेदक द्वारा उच्चाधिकारियों व थाना मधुबन के अधिकारी/कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। बरामदकर्ता पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय त्रिपाठी, निरीक्षक अपराध विजय प्रताप सिंह, क0आ0 पवन कुमार सिंह, का0 शिवकुमार सरोज, म0का0 वंदना विश्वकर्मा थाना मधुबन षामिल रही।

11 वारंटी अभियुक गिरफ्तार

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान थाना हलधरपुर पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त रामसुरत, थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा 05 वारण्टी अभियुक्तगण विनोद चैहान, विनोद, राजेश कुमार, माता प्रसाद, अवधेश उपाध्याय, थाना रानीपुर पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त गिरधारी चैहान, थाना सरायलखन्सी पुलिस द्वारा 01 वारण्टी अभियुक्त देवदत्त पुरी व थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा 03 वारण्टी अभियुक्त अशोक यादव, सुग्रीव प्रजापति, बालदत्त चैहान को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

मंदिर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी

बेखौफ

डेढगावां गांव में अतिप्राचीन काली मंदिर में भीषण चोरी

जनसंदेश न्यूज

रेवतीपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के डेढगावां गाँव के पूरब तरफ स्थित अतिप्राचीन काली मन्दिर में बीते देर रात्रि को चोरों ने मंदिर का मुख्य दरवाजा का ताला तोड़कर गर्भगृह में स्थित काली मूर्ति एवं दुर्गा मूर्ति से सोने चांदी के करीब डेढ़ लाख के आभूषण के साथ ही इन्वर्टर,बैट्री और साउंड मशीन पर अपना हाथ साफ कर दिया।इसकी जानकारी ग्रामीणों को उस समय हुई। जब श्रद्धालु पूजा करने के लिए काली मन्दिर पहुंचे तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा है। जब गर्भगृह में देखा तो श्रद्धालु अवाक रह गये। देखा कि काली और दुर्गा मूर्तियों से सोने की दो नथियां,सोने का दो मांटिका के साथ ही परिसर में उजाले के लिए लगाया गया इन्वर्टर, बैट्री और साउंड मशीन भी गायब था। मन्दिर में हुई इस भीषण चोरी की जानकारी इलाके में आग की तरह फैल गई। मौके पर महिला,पुरूषों आदि की भीड़ इकठ्ठा हो गई। चोरी की इस वारदात से लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी तो उनके हड़कंप मच गया। आनन-फानन में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से चोरों के बारे में जानकारी लेनी चाही मगर कुछ पता नहीं चल सका। इस चोरी के मामलें में मंदिर समिति ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस मामलें की छानबीन में जुट गई। लोगों ने इस वारदात का जल्द खुलसा करने की मांग किया। ग्रामीणों ने बताया कि इसके पहले भी काली मन्दिर को चोरों ने कई बार अपने चोरी का निशाना बना चुके है।

लेकिन पुलिस आज तक चोरों को पकड़ना तो दूर चोरी गये हजारों रुपए के कीमती समानों को बरामद तक नहीं कर सकी है। लोगों ने कहा कि पुलिस अगर रात्रि गस्त करती तो शायद चोरी की इस तरह के वारदात को चोर अंजाम नहीं दे पाते।थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है,पुलिस ने मन्दिर समिति के द्वारा दिए गये तहरीर के आधार पर इसकी छानबीन कर रही है,बताया कि जल्द ही इस चोरी का खुलासा कर दिया जाएगा।

ड़ेढगावां के काली मन्दिर में चोरी के बाद छानबीन करती पुलिस।

केमिकल से तैयार सब्जियां बिगाड़ रहीं सेहत

गाजीपुर। सब्जियों की चमक पर गए तो स्वास्थ्य खराब हो सकता है। इसलिए सब्जी खरीदते समय उसकी चमक नहीं, बल्कि गुणवत्ता देखकर खरीदें। सब्जियों को ताजा दिखाने के लिए कुछ धंधेबाज रंगकर बेच रहे हैं। बाजार में एसिड से धुली अदरक और केमिकल लगाकर चमकदार बनाए गए बैंगन से लेकर कई सब्जियां बिक रही हैं। ऐसे में जब भी बाजार से सब्जी खरीदकर लाएं। ऐसी सब्जियों से लोगों को कई प्रकार की बीमारियां होने का खतरा हो सकता है। दरअसल, दुकानदार सुबह-सुबह उठकर मेलाकाइट ग्रीन नामक खतरनाक केमिकल का प्रयोग कर सब्जी को ताजा करते हैं, ताकि ग्राहकों के आने से पहले बासी सब्जी तरोताजा हो जाए। खरीदारी करने आए ग्राहकों को चमक वाली ही सब्जी पसंद आती है। ग्राहकों की पसंद को देखते हुए सब्जियों का रंगा जाता है। थोड़ा रंग पूरी सब्जी को रंगने के लिए काफी होती है।

होली बाजार : खरीदारी को उमड़ रहे ग्राहक, बढ़ी रौनक

त्योहार

रेडिमेड गारमेंट्स, कपड़ा और किराना की दुकानों पर उमड़ रही भीड़

गाजीपुर। जिलेभर में होली को लेकर बाजार सज गया है। खरीदारी को लेकर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है जिसमें रेडिमेड व गारमेंट्स कपड़ा व किराना की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण इलाके के बाजार में भी दुकानें सजी हैं और ग्राहक खरीदारी कर रहे हैं। इस समय सबसे अधिक भीड़ कपड़ा की दुकानों पर देखी जा रही है। महिला व पुरुष ग्राहक रेडिमेड कपड़ों की खरीदारी कर रहे हैं। महिलाएं व युवतियां कपड़ा दुकानों पर पहुंचकर कॉटन से लेकर नेट, शिफॉन, जार्जेट, साड़ियां लेटेस्ट रेंज की कुर्तियां, डिजाइनर सूट, इंडो-वेस्टर्न ड्रेस, सेमी गरारा लुक वाले सूट व गाउन, लेगिज, जिंस व टॉप आदि की खरीदारी कर रही हैं।

सुबह से लेकर देर शाम तक बाजार रहे गुलजार

होली की खरीदारी को लेकर शहरी व ग्रामीण इलाके के बाजार सुबह से लेकर शाम तक ग्राहकों से गुलजार रह रहे हैं। शहर के महुआबाग, मिश्र बाजार, लाल दरवाजा, नख्खास, स्टेशन रोड़, बंसीबाजार, गोराबाजार व अन्य जगहों पर संचालित दुकानों पर एक सप्ताह से ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। कपड़ा के अलावा ग्राहक जूता, चप्पल, सैंडल, मैचिंग चूड़ियां, कॉस्मेटिक्स सहित सौंदर्य प्रसाधन की सामग्रियों की भी खरीदारी कर रहे हैं। शहर में संचालित करीब दर्जनभर मॉलों में भी काफी संख्या में ग्राहक पहुंच रहे हैं और खरीदारी कर रहे हैं।

किराना दुकानों पर भी बढ़ी ग्राहकों की भीड़

होली के अवसर पर घरों में शाकाहारी व मांसाहारी कई तरह के व्यंजन बनेंगे। इसको लेकर ग्राहक चावल, दाल, मसाला, तेल, घी, चीनी व अन्य किराना सामान की खरीदारी कर रहे हैं। शहर की किराना दुकानों पर भी इन दिनों ग्राहकों की भीड़ बढ़ गयी है। ग्राहक किराना सामान के अलावा ड्राई फ्रूट्स की खरीदारी भी कर रहे हैं। होली में घर आनेवाले मेहमानों को परोसने के लिए ड्राई फ्रूट्स का भी चलन है।

सीमांचल एक्सप्रेस से एक युवक गिरा, घायल

घायल को इलाज के लिए ले जाते ग्रामीण।

जनसंदेश न्यूज

गहमर। पंडित दीन्दयाल उपाध्याय-बक्सर रेल मार्ग के करहिया हाल्ट स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति घायल हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायल को समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। तनवीर आलम पुत्र जमालुद्दीन अंसारी अषाढ़ी टोला लक्ष्मीपुर, जिला नवादा बिहार जोगबनी से चलकर आनंद बिहार टर्मिनल को जाने वाली सीमांचल एक्सप्रेस से जा रहा था। ट्रेन थ्रु सिंगनल पर पूरी रफ्तार से करहिया हाल्ट स्टेशन अप लाइन के प्लेटफार्म नंबर एक से गुजर रही थी। तभी एक व्यक्ति ट्रेन से गिरकर घायल हो गया। प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों ने व ग्रामीणों ने एम्बुलेंस को सूचना दिया मौके पर पहुंची एंबुलेंस से ग्रामीणों की मदद से उसे समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा पहुंचाया। डाक्टरों ने घायल के प्रारंभिक उपचार के बाद घायल के नाजुक स्थित को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अनिल राय की मनी पुण्यतिथि

भांवरकोल। स्थानीय विकास खंड क्षेत्र के शेरपुर खुर्द गाव में सामाजिक कार्यकर्ता एवं संघर्षशील नेता स्व. अनिल राय काका की पुण्यतिथि के अवसर पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर उनके व्यक्तित्व पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। कहा कि समाजसेवी स्व काका के नहीं होने से हमारे समाज में अपूरणीय क्षति हुई है। जो निकट भविष्य में पूर्ति नहीं हो सकेगा।काका जी सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हमेशा भाग लेते रहते थे।सामाजिक रूप से अपने जीवन काल में जिम्मेवारी को निभाने का काम किया। गरीबो के हक की लड़ाई व सेवाभाव के रूप में उनकी क्षेत्र में अलग पहचान थी। इस अवसर पर शहीद संस्मरण इंटर कालेज शेरपुर खुर्द के हाइस्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली गुड़िया प्रजापति द्वितीय स्थान पर गौरव कुमार इंटरमीडिएट में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर नंदनी पटेल द्वितीय स्थान पर ममता यादव को वहीं क्षेत्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले शेरपुर के विद्यार्थियों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर आरती चौधरी को स्व. अनिल राय काका स्मृति संस्थान के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर शेरपुर के पूर्व प्रधान विद्यासागर गिरि, अवधेश राय एडवोकेट हाइ कोर्ट प्रयागराज ,श्यामनारायण राय,राजेश राय बागी,शिक्षक शैलेश राय मृत्युंजय राय बाला जी राय मुराली राय जोगिंद्र राम विकास राय ललन पटेल कौशल्या राय राहुल राय आनंद राय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र शर्मा व संचालन मिथिलेश राय ने किया।

लूट के वारदात को अंजाम देने जा रहे बदमाश गिरफ्तार

कार्रवाई

खानपुर थाना का हिस्ट्रीशीटर कई आपराधिक मामलों में जा चुका है जेल

रेवतीपुर। स्थानीय थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है,पुलिस ने बड़ी लूट के वारदात को अंजाम देने जा रहे एक शातिर बदमाश को एक असलहे और जिंदा कारतूस के साथ दबोच लिया। पुलिस ने दबोचे गये बदमाश को थाने लाकर उससे पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने दबोचे गये बदमाश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर उसका मेडिकल मुआयना कराने के बाद उसका सम्बन्धित धाराओं में चालान कर उसे सक्षम कोर्ट में पेश किया। जहाँ उसके उपर लगाए गये आरोपों को देखते हुए न्यायालय ने उसे चौदह दिनों की न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेंज दिया। पुलिस के द्वारा पूछताछ में दबोचे गये बदमाश ने अपना नाम पता अरविंद यादव निवासी दाढ़ीबाढ़ी थाना खानपुर बताया। पुलिस के द्वारा पूछताछ में बदमाश ने बताया कि वह खानपुर थाने का हिस्ट्रीशीटर घोषित अपराधी है,इसके पूर्व भी वह कई अपराधिक मामलों में जेल जा चुका है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक दबोचा गया खानपुर थाने हिस्ट्रीशीटर शातिर और मनबढ किस्म का है, पुलिस के अनुसार उसके उपर चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट आदि के कुल आठ मुकदमें उसके खिलाफ पंजीकृत है, पुलिस उसके अन्य अपराधिक इतिहास को खंगालने में जुटी है। थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि उपनिरीक्षक लल्लन यादव, उपनिरीक्षक भोलानाथ सरोज, हेड कांस्टेबल अभय कुमार, आरक्षी राहुल प्रजापति संग डेढगावां के पास वाहन चेकिंग कर रहे थे, कि सूचना मिली कि एक बदमाश टौंगा मोड़ के पास लूट की घटना को अंजाम देने की कोशिश में खडा है। हरकत में आए पुलिस बल उक्त घटनास्थल की ओर रवाना हुआ, पुलिस को अपनी ओर आता देख उक्त बदमाश भागने लगा और पुलिस पर फायर करने की नियत से असलहा तानते हुए भागने लगा, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर कुछ दूर जाते ही बदमाश को दौड़कर दबोच लिया। थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि दबोचा गया बदमाश खानपुर थाने का हिस्ट्रीशीटर है,उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया गया है।

रेवतीपुर पुलिस की गिरफ्त में असलहे के साथ दबोचा गया बदमाश।

संक्षेप

ट्रांसफार्मर ब्लॉस्ट होने से लाइन मैन सहित चार ग्रामीण झुलसे

गाजीपुर। विद्युत वितरण खण्ड चतुर्थ जमानियां के अंतर्गत उपकेंद्र भदौरा के उसिया फीडर के ग्राम उसिया में एक निजी आइस फैक्ट्री का अवैध तरीके से 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। जो लगाने के दौरान दस मिनट बाद ट्रांसफार्मर में तेज आवाज के साथ धमाका हुआ जो मौके पर मौजूद चार ग्रामीणों सहित एक लाइनमैन बुरी तरह आग से झुलस गए। सभी का उपचार के लिए ग्रामीणों द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। बतादें कि उपकेंद्र भदौरा के अवर अभियंता शशिकांत पटेल बराबर सुर्खियों में रहते हैं। अभी कुछ माह पहले एक ठेकेदार के घर से 22 ट्रांसफार्मर अवैध तरीके पुलिस द्वारा पकड़ा गया था। जिसमें अवर अभियंता की भूमिका संदिग्ध रही थी। वही उसी क्षेत्र के एक ठेकेदार सद्दाम खान है। जिसके साथ अवर अभियंता का संपर्क गलत कार्यों में पिछले पांच सालों से जुड़ा हुआ है जो क्षेत्र के तमाम जगह गलत लाइन चार्ट बनाकर अवैध तरीकों से अवैध ट्रांसफार्मर लगाने का खेल इन लोगों बहुत दिनों से चल रहा है। वही इस आइस फैक्ट्री का भी अवर अभियंता एवं ठेकेदार की मिलीभगत से बिना कंप्लेन किए एवं बिना पीआर नंबर के ही अवैध तरीके से लाइनमैन को प्रेशर देकर ट्रांसफार्मर लगा दिया गया था। जो दस मिनट बाद ट्रांसफार्मर फट गया और उसके गर्म तेल से कुल पांच लोग बुरी तरह झुलस गए हैं। वही लाइनमैन मंटू ने बताया कि मुझे पिछले दस दिनों से जेई एवं ठेकेदार द्वारा बोला जा रहा था कि इस आइस फैक्ट्री वाले का ट्रांसफार्मर लगा दो नहीं तो नौकरी से बर्खास्त कर दिए जाओगे। ट्रांसफार्मर का कोई पीआर नंबर नहीं है फिर भी जेई द्वारा मुझे दबाव दिया गया। तब जाकर हम ट्रांसफार्मर को चढ़ाए और चार्ज करने के दौरान ब्लास्ट हो गया। जिसमें हाथ झुलस गया। वही चार ग्रामीणों बुरी तरह झुलस गए हैं। जिन सभी का उपचार निजी हॉस्पिटल दिलदारनगर किया जा रहा है।

कायस्थ समागन को सफल बनाने के लिए बैठक

गाजीपुर। वृहद कायस्थ समागम 23 मार्च को लंका मैदान में कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकर्ताओ ने जिलाध्यक्ष अरूण कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में आमघाट मुहल्ले में कायस्थ बन्धुओं से सम्पर्क कर इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील किया।इस दौरान आमघाट स्थित गोविंद श्रीवास्तव के आवास पर आयोजित बैठक मे जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कायस्थ समाज को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज में एक नई सामाजिक एवं राजनैतिक चेतना लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल हमारे समाज के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। अब हमें घर में बैठकर राजनीतिक एवं सामाजिक टिप्पणी करने के बजाय सड़कों पर उतरकर अपनी एकता और ताकत दिखाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब समाज किसी के सामने हाथ फैलाने के बजाय अपनी ताकत के बल पर राजनीतिक मुकाम हासिल करेगा। इस सम्पर्क कार्यक्रम एवं बैठक में मुख्य रूप से विवेक, रणजीत लाल, रज्ञ, प्रमोद, विपुल, नवीन , अनुज, संजय आदि उपस्थित थे।

फल-फूल रहा अवैध ट्रेवल एजेंसी का गोरखधंधा

गाजीपुर। जिले में अवैध टूर एंड ट्रेवल्स का गोरखधंधा तेजी से फलफूल रहा है। कोई भी अपनी मर्जी से कहीं पर भी ट्रेवल एजेंसी का बोर्ड लगाकर गाडियां किराए पर देना शुरू कर देता है। एआरटीओ का ऐसे लोगों पर कोई नियंत्रण ही नहीं। इसका नतीजा है कि परिवहन विभाग के पास अब तक जिले में चल रही कई ट्रेवल एजेंसियों का कोई रिकॉर्ड नहीं हैं। शहर में भी कई स्थानों पर ट्रेवल्स के बोर्ड लगे हुए हैं लेकिन प्रशासनिक अमले से लेकर ट्रैफिक पुलिस और परिवहन महकमे के कर्मचारियों का ध्यान उन पर नहीं जाता है। दरअसल,परिवहन विभाग पूरी तरह दलालों के चंगुल में फंसा हुआ है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि एक ही नंबर की दो टैक्सी एक साथ घूमती हैं और न उसे यातायात और न ही पुलिस विभाग के जवान देख पाते हैं। यहीं नहीं एआरटीओ में टैक्सियों के रजिस्ट्रेशन में भी बड़ा खेल हो रहा है।

सरकार की योजनाओं से महिलाएं बन रहीं मजबूत

गाजीपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर को ग्राम पंचायत रसूलपुर टी शेखपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चंदौली डीपीसी से ट्रेनर शशि कुमार ने प्रतिभागी महिलाओं को प्रशिक्षित किया। उन्होंने ग्राम सभा की महिलाओं को जागरूक किया और उनकी भागीदारी के लिए बताया कि महिला सशक्तिकरण बन रही है और सरकार विभिन्न योजनाएं चला रही है। महिलाएं देश की आधी आबादी के रूप में जानी जाती हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान कल्पना यादव ने बताया कि महिलाओ को सशक्त,आत्मनिर्भर और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाय। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया रहा है। यह दिन नारी शक्ति और महिलाओं की उपलब्धियों को सलाम करने का है। इस दिन हमें नारी की हर छोटी-बड़ी लड़ाई को सम्मान देने और उनके सपनों को पंख देने का मौका देता है। यह दिवस हमें महिलाओं द्वारा समाज में दिए गए योगदान, उनके संघर्ष तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियों की याद दिलाता है। एडीओ पंचायत श्रीप्रकाश त्रिपाठी ने महिला दिवस पर महिलाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने महिलाओं के प्रति सम्मान,प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए, महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों एवं कठिनाइयों की सापेक्षता के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। इस मौके पर ग्राम प्रधान कल्पना यादव ने पंचास महिलाओं को पुरस्कार वितरित किया। इस मौके पर निताबी देवी, बेबी देवी, सुनीता, जामवंती, इसलामती, कमली, रीमा, पार्वती, धर्मावती, धनौती, बिंदु, सोनिया, कश्मीरी, पूनम, रिंकी, सफाई कर्मचारी माधव सिंह चौहान, खरपातूराम, सितार चंद, अजय यादव तथा रामनिवास यादव उपस्थित रहे।

रसूलपुर टी शेखपुर में महिलाओं को सम्मानित करती ग्राम प्रधान कल्पना यादव।

ऑटो चालकों की मनमानी सवारियों के लिए खींचातानी

गाजीपुर। शहर के तिराहे, चौराहा पर ऑटो चालकों की मनमानी लगातार बढ़ती जा रही है। सवारियों को बैठाने के लिए न सिर्फ जबरदस्ती करते हैं, बल्कि युवाओं और महिलाओं के साथ खींचतान तक करने से नहीं हिचकते। आए दिन यहां बहसबाजी और झगड़े की स्थिति बनती है, जिससे राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। तिराहा, चौराहा क्षेत्र के मुख्य मार्गों से जुड़ा हुआ है, जहां से बड़ी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। खासकर महिलाओं और कॉलेज जाने वाली छात्राओं को ऑटो चालकों की जबरदस्ती और अभद्रता का सामना करना पड़ता है। कई बार चालक सवारियों को जबरदस्ती ऑटो में बैठाने की कोशिश करते हैं, जिससे असहज स्थिति उत्पन्न होती है। लोगों का कहना है कि ऑटो चालकों की मनमानी से आए दिन विवाद होते हैं, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। यात्री डर के कारण शिकायत करने से भी कतराते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि स्टेशन रोड़, लंका बस स्टैंड, विश्वेश्वरगंज, पीजी कॉलेज पर ऑटो चालकों की इस मनमानी पर रोक लगाई जाए और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अंधाधुंध निजीकरण से देश की अर्थव्यवस्था भीतर से हो गई है खोखली : अमेरिका

गाजीपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ब्लॉक कमेटी देवकली की बैठक नंदगंज स्थित हनुमान परिसर मे संपन्न हुई। इसे सम्बोधित करते हुए पार्टी राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमेरिका सिंह यादव ने कहा कि उदारीकरण, निजीकरण, भूमण्डलीकरण की आर्थिक नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। अमीरी गरीबी के बिच की खाई को चौड़ी हो गई है।पूंजी का केंद्रीकरण हो रहा है।केवल कपोरेट घरानो का मुनाफा बढ़ता जा रहा है।किसान मजदूरों का जीना कठिन हो गया है।लोगों की क्रयशक्ति खत्म है।अंधाधुंध निजीकरण ने देश की अर्थव्यवस्था भीतर से खोखली हो गई है। बेरोजगारी,भ्रष्टाचार चरम पर है। आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। लोकतंत्र, संविधान की हत्या की जा रही है। जीवन के सवालों पर चर्चा से सरकार मुहं चुरा रही है।हिन्दु,मुसलमान,सनातन के नम पर भारत के सांझी शहादत, संस्कृति को धूमिल किया जा रहा है। देश, संविधान को बचाने के लिए सडक से संसद तक संघर्ष के अलावे कोई विकल्प नही बचता है। इसलिए पार्टी को मजबूत ,सक्रिय करने की महती आवश्यकता है। ब्लॉक मंत्री बच्चेलाल ने अपनी कार्यात्मक, संगठनात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। थाने, तहसील भ्रष्टाचार के केंद्र बन गये है। जनता त्राहिमाम कर रही है। इसमे रामराज बिंद, रामशुक्ला, मोहन प्रसाद, राजनाथ सिपाही, हरिद्वार बिंद, वहीद अंसारी, बेचू कश्यप, सुखराज, रामसूरत आदि ने अपना विचार व्यक्त किया। बैठक में 12 मार्च को सिहोरी एवं 16 मार्च को विरसिंगपुर ब्रांचो की बैठक करने का निर्णय हुआ। साथ ही 23 मार्च को भारद्वाज भवन पर शहादत दिवस तथा 25 मार्च को कासिमाबाद तहसील पर भ्रष्टाचार के खिलाफ होने वाले आंदोलन में भाग लेने का फैसला हुआ। अध्यक्षता हरिद्वार बिंद ने किया।

बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन के दो वर्ष बाद भी पारिश्रमिक के लिए शिक्षक लगा रहे चक्कर

गाजीपुर। यूपी बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन के दो साल बाद भी शिक्षकों के पारिश्रमिक का भुगतान नहीं हुआ है। इसके अलावा 2024 में किए गए मूल्यांकन का भी अभी तक लाखों रुपये का बकाया है। शिक्षक पारिश्रमिक की मांग को लेकर कार्यालय के चक्कर लगाने के लिए विवश है। इसके बावजूद पारिश्रमिक जारी नहीं किया जा रहा है। बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन करने के बाद शिक्षक पारिश्रमिक भुगतान के लिए विभाग के चक्कर काट रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों का 2023 का पारिश्रमिक भुगतान बकाया है, इसके अलावा विभाग की ओर से वर्ष 2024 में बोर्ड परीक्षा की जांची गई कॉपियों का भी पारिश्रमिक का भुगतान नही किया गया है। पारिश्रमिक के भुगतान के लिए शिक्षक संघ के पदाधिकारी कई बार मांग कर चुके है, मगर भुगतान न होने के कारण शिक्षक कार्यालय के चक्कर लगा रहे है।

> शासन स्तर पर शिक्षकों का लाखों रुपये मूल्यांकन के पारिश्रमिक का बकाया चल रहा है। बार-बार मांग के बाद भी भुगतान नहीं हो रहा है। जिससे शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है।
>
> **राणा प्रताप सिंह, पूर्व जिला मंत्री माध्यमिक शिक्षक संघ।**

कई बार उठाई जा चुकी है मांग

शिक्षकों के पारिश्रमिक के भुगतान के लिए कई बार जिला व शासन स्तर पर मांग की जा चुकी है। शिक्षकों के पारिश्रमिक का तीन साल से भुगतान न होने से शिक्षक मूल्यांकन केंद्र और कार्यालयों के चक्कर लगा रहे है। जल्द समाधान न होने पर संघ की ओर से धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

चौधरी दिनेश चंद्र राय, प्रांतीय मंत्री माध्यमिक शिक्षक संघ।

पारिश्रमिक का बकाया भुगतान शासन स्तर से किया जाएगा। जिला स्तर से शासन को पत्र भेजकर बजट की डिमांड की गई है। बजट मिलने पर शिक्षकों के पारिश्रमिक का भुगतान कराया जाएगा।

भास्कर मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक।

डीपीआरओ आवास पर सफाईकर्मियों की अवैध अटैचमेंट

जनसंदेश न्यूज

गाजीपुर। डीपीआरओ पर महिला सफाईकर्मी को अपने आवास पर अवैध रूप से तैनात करने का आरोप लगा है। वहीं, आईजीआएस पोर्टल की शिकायतों का गलत तरीके से निस्तारण का भी आरोप लगा है। पीड़ित महिला सफाईकर्मी ने बताया कि डीपीआरओ के मौखिक आदेश पर उनके आवास पर कार्य करती थी। उस दौरान उसके खिलाफ आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत हुई थी। जिसका निपटारा करने के लिए डीपीआरओ ने एक दिन के लिए तैनाती वाले गांव में भेजा था। आरोप लगाया कि साहब ने कहा था कि गांव में एक दिन जाकर फोटो खिचवाकर चली आना। जिससे यह साबित हो जाएगा कि तुम गांव में कार्य करती हो न कि मेरे आवास पर कार्य करती हो।

दरअसल, डीपीआरओ अंशुल मौर्य पर छेड़खानी का आरोप लगाने वाली महिला सफाईकर्मी का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें उसने बताया है कि नवंबर 2024 में मेरे खिलाफ आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत हुई थी। उस समय वह डीपीआरओ आवास पर कार्य करती थी। कथित पीड़िता के मुताबिक डीपीआरओ ने कहा कि 30 नवंबर को एक दिन के लिए गांव में जाकर फोटो खिचवा कर चली आना, ताकि किसी को लगे कि तुम गांव में कार्य करती हो, न कि डीपीआरओ आवास पर कार्य करती हो। इसके बाद साहब के आदेश पर गांव में फोटो खिचवाकर चली आई। जब 1 फरवरी से अपने तैनाती गांव सभा में लगातार कार्य करने लगी, तो हमको ग्राम प्रधान ने हाजिरी रजिस्टर नहीं दिया , लेकिन कार्य करती रही। गांव में कार्य के दौरान जीपीएस कैमरा से फोटो खीची और प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक का हस्ताक्षर भी कराया। इसके अलावा मेरे पास 66 ग्रामवासियों का कार्य करने के दौरान हस्ताक्षर भी है।

मिली गड़बड़ी

आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण पर उठे सवाल

सफाई के बजाए अफसर के घर की शोभा बढ़ा रहीं सफाईकर्मी

महिला सफाई कर्मचारी पर गिरी गाज

गाजीपुर। जिला पंचायत राज अधिकारी अंशुल मौर्या ने बताया कि कुमारी कुसुम यादव सफाईकर्मी वर्तमान में ग्राम पंचायत लालनपुर, विकास खण्ड करण्डा में तैनात है। वहां के ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा लिखित रूप से 25 फरवरी को अवगत कराया गया है कि कुमारी कुसुम यादव द्वारा एक फरवरी से न तो उपस्थिति रजिस्टर पर हस्ताक्षर किया जा रहा है और न ही बायोमैट्रिक मशीन पर उपस्थिति दर्ज की जा रही है। जिसे सहायक विकास अधिकारी (पं.), विकास खण्ड करण्डा ने अग्रसारित करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने हेतु अनुरोध किया गया है। जिसके क्रम में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से कुमारी कुसुम यादव को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण की मांग की गयी। उक्त के क्रम में कुमारी कुसुम यादव द्वारा पांच मार्च को अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया। स्पष्टीकरण पर सम्यक विचारोपरांत कुसुम यादव द्वारा नियमित रूप से ग्राम पंचायत में कार्य करने की पुष्टि नहं होती है। उन्होंने कुमारी कुसुम यादव का माह फरवरी, 2025 का वेतन बाधित करते हुए कार्यालय द्वारा विभागीय कार्यवाही प्रख्यापित की गयी है। जिसके क्रम में जॉच अधिकारी द्वारा सात मार्च को आरोप पत्र निर्गत किया गया है। उक्त के अतिरिक्त ग्राम प्रधान द्वारा थाने में कुमारी कुसुम यादव के विरूद्ध तहरीर दी गयी कि कुसुम यादव द्वारा कार्यालय में लगे बायोमैट्रिक को तोड़ने का प्रयास किया गया व उपस्थिति रजिस्टर को अपने साथ लेकर चली गयी और बार-बार प्रधान पुत्र पर छेड़खानी का आरोप लगाने की धमकी दे रही है। इस प्रकार कुमारी कुसुम यादव विभागीय कार्यवाही व एफ.आई.आर. दर्ज होने के डर से पांच मार्च को सोशल मीडिया के माध्यम से बेबुनियाद आरोप लगाकर अधोहस्ताक्षरी के ऊपर दवाब बनाने का प्रयास कर रही है। आरोप बेबुनियाद व निराधार है।

सचिव और प्रधान ने बनाया फर्जी हस्ताक्षर

पीड़िता ने बताया कि रजिस्टर जब हमे किसी प्रकार मिला तो आठ दिन का हस्ताक्षर बनाया। लेकिन प्रधान के लड़के ने रजिस्टर पर किए हस्ताक्षर को काट दिया। उसी दौरान जब रजिस्टर का पन्ना पलटा तो देखा कि नवंबर माह का मेरा फर्जी हस्ताक्षर बनाया गया है। आरोप लगाया कि फर्जी हस्ताक्षर सचिव और ग्राम प्रधान ने बनाया है। पीड़िता का आरोप है कि डीपीआरओ अपने आवास पर कार्य कराने के लिए हमारे उपर प्रेशर बना रहे है।

पीड़िता की आपबीती

करंडा ब्लाक के एक गांव में तैनात पीड़िता ने बीते बुधवार को पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड डाक से शिकायती पत्र भेजकर आरोप लगाया था कि माह नवंबर 2022 से डीपीआरओ द्वारा उनके बच्ची की देखरेख के लिए अपने आवास पर मौखिक आदेश से ड्यूटी लगाया गया था। आरोप लगाया कि डीपीआरओ अंशुल मौर्य अपनी पत्नी के ड्यूटी चले जाने के बाद दोपहर में आफिस से खाना खाने अपने आवास पर आते थे, तो मेरे साथ छेड़खानी व अश्लील हरकत करते रहते थे। विरोध करने पर वेतन रोकने और सस्पेंड करने की धमकी देते थे। यहां सवाल उठता है कि डीपीआरओ किस अधिकार से महिला सफाईकर्मी को अपने आवास पर कार्य करने के लिए रखे थे। हालांकि, इस मामले में सीडीओ ने जांच बैठा दी है। जांच में लगी दो महिला अधिकारी की जांच के बाद कोई फैसला होगा।

जनसंपादकीय

परिसीमन को लेकर चिंताएँ

डॉ सत्यवान सौरभ

उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए।

अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है।

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है।

बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास सम्बंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढाँचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है।

प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुँचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है। यह राजनीतिक पुनर्संरेखण वित्त आयोग द्वारा करों के आवंटन को प्रभावित कर सकता है, जो संभावित रूप से बड़ी आबादी वाले राज्यों के पक्ष में हो सकता है।

अपने महत्त्वपूर्ण आर्थिक इनपुट के बावजूद, तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं, उन्हें डर है कि अधिक हिन्दी भाषी आबादी वाले राज्यों को सत्ता का नुकसान होगा, जिससे राजनीतिक परिदृश्य और अधिक विखंडित हो सकता है। निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा जैसा मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए।

सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है। 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट के पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए।

एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं
संपर्क : 9466526148)

(असम के प्रमुख बुद्धिजीवी हिरेन गोहाईं के नेतृत्व में वरिष्ठ मध्यस्थों के कहने पर 1 मार्च को असम कांग्रेस, रायजोर दल, असम जातीय परिषद (एजेपी) और सीपीआई (एम) के नेताओं की बैठक के बाद पार्टियों के बीच सुलह के संकेत मिले थे। बैठक में शामिल और प्रयासों का नेतृत्व करने वाले अन्य लोगों में कवि और पूर्व डीजीपी हरेकृष्ण डेका, स्वतंत्र राज्यसभा सांसद और पूर्व पत्रकार अजीत भुइयां और पूर्व प्रोफेसर अब्दुल मन्नान शामिल हैं।हाल ही में हुई बैठक में हालात तब खराब हो गए जब कांग्रेस के नगांव सांसद प्रद्युत बोरदोलोई कथित तौर पर अखिल के साथ तीखी नोकझोंक के बाद बाहर निकल गए, जिन्होंने कांग्रेस के बार-बार विश्वासघात की बात कही थी। बोरदोलोई ने जाते समय पत्रकारों से पूछा, 'वे हमारे साथ मिलकर लड़ने के बारे में बात करने क्यों आ रहे हैं?')

असम : आसान नहीं है विपक्ष की एकजुटता

राजनीति

दिनकर कुमार

असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले गैर-भाजपा दलों को एक साथ लाने की कोशिश में बाधा आती दिख रही है, क्योंकि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने 2026 में मुख्य विपक्षी दल के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना के संकेत दिए हैं।

दूसरी तरफ असम में विधानसभा चुनाव में एक साल का समय बचा है, ऐसे में किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़े प्रमुख बुद्धिजीवियों के एक समूह ने राज्य में भाजपा विरोधी ताकतों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को बहाल करते हुए विपक्षी गठबंधन बनाने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

भाजपा विरोधी दलों, राष्ट्रीय दलों की राज्य इकाइयों और क्षेत्रीय संगठनों को मिलाकर एक संयुक्त विपक्ष को एक साथ लाने के प्रयास 2023 में शुरू हुए थे, लेकिन पिछले नवंबर में विधानसभा उपचुनावों में सीट बंटवारे को लेकर यह विफल हो गए। इस बार कांग्रेस और रायजोर दल के अध्यक्ष और एक प्रमुख किसान अधिकार नेता अखिल गोगोई के बीच टकराव पहली बाधा साबित हो रहा है।

असम के प्रमुख बुद्धिजीवी हिरेन गोहाईं के नेतृत्व में वरिष्ठ मध्यस्थों के कहने पर 1 मार्च को असम कांग्रेस, रायजोर दल, असम जातीय परिषद (एजेपी) और सीपीआई (एम) के नेताओं की बैठक के बाद पार्टियों के बीच सुलह के संकेत मिले थे। बैठक में शामिल और प्रयासों का नेतृत्व करने वाले अन्य लोगों में कवि और पूर्व डीजीपी हरेकृष्ण डेका, स्वतंत्र राज्यसभा सांसद और पूर्व पत्रकार अजीत भुइयां और पूर्व प्रोफेसर अब्दुल मन्नान शामिल हैं।

हाल ही में हुई बैठक में हालात तब खराब हो गए जब कांग्रेस के नगांव सांसद प्रद्युत बोरदोलोई कथित तौर पर अखिल के साथ तीखी नोकझोंक के बाद बाहर निकल गए, जिन्होंने कांग्रेस के बार-बार विश्वासघात की बात कही थी। बोरदोलोई ने जाते समय पत्रकारों से पूछा, 'वे हमारे साथ मिलकर लड़ने के बारे में बात करने क्यों आ रहे हैं?'

राज्य कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा द्वारा शुरू किए गए संयुक्त विपक्षी मोर्चे में पिछले नवंबर में बेहाली विधानसभा उपचुनाव को लेकर तनाव देखा गया था। शुरूआती सहमति यह थी कि सीपीआई (एमएल) लिबरेशन इस सीट पर चुनाव लड़ेगी, जबकि कांग्रेस बाकी चार सीटोंः धोलाई, सिदली, बोंगाईगांव और समागुरी में उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि, कांग्रेस ने घोषणा की कि वह बेहाली में भी उम्मीदवार उतारेगी। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने सभी पांच उपचुनाव जीते। इसके बाद अखिल गोगोई विशेष रूप से कांग्रेस की आलोचना में मुखर रहे हैं।

एजेपी अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने मीडिया से कहा कि सुलह की दिशा में पहला कदम यह होगा कि कांग्रेस स्वीकार करे कि उसने गलती की है।

'अगर कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका निभाती है, तो साथ मिलकर चुनाव लड़ना और भाजपा को हराना संभव है। हम चाहे जिस भी पार्टी की बात करें, हमें खुद से पूछना होगा कि क्या हम भाजपा को हराना चाहते हैं। समायोजन करना होगा और सबसे बड़ी चुनौती सीटों का बंटवारा होगा। राष्ट्रीय मूड द्विध्रुवीय है और हमारे बीच कोई भी गलतफहमी भाजपा की जीत का कारण बनेगी। आगामी चुनाव पार्टियों के लिए अपने वोट शेयर बढ़ाने के बारे में सोचने का समय नहीं है,' उन्होंने कहा।

विपक्षी दलों ने जोर देकर कहा कि उनके बीच बढ़ती दरार के बारे में बढ़ती चर्चा के बावजूद वे एक साथ काम करने का इरादा रखते हैं। अखिल ने दावा किया कि 1 मार्च की बैठक में बहस लोकतांत्रिक चर्चा और बहस का हिस्सा थी। उन्होंने कहा, 'यह तय हुआ कि हम 2026 में एक साथ चुनाव लड़ेंगे और एकजुट होकर भाजपा को हराएंगे।'

राज्य कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा के रवींद्रनाथ टैगोर को उद्धृत करते हुए फेसबुक पर पोस्ट की गई रहस्यमयी पोस्ट ने इस मुद्दे को और पेचीदा बना दिया। 'जोदी तोर डाक शुने केउ ना आसे, तोबे एकला चलो रे (अगर कोई आपकी पुकार का जवाब नहीं देता है, तो अपने रास्ते पर चलें)।' हालांकि उन्होंने दावा किया कि वे गठबंधन से इनकार नहीं कर रहे हैं। 'हम चाहते हैं कि हमारे संघर्ष में दूसरे भी हमारे साथ हों। ह्यकोबी गुरु (टैगोर)ह्न कह रहे हैं कि अगर कोई आपके साथ खड़ा है, तो आप साथ चलें। और अगर वे नहीं हैं, और अगर आपका रास्ता सही है, तो आप अकेले चलें,' उन्होंने कहा।

स्वतंत्र राज्यसभा सांसद और पूर्व पत्रकार अजीत भुइयां ने बताया कि वे पार्टियों को एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर सहमत कराने की कोशिश पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। 'हमें लगता है कि कांग्रेस के बिना विपक्षी गठबंधन नहीं हो सकता क्योंकि यह सबसे मजबूत पार्टी है। लेकिन हमने उन्हें चेतावनी भी दी है कि अगर वे क्षेत्रीय दलों की अनदेखी करेंगे तो वे जीत नहीं पाएंगे। एक और चुनौती यह है कि अखिल दूसरी दिशा में चले गए और कांग्रेस पर आक्रामक तरीके से हमला किया। चुनावी महत्वाकांक्षाओं से रहित लोगों के एक समूह के रूप में, हमने नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की और सभी दलों के मुद्दों को दशार्ते हुए एक नोट तैयार किया। बैठक में सभी ने खुलकर और रचनात्मक तरीके से बात की,' उन्होंने कहा।

पार्टियों के बीच तनाव को स्वीकार करते हुए भुइयां ने कहा कि पार्टियों का एक साथ मिलकर लड़ने का इरादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'हम इस पर गंभीरता से काम करना जारी रखेंगे।'

वर्ष 2025 असम के राजनीतिक दलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। असम में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन इस साल कम से कम पांच स्वायत्त परिषदों के चुनाव होने हैं, जो राजनीतिक दलों के लिए इस साल को महत्वपूर्ण बनाते हैं। इस साल बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी), राभा हसोंग स्वायत्त परिषद, मिसिंग स्वायत्त परिषद, सोनोवाल कछारी परिषद और पंचायत चुनाव होने हैं, इसलिए इस साल को अगले साल के फाइनल - विधानसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा है।

राज्य कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा के रवींद्रनाथ टैगोर को उद्धृत करते हुए फेसबुक पर पोस्ट की गई रहस्यमयी पोस्ट ने इस मुद्दे को और पेचीदा बना दिया। 'जोदी तोर डाक शुने केउ ना आसे, तोबे एकला चलो रे (अगर कोई आपकी पुकार का जवाब नहीं देता है, तो अपने रास्ते पर चलें)।' हालांकि उन्होंने दावा किया कि वे गठबंधन से इनकार नहीं कर रहे हैं। 'हम चाहते हैं कि हमारे संघर्ष में दूसरे भी हमारे साथ हों। 'कोबी गुरु (टैगोर)' कह रहे हैं कि अगर कोई आपके साथ खड़ा है, तो आप साथ चलें। और अगर वे नहीं हैं, और अगर आपका रास्ता सही है, तो आप अकेले चलें,' उन्होंने कहा।

असम में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं समाप्त होने के बाद राज्य भर में पंचायत चुनाव होने की संभावना है, जबकि बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के चुनाव साल के अंत में होने की संभावना है।

हालांकि अधिकांश राजनीतिक दलों ने असम में पंचायत चुनावों के लिए राज्य स्तर पर कोई गठबंधन नहीं करने का फैसला किया है, लेकिन जमीनी स्तर पर गठबंधन की संभावनाएं हैं। आगामी पंचायत चुनाव और चार स्वायत्त परिषदों के चुनाव अब राजनीतिक दलों के लिए अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले अपने समर्थन आधार को आंकने के अवसर के रूप में देखे जा रहे हैं। असम में सत्तारूढ़ भाजपा ने पंचायत चुनावों के लिए अपनी तैयारियां पहले ही तेज कर दी हैं, लेकिन विपक्षी कांग्रेस अभी भी पंचायत चुनावों के मामले में धीमी गति से आगे बढ़ रही है।

पूर्व भाजपा अध्यक्ष और विधायक भाबेश कलिता ने कहा, 'हम पंचायत चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमने घोषणापत्र समिति और चुनाव प्रबंधन समिति का गठन करके प्रक्रिया शुरू कर दी है।' उन्होंने कहा कि सभी जिला समितियों को तैयारी शुरू करने के लिए कहा गया है। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि भगवा पार्टी ने पूर्व लोकसभा सांसद पल्लब लोचन दास को चुनाव प्रबंधन समिति का संयोजक भी नियुक्त किया है। भगवा पार्टी ने राज्य के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास को घोषणापत्र समिति का नेतृत्व करने के लिए भी कहा है।

असम में विपक्षी कांग्रेस ने भी पंचायत चुनावों से पहले राज्य भर में बड़े पैमाने पर पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा, 'हम जिला समितियों के पदाधिकारियों में व्यापक फेरबदल करने जा रहे हैं। हालांकि यह फेरबदल तत्काल प्रभाव से लागू होगा, लेकिन हम अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए इस फेरबदल पर विचार कर रहे हैं। पंचायत चुनावों से पहले राज्य स्तरीय गठबंधन बनाने में कुछ समस्याएं हैं। हम पंचायत चुनावों में अकेले अपनी ताकत का इस्तेमाल करके अपने समर्थन आधार का पता लगाना चाहते हैं। हालांकि, स्थानीय स्तर पर गठबंधन हो सकता है।'

(लेखक वरिष्ठ कवि एवं पूर्वोत्तर में जनसंदेश टाइम्स के प्रतिनिधि हैं)

तमिलनाडु में हिंदी विरोध की राजनीति

प्रसंगवश

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

नई शिक्षा नीति (एनईपी) और त्रिभाषा फॉमूर्ले को लेकर तमिलनाडु में फिर विवाद गहरा गया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के बाद अभिनेता कमल हासन ने आरोप लगाया है कि तमिलनाडु पर ह्यहिंदी थोपनेह्न की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि वह बहुभाषी होने के पक्षधर हैं, लेकिन राज्य में हिंदी को अनिवार्य करना स्वीकार्य नहीं है।

तमिलनाडु के नेताओं, अभिनेताओं और दूसरे नुमाइंदों के ऐसे तर्कों के कारण त्रिभाषा फॉमूर्ला लागू करना मृगमरीचिका बना हुआ है। कस्तूरीरंगन कमेटी पहले ही सिफारिश कर चुकी है कि तमिलनाडु समेत सभी गैर-हिंदी भाषी राज्यों के सेकंडरी स्कूलों में एक क्षेत्रीय भाषा और अंग्रेजी के अलावा हिंदी पढ़ाई जानी चाहिए।

नई शिक्षा नीति को लेकर तमिलनाडु का कई मसलों पर विरोध है। लेकिन द्रविड अभिमान पर गठित हुए इस राज्य की मुख्य आपत्ति तीन-भाषा फॉमूर्ला को लेकर है। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति यानी एनईपी 2020 के तहत प्रस्तावित तीन-भाषा नीति एक शैक्षणिक ढांचा है। आसान शब्दों में कहें तो इसका अर्थ यह है कि बच्चों को तीन भाषाओं का ज्ञान होना चाहिए। अगर पहली भाषा की बात करें तो यह आमतौर पर छात्र की मातृभाषा या राज्य की क्षेत्रीय भाषा होगी। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में तमिल, महाराष्ट्र में मराठी।

दूसरी भाषा में कोई अन्य भाषा हो सकती है। लेकिन केंद्र सरकार अक्सर हिंदी को इस संदर्भ में प्रोत्साहित करती है, खासकर गैर-हिंदी भाषी राज्यों में, ताकि राष्ट्रीय एकता मजबूत हो। हालांकि, यह अनिवार्य नहीं है और राज्य अपने हिसाब से दूसरी भाषा चुन सकते हैं। तमिलनाडु का सख्त विरोध इसी बिंदू पर है।

तीसरी भाषा आमतौर पर अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा (जैसे फ्रेंच, जर्मन) हो सकती है, ताकि बच्चे ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकें। गैर-हिंदी भाषी राज्यों में यह हिंदी भी हो सकती है, जबकि हिंदी भाषी राज्यों में कोई अन्य भारतीय भाषा (जैसे तमिल, तेलुगु) चुनी जा सकती है। यह नीति खास तौर पर कक्षा 1 से 8 तक लागू करने पर जोर देती है, ताकि बच्चे अपनी मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा के साथ-साथ अन्य भाषाओं में भी दक्षता हासिल कर सकें।

तमिल अस्मिता, द्रविड़ गौरव और केंद्र के कथित प्रभुत्व के खिलाफ रही तमिलनाडु की राजनीति ने तीन-भाषा के फॉमूर्ले को लागू नहीं किया। तमिलनाडु आज भी दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) पर अड़ा हुआ है और हिंदी के खिलाफ भावना यहां गहरी हैं। तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने कहा कि केंद्र एक और भाषा युद्ध के बीज बो रहा है। और हम लोग इस युद्ध के लिए तैयार हैं। डीएमके कैडर को लिखे एक पत्र में सीएम स्टालिन ने केंद्र की ओर इशारा करते हुए कहा कि 'आप अभी भी इसे थोप रहे हैं, इसलिए हम अभी भी इसका विरोध कर रहे हैं। अगर आपने इसे नहीं थोपा होता, तो हम इसका विरोध नहीं करते, हिंदी अक्षरों को नहीं हटाते। तमिलनाडु के लोगों की खास पहचान आत्मसम्मान है। हम कभी किसी को इसे भड़काने नहीं देंगे।'

सीएम स्टालिन ने कहा कि, 'प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान यादव से पूछे जाने चाहिए थे, जो हिंदी थोपने की कोशिश कर रहे हैं। आप काशी तमिल संगमम और कुंभ मेला आयोजित कर रहे हैं और यहां से लोगों को ले जा रहे हैं। क्या आपने उनकी सहायता के लिए तमिल और अन्य भाषाओं में नाम बोर्ड लगाए हैं? आपको पूछना चाहिए था कि क्या भारतीय भाषाओं के साथ समान व्यवहार किया जाता है और ऐसे बोर्ड लगाए जाते हैं।'

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु किसी विशेष भाषा के खिलाफ नहीं है और किसी भी भाषा को सीखने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के रास्ते में नहीं आएगा, लेकिन वह किसी भी अन्य भाषा को मातृभाषा तमिल पर हावी होने और उसे नष्ट करने की अनुमति नहीं देने के लिए दृढ़ संकल्प है। स्टालिन ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित एक पत्र में कहा, 'यही कारण है कि हम द्विभाषी नीति (तमिल और अंग्रेजी) का पालन कर रहे हैं।'

स्टालिन ने डीएमके कार्यकर्ताओं को कहा है कि हिंदी के वर्चस्व के खिलाफ संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक कि इसे समाप्त नहीं कर दिया जाता, हम एक ऐसे आंदोलन के वंशज हैं जिसकी सिद्धांतवादी सेना ने तमिल की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

डीएमके के आरोपों से केंद्र सीधे इनकार करती है। केंद्र का कहना है कि ठएढ के जरिये किसी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जा रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्यमंत्री स्टालिन को एक पत्र लिखकर कहा, 'मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि किसी भी राज्य या समुदाय पर कोई भी भाषा थोपने का सवाल ही नहीं उठता। एनईपी 2020 भाषायी स्वतंत्रता के सिद्धांत को कायम रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि छात्र अपनी पसंद की भाषा में सीखना जारी रखें।'

भाषा को लेकर संकीर्ण सोच से ऊपर उठने के बजाय राज्य के नेता इस मुद्दे पर राजनीति चमकाने में जुटे हैं। तमिलनाडु में हिंदी विरोध का लंबा इतिहास है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने दक्षिण भारत में वर्ष 1918 में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की थी। वे हिंदी को भारतीयों को एकजुट करने वाली भाषा मानते थे। तब ही तमिलनाडु में हिंदी विरोध शुरू हो गया था।

ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में तमिलनाडु को मद्रास प्रेसिडेंसी कहा जाता था। तब 1937 में सी. राजगोपालाचारी की सरकार ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किया तो तमिलनाडु में इसके खिलाफ तीन साल तक आंदोलन चला। फैसला वापस लेने पर आंदोलन तो खत्म हो गया, पर इसने राज्य में हिंदी विरोध के जो बीज बोए थे, वे जब-तब अंकुरित होने लगते हैं। क्षेत्रीय पार्टियां राजनीतिक फायदे के लिए इन्हें खाद-पानी मुहैया कराती रहती हैं। तमिलनाडु के स्कूलों में 1967 से दो-भाषा फॉमूर्ले (तमिल और अंग्रेजी) का पालन किया जा रहा है।

त्रिभाषा फॉमूर्ले के तहत हिंदी वहां क्षेत्रीय पार्टियों के लिए आंख की किरकिरी बनी हुई है। शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के इस नीति के मकसद के बावजूद ये पार्टियां पुराना राग नहीं छोड ?ा चाहतीं। द्रमुक की मौजूदा सरकार पर केंद्र की यह चेतावनी भी बेअसर रही कि जब तक तमिलनाडु एनईपी को पूरी तरह लागू नहीं करेगा उसे समग्र शिक्षा निधि की 2952 करोड़ रुपए की राशि जारी नहीं की जाएगी।

तमिलनाडु सरकार हिंदी के पठन-पाठन के दरवाजे इसलिए बंद रखना चाहती है, क्योंकि उसे लगता है कि एक बार दरवाजे खुले तो राजनीति का रंग-रोगन बदल जाएगा। नई शिक्षा नीति हिंदी थोपने के बजाय विद्यार्थियों को एक अतिरिक्त भाषा सीखने का अवसर दे रही है। दक्षिणी राज्यों में त्रिभाषा फॉमूर्ले का रास्ता बनाने के लिए फूंक-फूंककर कदम रखना होगा। इस मुद्दे पर राजनीति की बजाय गंभीरता से विचार होना जरूरी है। क्योंकि यह मसला राजनीति से बहुत बड़ा है। आखिरकार यहां सवाल हमारे भविष्य का है, हमारी अगली पीढ़ी का है। और सवाल व्यक्तिगत पसंद नापसंद का भी है। बच्चों को भाषा चुनने की आजादी मिलनी चाहिए।

(लेखक चिकित्सक हैं)

व्यंग्य

होली पर रंगों में मित्र की डुबकी...!

भूपेन्द्र भारतीय

एक बार फिर हवाओं में होली के रंग घुलने लगे हैं। इधर वर्षभर चलने वाले रंग कभी सत्ता के रंग तो कभी राजनीति के, रंग अपने अपने धंधे के, इस मौसम में सबका मन होता है कि इन रंगों से अलग हटकर कुछ नया हो जाए, इसलिए होली पर कुछ अलग रंगों का स्वाद लिया जाता है ! रंगों के इस मिश्रण का अपना अनुठा आनंद है। होली हे ही इतना सुंदर त्यौहार। हर किसी को रंगरेज करके छोड़ती है। इस माहौल में कोई अपना अलग रंग नहीं दिखा सकता है। सबको सबके रंग में रंगाना पड़ता है, जिससे कि वर्ष में सब एक बार अपना अपना असली रंग छुपा सके। जिस तरह नेताओं का वर्ष भर रंग अलग ही होता है। उसी तरह नौकरशाहों का अलग, पति का अलग, तो पत्नी के रंग की बात करना युद्ध को आमंत्रण देना है। वहीं साहित्यकारों के अपने हजार रंग। उसी तरह बाकी रंगीलो के भी अलग ही रंग होते हैं लेकिन होली के समय सब थोड़ा थोड़ा अपना मूल रंग बदलना चाहते हैं। जिससे कि हर कोई रंगों के महाकुंभ में एक बार डुबकी लगा सके और वर्ष भर किये पापों को होली के रंगों से धो दें। आखिर हर किसी के पाप के भी तो अपने अपने रंग होते है जो होली के रंगों में ही धुलते है।

इधर देखने में आया है कि मेरी गरीबी के मित्र भी इस अवसर का वर्षभर इंतजार करते हैं। जैसे ही होली का रंग हवाओं में चढ़ना शुरू होता है वे अपने पापों का हिसाब लगाने बैठ जाते हैं। शिवरात्रि से लेकर रंगपंचमी तक प्रतिशाम पापों का हिसाब लगाया जाता है। सुबह अलग रंग, तो शाम को अलग। शुरूआत भोले बाबा के प्रसाद से पापों के हिसाब की जड़ में जाने का प्रयास किया जाता है। बाबा के नाम पर ठंडाई के सेवन के माध्यम से दुनियादारी को छोड़कर परमचेतना को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। इस क्रिया में उसे लगता है कि मन व तन एकाकार होकर पापी दुनिया से ऊपर उठ जाता है। कोई पाप व उसका प्रभाव उसे नहीं छू पाता है। यह डुबकी निराली होती है। अमृततुल्य मानी जाती है। वह मुझे भी निमंत्रण देता है लेकिन मैं अपने रंगों में ही संतोष का अनुभव करता हूँ और इन दिनों उससे समान दूरी बनाकर बचकर रहना पड़ता है।

रंगों के इस महामेले में मेरा मित्र दो तीन दिन जबरदस्त बाबा के रंगों में डुबकी लगाता है। इसे वह कभी भक्ति रंग से संबोधित करता है तो कभी उस मस्ती रंग में रंगीन होता है। यहां से डुबकी लगाने का महौल बनने शुरू होता है तो फिर रंगों के सबसे बड़े त्यौहार होली तक विभिन्न रंगों में डुबकी लगाई जाती है।

मित्र की रंगों में डुबकी लंबे समय तक चलती है। ऐसे में कोई कैसे पीछे रहे। उसी तरह सब अपने अपने रंग केंचुली की तरह उतारते चलते हैं। और नये नये रंगों में डुबकी लगाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। सरकारें सरकारी विज्ञापनों के माध्यम से वर्षभर का रंग बदलती है और फिर नये रंग में आ जाती है। बाबू लोग अपने साहबों को नये रंगों के लिफाफे देकर अपने पाप धोते है। सरकारों के मंत्री पार्टी फंड में नये रंग चढ़ाते हैं। विश्वविद्यालयों में सालभर भटकते शोधार्थी अपने अपने गाईड को रंगों का टीका लगाते हैं व एक वर्ष शोध में ओर बढ़ जाने के लिए अपने को फिर शोधार्थी के रंग मे रंग लेते हैं। ऐसे में मेरे जैसे साहित्यकार भी कहाँ पीछे रहते हैं, वे भी नये रंग की साहित्यिक होली व वासंती रचना में अपने बौद्धिक बल समेत डुबकी लगाता रहता हैं।

मेरा मित्र इस परिस्थिति में रंगों की इन डुबकीयों पर चिंतन करता है। जिस तरह आलोचक चिंतन करते हैं और आगे उन्हें शोध पीठों का मठाधीश बना दिया जाता है। मित्र भी रंगों के माध्यम से अपने क्षेत्र का मठाधीश बनना चाहता है। पर अब तक उसके हाथ सही रंग नहीं लगा है। लेकिन रंगों के इस सीजन में डुबकी लगाने का उसका प्रयास निरंतर चलता रहता है। कभी वह वाट्सएप के माध्यम से रंगों की डुबकी लगाता है तो कभी रंगारंग रील बनाकर वह अपने पाप मिटाना चाहता है !

हम सब जानते हैं, होली है तो समरसता का त्यौहार। लेकिन कितने लोग इसके सही उद्देश्य तक पहुंच पाते हैं !

सब अपने अपने रंग में डुबे रहते हैं और दूसरे को भी अपने ही रंग में डुबोना व रंगना चाहते हैं। मेरा पराक्रमी मित्र भी अपने ही रंगों की दुनिया में इस समय में रंगरेज बना घूमता रहता है। कभी फेसबुक पर रंगों की डुबकी लगाता है तो कभी मंच-माईक-माला के प्रबंधन से अतिथि रूपी रंग में डुबकी का आनंद लेता है। उसकी होली सिर्फ उसके ही रंगों की होली होती है। जिसमें उसकी निरंतर डुबकीयाँ चलती रहती है। 'जैसे सरकारी व्यवस्था के रंगों की अपनी होली होती है जो हमेशा से सत्ता के निराले रंगों में ही रंगी रहना चाहती हैं।'

(लेखक व्यंग्यकार हैं,
संपर्क 9926476410)

मानदेय को लेकर रसोइयों ने किया प्रदर्शन

विरोध प्रदर्शन करते रसोइयां।

जनसंदेश न्यूज

पटवध (आजमगढ़)। सगड़ी तहसील अंतर्गत हरैया ब्लॉक क्षेत्र के बांका बुढ़नपट्टी स्थित प्राथमिक विद्यालय पर रविवार को रसोईया संघ द्वारा बैठक की गई तत्पश्चात मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

रसोईया संघ के कर्मियों ने बताया कि जब हम लोगों की नियुक्ति हुई तो उस समय एक हजार रुपए मानदेय के तौर पर चेक द्वारा हेड मास्टर देते थे। फिर सरकार ने हम लोगों का मानदेय दो हजार रुपए कर दिया। वह भी मानदेय अब हम लोगों को समय से नहीं मिलता है। इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों से करते हैं तो संतोष जनक जवाब नहीं मिलता है। जिससे रसोईया संघ के कर्मी भुखमरी के कगार पर हैं। इस महंगाई के दौर में दो हजार रुपए मानदेय नाकाफी साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा मानदेय बढ़ाया जाए और समय से भुगतान किया जाय। इस अवसर पर बनवारी सिंह, आशा देवी, उर्मिला देवी, गुलाबी देवी, संगीता देवी, इंद्रावती देवी, किरोधन यादव आदि मौजूद रहे।

भूली-बिसरी याद बनकर रह गया है फगुआ, चौताल

परंपरा

होली पर परोसा जा रहा अश्लील गीत

नहीं सुनाई दे रही ढोल मंजीरे की थाप

जनसंदेश न्यूज

हरि चतुर्वेदी।

राजबहादुर राय।

सुन्दर राजभर।

मार्टिनगंज (आजमगढ़)। आधुनिकता की चपेट में होली का त्योहार अपने पुरानी परंपरा से हटकर हो गया है जिसके चलते होली का त्योहार अब खराब लगने लगा है। पहले होली पर मचने वाला हुड़दंग अब अश्लीलता का रूप ले लिया है। पहले लोग पारंपरिक रूप से चौताल फगुआ गाया करते थे लेकिन अब उसका स्थान डीजे ने ले लिया है। डीजे की धुन में युवा पीढ़ी मदमस्त होकर होली में अश्लीलता पर उतर आती है जबकि पहले गांव में ढोलक मजीरे की धुन पर गाए जाने वाला पारंपरिक गीत फगुआ अब भूली बिसरी याद बनकर रह गया है।

हरि चतुर्वेदी ने बताया कि चैताल को गाने वाली टोली लोगों के दरवाजे सहित गांव के चट्टी चौराहों पर बैठकर फगुआ गाती थी। दूसरे गांव के लोग भी इसमें शामिल होते थे। होली के दिन तो युवा और बुजुर्ग बच्चों की टोली फगुआ गाते हुए पूरे गांव में घूमती थी।

लोग जोगीरा गाते हुए सबके दरवाजे पर जाते थे और अबीर गुलाल के साथ होली खेलते थे। लेकिन अब तो वह समय एक कहानी बनकर रह गया है। बच्चे अब मोबाइल में घुसे रहते हैं। रंग पिचकारी फगुआ क्या होता है उन्हें पता ही नहीं। होली के दिन डीजे पर अश्लील गानों पर नाच गाकर होली मनाते हैं।

सुंदर राजभर ने बताया कि एक समय वह भी था जब बसंत शुरू होती थी गांव वालों की टोली निकालकर ढोलक मंजीरा लेकर दरवाजा पर बैठकर चौताल का दौर शुरू हो जाता था। देर रात तक लोग फगुआ गीतों का आनंद उठाते थे।

अब आधुनिक दौर में पुरानी परंपराओं का स्थान डीजे ने ले लिया है। पहले जहां लोगों को मस्ती के लिए ठंडाई का प्रयोग होता था आज वह स्थान दारु शराब ने ले लिया है अब तो फगुआ सुनने को भी नहीं मिलता।

आजमगढ़ पब्लिक स्कूल के छात्रों की बड़ी कामयाबी

गर्व की बात

परीक्षा के फाउंडेशन और इंटरमीडिएट परीक्षा में किया शानदार प्रदर्शन

अंतराष्ट्रीय ओलंपियाड में भी पाए स्वर्ण पदक

जनसंदेश न्यूज

आजमगढ़। कोटिला चेकपोस्ट स्थित आजमगढ़ पब्लिक स्कूल के लिए यह गर्व का विषय है कि उसके पूर्व छात्रों ने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। स्कूल के तीन पूर्व छात्रों ने सीए परीक्षा के विभिन्न स्तरों को सफलतापूर्वक पास किया है।

इन सफल छात्रों में सेजल जायसवाल और मोहम्मद अनस खान ने सीए फाउंडेशन परीक्षा जनवरी 2025 को 241 एवं 246 अंकों के साथ सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है। दोनों ने अकाउंटिंग, बिजनेस लॉ और इकॉनॉमिक्स में शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, अब्दुर रहमान ने सीए इंटरमीडिएट परीक्षा सितंबर 2024 के ग्रुप-1 को 167 अंकों से पास कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

वहीं दूसरी ओर विद्यालय के तीन छात्रों मसब खान, नूरसबा अंसारी एवं वरीशा बानो ने अंतराष्ट्रीय ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक हासिल कर विद्यालय का एवं अपने माता पिता का नाम रोशन किया। आजमगढ़ पब्लिक स्कूल के छात्र कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुशासन के साथ सफलता की ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि वर्तमान और भविष्य के छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। विद्यालय प्रशासन इन सभी विद्यार्थियों को उनकी इस शानदार उपलब्धि पर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राएं।

चार घंटे तक चला चक्का जाम, मौके पर नहीं पहुंचे सक्षम अधिकारी

जनसंदेश न्यूज

माहुल (आजमगढ़)। रविवार को अखिल भारतीय किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष इम्तियाज वेग व किसान सभा के जिला अध्यक्ष त्रिलोकीनाथ के नेतृत्व में बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान व नौजवान धरने में शामिल हुए जिसमें पांच सूत्रीय मांगों को लेकर चक्काजाम हुआ था।

मडना गांव के नहर त्रिमुहानी पर सैकड़ों की संख्या में किसान, नौजवान व महिलायें हाथों में लाल झंडा लेकर अहरौला-कप्तानगंज मार्ग को जाम कर दिया बड़ी संख्या में वाहनों की लंबी कतार लग गई। थानाध्यक्ष अहरौला अनिल कुमार सिंह सहित आधा दर्जन उपनिरीक्षक व बडी संख्या में पुलिस के जवान तैनात थे मांगों में राशन वितरण में अनियमितता व बडी संख्या में राशनकार्ड धारकों के नाम काटे जाने के मामले में क्षेत्रीय खाद्य निरीक्षक विकास सिंह के द्वारा सफाई दी व गलती से काटे गये नामों को जोड़ने का आश्वासन दिया। मौके पर बूढ़नपुर तहसील से नायब तहसीलदार बंदना वर्मा भी मौके पर पहुंची। सबसे बड़ा सवाल अहरौला-कप्तानगंज मार्ग पर खड़ा हो गया।

लोकनिर्माण विभाग की तरफ से एई राजकुमार सिंह यादव मौके पर पहुंचे थे जिस पर प्रदर्शनकारी आक्रोशीत हो उठे सवाल उठाया कि जब तक लोकनिर्माण के अधिशासी अभियंता नहीं आते तब तक जाम नहीं खुलेगा प्रदर्शनकारियों ने सवाल उठाया कि लोक सभा के दौरान जारी हुआ टेंडर का पैसा क्या हुआ इसका जबाब लोकनिर्माण के सक्षम अधिकारी ही दे सकेंगे और अगर टेंडर जारी कर जनता भ्रमित किया तो सरकार ऐसे अधिकारी पर कार्रवाई हुई या नहीं एक दशक से सड़क की मरम्मत तक नहीं हुआ सड़क में हर किलोमीटर में सैकड़ों से ज्यादा गड्ढें बने हैं जिससे रोज दुर्घटना हो रही है लोगों की मौत भी हो चुकी है बच्चे साइकिल से स्कूल भेजने में अभिभावक डर रहे हैं इस स्थिति में लोकनिर्माण के जिम्मेदारों के भ्रष्टाचार की जांच व मुकदमा दर्ज होना चाहिए लोकतंत्र मजबूती की दुहाई देने वाली सरकार का जनता से यह कैसा मजाक है जैसे इस सड़क पर चलने वाले लावारिस है। मौके पर सक्षम अधिकारी के न पहुंचने पर अखिल भारतीय किसान सभा के जिला अध्यक्ष त्रिलोकीनाथ ने कहा कि अगर पुलिस चाहें तो हमें जेल में बंद कर दें जब तक जिम्मेदार मौके पर पहुंच कर हमारे तमाम सवालों का जवाब नहीं देंगे तब हम सड़क पर बैठे रहेंगे।

जिससे वहां मौजूद नायब तहसीलदार व थानाध्यक्ष परेशान हो उठे किसी तरह मौके पर पहुंचे लोकनिर्माण विभाग के एई राजकुमार सिंह यादव सवालों का जवाब नहीं दे सके जिससे प्रदर्शन कारी आक्रोशीत हो उठे किसी तरह से उच्चाधिकारियों से वार्ता कर शासन को भेजे गये मांग पत्र सहित तीन माह बाद बजट मिलने पर कार्य शुरू कराने का लिखित आश्वासन एई राजकुमार सिंह यादव के देने के बाद लगमग चार घंटे बाद जाम समाप्त हुआ बिजली विभाग व सिंचाई विभाग का कोई मौके पर नहीं पहुंचा।

अहरौला-कप्तानगंज मार्ग को जाम करते अखिल भारतीय किसान सभा के पदाधिकारी।

संक्षेप

मुम्बई से आये जत्थे ने किया दत्तात्रेय धाम पर पूजन-अर्चन

निजामाबाद (आजमगढ़)। स्थानीय तहसील क्षेत्र के दत्तात्रेय धाम पर महाराष्ट्र से आए हुए दस दर्शनार्थियों ने दर्शन-पूजन किया। उन्होंने बताया कि हम लोग 24 फरवरी को मुम्बई से कुंभ में नहाने के लिए चले हैं। उसके बाद यूपी में कई जनपदों में जाकर ऐतिहासिक मंदिरों में दर्शन पूजन किया। उन्होंने बताया कि प्रयाग राज में आकर गंगा जमुना सरस्वती संगम में स्नान किया गया और उसके बाद वहां से अयोध्या में जाकर राम लला का दर्शन-पूजन कर सरयू नदी में स्नान किया। शिवरात्रि के दिन वाराणसी में बाबा विश्वनाथ मंदिर में जाकर पूजन कर शाम को गंगा आरती में शामिल हुए। उसके दूसरे दिन गोरखपुर में गुरु गोरखनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। वहां से नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन कर शनिवार को आजमगढ़ में दत्तात्रेय धाम पर पहुंच कर दर्शन पूजन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम लोग दस साल पहले आए थे। यूपी में सड़कों का जाल और धार्मिक स्थलों को बहुत ही आकर्षक ढंग से बनाया गया है। इसके लिए हम उत्तर प्रदेश सरकार और मोदी सरकार का धन्यवाद करते हैं। श्रद्धालुओं के जत्थे में पुरुषोतम पाटिल, किशोर नाना पाटिल, भरत भाई गौड़, मनीष पारिख, राजेश राय, धर्मेश शर्मा, परवीन भादने, वसुदेव गवाद, मांगीलाल प्रजापति, मोरेश्वर आदि शामिल थे।

महिला की ही बदौलत पुरुष का अस्तित्व : सहजानन्द

बूढ़नपुर (आजमगढ़)। विकास खंड कोयलसा सभागार में जिला स्तरीय अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा गोरखपुर क्षेत्र सहजानंद राय ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान हर पुरुष को करना चाहिए क्योंकि महिला की ही बदौलत पुरुष का अस्तित्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री महिलाओं को सम्मान देने के लिए अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को चलाकर महिलाओं को सम्मान देने का काम किये हैं। विशिष्ट अतिथि लालगंज जिलाध्यक्ष सूरज प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार महिलाओं को समान शिक्षा के अधिकार के साथ-साथ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला उत्पीड़न संबंधित कानून बनाकर उनका हक दिलाने का काम किया है। कार्यक्रम को पूर्व सांसद संगीता आजाद ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता प्रमुख प्रतिनिधि संतोष यादव ने किया। मंडल अध्यक्ष रुद्र प्रकाश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचालन चंद्रजीत तिवारी और हनुमंत प्रसाद सिंह ने किया। इस मौके पर रामशंकर वर्मा, अर्पित मौर्य, रविंद्र सिंह, मनीष सिंह, जगन्नाथ राजभर, आशुतोष चौबे, विनोद सिंह, रामाश्रय यादव, रेखा गिरी, नेहा चतुर्वेदी, कुसुमलता बौद्ध आदि उपस्थित रहीं।

पांच दिन बाद भी नहीं लगा चोरी गए ऑटो का सुराग

फूलपुर (आजमगढ़)। स्थानीय थाने से पचास कदम दूर तहसील मुख्यालय गेट के सामने से चोरी हुए टेम्पो का पाच दिन बाद भी पुलिस कोई सुराग नहीं लगा सकी। विगत तीन चार मार्च की रात तहसील मुख्यालय के सामने सुदनीपुर ग्राम पंचायत के चकनुरी पुरवा निवासी आटो चालक नौसाद घर के सामने अपना डीजल टेम्पो खड़ा कर अन्दर चला गया। सीसी टीवी में चोर आया और टेम्पो घुमाकर पैदल थाने की तरफ घुमाया कुछ दूर पैदल ले गया फिर टेम्पो स्टार्ट कर थाने के सामने से शाहगंज की तरफ निकल गया। सुबह पीड़ित जब उठा तो देखा टेम्पो नही था। थाना फूलपुर में अज्ञात चोर के खिलाफ लिखित तहरीर दिया। मुकदमा लिख दिया गया पर पांच दिन बाद भी न तो चोर का कोई सुराग लगा न आटो का। इसी आटो से नौसाद अपने परिवार को दो वक्त की रोटी की व्यवस्था करता था। इस संबंध सब इंस्पेक्टर फूलपुर दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रयास चल रहा है। सीसी टीवी फुटेज से पता लगाया जा रहा है, जल्द कामयाबी मिलेगी।

दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे तीन मुन्ना भाई गिरफ्तार

राजाराम स्मारक इंटर कॉलेज में दे रहे थे इंटरमीडिएट की परीक्षा

लालगंज (आजमगढ़)। गंभीरपुर थाना पुलिस ने शनिवार 8 मार्च को द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की रसायन विज्ञान का पेपर दे रहे तीन मुन्ना भाइयों को हिरासत में ले लिया। ये तीनों दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे थे। जांच के बाद तीनों लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।

राजाराम स्मारक इंटर कालेज केन्द्र व्यवस्थापिका/प्रधानाचार्या रीना मौर्या द्वारा थाने पर प्रार्थना पत्र दिया कि 8 मार्च दिन शनिवार को विद्यालय में द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट रसायन विज्ञान का पेपर होने व विद्यालय के 3 विद्यार्थियों अभय पुत्र अभिमन्यु निवासी मधसिया थाना तहबरपुर द्वारा अपने रिश्तेदार अमित कुमार पुत्र जग्गू राम निवासी इब्राहिमपुर थाना गम्भीरपुर के स्थान, व विशाल यादव पुत्र उदयचन्द यादव निवासी गम्भीरपुर अपने सम्पर्की पंकज यादव पुत्र रामचंदर निवासी गन्धुवई थाना सरायमीर व उत्कर्ष यादव पुत्र विरेन्द्र यादव निवासी जहांनियापुर थाना गम्भीरपुर द्वारा अरविन्द यादव पुत्र हनुमान प्रसाद यादव निवासी खानपुर थाना सरायमीर के स्थान पर परीक्षा दिया जा रहा था। पुलिस ने मामले में तीनों अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। गंभीरपुर पुलिस चैकी प्रभारी संदीप दुबे ने रविवार को कस्बा गम्भीरपुर मार्टिनगंज तिराहे से अभय पुत्र अभिमन्यु, विशाल यादव पुत्र उदयचन्द्र यादव, उत्कर्ष यादव पुत्र विरेन्द्र यादव को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में चालान कर दिया।

गंभीरपुर पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

जनपद निवासी फहमी बने टैंगो गणराज्य के राजदूत

उपलब्धि

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने दिया नियुक्त पत्र

माहुल(आजमगढ़)। जिले के शिबली गांव निवासी और वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी सैयद रजी हैदर फहमी को टैंगो गणराज्य में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया है। जैसे ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उन्हें राजदूत नियुक्त किया और इसकी खबर उनके गांव और शुभचिंतकों को हुई, हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया।

सैयद रजी अहमद फहमी का जन्म शिबली गांव में हुआ था। इनके पिता गुलाम हुसैन रोजी-रोटी के सिलसिले में कोलकाता चले गए और वहीं बस गए। इनकी शिक्षा-दीक्षा कोलकाता में हुई। कोलकाता में शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे मुंबई अनुसंधान विभाग में कार्यरत हो गए। 1994 में विदेश मंत्रालय में शामिल हुए और देश-विदेश में भारतीय दूतावासों में कार्य किया। वर्ष 2021 से वे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से नियुक्ति पत्र लेते सैयद रजी हैदर फहमी।

विदेश मंत्रालय के पासपोर्ट और वीजा डिवीजन में निदेशक के पद पर कार्यरत रहे। इनकी कार्यकुशलता,योग्यता और दूरदृष्टि को देखते हुए राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उन्हें टैंगो जैसे महत्वपूर्ण गणराज्य में भारत का राजदूत नियुक्त किया है। टैंगो अफ्रीका के पश्चिमी हिस्से में स्थित एक स्वतंत्र गणराज्य है। सैय्यद रजी हैदर फहमी की शादी फूलपुर तहसील के कंदरी गांव निवासी और फातिमा हिंद गर्ल्स कालेज के प्रबंधक सैयद आफताब हुसैन की पुत्री गुलनाज फातिमा के साथ हुई है। इनके तीन बच्चे हैं जो कि चिकित्सक हैं। हिंद गर्ल्स कालेज के लिपिक और सैयद रजी हैदर फहमी के साले सैयद वसीम हैदर ने बताया कि हमें गर्व है कि हमारा रिश्तेदार भारत देश के लिए विदेश में कार्य कर रहा है।

ससुराल कंदरी में जश्न का माहौल

माहुल (आजमगढ़)। सैयद रजी हैदर फहमी के टैंगो गणराज्य का राजदूत बनने के बाद तीन दिन से लगातार उनकी ससुराल कंदरी में जश्न का माहौल व्याप्त है। रविवार को इस खुशी में मिष्ठान का वितरण कर खुशी मनाई गई। इस अवसर पर हिन्द गर्ल्स कालेज के प्रबंधक सैयद आफताब हुसैन, वसीम हैदर, नाज फातिमा, जगदंबा यादव, उमाशंकर यादव आदि मौजूद रहे।

बेरोजगारी और गरीबी से आम जनता परेशान : अनिल यादव

निजामाबाद (आजमगढ़)। नमस्ते निजामाबाद अभियान के तहत रविवार को बेगपुर खालसा, पाइंदापुर और जमालपुर काजी में कांग्रेस नेता अनिल यादव द्वारा बैठक की गई। आगामी सप्ताह में खपड़ा गांव, वजीरमलपुर, पाइंदापुर, रेसिंगपुर, पूरबपट्टी, बेलवा, जमीनबारी, बारीखास, चकबारी, कोलपुर, दमदियावना, गंधुवाई, विठ्ठलपुर, अंधौरी, खादा आदि गांवों में खासतौर पर बिजली के बढ़े हुए बिलों से आम लोग बेहद परेशान हैं। उन्होंने बताया कि बेगपुर में लोगों के बिजली के बिल अनावश्यक रूप से बढ़ाकर भेजे जा रहे हैं। बच्चों के स्कूल जाने के लिए उचित रास्ता तक नहीं है। बारिश के मौसम में पानी निकासी की समस्या गंभीर हो जाती है, लेकिन प्रशासन इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।हमने संकल्प लिया कि निजामाबाद के गरीबों, दलितों और पिछड़ों के स्वाभिमान की लड़ाई में उनकी जान भले ही चली जाए लेकिन वे कभी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक जनता को उनका अधिकार और सम्मान नहीं मिल जाता। इस अवसर पर केदार मौर्या, प्राण प्रताप, रोशन कुमार, अनिल मौर्या, अमरजीत यादव, नदीम खान, गजाधर मौर्या, रामदयाल विश्वकर्मा, कोमल गौड़, रामविजय, विकास यादव, अतुल, अंगद, अरविंद आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीणों के साथ बैठक करते अनिल यादव।

बैठक की जाएगी।

कांग्रेस संगठन महासचिव अनिल यादव ने कहा कि पूरे निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र की जनता गरीबी, बेरोजगारी और पलायन जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

सुनीता राय सहित तीन महिलाओं को किया सम्मानित

जनसंदेश न्यूज

ठेकमा (आजमगढ़)। महिला अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा अनुमोदित सूची राज्यपाल को प्रेषित समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु तीन महिलाओं हिना देसाई, सुनीता राय एवं डॉ.पूनम तिवारी को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा राज भवन में सम्मानित किया गया।

सुनीता राय को कोविड के समय 200 गरीब मरीजों को विशेष कर महिलाओं को निःशुल्क भोजन दवा एवं वस्त्र उपलब्ध कराकर 190 मरीजों की जान बचाने हेतु सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रति वर्ष एमकेराय दीप आदर्श समाज सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा संचालित एमकेराय दीप आदर्श बालिका पीजी कालेज भगवानपुर ठेकमा के बैनर तले 200 गरीब महिलाओं एवं निराश्रित विधवा एवं बच्चियों को निःशुल्क कंबल एवं वस्त्र वितरण तथा वनवासी एवं गरीब क्षेत्र के अशिक्षित बालिकाओं एवं महिलाओं को केजी से पीजी तक

सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र के साथ राज्यपाल द्वारा सम्मानित महिलाएं।

शिक्षा की तरफ अग्रसर करने का सराहनीय कार्य करने के लिए सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

सुनीता राय ने बताया कि समाज सेवा सबसे बड़ी सेवा एवं धर्म है। इसे जाति पात धर्म एवं लिंग के भेदभाव से ऊपर उठकर गरीब एवं असहाय लोगों की मदद करना ही मेरा परम कर्तव्य है। इस कार्य में पूर्ण सहयोग करने के लिए मैं अपने पति एवं कालेज एवं ट्रस्ट के प्रबंधक एम के राय एडवोकेट की सराहना करती हूं। मुझे इस कार्य के लिए चयनित कर सम्मान दिलाने के लिए महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.संजीव कुमार एवं कुलसचिव विशेश्वर प्रसाद को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करती हूं।

इसी क्रम में डॉ. पूनम तिवारी को चिकित्सकीय क्षेत्र और समाज की महिलाओं को नई राह दिखाने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने जो बीड़ा उठाया वह आज नारी शक्ति संस्थान के रूप में महिलाओं के लिए एक अनुकरणीय पाठ बन चुका है। अपने चिकित्सकीय, पारिवारिक कर्तव्यों के बीच ही उन्होंने समाज के हर वर्ग की महिलाओं को एकजुट कर स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा पर एक व्यापक रूपरेखा तैयार की। डेढ़ दशक की जमीनी परिश्रम को उस समय पंख लगा जब राजभवन से उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित किया गया।

कबीरूद्दीनपुर की टीम ने ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

बूढनपुर (आजमगढ़)। स्थानीय तहसील क्षेत्र के स्व.चंद्रेश सिंह क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिताका फाइनल मैच मंगारीपुर और कबीरूदीनपुर की टीम के बीच खेला गया। फाइनल मैच में मंगारीपुर की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। निर्धारित 10 ओवरों में 46 रन का लक्ष्य रखा। कबीरुदीनपुर की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए महज तीन ओवरों में ही 47 रन बनाकर ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया। मंगारीपुर की टीम उपविजेता रही। मुख्य अतिथि बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष जयंत सिंह ने विजेता टीम कबीरुदीनपुर को मैन ऑफ द मैच एक लाख रुपया नगद एक बुलेट बाइक दी। वहीं उपविजेता टीम को 50 हजार नगद राशि के साथ एक स्प्लेंडर बाइक दी।

उन्होंने कहा कि खेल से खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा का विकास होता है। खेल में अपार संभावनाएं हैं, खेल से खिलाड़ी का व्यक्तित्व निखरता है। अध्यक्षता नगर पंचायत प्रतिनिधि गुडलक सिंह ने की। उन्होंने बताया कि पिताजी की पुण्यतिथि के अवसर पर 10 दिवसीय प्रदेश स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। क्षेत्र की 36 टीमों ने हिस्सा लिया सभी टीमों के खिलाड़ियों को बेहतर पुरस्कार देकर के सम्मानित किया गया। इतना ही नहीं दर्शकों को भी वेस्ट दर्शक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एडी बेसिक डॉ. कौस्तुभ सिंह ने कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले सभी अतिथियों एवं खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर बीएन सिंह, हरीश तिवारी, आजाद सिंह, अमरनाथ सिंह, अमित सिंह, रमाशंकर वर्मा, रूद्र शर्मा, लक्ष्मण गुप्ता, जगदंबा सिंह, देवेंद्र सिंह, अविनाश, संजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

ट्रॉफी व पुरस्कार के साथ विजेता टीम।

साइबर अपराधों और डिजिटल अरेस्ट के बारे में दी गई जानकारी

जागरूकता

शासन द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में किया गया जागरूक

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत रविवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के निर्देशन में जनपद में महिला बीट आरक्षी, एंटी रोमियों पुलिस टीम सहित पुलिस अधिकारीगण के माध्यम से क्षेत्र में भ्रमण कर प्रमुख चौराहों, कस्बों, बाजारों, मन्दिर, शापिंग मॉल, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों व गांवों में जाकर बालिकाओं, छात्राओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा बाल विवाह, पाक्सो एक्ट, एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह एवं बालश्रम तथा महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है तथा छोटे-छोटे बच्चों को गुडटच-बैडटच के बारें में बताया गया और किसी भी समस्या के बारे में अपने अभिभावकों या पुलिस को अवश्य बताने के विषय में बताया गया।

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट्फार्मों के सुरक्षित उपयोग एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से बरते जाने वाले विभिन्न एहतियात के बारें में साइबर अपराधों एवं डिजिटल अरेस्ट के बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नम्बरों आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया।

पत्रकार की हत्या के विरोध में राज्यपाल को संबोधित सौंपा ज्ञापन

जनसंदेश न्यूज

हलिया। प्रदेश के सीतापुर के हिंदी दैनिक अखबार के पत्रकार राघवेंद्र वाजपेयी की हत्या के विरोध में रविवार को हलिया ब्लॉक के क्षेत्रीय पत्रकारों ने पत्रकार हत्या के विरोध में विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह को राज्यपाल से सम्बोधित ज्ञापन सौंपकर मांग किया है की पत्रकार के परिवार की सुरक्षा की जाए।

पत्रकार के हत्यारों एवं साजिश में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पत्रकार के परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता तत्काल प्रदान किया जाए। पत्रकार के आश्रित को राजकीय सेवा में लेकर आजीविका सुनिश्चित किया जाए। पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय समिति गठित हो जिसमें ग्रामीण पत्रकार की सुरक्षा को रिपोर्ट के आधार पर व्यवस्था किया जाए। जिससे पत्रकार निष्पक्ष तरीके से पत्रकारिता कर सके। क्षेत्रीय पत्रकारों ने हलिया बाजार में प्रदर्शन कर पत्रकार की हत्या में शामिल आरोपितों को फांसी देने की मांग किया। इस दौरान पत्रकार अभय नारायण तिवारी, रणविजय सिंह, अंकित मिश्रा, मुन्ना सिंह, गौरव श्रीवास्तव, कौशलेश श्रीवास्तव, दिलिप दुबे आदि मौजूद रहे।

अवैध रूप से बैंक खाते से पैसों के लेनदेन के आरोप में एक गिरफ्तार

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। थाना कोतवाली कटरा पर विगत 08 मार्च 2020 को वादी सुरेश कुमार पुत्र स्व0 रामनिहोर निवासी टटहाई रोड़ थाना कोतवाली कटरा द्वारा नामजद आरोपियों के विरूद्ध कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अवैध रूप से बैंक खाते से पैसों का लेनदेन के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली कटरा पर मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा द्वारा उक्त प्रकरण को गंभीरता पूर्वक लेते हुए संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कटरा को निर्देश दिए गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में रविवार को निरीक्षक बुद्धिसागर यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर थाना कोतवाली कटरा क्षेत्र से उपरोक्त अभियोग से सम्बधित एक वांछित आरोपी श्रेय कुमार साहू उर्फ लक्की साहू पुत्र स्व0 केदारनाथ साहू निवासी मुकेरी बाजार थाना कोतवाली कटरा को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

हत्या के विरोध में पत्रकारों ने किया प्रदर्शन

मड़िहान। सीतापुर में एक प्रतिष्ठित दैनिक अखबार के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या के विरोध में रविवार दोपहर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष सुभाष मिश्र के अगुवाई में पत्रकारों ने महामहिम राज्यपाल के नाम पत्र लिखकर संतनगर थाना के सामने जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों ने घटना की निंदा करते हुए सरकार से तत्काल पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर दिशा निर्देश जारी करने की मांग किया। बताया कि पत्रकारों के खिलाफ असामाजिकतत्वों द्वारा अनर्गल मुकदमा लिखवाये जाने का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। यह निष्पक्ष व निर्भीक पत्रकारिता के लिए बड़ी चुनौती है। इस सबंध में सरकार से दिशा निर्देश जारी करने की मांग किया। पत्रकारों की हत्या में शामिल हत्यारों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाई, परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता, परिवार में आश्रित एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी, पत्रकारों की सुरक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय समिति की गठन मांग किया। इस दौरान पत्रकारों में बसंतलाल मिश्र, सुनील गोड़, आलोक उपाध्याय, पुष्पेन्द्र मिश्र, विपुल चौरसिया, अजय मिश्र, शुभम सिंह समेत दर्जनों पत्रकार मौजूद रहें।

अराजकतत्वों पर रखी जाएगी कड़ी नजर : थाना प्रभारी

जनसंदेश न्यूज

चील्ह। थाना क्षेत्र के चेतगंज पुलिस चौकी परिसर में रविवार को थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह की अध्यक्षता में क्षेत्र के डीजे संचालकों व संभ्रांत व्यक्तियों के बीच पीस कमेटी की बैठक हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि होली के अवसर पर तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्र नहीं बजाए जाएंगे और शांतिपूर्ण ढंग से त्यौहार मनाए। कहा कि होली के दिन अराजकतत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। अगर ऐसे अराजकतत्व दिखाई देते हैं तो पुलिस को सूचना देकर सहयोग करें उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रभारी चौकी इंचार्ज बद्री प्रसाद सरोज के साथ समस्त पुलिस चौकी स्टाफ, डीजे संचालक संतोष सरोज, आशीश सरोज, प्रदीप कुमार विस्वकर्मा, सुघर यादव व ग्राम प्रधान राजेश यादव, राकेश कुमार, जीतलाल के साथ क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप

जन आरोग्य मेले में मरीजों का हुआ उपचार

हलिया। विकास खंड के नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार, ड्रमंडगंज और बरौंधा में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। मरीजों का चिकित्सकों ने उपचार कर निःशुल्क दवाएं दी। नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 कामेश्वर तिवारी ने कुल 43 मरीजों का उपचार कर मरीजों को दवा वितरित किया। वहीं नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमंडगंज में चिकित्सक बालकृष्ण मिश्र ने कुल 51 मरीजों का उपचार किया। जबकि नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौंधा में कुल 45 मरीजों का डा0 सुरेश कनौजिया ने उपचार किया। इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी हलिया डा0 अवधेश कुमार ने बताया कि तीनों नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो पर कुल 139 मरीजों का उपचार किया गया और निःशुल्क दवाएं दी गई है।

थाने के सामने खड़ी बाइक चोरी

चील्ह। स्थानीय थाना गेट के सामने खड़ी सुपर स्पेलेंडर बाइक चोरी हो गई। बाइक स्वामी ने थाने में तहरीर देकर बाईक बरामद कराने की मांग की है। जानकारी के अनुसार चील्ह थाना क्षेत्र के पुरजागीर गांव निवासी रंजीत कुमार पुत्र रामदुलार ने बताया कि शनिवार की शाम चील्ह थाना के गेट के सामने बाइक खड़ा कर गांव के विवाद को लेकर थाने में गया था। देर रात्रि में थाने के बाहर निकला तो उसकी बाइक वहा से गायब रही। काफी खोजबीन करने के बाद भी बाइक नहीं मिली। बाइक स्वामी रंजीत कुमार ने चील्ह थाना में तहरीर देकर बाइक बरामद कराने की मांग किया है। घटना के संबंध में थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह ने बताया कि बाइक की खोजबीन की जा रही है।

फसलों को झुलसा रहा बढ़ता तापमान, किसान चिंतित

हलिया। बीते तीन दिनों से तेज धूप व तीव्रता से चल रही पछुवा हवाएं किसानों के लिए चिंता का विषय बन गई है। क्षेत्र में रबी की फसल में अब तक किसानों के अनुकूल कुछ भी नहीं रहा है। मार्च माह में अप्रैल जैसी हवाएं चल रही हैं। ऊपर से तेजी से बढ़ रहा तापमान कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। तापमान बढ़ने और हवाओं की वजह से खेत की नमी तेजी से सूख रही है। इसकी वजह से गेहूं की फसल की उपज कम होने के आसार बढ़ गए हैं। इस समय गेंहू और सरसों दोनों की फसल पकने की अवस्था में है। तापमान बढ़ने की वजह से खेत की नमी तेजी से सूख रही है। खेत की नमी गायब होने की वजह से गेंहू के दाने कमजोर ही रह जाएंगे और उत्पादन 20 से 25 फीसदी कम रहने के आसार हैं। होली के पहले ही मौसम की तल्खी फसलों के लिए नुकसानदायक साबित हो रही है। क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि फसल जब अपने समय के हिसाब से पकती है तब उसका उत्पादन बेहतर रहता है। किसानों का कहना है कि तापमान में तेजी से वृद्धि के कारण दोनों का पूरा विकास नहीं हो पता है और समय से पहले ही दाने परिपक्व हो जाते हैं। दाना कमजोर पड़ जाता है इससे गेहूं की गुणवत्ता और ऊपर दोनों पर असर पड़ता है। मौसम में अचानक हुआ यह बदलाव गेंहू की फसल को नुकसान पहुंचा सकता है। क्षेत्र के किसान दयानंद मिश्र, मेघनंद चौरसिया, दयाशंकर दुबे, रामनाथ, छोटेलाल, शंकर, राधेश्याम आदि लोगों ने बताया। इस संबंध में सहायक विकास अधिकारी कृषि नरेंद्र कानापुरिया ने बताया कि जो फसल अभी पकी नहीं है उसके उत्पादन पर असर पड़ेगा।

शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में रविवार को थाना अहरौरा पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना अहरौरा क्षेत्र से रामकिशोर पुत्र स्व0 रामधनी निवासी ग्राम बैरमपुर थाना अहरौरा व बसन्त लाल पुत्र रामनाथ निवासी मदारपुर थाना अहरौरा को गिरफ्तार किया गया। जिनके पास से 18 पाऊच व 13 पाऊच कुल 31 पाऊच अवैध देशी शराब बरामद की गयी। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पर सभी आरोपियों के विरूद्ध धारा 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गई।

साइबर सुरक्षा व जागरूकता विषय पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

मीरजापुर। राजीव गांधी दक्षिण परिसर, काशी हिंदू विश्वविद्यालय बरकछा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा जिले में विभिन्न स्थानों पर सफल कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसएस यूनिट 011 सी ने बसही गांव, मड़िहान ब्लॉक में सप्ताह भर के कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नुक्कड़ नाटक, देशभक्ति गीत, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय सेवा योजना थीम सॉन्ग के साथ किया। डा0 शशिधर के0एस0, कार्यक्रम अधिकारी और डा0 आलोक कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर ने ग्रामीण विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका पर प्रकाश डाला। एनएसएस यूनिट 011डी ने भी बसही गांव में समान कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें डा0 सविता देवांगन, कार्यक्रम अधिकारी, और डा0 बिपिन कुमार सिंह अतिथि संकाय ने ग्रामीणों को प्रेरित किया। एनएसएस यूनिट 011अ ने ग्राम अटारी लौरिया में साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। डा0 विनीता सिंह कार्यक्रम अधिकारी ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उन्हें डिजिटल सतर्कता के उपाय समझाए। ये कार्यक्रम सामाजिक जागरूकता, देशभक्ति, सामुदायिक सेवा और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने में सफल रहा।

मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

कछवां। विकासखंड मझवा ब्लॉक के गोवर्धनपुर रामापुर करसड़ा व सेमरी गांव में गुडवीव सपोर्टेड बालमित्र समुदाय कार्यक्रम द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत चेतना गीत सुनाया गया। उसके बाद महिलाओं के अधिकार और उनके सुरक्षा के लिए आवश्यक हेल्पलाइन नंबरों के विषय में बताया गया और साथ ही साथ अनपढ़ महिलाओं को हस्ताक्षर करना सिखाया गया। महिलाएं अपने अधिकारों के विषय में जानकर आभार भी व्यक्त किए कि गुडवीव हम लोगों को समय-समय पर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अधिकारों के विषय में जागरूक करता रहता है। यह कार्यक्रम गुडवीव के प्रबंधक रामस्वरूप गुर्जर के दिशा निर्देशन में क्षेत्राधिकारी डा0 भोलानाथ द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें समुदाय के महिलाओं को एकत्रित करने उन्हें नाम लिखना बताना। यह कार्य गुडवीव फैसिलिटेटर पंचदेव अमरजीत यादव, अनीता मौर्या, इंदू देवी, प्रमिला पटेल, सरिता मौर्य, संगीता बिंद, बिंदु सरोज और निशा पटेल द्वारा किया गया जो एक सराहनीय योगदान रहा।

महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में दी गई जानकारी

गैपुरा। बिहसडा पेट्रोल पंप के पास अंतर्राष्ट्रीय महिला अधिवेशन दिवस समारोह मनाया गया। इस दौरान भीम सेना के मुख्य अतिथि के रूप में इन्दू गौतम महिला प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर भीमराव के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के बाद बौद्ध के विचारों पर चलने को प्रेरित किया। जिसमे बहुजन समाज के सामाजिक चिंतक व प्रशासनिक अधिकारी अदालती प्रसाद राही प्रयागराज से बाबा साहब के विचार पर प्रकाश डालते हुए बहुजन समाज को अधिकारो के बारे में गीत के माध्यम से अपनी विचार प्रगट किया। मनीषा बौद्ध ने सभी महिलाओं को अपने अधिकार के बारे में प्रमुखता से जानकारी दिया। इस अवसर पर सुनील कुमार गौतम, अशोक कुमार गौतम, ललन लहरी, भाईलाल कन्नौजीया आदि उपस्थित रहे।

शराब पीकर माहौल बिगाड़ने वालों को नहीं बक्शा जाएगा : प्रभारी निरीक्षक

हलिया। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह की अगुवाई में आगामी होली के त्यौहार के मद्देनजर पुलिसकर्मियों के साथ हलिया कस्बा, सोनकर बस्ती, बरी पेट्रोल पंप, भटवारी, हथेडा आदि स्थलों पर मार्च करते हुए लोगों से शांति पुर्ण त्यौहार मनाने की अपील की। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि शराब पीकर पर्व पर माहौल बिगाड़ने वालों को बक्शा नहीं जाएगा। इस दौरान सरकारी नम्बर को देते हुए गड़बड़ी करने वालों की सूचना देने की अपील की। कहा कि सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। इस दौरान उपनिरीक्षक श्याम लाल, परमात्मा यादव, अच्छे लाल, महेन्द्र यादव, रमाशंकर, शिव जी यादव, कन्हैया राय सहित भारी संख्या में पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

दो वारण्टी गिरफ्तार

मीरजापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली शहर पुलिस द्वारा दो वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। रविवार को उप निरीक्षक अविनाश प्रकाश राय मय पुलिस टीम द्वारा दो वारण्टी राजेन्द्र पुत्र जोखन निवासी निबी थाना कोतवाली शहर व सवीता पत्नी राजेन्द्र निवासी निबी थाना कोतवाली शहर को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

संक्षेप

नउआ घाट पर मिला अधेड़ का शव

गैपुरा। छानबे क्षेत्र के नउआ घाट पर विंध्याचल थाना क्षेत्र के गैपुरा चौकी क्षेत्र में नीबी गहरवार गांव के नउआ घाट पर रविवार को शव बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव के ही रहने वाले अंबेश सोनकर ने बताया कि सुबह वह घाट पर पहुंचा तो घाट के किनारे कीचड़ में अधेड़ का शव पड़ा हुआ था। शव पुराना लग रहा था। सड़ांध के कारण घाट पर श्वास लेना संभव नहीं हो पा रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नदनी चौकी प्रभारी विजय शंकर तिवारी ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो पाया। उसके जेब से एक मोबाइल तथा एक टिकट कल्यान से ज्ञानपुर तक का था। इस दौरान गणेश पांडेय, राकेश यादव, कृष्ण कुमार यादव, पवन यादव आदि पुलिस प्रशासन मौजूद रही।

पुत्री को बरामद करने के लिए मुख्यमंत्री पोर्टल व एसपी से लगाई गुहार

चुनार। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से पीड़ित ने गांव के ही युवक पर नाबालिग किशोरी को बहला फुसला कर भगाले जाने का आरोप लगाते हुए चुनार कोतवाली में लिखित तहरीर देकर पुत्री को बरामद करने एवं युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई करने कि मांग किया है। पीड़ित ने बताया कि 22 फरवरी दोपहर में गांव का युवक ने पुत्री को बहला फुसला कर कहीं भगा ले गया। जिसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दिया गया। 28 फरवरी को पुलिस ने किशोरी के अपहरण का मुकदमा दर्ज किया। बताया कि पुलिस द्वारा कोई संतोष जनक कार्यवाई नहीं किया जा रहा है और इस मामले में प्रगति जानने के लिए थाने पर जाने पर पुलिस ने भगा दिया। जिसके बाद पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल और पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र भेज कर पुत्री को बरामद करने कि गुहार लगाई। बताया कि पुत्री कि शादी 7 मई को होना है। पुलिस पुत्री को जल्द बरामद कर लेती तो पुत्री कि शादी हो जाती। पत्र देकर न्याय कि गुहार लगाई।

अध्यक्ष नीलू सिंह व सचिव बने अभिनव अग्रवाल

नवनिर्वाचित सदस्यत

मीरजापुर। भारत विकास परिषद शाखा का वार्षिक चुनाव रविवार को चुनाव अधिकारी सुनील सिन्हा क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव एनसीईआर द्वारा संपन्न कराया गया। अध्यक्ष नीलू सिंह, सचिव अभिनव अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष सुमित अग्रवाल सर्वसम्मति से चुने गए। इस अवसर पर शाखा के 25 सदस्य उपस्थित रहे। नव निर्वाचित दायित्वधारियों को उपस्थित सदस्यों ने बधाई दिया। कार्यक्रम शिवाला महंत स्थित एक गेस्ट हाउस में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता तथा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रारंभ किया गया। उक्त कार्यक्रम में राजेंद्र नाथ अग्रवाल, गोवर्धन त्रिपाठी, गोपाल जोशी, अखिलेश बहादुर सिंह, अनिल तिवारी, विष्णु नारायण मालवीय, अरुण अग्रवाल, सुधाकर तिवारी, निशा अग्रवाल, रेनू केसरवानी, निधि केसरवानी, डॉक्टर सुरेश कुमार, प्रमोद कुमार द्विवेदी, रोशन लाल कसेरा, गोपाल कृष्ण, सविता, मनीष, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुशील कुमार सिंह, शिव कुमार शुक्ला, अनिल कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

ऑटो से गिरकर यात्री घायल

मड़िहान। संतनगर थाना क्षेत्र के खनवर मझारी पुलिया के पास लालगंज कलवारी रोड पर रविवार को ऑटो में क्षमता से अधिक सवारी होने के कारण किनारे बैठा एक यात्री गिर गया जिसके पैर पर ऑटो का पिछला चक्का चढ़ने से यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। लालगंज थाना क्षेत्र के दुबार कला के गंगासायर निवासी पुष्पा देवी ने बताया कि अपने पति 43 वर्षीय अजय गोंड के साथ अपने मायके संतनगर थाना क्षेत्र के ककरद गांव में पिता अमरनाथ गोंड को देखने के लिए जा रहे थे। दुबार बाजार से ऑटो में बैठकर दीपनगर के लिए निकले रास्ते में ऑटो चालक ने तकरीबन 12 से 15 लोगों को ऑटो में बैठा लिया और पति अजय को किनारे कर दिया। खनवर मझारी पुलिया के पास ऑटो अनियंत्रित हुई और अंदर बैठे यात्रियों के धक्के से पति अजय सड़क पर मुँह के बल गिर पड़े और ऑटो पति के पैर को कुचलते हुए आगे निकल गया। ऑटो चालक घायल पति को दीपनगर स्थित एक निजी अस्पताल में छोड़कर भाग गया। ऑटो से गिरने के बाद पति की हालत गंभीर बनी हुई है। पत्नी की सूचना पर दीपनगर पहुंचे परिजन घायल को अपने निजी साधन से इलाज हेतु पटेहरा पीएचसी ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डा0 वाजिद जमील ने घायल की हालत को गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

अवैध खनन में 76 किसानों पर केस दर्ज

जनसंदेश न्यूज

कसा शिकंजा

दो डंपर व एक जेसीबी जब्त

खनन माफिया समेत क्षेत्र के किसानों में मचा हड़कम्प

कछवां। स्थानीय थाना अन्तर्गत उपजिलाधिकारी सदर गुलाब चंद्र मय राजस्व टीम जीतेन्द्र सिंह, खान अधिकारी एवं कछवां पुलिस फोर्स द्वारा संयुक्त रूप से मिट्टी के अवैध खनन, परिवहन की औचक जांच की गयी। जांच के दौरान तहसील सदर स्थित ग्राम बरैनी के आराजियों में बिना अनुमति प्राप्त किये सा0 मिट्टी का अवैध खुदाई कर परिवहन किया जाना पाया गया। जिसके पश्चात रविवार को खनन विभाग द्वारा खनन माफिया व 76 किसानों समेत कुल 82 व्यक्तियों के उपर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी। जिससे खनन माफियाओं समेत क्षेत्र के किसानों में भी हड़कम्प मचा रहा। जिले में अवैध खनन के मामले में बड़ी कार्यवाही की गई है।

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के आदेश पर एडीएम शिव प्रताप शुक्ल ने एसडीएम सदर, जिला खनन अधिकारी और एसएचओ कछवां को मामले में कड़ी कार्यवाही का निर्देश दिया था। जिसके बाद कछवां के 45 और बरैनी के 37 व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा 2 डंपर, एक जेसीबी सहित 82 व्यक्तियों पर भी एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्यवाही अवैध खनन के मामले में की गई है जो कि जिले के लिए एक बड़ी समस्या है। जांच के दौरान कछवां में कुछ गाटों पर अवैध खनन पाया गया। पैमाईश में पाया गया कि गाटा सं0 1167, 1168 व 1169 में अवैध खनन हुआ है जो गंगा नदी से लगे हुए गाटे है। इन गाटों पर हुए मिट्टी के साथ मिली बालू का अवैध खनन की नाप की गई। मौके पर पाया गया कि बिना खनन अनुज्ञा प्राप्त किये आराजी संख्या 1167, 1168, 1169 में कुल 13160 घन मी० सा० मिट्टी मिश्रित बालू का अवैध खनन, पविहन किया गया है। मौक पर भू-निदेशांक में अवैध खनन, परिवहन में संलिप्त जेसीबी, दो हाईवा 12 चक्का पाये गये। जिन्हे थाना कछवां की अभिरक्षा में शनिवार को दिया गया है। मौके पर राजस्व विभाग द्वारा प्रस्तुत नजरी नक्शा व उक्त आराजियों के भूस्वामी के नाम की रिपोर्ट के अनुसार आराजी पर कुल नाम अंकित है। जांच के समय स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा बताया गया कि उक्त सा० मिट्टी के साथ बालू का अवैध खनन, परिवहन शशिकान्त उपाध्याय पुत्र नागेश उपाध्याय निवासी लक्ष्मणपुरम, भरूहना द्वारा कराया जा रहा है। उपरोक्त से स्पष्ट है कि उक्त गाटाओं के भूस्वामियों, वाहन चालक सुनील कुमार बिन्द पुत्र छोटेलाल बिन्द नि० गोधना, पो० मझवां, थाना कछवां व अन्य राहुल सिंह पुत्र शिवशंकर सिंह नि० दामोदरपुर थाना कछवां, अमन यादव पुत्र अवधेश यादव निवासी चदियां, कछवां एवं जेसीबी व एक अन्य वाहन के वाहन स्वामी, वाहन चालक अज्ञात एवं शशिकान्त उपाध्याय द्वारा बिना अनुमति प्राप्त किये सा० मिट्टी मिश्रित बालू का चोरी छिपे अवैध खुदाई, परिवहन कर आर्थिक लाभ लेने के उद्देश्य से राजस्व की क्षति पहुंचाई गयी है।

छापेमारी में पकड़े गए लोगों को छोड़ना बना चर्चा का विषय

कछवां। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर उप जिलाधिकारी गुलाबचंद और खनन अधिकारी की टीम ने शनिवार को बड़े पैमाने पर कछवा में छापे मारी कर दो हाईवा के साथ जेसीबी को पड़कर सीज किया। साथ में तीन लोगों को कछवां थाने में बैठाया गया था, लेकिन पुलिस द्वारा सभी को छोड़ दिया गया जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। एक तरफ योगी सरकार अपने कानून के लिए जानी जाती है वही दूसरी तरफ प्रशासन द्वारा इस तरह से बैठाये लोगों को छोड़ देना कुछ हजम नहीं हुआ। मालूम हो कि कछवा, बरैनी, केवटावीर, धन्नूपुर में लंबे समय से अवैध खनन जोरों पर होता चला आ रहा है। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी। इस मामले में स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी जिलाधिकारी को देकर अवगत कराया तो जिलाधिकारी ने उप जिलाअधिकारी गुलाबचंद और खनन विभाग की टीम को गठित कर निर्देशित करते हुए बड़े पैमाने पर कार्रवाई करने को कहा। उप जिलाधिकारी ने अपने टीम के साथ कछवां में हो रहे अवैध खनन में संलिप्त दो हाईवा और एक जेसीबी को जब्त किया। वहीं कुछ पकड़े गए लोगों को थाने में लाकर बैठाया गया जिसे फिर बाद में छोड़ दिया गया जिसको लेकर लोगों में तरह-तरह की चचाएँ बनी हुई है। अवैध खनन के आरोप में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए पांच खनन माफियाओं के साथ 76 किसानों के ऊपर भी बगैर परमिशन के मिट्टी और बालू निकालने का मुकदमा दर्ज किया जिसमें 39 किसान कछवा और 37 किसान बरैनी के शामिल हैं। क्षेत्रीय स्थानीय लोगों का यह कहना है कि अब देखना है कि क्या इन अवैध खनन माफियाओं के ऊपर कोई गंभीर कार्रवाई होती है या फिर लीपापोती करके मामले को रफ-दफ कर दिया जाता है। क्योंकि खनन माफियाओं की पहुंच बहुत ऊपर तक है। क्योंकि इसकी बानगी तो खनन विभाग द्वारा छापेमारी के दौरान पकड़े गए और थाने में बैठाये गए तीन लोगों को किसी भारी दबाव में सिस्टम के तहत छोड़ दिए जाने से ही लोगों को दिखने लगा है।

सिरसी डूब की खेती रोकने पहुंचे एसडीओ

कार्रवाई

किसानों ने जिलेदार पर लगाया आरोप

आठ ट्रैक्टर को जिलेदार ने डूब से भगाया

मड़िहान। विकास खंड क्षेत्र के सिरसी डूब की खेती रोकने के लिए 11 फरवरी को अधिशासी अभियंता सिरसी बांध प्रखंड ने आदेश जारी कर दिया था फिर भी ढाई हजार बीघे क्षेत्र में खेती कर दी गई। मजे की बात है कि डूब की खेती को सींचने के लिए डेढ़ किलोमीटर नंगे कटे केबिल से मोनो ब्लाक चलाए जा रहे है।

एक तरफ सिंचाई विभाग के जिलेदार कमलेश तिवारी दूसरी तरफ विद्युत विभाग के सहयोग से बांध का सुरक्षित पेय जल का दोहन किया जा रहा है। थाना समाधान दिवस पर शनिवार को लेदुकी, गढ़वा, बनकी के पशुपालकों ने सिरसी डूब के जिलेदार को आरोपित कर बांध में खेती किए जाने, अंधाधुंध जहरीली दवा का प्रयोग करने से पालतू पशुओं के साथ पेयजल में जहरीला पदार्थ पहुंचने, पानी दोहन से पेयजल में लगे पंप से पानी दूर होने की शिकायत की थी। जिस पर तहसीलदार मड़िहान आशीष पांडेय द्वारा फरियादियों की समस्या सुन सिंचाई विभाग से वार्ता कर खेती रोकने हेतु वार्ता की गई। रविवार को एसडीओ नसीम सिद्दीकी, जिलेदार कमलेश तिवारी के साथ सींचपाल लेकर रोक के बावजूद ढाई हजार बीघे की खेती देख एसडीओ ने जिलेदार को फटकार लगाई। साथ ही थाना संतनगर की फोर्स के साथ बनकी से आठ ट्रैक्टर डूब से भगाए गए। किसानों में अवधेश पाल, अखिलेश सिंह, मनोज सिंह, बृजमोहन आदि ने जिलेदार को आरोपित कर बताया कि जिलेदार के निर्देश पर खेती की गई है।

बचाव में सिंचाई विभाग के विभागीय न्यायालय से आंशिक जुर्माना करवा कर मोटी रकम वसूल कर ली जाती है। जिलेदार कमलेश तिवारी ने बताया कि एक बार रोक दिया गया है नहीं मानने पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

अब तक कार्यवाही नहीं की गई के जानकारी पर चुप्पी साध लिए। थानाध्यक्ष संतनगर जितेंद्र सरोज ने बताया कि सिंचाई विभाग लिखित तहरीर दिया तो हर हाल में खेती रोक दी जाएगी।

क्रशर प्लांट मालिकों को नियमों का पालन करने की दी गई हिदायत

निर्देश

राजस्व व खनन विभाग की टीम ने प्लांटों का किया निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

निरीक्षण करने पहुंची खनन व राजस्व विभाग की टीम

ओबरा/डाला। क्रशर प्लांटों से उड़ रही धूल से बढ़ रहे प्रदूषण की शिकायत को लेकर राजस्व व खनन विभाग कि संयुक्त टीम ने बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र स्थित क्रशर प्लांटों का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी।

टीम के आने की सूचना पर क्रशर प्लांट खामोश हो गए। डीएम के निर्देशन में प्रदूषण की रोकथाम को लेकर रविवार को बारी-डाला में संचालित कई क्रशर प्लांटों का एक-एक कर ओबरा उप जिलाधिकारी विवेक कुमार सिंह व खनन सर्वेयर योगेश शुक्ला द्वारा पुलिस की मौजूदगी में प्लांटों से उड़ने वाली धूल के निस्तारण के लिए समुचित व्यवस्था कर नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं इसकी जांच पड़ताल किया गया। इस दौरान नियमों की अनदेखी व मानक पूरा न करने वाले प्लांट संचालकों को सख्त हिदायत दी गई। इसमें सुधार नहीं किया गया तो नोटिस देने के साथ क्रशर प्लांट सीज करने की चेतावनी दी गई। क्रशर प्लांटों पर पानी छिड़काव के लिए लगाए गए मोटरों, स्प्रिंकलरों तथा सभी पाइपलाइनों को पानी चलाकर देखा गया जिस प्लांट पर पाइप जाम मिली उन्हें पाइप लाइन ठीक कराने के बाद ही क्रशर प्लांट चलाने के लिए कहा गया।

सांसद छोटेलाल का अपमान नहीं होगा बर्दाश्त

सोनभद्र। जअपा के प्रमुख प्रदेश महासचिव भागीरथी सिंह मौर्य ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि जनपद चंदौली में शनिवार को दिशा की बैठक में लोकसभा क्षेत्र राबर्ट्सगंज से इंडिया गठबंधन (सपा) के सांसद छोटेलाल सिंह खरवार को अपमानित करना लोकतंत्र की हत्या है, जो ठीक नही है। इसे जअपा किसी भी दशा में बर्दास्त नही करेगी। बताया कि जनपद चंदौली में दिशा की बैठक में पीडब्लूडी द्वारा किए गए नियम विरुद्ध टेंडर का मुद्दा उठाते हुए जब सांसद छोटेलाल ने पीडब्लूडी के अभियंताओं से सवाल किया तो भारतीय जनता पार्टी के जन प्रतिनिधि सांसद को घेरते हुए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने के साथ ही अभियंताओं के पक्ष में खड़े हो गए। यह प्रदेश सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त अभियान को भी तार-तार करता है, जिससे प्रतीत होता है कि भाजपा के जन प्रतिनिधि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में मशगूल है जो ठीक नही है। कहा कि एक सांसद जो लगभग बीस लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता हो उसके साथ इस तरह की घिनौनी हरकत करना लोकतंत्र का मजाक उड़ाना है ऐसी दशा में जन अधिकार पार्टी पीएम एवं सीएम से उक्त घटना की जॉच कराकर इस घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग किया।

सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में महिला दिवस का आयोजन

जनसंदेश न्यूज

मुख्य अतिथि नपं अध्यक्ष को सम्मानित करते अल्ट्राटेक के एफएचआर हेड

डाला। अल्ट्राटेक ईकाई प्रमुख संदीप हिवरेकर के मार्गदर्शन कंपनी के सीएसआर द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में विश्व महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण के तहत महिलाओं को जागरुक किया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष फुलवंती देवी व विशिष्ट अतिथि एफएचआर हेड संजीव राजपूत रहे। कार्यक्रम की शुरूआत महिलाओं ने स्वागत गीत गाकर किया।

सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र से अबतक सैकड़ों महिलाएं प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। मुख्य अतिथि ने कहा कि अल्ट्राटेक द्वारा महिलाओ को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए जो काम कर रही है वह तरीफ के लायक है, महिलाएं शिक्षित रहेगी तो आत्मनिर्भर रहेगीं। झांसी की रानी ने महिला होकर भी दुश्मनों के दात खट्टे कर दिए थे। प्रदेश सरकार महिला उत्थान के लिए अनेकों योजनाओं को चला रही है जिसका लाभ महिलाओ को मिल रहा है। विशिष्ट अतिथि संजीव राजपूत ने कहा कि अल्ट्राटेक कंम्पनी ने महिलाओ के उत्थान के लिए ही ट्रेनिगं सेन्टर खोला है जिसमें सैकडो महिलाएं ट्रेनिग लेकर आत्मनिर्भर हुई। उडान प्रेरणा संकुल सेवा समिती की अध्यक्ष पूनम देवी ने कहा की महिलाओं की अपनी पहचान आत्म निर्भरता से होती है ,सिलाई, ब्युटीशीयन व अन्य प्रशिक्षण लेकर आत्म निर्भर हो सकती है। इस दौरान एडमिन तथा सेक्यूरिटी हेड बन्ने सिंह राठौड़, सीएसआर प्रमुख रमेश पाण्डेय, हेमलता जायसवाल, अनुष्का पाल, कलावती ,सीमा देवी, फूलमती, उर्मिला सोनी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रोहित श्रीवास्तव ने किया।

संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस में उपस्थित महिलाएं

ओबरा। मीमांसा महिला मंडल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अवर अभियंता मनोरंजन केंद्र चार में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही शिल्पा यादव, महासचिव नाजनीन और उपाध्यक्ष अमृता पांडे द्वारा मुख्य अतिथि पूर्व नपं अध्यक्ष दुर्गावती देवी का स्वागत एवं दीप प्रज्वलन तथा महिला सशक्तिकरण के गीत से किया। मुख्य अतिथि ने महिलाओं के अधिकारों और समाज में उनके योगदान,महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन श्वेता और मयूरी ने संयुक्त रूप से किया। महिलाओं द्वारा एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, गायन, नाटक और कविता पाठ तथा अपनी प्रतिभा और कलाओं का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। गेम की विजेता निधि चावला, प्रीति और बबीता सागर रही। कार्यक्रम में मुख्य व्यवस्थापक रतना निरंजन, नेहा तिवारी, रतना ठाकुर, अर्चना मौर्य, रंजना यादव, अंकिता यादव, चंदा गुप्ता, प्रियंका श्रीवास्तव, अमृता यादव, रश्मि मिश्रा, संगीता वर्मा के द्वारा साज-सज्जा की व्यवस्था की गयी थी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 78910 मामलों का निस्तारण

आयोजन

जुर्माना व समाधान के मद में 237814757 रुपये कराए गए जमा

लोक अदालत का शुभारम्भ करते जनपद न्यायाधीश

सोनभद्र। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश रवीन्द्र विक्रम सिंह, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार जिला शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर डीएम बद्रीनाथ सिंह, एसपी अशोक कुमार मीणा मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में विशिष्ट विषय आपराधिक शमनीय वाद धारा-138 एनआई एक्ट के वाद बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वादों, श्रम वादों, भूमि अधिग्रहण वादों विद्युत एवं जल बिल (एक्सक्लूडिंग नों- कंपाउंडेबल), सर्विस में वेतन एवं भर्ती से सम्बन्धित एवं सेवानिवृतिक परिलाभओं से सम्बन्धि विवाद, राजस्व वाद (केवल उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालयों में लम्बित वाद) अन्य सिविल वादों (किराया. सुखाविकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद) से सम्बन्धित मामलों के साथ साथ सुलह योग्य प्री-लिटिगेशन मामलों को भी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में राजेन्द्र सिंह प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय द्वारा 14 मामले निस्तारित, अशोक कुमार एमएसीटी कोर्ट द्वारा 50 मामले निस्तारित करते हुए 45011200 की धनराशि जमा कराई गई। नरेन्द्र बहादुर प्रसाद द्वारा 24 मामलें निस्तारित करते हुए 1514000 धनराशि जमा कराई गई।

अमित वीर सिंह विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) द्वारा तीन मामलें निस्तारित, जीतेन्द्र द्विवेदी द्वारा 95 मामले निस्तारित करते हुए 5001188 धनराशि जमा कराई गई। आबिद शमीम विशेष न्यायाधीश (एससीएसटी) द्वारा 12 मामलें निस्तारित करते हुए 123000 धनराशि जमा कराई। अर्चना रानी अपर जनपद न्यायाधीश एफटीसी/सीएडब्लू ने दो मामले, आलोक यादव मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 1998 मामले निस्तारित करते हुए 398000 धनराशि जमा कराई गई। अमित कुमार, सिविल जज सीडि द्वारा 75 मामले निस्तारित करते हुए 4677206 धनराशि जमा कराई गई। स्वर्णमाला सिंह अपर सिविल जज द्वारा 224 मामलें निस्तारित करते हुए 282150 धनराशि जमा कराई। दीक्षि चौधरी सिविलि जज सीडि। एफटीसी द्वारा 233 मामलें निस्तारित 33980 धनराशि जमा कराई गई। नावेद अख्तर सिविल जज जूडि द्वारा 155 मामलें निस्तारित करते हुए 86480 रुपए धनराशि जमा कराई गई। अरुन सिंह सिविल जज जूडि दुद्धी द्वारा 37 मामले निस्तारित 6980 रुपए धनराशि जमा कराई। पंकज कुशवाहा ग्राम न्यायालय घोरावल द्वारा 62 मामलें निस्तारित करते हुए 1200 रुपए की धनराशि जमा करा गई। इस प्रकार शनिवार को को राष्ट्रीय लोक अदालत में सभी जनपद न्यायालय, राजस्व न्यायालय एवं अन्य न्यायालय एवं अन्य विभागों में लम्बित एवं प्री-लिटिगेशन के कुल-78910 मामलों का निस्तारण किया गया जिसकी जुमार्ना एवं समाधान धनराशि 237814757 रुपये हुए। राष्ट्रीय लोक अदालत के अनुक्रम में ही आयोजित त्रिदिवसीय विशेष लोक अदालत 05, 6 व 7 मार्च को आयोजित विशेष लोक अदालत (तुच्छ प्रकृति के वाद) में कुल 102 मामलों का भी निस्तारण किया गया।

आदिवासी महिलाओं को किया गया जागरूक

सोनभद्र। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के पीयरीमाटी में और दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के डूभा गांव में ग्रामीण व आदिवासी महिलाओं को उनके सम्मान, उनके शसक्तीकरण और उनके अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के पीयरीमाटी में आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों आदिवासी महिलाओं ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण किया। जहां पार्टी नेता कामरेड आर के शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर चर्चा करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम विश्व की उन सभी महिलाओं को समर्पित है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल करते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई और लोगों के सामने नजीर पेश किया। कहा कि सन् 1910 में डेनमार्क देश की राजधानी कोपेनहेगन में पहली बार वामपंथी कार्यकर्ता क्लारा जेटकिन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया उस दौर में इस कार्यक्रम में 17 देशों की महिलाओं ने नेतृत्व किया था और यह आयोजन कामकाजी महिलाओं के सम्मान के लिए आयोजित किया गया था। तबसे लगातार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम लगभग सभी देशों में विभिन्न विभिन्न समारोह के माध्यम से आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में हिरामनी देवी, रजवंती देवी, अनिता, फूलवंती, दशमती, कलावती, अमरावती, लालती, सावित्री, रीता, रानी कुमारी, गीता, हीरावती, फगूनी देवी, अमर नाथ सूर्य आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अज्ञात परिस्थितियों में कूड़े के ढेर में लगी आग, हड़कंप

ओबरा। स्थानीय थाना क्षेत्र के परियोजना कॉलोनी अंतर्गत सेक्टर 9 खैरटिया रोड से सटे नगर पंचायत द्वारा डंप किये जा रहे कूड़े की ढेर में शनिवार की देर शाम संदिग्ध परिस्थिति में आग लग गई। आग लगने की घटना से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। गुजर रहे लोग आग देखकर सहम गए। वही आग लगने की सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर लोगो का आरोप था कि कई बार रहवासी इलाके से कूड़े को दूर स्थानांतरित करने की शिकायत की जा चुकी है लेकिन नगर पंचायत को लोगों की स्वास्थ्य और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है। आग की घटना से जहरीले धुवे का गुब्बार लोगों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। रहवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि कई वर्षों से रहवासी इलाके में नगर पंचायत द्वारा प्लास्टिक सहित कचरा फेंका जा रहा है। ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष शिवदत्त दुबे ने बताया कि रिहायशी इलाके में पूरे नगर पंचायत का प्लास्टिक नुमा कचरा डंप किया जा रहा है।अ ाग लगने से जहरीली गैस निकल रही है। इसके लिए कई बार आवाज उठाई गई यहां तक की संपूर्ण समाधान दिवस पर पत्र भी दिया गया। बावजूद इसके कूड़ा लगातार रिहायशी इलाकों में डाला जा रहा है।

कलश यात्रा के साथ होगा यज्ञ का शुभारंभ

सोनभद्र। रावर्टसगंज ब्लाक के सिद्धि गांव में होने जा रहे अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय राम कथा ज्ञान महायज्ञ के आचार्य पंडित सौरभ भारद्वाज ने बताया कि 23 मार्च से 29 मार्च तक चलेगा जिसमें भव्य मंगल कलश यात्रा 23 मार्च को प्रातः 8:00 बजे रामलीला स्थल सिद्धि से ग्राम प्रदक्षिणा करते हुए सिद्धेश्वर महादेव मंदिर से जल भरकर शिव मंदिर यज्ञ स्थल तक लाया जाएगा इस यज्ञ के मुख्य यजमान पंडित शारदा प्रसाद तिवारी एवं संजीव सिंह उर्फ संजू सिंह होंगे। 111 कलश पूजन किया जाएगा। प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 3 बजे तक यज्ञ कार्य चलेगा एवं शाम 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक श्री राम कथा प्रवचन किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर पूर्व प्रधान ललन सिंह, पंडित ओम प्रकाश तिवारी, देवा, मनोज सिंह, नंदू तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

हक और अधिकार के लिए करेंगे संघर्ष : अटेवा

मांग

पुरानी पेंशन बहाली हेतु सांसद को दिया ज्ञापन

जनसंदेश न्यूज

सांसद छोटेलाल खरवार को ज्ञापन सौंपते अटेवा के पदाधिकारीगण

सोनभद्र। अटेवा पेंशन बचाओ मंच द्वारा रॉबर्ट्सगंज लोक सभा सांसद छोटेलाल खरवार को जिलाध्यक्ष राजकुमार मौर्य के नेतृत्व में एनपीएस व यूपीएस के विरोध व पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर रविवार को ज्ञापन दिया गया।

इस अवसर पर मंडलीय मंत्री रामगोपाल यादव ने बताया कि एनपीएस व यूपीएस शेयर बाजार पर आधारित है और विगत पांच माह से शेयर बाजार में लगातार गिरावट आने से देश के एक करोड़ से अधिक शिक्षक एवं कर्मचारी अपने भविष्य की आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं क्योंकि उनके वेतन से 10% की कटौती को सरकार द्वारा शेयर बाजार में लगाया गया है जिससे शिक्षक एवं कर्मचारी को शेयर बाजार के गिरने से लगातार नुकसान हुआ है। आकलन के मुताबिक 91.13 लाख करोड़ रुपये कम हुआ है।अटेवा जिलाध्यक्ष राजकुमार मौर्य ने कहा कि देश के लाखों शिक्षक एवं कर्मचारियों की आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा जोखिम में है। पुरानी पेंशन में शिक्षकों व कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित है। सांसद छोटेलाल खरवार ने सदन में मुद्दे को उठाने व प्रधानमंत्री को पत्र लिखने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी सर्वेश तिवारी, जिला संगठन मंत्री उमा सिंह,राजेश प्रेमी,प्रेम सिंह पटेल, सौरभ सिंह, संजीव, रविशंकर, मनीष सिंह, तरुण पालीवाल,साधु, उमाशंकर, आनन्द, राज किशोर,कृष्ण लाल,विनोद, रंजीत, प्रदीप कुशवाहा सहित सैकड़ों शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

छापेमारी में 30 लीटर कच्ची शराब बरामद, एक कुंतल लहन नष्ट

छापेमारी करने पहुंची आबकारी विभाग की टीम

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश शासन एवं आबकारी आयुक्त के आदेश के क्रम में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रभावी रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत रविवार को रविनंदन आबकारी निरीक्षक क्षेत्र दो एवं अमित कुमार आबकारी निरीक्षक क्षेत्र तीन द्वारा मय स्टाफ थाना शाहगंज अंतर्गत दुगौलिया, दुगौलिया रामपुर एवं भट्ठा टोला अंतर्गत संदिग्ध घरों पर छापेमारी की गई। इस दौरान मौके से लगभग 30 लीटर अवैध कच्ची शराब और 100 किलोग्राम लहन बरामद हुआ। लहन को मौके पर नष्ट करते हुए आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में दो अभियोग पंजीकृत किया गया। उक्त के अतिरिक्त संबंधित टीम द्वारा देशी शराब दुकान शाहगंज, परासी पाण्डेय, विदेशी मदिरा व बीयर दुकान शाहगंज का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए उनके स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। विक्रेताओं को नियमानुसार दुकान संचालित किए जाने हेतु कड़े निर्देश दिए गए। आबकारी टीम में आबकारी सिपाही वीरेन्द्र प्रताप, सुशील कुमार भारतीय, धर्मेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

रामगढ़। एसपी ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी सदर रणधीर कुमार मिश्रा के दिशा-निर्देशन में रविवार को थाना रायपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नकटुआ बंधा, सरईगढ़ थाना रायपुर के पास से एक नफर अभियुक्त घनश्याम जायसवाल पुत्र सिवमूरत जायसवाल निवासी ग्राम पड़री थाना रायपुर के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। बरामदगी व गिरफ्तार के सम्बन्ध में पुलिस ने आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही कर रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसआई चन्द्रभान सिंह, राम निधिराम, हेका कैलाश नाथ पाण्डेय, विनोद यादव शामिल रहे।

बीआरडी पीजी कॉलेज में 50वें क्रीड़ा समारोह का आयोजन

दुद्धी। बीआरडी पीजी कॉलेज में 50 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रमोद कुमार पीजी कॉलेज ओबरा द्वारा फीता काटकर किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ रामसेवक यादव ने किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि इस खेल में छात्र अच्छा प्रदर्शन कर बेहतर स्थान प्राप्त करें। खेल सदैव स्वास्थ्य एवं मानसिक रूप से विकास करता है। इसलिए खेलों में भी बेहतर रुचि रखकर प्रतिभाग करें।

विशिष्ट अतिथि प्रेमचंद यादव दुद्धी बार अध्यक्ष रामपाल जौहरी कुलभूषण पांडेय रहे। क्रीड़ा प्रभारी डॉ राजेश भारती समारोहक डॉ मिथिलेश कुमार गौतम डॉ अजय कुमार डॉ राकेश कुमार डॉ विवेकानंद डॉ राजेश कुमार यादव डॉ बृजेश कुमार यादव डॉ दिनेश चंद्र शर्मा डॉ प्रियंका जायसवाल कर्मचारी छात्र-छात्राए उपस्थित रहे। खेल कार्यक्रम का संचालन डॉ मिथिलेश गौतम ने किया। प्रथम व द्वितीय सत्र में खेल सम्पन्न हुए। प्रतियोगिताओं में हैमर प्रक्षेप में शिवराज मिश्रा प्रथम रोहित सोनकर द्वितीय व तृतीय स्थान पुष्कर अग्रहरि रहे। 200 मीटर दौड़ छात्रा वर्ग में इंदु प्रथम खुशी बानो द्वितीय सिम्मी तृतीय, 200 मीटर दौड़ छात्र वर्ग में मोहित कुमार प्रथम मनदीप कुमार द्वितीय अमन मिश्रा तृतीय व 100 मीटर दौड़ छात्र वर्ग मोहित प्रथम राजबली द्वितीय मन्नू कुमार तृतीय स्थान रहे। 100 मीटर दौड़ छात्रा वर्ग में खुशी बानो प्रथम अंशु उपाध्याय द्वितीय प्रियंका तृतीय स्थान रहे। शेष फाइनल खेल का आयोजन सोमवार को होना है।

शिव केवल नाम के नहीं,अपितु काम के गुरु

बोली बरखा दीदी

शिव गुरु महोत्सव में उमड़ा भक्तों का सैलाब

जनसंदेश न्यूज

शिव गुरु महोत्सव में मुख्य वक्ता दीदी बरखा आनन्द

दुद्धी। नगर के जीआईसी मैदान पर रविवार को भव्य शिव गुरु महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महेश्वर शिव के गुरु स्वरूप से एक एक व्यक्ति का जुड़ाव करना था। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता दीदी बरखा आनन्द ने कहा कि शिव केवल नाम के नही अपितु काम के गुरु हैं। उनके औघड़दानी स्वरूप से धन, धान्य, संतान, संपदा आदि प्राप्त करने का व्यापक प्रचलन रहा है। फिर उनके गुरु स्वरूप से ज्ञान प्राप्ति क्यों नही की जा सकती। उन्होंने कहा कि शिव जगतगुरु हैं, उन्हें किसी भी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, लिंग का व्यक्ति अपना गुरु बना सकता है।

केवल मन मे यह विचार आना ही कि शिव मेरे गुरु हैं, शिव शिष्यता की स्वमेव शुरूआत हो जाती है। उन्होंने कहा कि साहब हरिद्रानंद एवं उनकी धर्मपत्नी नीलम दीदी ने 1974 में शिव को अपना गुरु माना था। जिसकी अलख 1980 के दशक आते आते पूरे भारत भूखंड में फैला दी। दीदी ने भक्तों का आह्वान करते हुए कहा कि शिव का शिष्य होने मात्र तीन सूत्र सहायक हैं, जिसमें पहला सूत्र यह है कि मन ही मन कहें कि हे शिव आप मेरे गुरु हैं, मैं आपका शिष्य मुझ पर दया करें। दूसरा सूत्र सबको सुनाना और समझना है कि शिव ही गुरु हैं, ताकि दुसरे लोग भी शिव को अपना गुरु बना सकें। तीसरा सूत्र अपने गुरु शिव को मन ही मन प्रणाम करना,सम्भव हो तो नमः शिवाय मंत्र के द्वारा प्रणाम किया जाये। महोत्सव को सफल बनाने में अधिवक्ता कैलाश कुमार गुप्ता, रामानुज दुबे, सीताराम,भोला प्रसाद अग्रहरि समेत दर्जनों शिव शिष्यों ने अहम योगदान दिया।

समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

ओबरा। ग्राम सेवा समिति के अध्यक्ष शिवदत्त दुबे, रविन्द्र सिंह यादव तथा राजकुमार यादव के नेतृत्व में ग्राम पंचायत पनारी के चकाड़ी गांव में रविवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान श्री दुबे ने कहा कि ओबरा तापीय परियोजना के राख निस्तारण वाली पाइप फटने से यहां के ग्रामीणों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन पाइप फटती है जिसके वजह से यहां के रहवासियों के घर में दूषित पानी घुस जाता है। इसके चलते किसानों की फसल नष्ट हो जाती है। वहीं अत्यधिक पानी में प्रदूषण हो जाने से ग्रामीणों को पीने के लिए शुद्ध पानी तक मुहैया नहीं हो पता है। बताया कि पूरे मामले की जानकारी एसडीएम ओबरा को दी जा चुकी है।चेतावनी दिया कि 10 दिनों के अंदर परियोजना के अधिकारी समस्या का समाधान नहीं करेंगे तो ग्रामीण डीएम कार्यालय का घेराव करेंगे जिसकी जिम्मेदारी परियोजना के जिम्मेदार अधिकारियों की होगी। विरोध प्रदर्शन में जलालुद्दीन, गुलाबचंद यादव, मोहम्मद हनीफ, राम सुबह, रफीक अहमद, देवजीत यादव, पवन प्रजापति, वकील मोहम्मद, धर्मेंद्र यादव, जमीर अहमद, इकबाल मोहम्मद, विनेश कुमार यादव, सर्वेश यादव, सुनील यादव आदि लोग शामिल रहे।

पत्रकार के परिवार को 50 लाख मुआवजे की मांग

सोनभद्र। सीतापुर के महोली के विकास नगर निवासी पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की की हत्या को लेकर पत्रकारों के साथ ही आम लोगों में आक्रोश है। शनिवार को हेमपुर ओवरब्रिज से सीतापुर की ओर जा रहे पत्रकार की ओवरब्रिज से उतरते समय बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पत्रकार की हत्या के बाद सियासत तेज हो गई है। एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की मौत से यह तय हो गया है कि सूबे में कानून व्यवस्था के क्या हालत है। ढिंढोरा पीटने से कानून व्यवस्था अच्छी नहीं हो जाती। कानून व्यवस्था को कंट्रोल में रखना एक बात है और कानून व्यवस्था को अपने कंट्रोल में लेने के लिए काम करना दूसरी बात है। बीजेपी की चाहे केंद्र की मोदी की सरकार हो या सूबे में योगी की सरकार मीडिया जगत बहुत ही खतरनाक दौर से गुजर रहा है। देश के चौथे स्तंभ ही जब सुरक्षित नहीं तो आम जनता की जान माल की सुरक्षा का सवाल कौन खड़ा करेगा। उन्होंने दोषियों पर कठोर कार्रवाई के साथ ही 50 लाख मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दने की मांग की।

पत्रकार की हत्या पर जताया आक्रोश

डाला। सीतापुर के पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेयी की सरेराह बदमाशो द्वारा गोलीमार कर की हत्या से पत्रकारो में आक्रोश व्याप्त है। पत्रकार राजवंश चौबे की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित किया गया। पत्रकारो ने आक्रोश जताते हुए कहा कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले बदमाशो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही हो। इस अवसर पर सैयर आरिफ, मनोज तिवारी, सनोज तिवारी, अजय कुमार गुप्ता, मंटू शर्मा, सुरेश सिंह, गुड्डू पटेल, जगदीश तिवारी, नीरज पाठक, अभिषेक शर्मा, मिथिलेश भारद्वाज, अनील अग्रहरी आदि लोग मौजूद रहे।

डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार पिता पुत्र की दर्दनाक मौत

दुःखद

घटनास्थल पर जुटी ग्रामीणों की भीड़ व पुलिसकर्मियों के साथ मौजूद सीओ आशुतोष

डीडीयू नगर। क्षेत्र के ककरही खुर्द रिंग रोड के पास डंपर की चपेट में आने से रविवार की शाम मोटरसाइकिल सवार पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस एंबुलेंस के माध्यम से घायलों को जिला चिकित्सालय ले गई। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस चालक सहित डंपर को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई।

चंदौली कोतवाली क्षेत्र के बसारीकपुर गांव निवासी 36 वर्षीय मृतक बृजेश यादव अपने पिता 60 वर्षीय सुनील यादव के साथ अपने ससुराल सहजौर से दसवां कार्यक्रम में शामिल होकर मोटरसाइकिल से वापस आ रहा था। रिंग रोड से नीचे उतरते ही सकलडीहा की ओर से तेज रफ्तार आ रही डंपर की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना जोरदार हुआ कि मोटरसाइकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और डंपर के पीछे चक्के में फंस गई। जिस कारण से डंपर आगे नहीं बढ़ पाया।

डंपर चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे प्रभारी थाना अध्यक्ष रमेश यादव ने तत्काल एम्बुलेंस द्वारा दोनों पिता पुत्र को जिला चिकित्सालय भेजवाया। जहां चिकित्सकों ने जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया। वही डंपर सहित चालक को हिरासत में लेकर अगली कार्रवाई में जुट गए। इस दौरान अलीनगर सकलडीहा मार्ग पर भारी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई और जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। यातायात को देखते हुए सीओ आशुतोष व कोतवाल मुगलसराय विजय बहादुर सिंह मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाकर यातायात शुरू कर दिया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

डीडीयू नगर। सहजौर गांव निवासी भोनू यादव के पुत्री किरन यादव की शादी 8 वर्ष पूर्व बसपुरवा गांव निवासी बृजेश यादव से धूमधाम से हुई थी। जिसमें 7 वर्ष की पुत्री किट्टू व 3 वर्ष का पुत्र लड्डू है। मौत की खबर लगते ही पत्नी किरन के ऊपर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा। वही मासूम बच्चों के ऊपर से पिता का साया उठने के बाद अबोध बच्चे रोते बिलखते मां को बार-बार निहार रहे थे।

मुसलमान के बच्चे संभालें अपना मुस्तकबिलः हाफिज मुस्ताक

तरावीह मुकम्मल

मदरसा जामिया इत्तेहादुल उलूम में कुरान तरावीह हुई मुकम्मल

देश में अमन-चैन कायम रखने के लिए अल्लाह से की दुआ

कुरान तरावीह मुकम्मल होने के बाद हाफिज मुस्ताक के साथ मुस्लिम बंधु।

चंदौली। मदरसा जामिया इत्तेहादुल उलूम में शनिवार की रात कुरान तरावीह मुकम्मल हुई। इस दौरान हाफिज-ए-कुरान मुस्ताक ने मोमिनों की खुशहाली, उनको तकलीफ से निजात दिलाने व देश में अमन-चौन कायम रखने के लिए अल्लाह से दुआ की। तकरीर पेश करते हुए उन्होंने मुस्लिम बंधुओं को बच्चों की शिक्षित बनाने पर गौर फरमाया। उन्होंने कहा कि जिन्हें खुदा ने दौलत नवाजा है। समाज के ऐसे प्रबुद्ध लोग गरीब मुसलमान बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा संभाले, ताकि उनका मुस्तकबिल संवर सके। कहा कि मुसलमानों के बिगड़े हालात को बच्चों की शिक्षा और हर क्षेत्र में उनकी मौजूदगी से ही दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस्लाम हमें लोगों से मोहब्बत करना सिखाता है।

हमें नेकी की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। नमाज कायम करें और अपने परिवार को अच्छी तरबीयत दें। माह-ए-रमजान रहमत, बरकत और इबादत का महीना है। इस महीने में हमें रोजा रखने के साथ ही नमाज कायम करके खुदा से अपने गुनाहों की माफी मांगनी चाहिए। इस नियत के साथ जीवन के आगे का सफर तय करें कि अपनी कारगुजारी से किसी को तकलीफ ना हो। कहा कि आज पूरे देश में मुसलमान हाल परेशान है। इसके पीछे मुसलमानों का इल्म से दूर होना सबसे बड़ी वजह है। इस पर हम सभी को ध्यान देने की जरूरत है।

कौम की तरक्की व खुशहाली का रास्ता तालिम हासिल करके ही तय किया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि गरीब व जरूरतमंद मुस्लिम बच्चों की पढ़ाई लिखाई के लिए माल-दौलत वाले मुस्लिम आगे आएं। ऐसे बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी उठाएं और कमजोर व बिखरती कौम को एक धागे में बांध कर मजबूती दिलाने की दिशा में पहल करें। अंत में उन्होंने सभी मुस्लिम बंधुओं से पूरे रमजान माह में सुन्नत तरावीह व नमाज अदा करने का आह्वान किया और फिर सभी ने मिलकर दुआ मांगी। इस अवसर पर बाबर अली, शमीम अंसारी पलम्बर, जावेद अख्तर,राशिद खान शमशाद अंसारी, इरफान अहमद, आरिफ अंसारी, नेहाल अंसारी, इरफान खान टीपू, अरशद, खान, फुरकान खान, गुफरान अंसारी, अबरार अहमद, सोहेल अंसारी, अयान अंसारी, आशिफ अंसारी टीपू नैयर अयूब अंसारी शाह आलम अंसारी, आमिर अंसारी, आदि उपस्थित रहे।

संक्षेप

10 लीटर कच्ची शराब व 45 लीटर लहन संग दो गिरफ्तार

चकरघट्टा थाने में अवैध कच्ची शराब के साथ अभियुक्त

नौगढ़। चकरघट्टा थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बीती रात हनुमानपुर गांव में दबिश देकर के 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ 45 लीटर लहन बरामद कर के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायाधीश की अनुमति पर जेल भेजे जाने की कार्रवाई की गई है। थानाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार निषाद ने बताया कि बीती रात मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के हनुमानपुर गांव में पुलिस ने दबिश देकर के अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने में संलिप्त हनुमानपुर गांव निवासी रामसहाय पुत्र स्व.रामसखी व परसहवा गांव निवासी फूलचंद पुत्र केशरी को गिरफ्तार कर के मौके पर से 10 लीटर अवैध कच्ची शराब 45 लीटर लहन व उपकरण बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर के न्यायालय में पेश किए जाने पर न्यायाधीश की अनुमति से जेल भेजे जाने की कार्रवाई किया गया है। पुलिस टीम मे थानाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार निषाद शशिकांत यादव बीरेंद्र कुमार शामिल रहे।

समाज के विकास में अपना भरपूर सहयोग करें महिलाएं

डीडीयू नगर। ईस्ट सेंट्रल रेलवे इंप्लाइज यूनियन प्लांट डिपो के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं सम्मान समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस. के. शर्मा (मंडल अध्यक्ष) व संचालन मधु चौधरी ने किया। इस दौरान एस के शर्मा ने कहा कि आज महिलाएं आत्मनिर्भर, स्वनिर्मित, आत्मविश्वासी हैं। जिसने पुरुष प्रधान चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी अपनी योग्यता प्रदर्शित किया है। महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और जागरुकता पैदा करने को लेकर अब कार्य की गति तेज करने की जरूरत है। किरण कुमारी केंद्रीय पदाधिकारी ने कहां कि महिलाएं आगे बढ़ कर नेतृत्व करें और समाज के विकास में अपना भरपूर सहयोग करें। इस दौरान चंद्रिका यादव, मृत्युंजय कुमार मधु चौधरी, लक्ष्मी सिंह, संयोगिता सिंह, प्रियंका कुमारी, आरती कुमारी, जाह्नवी प्रिया, आकांक्षा कुमारी, अश्विनी भूषण,शीतल, गायत्री, कल्याणी राज,अमृता,सीमा देवी कल्पना,प्रिती, संतोषी शिला, माला देवी , पुष्पा आदि डिपो कि महिला कर्मचारी शामिल रही।

महाविद्यालय की छात्रा ने जिले का नाम किया रोशन

डीडीयू नगर। लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बी एस सी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा स्वाती ने राजभवन, लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ का प्रतिनिधित्व करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्वाती ने दिनांक 4 मार्च को पूर्वी क्षेत्र के छरू विश्वविद्यालयों की भाषण प्रतियोगिता में भी द्वितीय स्थान प्राप्त किया था । इस अवसर पर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो आनंद कुमार त्यागी, कुलसचिव दीप्ति मिश्र, लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रबंधक श्री राजेश कुमार तिवारी, प्राचार्य प्रो उदयन मिश्र, जनपद स्तरीय अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की नोडल प्रभारी डा साधना, प्रो संजय, प्रो अरुण, प्रो इशरत, प्रो भावना, रिया श्रीवास्तव, डा मिथिलेश, डा सोनिया, शाकिब, डा यश, डा पुष्पराज, डा विमर्श आदि ने छात्रा को बधाई दी है। प्रबंधक श्री राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि विजेता छात्रा को महाविद्यालय द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा छात्रा के इस उपलब्धि से हम सभी अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। पं पारसनाथ तिवारी ने महाविद्यालय की स्थापना इसी सोच के साथ की थी कि यहाँ पढ़ने वाले छात्र छात्राएँ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करें। प्राचार्य प्रो उदयन ने कहा कि स्वाती की कड़ी मेहनत के परिणाम के लिए बधाई,आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने वाकई सुखद परिणाम दिया है। आपके सभी भावी प्रयासों सफलता प्राप्त करे ऐसी हम सभी कामना करते हैं।

श्रद्धांजलि व पुरस्कार वितरण का हुआ आयोजन

नियामताबाद। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया जिला इकाई चंदौली के नेतृत्व मे रविवार को विभा स्मृति दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि व पुरस्कार वितरण का आयोजन विभा स्मृति मार्ग पांडेयपुर बाजार में किया गया। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व राज्य कमेटी सदस्य स्व. विभा कुमारी की याद में आयोजित श्रद्धांजलि व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसएफ आई के राज्य अध्यक्ष प्रबुद्ध ने कहा कि आज भाजपा के डबल इंजन की सरकार प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के स्तर को कमजोर कर रही है। और नई शिक्षा नीति को लागू करने से पूरे वर्ष किसी न किसी पाठ्यक्रम के एग्जाम चलने के कारण पढ़ाई का माहौल ही खत्म होता जा रहा है। जिससे छात्रों के शिक्षा की गुणवत्ता का भारी नुकसान हो रहा है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद प्रतियोगिता मे कक्षा 6,7,व 8 के प्रथम सागर शर्मा, द्वितीय अंकित कुमार, तृतीय सचिन कुमार एवं कक्षा 9, 10 , 11 व 12 के प्रथम दिलशान यादव, द्वितीय कृणकांत तिवारी, तृतीय स्थान रुचि मौर्य को बैग शील्ड व दोनों वर्गों के टॉप 10 के प्रतिभागियों को गंजी, शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। विभा स्मृति दिवस को एस एफ आई की राज्य उपाध्यक्ष खुशबू, राज्य सदस्य पार्थ सारथी व आशीष सतीश चन्द, गुलाब चन्द, मिठाई लाल, शंभूनाथ,जालंधर ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेराज आलम व संचालन शिवम ने किया।

शिक्षक-कर्मचारियों ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

सांसद वीरेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपते शिक्षक

चंदौली। अटेवा-पेंशन बचाओ मंच, उत्तर प्रदेश के आवाहन पर संगठन के जिला संयोजक देवेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में शिक्षक-कर्मचारियों ने रविवार को सांसद वीरेंद्र सिंह को उनके वाराणसी स्थित आवास पर पुरानी पेंशन बहाली को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने नई पेंशन व्यवस्था (एनपीएस) और एकीकृत पेंशन व्यवस्था (यूपीएस) समाप्त कर पुरानी पेंशन (ओपीएस) बहाल करने की मांग की। इस दौरान शिक्षकों और कर्मचारियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश के करीब 15 लाख कर्मचारियों समेत देश के लगभग एक करोड़ शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रहे हैं।

नई पेंशन योजना (एनपीएस) सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए अत्यधिक नुकसानदायक साबित हो रही है। 1200 से 4000 रुपये तक की कम पेंशन मिलने के कारण उनका जीवन-यापन कठिन हो गया है। देश की रक्षा में अहम भूमिका निभाने वाले अर्द्धसैनिक बलों को भी पुरानी पेंशन से वंचित करना गलत है। सरकारी संस्थानों के निजीकरण को रोकने और राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने की जरूरत बताई गई। लोगों ने सांसद से अनुरोध किया गया कि वे संसद में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएं और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इसे आगामी चुनाव घोषणा पत्र में शामिल करने की मांग करें। शिक्षकों और कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार जल्द से जल्द पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती, तो वे देशव्यापी आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। सांसद ने आश्वासन दिया कि वह उनकी मांग को उचित मंच पर उठाएंगे और सरकार तक उनकी आवाज पहुंचाने का पूरा प्रयास करेंगे। ज्ञापन सौंपने वालो में अटेवा चंदौली के संयोजक देवेंद्र प्रताप सिंह, निठोहर सत्यार्थी, दुर्गेश सिंह यादव, संजय कुमार सिंह, दिवाकर सिंह, जयप्रकाश भारती, संजय यादव, विजय विश्वकर्मा, रवि प्रकाश यादव, सत्येन्द्र भारती, प्रशांत सिंह सहित अटेवा चंदौली और अटेवा वाराणसी के सदस्य रहे।

लेबनान से अपने देश लौटे युवक का बैग चोरी

डीडीयू नगर। लेबनान से अपने देश में होली मनाने वापस लौटे युवक का बैग उचक्कों ने यात्रा के दौरान ट्रेन में गायब कर दिया। युवक दिल्ली से डीडीयू तक की यात्रा कर रहा था। रविवार की दोपहर में ट्रेन के स्थानीय रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर पीड़ित ने जीआरपी में तहरीर दी। इसके आधार पर जीआरपी मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मूल रूप से बिहार के रोहतास जिले के गोसलडीह, सूरजपुरा विक्रमगंज निवासी धीरेंद्र कुमार सिंह पिछले दो वर्ष से लेबनान देश में रह रहे थे। वह होली का त्योहार परिवार के साथ मनाने के लिए देश में वापस लौटा। दो दिन पहले दिल्ली पहुंचा। यहां से उसने शनिवार की रात दिल्ली पटना होली स्पेशल हमसफर एक्सप्रेस के एसी कोच एम-12 के सीट संख्या नौ पर सवार होकर दिल्ली से डीडीयू के लिए चला था। यहां उतर कर उसे सासाराम दूसरी ट्रेन से जाना था। जीआरपी को दिए गए तहरीर के अनुसार रविवार की भोर में ट्रेन कानपुर के आगे चली थी और उसकी नींद खुली तो उसका हैंडबैग गायब मिला। इस संबंध में जीआरपी पीडीडीयू के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर शून्य पर मुकदमा दर्ज कर संबंधित थाने को भेजा जा रहा है।

पेयजल समस्या से जूझ रहे आधा दर्जन गांव के लोग

जनसंदेश न्यूज

सकलडीहा। सकलडीहा कस्बा सहित आसपास के आधा दर्जन गांव के लोग बीते एक सप्ताह से पेयजल की समस्या से जूझ रहे है। आरोप है कि कभी फोर लेन सड़क निर्माण के दौरान और कभी केबिल तार डालने के कारण जल निगम की पाइप क्षतिग्रस्त हो जाने से आपूर्ति ठप था। रविवार को जल निगम टंकी की चकवाल खराब हो जाने से पूरे कस्बा में पेयजल के लिये हाहाकार मचा हुआ है। इसके बाद भी विभागीय अधिकारी सिर्फ कोरा आश्वासन दे रहे है। व्यापार मंडल अध्यक्ष केके सोनी ने जल निगम की समस्या दूर नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दिया है।

जल जीवन मिशन के तहत सकलडीहा कस्बा सहित आसपास के कई गांवों में हर घर जल की योजना शोपीस बना हुआ है। टिमिलपुर स्थित जल निगम की टंकी से सकलडीहा, नागेपुर, तेन्दुई ,सिरोहुईपुर, दुगार्पुर, ईटवा,ताजपुर आदि गांवों केा पेयजल आपूर्ति होती है। रमजान और होली का पर्व चल रहा है। बीते एक सप्ताह पूर्व सकलडीहा इंटर कॉलेज के समीप मोबाइल कंपनी की केबिल डालते समय पाइप क्षतिग्रस्त हो जाने से तीन दिन आपूर्ति बाधित रहा। ठीक होने पर पुनरू स्टेट बैंक के पास पाइप फोर लेन सड़क की खोदाई के दौरान टूट गया है। अभी बना नही कि जलनिगम टंकी पर पानी चालू करने वाली चकवाल खराब होगया है। जिसके कारण कस्बा सहित आसपास गांव में पेयजल संकट गहराय गया है। व्यापार मंडल अध्यक्ष केके सोनी ने बताया कि आये दिन जल निगम और सड़क निर्माण कराने वाली कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण पेयजल की संकट बना रहता है। समस्या दूर नहीं होने पर आन्दोलन की चेतावनी दिया है। उधर विभागीय अधिकारियों ने शीध्र ही पेयजल आपूर्ति शुरू कराये जाने का दावा किया है।

विधायक को माला पहना कर किया जोरदार स्वागत

विधायक रमेश जायसवाल का माला पहनाकर स्वागत करते लोग

डीडीयू नगर। वैश्य समाज एवं मुगलसराय विधानसभा के समस्त स्वजातीय ने गल्ला मंडी चौराहे पर मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल को माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण यादव की घोर निंदा किया। कहा कि प्रभु नारायण ने जिस अमर्यादित भाषा का प्रयोग विधायक रमेश जायसवाल के साथ जिलाधिकारी कार्यालय के बैठक में किया। यह अपमान विधायक रमेश जायसवाल का नहीं बल्कि मुगलसराय विधानसभा के वैश्य समाज का हुआ है। वक्ताओं ने आगे कहा कि सकलडीहा विधायक अमर्यादित भाषा का प्रयोग अपने घर में करे। किसी सार्वजनिक बैठक सभा में ना करें तो अच्छा रहेगा। इस दौरान आशीष कुमार जायसवाल, आलोक कुमार जायसवाल, विनीता अग्रहरि, डॉ मृत्युंजय जायसवाल, विनोद गुप्ता , आशुतोष जायसवाल, रामवतार, ओमप्रकाश जायसवाल, गायक अशोक सिद्धार्थ केसरवानी के अलावा काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सरोकार से जुड़े मुद्दे को उठाएं जनप्रतिनिधिः महेंद्र प्रसाद

चंदौली। किसान न्याय मोर्चा की आपात बैठक रविवार को विश्वनाथ चौराहा बिछिया खुर्द स्थित कैंप कार्यालय पर हुई बैठक में विधायक सकलडीहा और विधायक मुगलसराय के बीच जिस तरह से एक दूसरे के विरुद्ध अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। वह निंदनीय है बैठक में सर्व सम्मत से विधायकों के आचरण की निंदा की गई। किसान न्याय मोर्चा के संयोजक महेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि अगर जनप्रतिनिधि आपस में लड़ना छोड़कर जन सरोकार से जुड़े मुद्दे को उठाएं तो जनपद का विकास होगा। उपाध्यक्ष शमीम अहमद मिल्की ने कहा कि मुगलसराय नगर में सिक्स लेन-फोरलेन के सवाल पर जनता दो भागों में बट गई है जनप्रतिनिधियों को आगे आकर इस समस्या का समाधान करना चाहिए। ताकि सड़क निर्माण जल्द हो सके। बैठक में इंद्रजीत शर्मा, प्रोफेसर शिवराम सिंह चौहान, लक्ष्मण चौहान, दाताराम बिंद, सुरेंद्र चौरसिया, मेवा लाल गुप्ता, वंशलोचन सिंह, श्रीमती अंजू चौहान आदि लोगों ने विचार व्यक्त किया। अध्यक्षता कृष्णकांत यादव और संचालन सुशील कुमार ने किया है।

नगीना सांसद चंद्रशेखर रावण को चंदौली में किया गया डिटेन

जनसंदेश न्यूज

चंदौली। आजाद समाज पार्टी के चीफ और नगीना से सांसद चंद्रशेखर रावण को चन्दौली के सैयदराजा में 2 घंटे से ज्यादा समय तक डिटेन किया गया। रावण बिहार में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर उत्तर प्रदेश लौट रहे थे। तभी नेशनल हाइवे पर फोर्स लगाकर उनका काफिला रोक दिया गया। हालांकि डिटेन की वजहों पर अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है।

सूत्रों की मानें तो भीम आर्मी की तरफ से लखनऊ में एक रैली आयोजित है। जिसमें नगीना सांसद चंद्रशेखर को शामिल होना था। लेकिन कार्यक्रम को परमिशन नहीं मिला था। जिसके चलते उन्हें रोका गया। ताकि प्रस्तावित धरना प्रदर्शन में शामिल न हो सके लेकिन डिटेल किए जाने की जानकारी के बाद बिहार के साथ ही जिले के कार्यकर्ता भी जुटने लगे। भारी भीड़ जुटने और नेशनल हाइवे जाम करने के अंदेशा के बाद पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने काफिले को छोड़ने का निर्णय लिया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ उन्हें वाराणसी की तरफ ले जाया गया। इस दौरान 2 घण्टे से ज्यादा तक चंद्रशेखर डिटेन किए गए और भारी गहमागहमी रही। इस दौरान नगीना सांसद चंद्रशेखर रावण ने योगी सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि मुझे नहीं है पता कि मुझे यहां क्यो रोका गया। पूछने पर अधिकारी भी कुछ नहीं बता रहे है। मैं लखनऊ की तरफ जा रहा था। लेकिन बिना कारण बताए बिना नोटिस के भारी फोर्स लगाकर रोक दिया गया। इस सरकार में गुंडा गर्दी बढ़ गयी है। किसी को कंही भी रोका जा सकता है। कहा कि जिसे जितना दबाओगे वो उतना बढ़ जाएगा। इस बार दबाया गया आजाद समाज पार्टी का एक सांसद बना और दबाओगे तो 2027 में इतने विधायक बनेंगे की गिनती कम पड़ जाएगी। इस दौरान एसडीएम सुरेंद्र सिंह, जॉइंट मजिस्ट्रेट हर्षिका सिंह, एडिशनल एसपी विनय कुमार सिंह समेत 2 सीओ कई थानों की फोर्स मौजूद रही।

डीआरएम ऑफिस में सीबीआई ने दो घंटे तक खंगाले दस्तावेज

मचा हड़कंप

दिन भर सबूत एकत्र करने के बाद शाम को सीबीआई की टीम लखनऊ हुई रवाना

जनसंदेश न्यूज

डीडीयू नगर। डीडीयू रेल मंडल में विभागीय प्रमोशन में पेपर लीक के मामले में सीबीआई टीम ने रविवार को छुट्टी के दिन भी डीआरएम ऑफिस के कैंप कार्यालय में दो घंटे तक आवश्यक दस्तावेज खंगाले। कुछ लोगों को बुलाकर पूछताछ भी की। सूत्रों के अनुसार सोमवार को एक बार फिर गिरफ्तार अधिकारी और कर्मचारियों के कार्यालय अधीक्षकों को तलब किया गया है। सोमवार को दिन भर सबूत एकत्र करने के बाद शाम को टीम वापस चली जाएगी।

सूत्रों की माने तो गिरफ्तार 26 अधिकारी और कर्मचारियों को दोषी सिद्ध करने लायक सबूत एकत्र कर लिए हैं। गिरफ्तार लोगों के मोबाइल के फोन रिकार्ड और बैंक खाते के डिटेल पक्के सबूत बनेंगे। लोको पायलट से चीफ लोको पायलट इंस्पेक्टर की चार मार्च को होने वाली विभागीय परीक्षा के पूर्व सोमवार की रात सीबीआई ने नगर के काली महाल स्थित एक मैरेज लॉन में पहुंच कर परीक्षा के पूर्व पेपर को हल कर रहे आठ लोको पायलटों और वरीय मंडल विद्युत अभियंता परिचालन को पकड़ लिया। इसके बाद मंगलवार को सीबीआई ने डीआरएम आफिस में दिन भर कार्रवाई के बाद वरीय मंडल विद्युत अभियंता परिचालन और वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी के साथ लोको पायलट व कार्यालय अधीक्षक सहित 26 लोगों को गिरफ्तार कर लखनऊ ले गई। इस कार्रवाई के बाद शुक्रवार को एक बार फिर सीबीआई की आठ सदस्यीय टीम डीआरएम ऑफिस पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। रविवार को डीआरएम ऑफिस में छुट्टी रही। बावजूद इसके दोपहर 12 बजे से दो बजे तक आठ सदस्यीय सीबीआई अधिकारियों की टीम ने डीआरएम ऑफिस के पहले तल स्थित कैंप कार्यालय में पहुंची। यहां आवश्यक दस्तावेजों का मिलान किया। वहीं चार से पांच लोगों को बुलाकर पूछताछ की। दो घंटे की कार्रवाई के बाद टीम गेस्ट हाउस में वापस लौट गई। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को पकड़े गए लोगों के कार्यालय अध्यक्षों को बुलाया गया है। सोमवार को दिन भर सबूत एकत्र करने के बाद शाम को टीम लखनऊ वापस रवाना हो जाएगी।

विभागीय लापरवाही में औद्योगिक नगर चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

चंदौली। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के औद्योगिक नगर चौकी प्रभारी पंकज सिंह को विभागीय लापरवाही और निष्क्रियता के आरोप में एसपी आदित्य लांगे ने लाइन हाजिर कर दिया गया है। बताते है कि औद्योगिक नगर चौकी क्षेत्र के पटनवा ग्राम पंचायत निवासी अशोक यादव, जो भाजपा में सेक्टर संयोजक हैं ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन मार्च की रात निमंत्रण से लौटते समय चौकी प्रभारी पंकज सिंह व हमराही प्रभु यादव ने उन्हें गाली-गलौज कर चौकी ले जाकर पिटाई की और फिर 151 में चालान कर दिया। जहां भाजपा मंडल अध्यक्ष गंगा राम साहनी ने भी इस घटना की निंदा करते हुए चौकी प्रभारी को निलंबित करने की मांग की। पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे ने जांच के बाद पंकज सिंह को विभागीय लापरवाही और क्षेत्र में निष्क्रियता के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया। इसके चलते विभाग में हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई।

डॉ.भीमराव अंबेडकर का फोटो क्षतिग्रस्त कर दान पेटी चोरी

नौगढ़। चकरघट्टा थाना क्षेत्र के नर्वदापुर गांव में बीती रात अराजक तत्वों ने संत रविदास मंदिर के छाजन के लिए लगाई गई मड़ई की लकड़ी निकाल कर गांव में स्थापित होलिका में डाल दिया। वहीं होलिका में भी आग लगा कर जला दिए जाने का मामला प्रकाश में है। जिसकी जानकारी रविवार को सुबह मिलने पर दलित बस्ती के कुछ युवकों ने यादव बस्ती में पहुंच विरोध किया। जिस पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। ग्राम प्रधान परमानंद यादव ने तत्काल दूसरी होलिका स्थापित करा दिया। संत रविदास मंदिर के अनुयाइयों का आरोप है कि संत रविदास मंदिर की मड़ई उजाड़ने के साथ ही डा.भीमराव अंबेडकर का फोटो भी क्षतिग्रस्त कर-के अराजक तत्वों ने दान पेटी भी चुरा लिया है। वहीं यादव बस्ती के एक युवक ने गांव में जाने वाले मार्ग पर बांस बल्ली लगा कर के मार्ग अवरूद्ध कर दिया था। संदिग्धों को हिरासत में लेकर के थाना पुलिस आरोपों की जांच पड़ताल कर रही है। आक्रोशित दलित बस्तीवासी दिन भर संत रविदास मंदिर पर मौजूद रह कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे थे। नर्मदापुर गांव में चौहान बस्ती के समीप भैसौड़ा जलाशय के किनारे स्थापित होलीका में ईंधन इकट्ठा करने के लिए गांव के अराजक तत्व बीती रात संत रविदास मंदिर के छाजन के लिए लगाया गया खरपतवार की मड़ई का लकड़ी उठा ले जाने के साथ ही निजी उपयोग में रखा हुआ रामबली यादव का लकड़ी भी उठा ले गए। जिससे काफी आक्रोशित होकर के रामबली यादव ने रविवार को सुबह होलिका में आग लगा कर जला दिया। दलित बस्ती के अनिल कुमार ने बस्ती के एक दर्जन से अधिक लोगों के साथ गांव के शिव मंदिर के समीप पहुंच कर धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा कर के यादव बस्ती के लोगों से संत रविदास मंदिर की मड़ई को बनवाने को कहा। थानाध्यक्ष चकरघट्टा भूपेंद्र कुमार निषाद ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गांव वासियों को काफी समझा बुझाकर कर आक्रोश शांत कराया है। दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किया जाएगा।

स्पोर्ट्स

भारत ने 25 साल पूर्व हार का लिया बदला

1988 के बाद भारत ने पहली बार किसी फाइनल में कीवियों को हराया

दुबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला रविवार को दुबई में खेला गया। इस फाइनल को जीतकर टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अनचाहे रिकॉर्ड के सिलसिले को तोड़ दिया। 1988 के बाद से इस फाइनल से पहले तक भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी तरह के फाइनल में नहीं हराया था, लेकिन अब 37 साल का इंतजार खत्म हो गया है।

37 साल बाद भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया है। 1988 में भारत ने न्यूजीलैंड को शारजाह कप के फाइनल में हराया था। इसके बाद से भारतीय टीम कीवियों के खिलाफ लगातार तीन फाइनल हार चुकी थी। इनमें 2000 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल, 2005 वीडियोकॉन त्रिकोणीय सीरीज फाइनल और 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल शामिल है। इतना ही नहीं टीम इंडिया साथ ही आईसीसी टूर्नामेंट में भी पहली बार कीवियों को हराने में कामयाब हो पाई है। इसके साथ ही टीम इंडिया ने साल 2000 के चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में मिली हार का भी बदला ले लिया।

भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अपने नाम की। इससे पहले टीम इंडिया ने 12 साल पहले यानी 2013 में धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी में जीत हासिल की थी। भारत के लिए इससे पहले न्यूजीलैंड हमेशा कठिन चुनौती साबित हुआ है और आईसीसी टूर्नामेंटों में न्यूजीलैंड का भारत के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 10-7 का है। न्यूजीलैंड ने आईसीसी नॉकआउट चरण में भारत के खिलाफ पांच में से तीन मुकाबले जीते हैं और टीम इंडिया ने उन्हें दो बार हराया है। आईसीसी के वनडे इवेंट्स में भारत और न्यूजीलैंड 12 बार आमने-सामने आए हैं। इनमें भारत ने सात और न्यूजीलैंड ने छह मैच जीते हैं। आईसीसी के वनडे टूर्नामेंट्स के नॉकआउट में भारत और न्यूजीलैंड चार बार आमने-सामने आए हैं। इनमें से टीम इंडिया और कीवी दोनों ने दो-दो मैच जीते हैं। पिछले साल टी20 विश्व कप चैंपियन बनने के बाद हर फैन भारतीय टीम से एक और खिताब की उम्मीद लगाए बैठा था, जो कि पूरा हो गया है। 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में मिली हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की आंखों में आंसू थे, लेकिन उन्होंने उससे सीखा और लगातार दो आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को चैंपियन बनाया।

सौहार्द्र एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध

चंदौली। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में रविवार को आगामी पर्वों के दौरान जनपद समस्त थानों व पुलिस लाईन में क्षेत्राधिकारी सहित थाना चौकी प्रभारियों द्वारा नियुक्त पुलिस बल के साथ बलवा ड्रिल का पूर्वाभ्यास किया गया। व दंगा नियंत्रण उपकरणों शस्त्रों का संचालन कर जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने आगामी पर्वों को देखते हुए आकस्मिक परिस्थितियों में सुरक्षा व शान्ति व्यवस्था एवं समाज में सुरक्षित भयमुक्त वातावरण बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन अनिल कुमार यादव व अपर पुलिस अधीक्षक सदर विनय कुमार सिंह के नेतृत्व जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी सहित थाना चौकी प्रभारियों द्वारा नियुक्त पुलिस बल के साथ महेन्द्रा पालिटेकनिक्स ग्राउंड में दंगा नियंत्रण स्कीम का पूर्वाभ्यास कराया गया। इस दौरान मौजूद पुलिस अधिकारी व कर्मचारी द्वारा भीड़ को तितर-बितर करने के लिए रबर बुलेट गन लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले, एंटी राइट गन, टीयर गैस गन, हैंड ग्रेनेड आदि शस्त्रों के सम्बन्ध में पुलिस कर्मियों को जानकारी दी गयी। साथ ही बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया गया बलवा ड्रिल प्रशिक्षण सत्र में सभी पुलिसकर्मियों को बलवा दंगा होने के दौरान बलवाईयो पर पुलिस की तरफ से की जाने वाली कार्यवाही को अलग-अलग टीम बनाकर प्रदर्शित किया गया। बलवा ड्रिल के दौरान पायी गयी खामियों पर विस्तृत रुप से सभी पुलिसकर्मियों से फीडबैक लेकर सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। साथ ही आम-जन को आश्वस्त कराया गया कि जनपद पुलिस व प्रशासन शांति सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

टॉस हारने में रोहित ने की लारा की बराबरी

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी-2025 का फाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत लगातार 15वां टॉस हार गया है। न्यूजीलैंड बैटिंग कर रही है। यहां भारत को टॉस हारने और चेज करने दोनों का

फायदा मिल सकता है क्योंकि पिछले 4 टाइटल टॉस हारने वाली टीमों ने जीते हैं। वहीं, स्लो पिच होने की वजह से भारत यहां मजबूत है। क्योंकि टीम ने ग्रुप स्टेज में सभी मैच इसी मैदान पर खेले और टीम के पास 4 स्पिनर्स भी हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल हराकर फाइनल में एंट्री की। खिताबी मुकाबले में जीत की संभावना जानने के लिए हमने चैंपियंस ट्रॉफी के पिछले 8 फाइनल के ट्रेंड को 5 पैरामीटर्स में एनालाइज किया। फाइनल मुकाबले में टॉस की ज्यादा अहमियत रही है। अब तक खेले गए 8 मुकाबलों में टॉस जीतने वाली टीमों ने 3 मुकाबले जीते, जबकि टॉस गंवाने वाली टीमें 4 बार चैंपियन बनीं। एक मुकाबला बेनतीजा रहा, 2002 में श्रीलंका और भारत की टीमें संयुक्त विजेता रही थीं।

फाइनल मैच का रिजल्ट टॉस के फैसले पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है। अब तक 8 में से 2 ही फाइनल पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने जीते, जबकि 5 मुकाबले दूसरी पारी में बैटिंग करने वाली टीमों के नाम रहे। एक मैच बेनतीजा रहा। पहली पारी में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल का एवरेज स्कोर 219 रन रहा। फाइनल में पहली पारी का सबसे छोटा स्कोर 138 रन है, जो वेस्टइंडीज ने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था। जबकि 338 रन का हाईएस्ट स्कोर पाकिस्तान ने 2017 में भारत के खिलाफ बनाया था। पहली पारी का एवरेज स्कोर निकालने के लिए सभी फाइनल की पहली पारी के स्कोर को जोड़ा और उसमें 8 का भाग दिया। टूर्नामेंट के इतिहास में फाइनल मैच में सिर्फ एक बार 300+ का स्कोर बना है। जो पाकिस्तान ने 2017 के फाइनल में भारत के खिलाफ बनाया था। टीम ने 180 रन की जीत हासिल की थी। 2013 में भारत ने भी पहले बैटिंग करते हुए जीत हासिल की थी। अब तक 7 देशों ने चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की है। इनमें बांग्लादेश, केन्या, श्रीलंका, इंग्लैंड, भारत, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड शामिल हैं। इस बार की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है।

बॉलीवुड न्यूज

फिल्म 'द पैराडाइज' बेसब्री से हो रहा इंतजार

मुंबई। डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला की अगली फिल्म 'द पैराडाइज' को लेकर जबरदस्त एक्साइटमेंट है। ये फिल्म ना सिर्फ बड़ी हिट मानी जा रही है, बल्कि फैंस भी इसे लेकर बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने नेचुरल स्टार नानी का पहला लुक रिलीज किया, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। इस ग्रिपिंग वीडियो ने फैंस को इतना इंप्रेस किया कि सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा थमने का नाम नहीं ले रही। इसी बीच, डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला ने फिल्म से जुड़ी कुछ खास बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि द पैराडाइज 1980 के दशक के सिकंदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दमदार कहानी है, जो समाज में फैले भेदभाव को गहराई से उजागर करती है। फिल्म की कहानी एक ऐसे हाशिए पर पड़े समुदाय की है, जिसे उसके हक और पहचान से वंचित कर दिया गया है। लेकिन जब एक अनजान शख्स–जिसे बस "हरामी" कहा जाता है–उनका सहारा बनता है, तो वे अपने हक और नागरिकता की लड़ाई के लिए खड़े हो जाते हैं। फिल्म का अहम संदेश है: "नेता बनने के लिए कोई पहचान जरूरी नहीं होती।" डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला ने कहा है कि ह्यद पैराडाइजह्ल सरकारी सिस्टम, शोषण और अत्याचार की कड़वी सच्चाई को बिना किसी लाग-लपेट के सामने लाएगी–कुछ ऐसा, जो भारतीय सिनेमा में कम ही देखने को मिलता है। इस बार हम समाज की सच्चाइयों को धुंधला करने या छिपाने वाले नहीं हैं,श्रीकांत ओडेला ने कहा, "एक फिल्ममेकर के तौर पर मेरी कोशिश है कि इसे सबसे असली रूप में दिखाऊं। द पैराडाइज उन फिल्मों में से होगी जो बिना किसी झिझक अपनी बात रखेगी। यह पूरी तरह ओरिजिनल, सच्चाई से भरी हुई और दमदार होगी, जिसमें इतनी ताकत होगी कि दुनिया भर के दर्शकों तक अपनी बात पहुंचा सके। डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला, जिन्होंने 2023 में नानी स्टारर दसरा से डेब्यू किया था, अपनी अगली फिल्म द पैराडाइज को इंटरनेशनल दर्शकों तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अब द पैराडाइज के जरिए वह एक बेखौफ और सच्ची कहानी को दुनिया के सामने लाने का इरादा रखते हैं। श्रीकांत ओडेला ने कहा कि अगर मेरी 1,000 कोशिशों से दुनिया के किसी कोने में बैठा एक भी इंसान मेरी फिल्म देखे, तो मैं वो सारी कोशिशें करने को तैयार हूं, क्योंकि मेरी द पैराडाइज एक ग्लोबल ऑडियंस के लायक है। एस.एस. राजामौली की ईगा के लिए इंटरनेशनल पहचान बना चुके नानी, श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में एक बॉय-नेक्स्ट-डोर हीरो से कमर्शियल पावरहाउस बन चुके हैं। द पैराडाइज में उनका नया अवतार देखने के लिए फैंस बेहद उत्साहित हैं। फिल्म 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आमिर खान के शानदार सफर की झलक दिखाता ट्रेलर रिलीज

मुंबई। पीवीआर इनोक्स जो भारत की सबसे बड़ी और प्रीमियम सिनेमा एग्जीबिशन कंपनी है, ने हाल ही में एक खास फिल्म फेस्टिवल "आमिर खानः सिनेमा का जादूगर" का ऐलान किया है। यह फेस्टिवल आमिर खान के भारतीय सिनेमा में दिए गए अनमोल योगदान को सेलिब्रेट करने के लिए रखा गया है। जैसे ही इस फेस्टिवल की घोषणा हुई, दर्शकों में जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिली। आमिर खान, जो अपनी परफेक्शन और दमदार कहानियों के लिए जाने जाते हैं, उनके फिल्मी सफर को फिर से बड़े पर्दे पर देखना किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। बॉलीवुड के इस "सिनेमा के जादूगर" की फिल्मों को फिर से सिनेमाघरों में देखने का मौका दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बनने वाला है। बढ़ते एक्साइटमेंट के बीच मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई, जहां जावेद अख्तर और ढशफके फाउंडर अजय बिजली ने आमिर खान के साथ मिलकर एक दिलचस्प बातचीत की। तीनों दिग्गजों ने मिलकर "आमिर खानः सिनेमा का जादूगर" का ट्रेलर लॉन्च किया, जिसे देखकर फैंस और भी ज्यादा एक्साइटेड हो गए। ये खास फिल्म फेस्टिवल 14 मार्च, यानी आमिर खान के बर्थडे से शुरू होकर 27 मार्च तक चलेगा। इस दौरान उनकी कुछ आइकॉनिक फिल्में फिर से बड़े पर्दे पर देखने को मिलेंगी, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगी। आमिर खान के बारे में बात करते हुए जावेद अख्तर ने कहा, "इतने सारे किरदार हैं कि मुझे डर है कहीं मैं कुछ भूल न जाऊं। आमिर का जन्म 1965 में हुआ और मैंने भी 1965 में बॉलीवुड में काम शुरू किया था। आमिर ने अपनी पहली फिल्म में मेरे द्वारा लिखी स्क्रिप्ट पर काम किया था। मैं पंचगनी में नासिर हुसैन के लिए 'फर्याज' फिल्म लिख रहा था। तभी मैंने आमिर को देखा और तुरंत नासिर से कहा कि यह लड़का एक स्टार है और इसकी शुरूआत एक रोमांटिक फिल्म से होनी चाहिए।" उन्होंने आगे बताया, "आमिर की पहली फिल्म की स्क्रिप्ट मैंने लिखी थी और मेरे बेटे (फरहान अख्तर) की पहली फिल्म भी आमिर के साथ थी। आमिर खान ने जावेद अख्तर से मजाकिया अंदाज में कहा कि जब उन्होंने फरहान को स्क्रिप्ट सुनने से मना कर दिया था, तो वह जावेद साहब के फोन का इंतजार कर रहे थे। लेकिन जब काफी समय तक फोन नहीं आया, तो उन्हें एहसास हुआ कि फरहान ने शायद अपने पिता से इस बारे में बात ही नहीं की होगी। इसका मतलब था कि फरहान को आमिर पर पूरा भरोसा था और वह सच में उन्हें अपनी फिल्म में चाहते थे।

संक्षेप

लेजेंड क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में वाराणसी ने मारी बाजी

नियामताबाद। पीसीए रामनगर में चल रहे लेजेंड क्रिकेट टूर्नामेट का फाइनल मुकाबला रविवार को वाराणसी और पीसीए रामनगर के बीच खेला गया। जिसमें वाराणसी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। और पीसीए रामनगर को 172 रनों के लक्ष्य दिया। वाराणसी के तरफ से मैच खेल रहे भूपेंद्र ने तूफानी 64 रन बनाए ,शमशेर ने 25 रनों का योगदान दिया। पीसीए के तरफ से गोपाल ने 3 विकेट लिए ,राकेश ने 2 विकेट ,जितेंद्र ने 1 विकेट लिए लक्ष्य का पीछा कर रही पीसीए ने 166 रन ही बना पाई। और इस मैच को 5 रनों से हर गयी। पीसीए के तरफ से सर्वाधिक नागेंद्र ने 83 रन बनाए ,आजाद ने 41 रन बनाए ,मिथिलेश 12 रन, राकेश 6 और रमेश ने 5 रन बनाए वाराणसी के तरफ से भूपेंद्र 2 विकेट ,सुरेंद्र 1, जेपी 1, बृजेश 1, प्रितेश ने एक-एक विकेट लिए मैन ऑफ द मैच भूपेंद्र व बेस्ट बैट्समैन नागेंद्र बेस्ट बॉलर गोपाल हुए मुख्य अतिथि जन सहायता हॉस्पिटल के ऑनर डॉ. वीरेंद्र बिंद ने दोनो ही टीमो को बधाई दी और कहा कि हार जीत में बस थोड़ा सा फर्क होता है। यही थोड़ा सा फर्क आपको कामयाबी दिलाता है। खिलाड़ियों को उनके द्वारा काफी प्रेरणा मिला पीसीए रामनाग उनके अनमोल वक्त के लिए आभार दिया।

सनातन युवा जागरण के लिए संवाद स्थापित करना जरूरी:नन्द पाण्डेय

चहनियां। धरोहर संरक्षण सेवा संगठन द्वारा सनातन विस्तार के उद्देश्य को लेकर अनवरत चल रहे। संस्कृति संवाद यात्रा की बैठक का 30 वाँ पड़ाव का कार्यशाला बृजनन्दनी कान्वेंट स्कूल,चहनिया में आयोजित हुआ।
मुख्य वक्ता संगठन के प्रमुख संयोजक कृष्णा नन्द पाण्डेय ने कहा संवाद के अभाव में ही विवाद जन्म लेती है। आज सनातन समाज में संवाद हीनता बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है,जिसका लाभ विधर्मी उठा रहे है। सनातन समाज के लिए धर्मान्तरण एक बहुत बड़ी समस्या बन गयी है। जिसको संवाद के द्वारा ही रोका जा सकता है अन्यथा सनातन कमजोर होगा। सनातन कमजोर होगा तो भारत कमजोर होगा, क्योंकि सनातन है तभी संविधान है। सनातन है तभी भारत है । सनातन संस्कृति ही राष्ट्र व संविधान दोनों को मजबूत करेगी । इसके लिए हर सनातनी को सनातन विस्तार योद्धा बनना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों ,पहाड़ो, जंगलों सीमावर्ती क्षेत्रों व मुस्लिम मुहल्लों के आस पास से हिंदुओं के पलायन से जनसंख्या असंतुलन बहुत तेजी से हो रहा है। जनसंख्या असंतुलन और पलायन रोकने के लिए हमें सनातन शिक्षा पद्धति व संवाद स्थापित करना होगा। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से डॉ. अखिलेश अग्रहरि डॉ.चंद्र देव पटेल, ईश्वर पाण्डेय,बनवारी पाण्डेय,प्रिंस त्रिपाठी, शैलेन्द्र पाण्डेय, अवनीश पाण्डेय, अनिमेष, राजेश तिवारी लव यादव, कुश यादव, रुद्र पाण्डेय अंकित तिवारी, सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन पवन पाण्डेय, संचालन गौरव मिश्र और अध्यक्षता डॉ अखिलेश अग्रहरी ने किया।

श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

डीडीयू नगर। नीमा चंदौली के कैंप कार्यालय पर नीमा के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय महासचिव डॉ यू एस पांडेय के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। नीमा चंदौली के अध्यक्ष डॉ एस के यादव ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि डा पांडेय नीमा संगठन के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके निधन से अपूरणीय क्षति हुई है।अन्त में नीमा के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर डॉ स्वामी नाथ, डॉ आर के शर्मा ,डॉ एस एन तिवारी, डार अनिल पांडे, डॉ सचिन दुबे, डॉक्टर प्रमोद यादव, डॉक्टर सतीश चौहान, डॉक्टर दीपू सोनी, महेंद्र यादव श्याम चरण आदि लोग मौजूद रहे।

महवश के साथ फाइनल देखने पहुंचे चहल

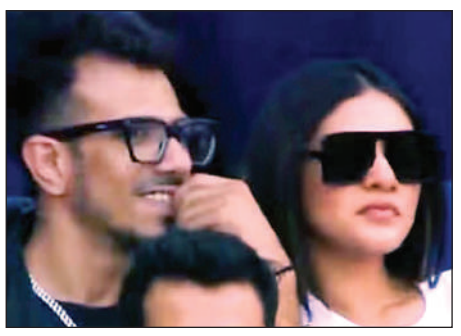

दुबई। भारतीय टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल रविवार को दुबई में भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रहे चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल का आनंद लेने पहुंचे। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि चहल स्टेडियम में आर जे महवश के साथ बैठे नजर आए। मैच के दौरान कैमरामैन ने चहल की तरफ कैमरा घुमाया जिसमें नजर आया कि चहल दर्शकदीर्घा में किसी लड़की के साथ मैच देख रहे हैं। चहल को किसी और लड़की के साथ मैच देखते ही प्रशंसक चौंक गए और देखते ही देखते उनकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। चहल और आर जे महवश ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर वीडियो शेयर किया जिसमें दोनों एक ही एंगल से वीडियो पोस्ट करते नजर आ रहे हैं। दोनों के वीडियो के बैकग्राउंड में ऑल ऑन द लाइन लिखा दिख रहा है। धनश्री के साथ तलाक की अटकलों के बीच चहल का किसी और लड़की के साथ बैठे दिखने ने सुर्खियां बटोरी हैं। मालूम हो कि चहल और धनश्री के बीच तलाक की अटकलें चल रही हैं। पिछले कुछ समय से चहल और धनश्री के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और मीडिया रिपोर्ट्स में इन दोनों के अलग होने की खबरों ने जोर पकड़ा हुआ है। चहल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह टीम का समर्थन करने के लिए स्टेडियम में पहुंचे हैं। पिछले कुछ समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने धनश्री के साथ अपनी तस्वीरें हटा ली थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इससे चहल और धनश्री के बीच तलाक की खबरों को बल मिला। तलाक की खबरों के बीच कई बार चहल और धनश्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये फैंस को संकेत दिए हैं और अपनी भावनाएं स्पष्ट की हैं। धनश्री कई मौकों पर स्टेडियम में मैच देखने आई हैं, लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में चहल को इस तरह किसी अन्य लड़की के साथ मैच देखने के बाद तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में भारत 145 खिलाड़ी उतारेगा

नई दिल्ली। भारत 11 से 13 मार्च तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2025 में 145 प्रतियोगियों को मैदान में उतारेगा। अन्य 19 देशों के 105 पैरा एथलीट इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। सऊदी अरब, जर्मनी, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, फिलीपींस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, नेपाल, भूटान और श्रीलंका सहित कई अंतरराष्ट्रीय टीमें पहले ही पहुंच चुकी हैं और उन्होंने अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है और जल्द ही और देशों के शामिल होने की उम्मीद है।

वनडे कॅरियर पर बड़ा फैसला ले सकते हैं रोहित ?

दुबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच नौ मार्च (रविवार) को चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इस प्रारूप में अपने भविष्य को लेकर बड़ा फैसला कर सकते हैं।

लंबे समय तक भारतीय टीम को कुशल बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर सेवाएं देने वाले रोहित शर्मा का यह सीमित ओवर का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है। भारत इस खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। हिटमैन के नेतृत्व में टीम इंडिया अब तक चैंपियंस ट्रॉफी में अजेय रही है। अगर भारत ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रहता है तो फिर महेंद्र सिंह धोनी के बाद हिटमैन एक से अधिक आईसीसी प्रतियोगिता जीतने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बन जाएंगे। रोहित की अगुआई में भारत ने पिछले साल वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप जीता था। इसके बाद रोहित और विराट कोहली ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। कयास लगाए जा रहे हैं कि रोहित चैंपियंस ट्रॉफी के बाद इस तरह का फैसला कर सकते हैं और इसमें मैच का परिणाम कोई भूमिका नहीं निभाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार चैंपियंस ट्रॉफी के बाद रोहित वनडे में अपने भविष्य को लेकर चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के साथ चर्चा कर सकते हैं।

भारतीय क्रिकेट में देखा गया है कि चयनकर्ता किसी बड़े खिलाड़ी के भविष्य को लेकर फैसला नहीं करते हैं बल्कि खिलाड़ी स्वयं इसको लेकर बोर्ड के शीर्ष पदाधिकारियों से बात करते हैं। अगर भारत चैंपियंस ट्रॉफी जीतता है तो कप्तान रोहित संन्यास की घोषणा कर सकते हैं लेकिन यह बात समझ में आती है कि फाइनल से पहले वह संन्यास से जुड़े सवालों से बचने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं आए। उनकी जगह उपकप्तान शुभमन गिल ने पत्रकारों को संबोधित किया और बताया कि ड्रेसिंग रूम में किसी खिलाड़ी के संन्यास को लेकर कोई चर्चा नहीं चल रही है।गिल ने कहा, हमने इस बारे में बात नहीं की है। हमारी सारी चर्चा सिर्फ मैच जीतने को लेकर हुई है और हमें बस यह मुकाबला जीतना है। रोहित ने इस बारे में ना सिर्फ मुझसे बल्कि टीम से भी चर्चा नहीं की है। मुझे लगता है कि रोहित भी बस फाइनल जीतने के बारे में सोच रहे हैं। उपकप्तान गिल ने कहा, मुझे लगता है कि रोहित पहले चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। मैच खत्म होने के बाद वह इसे लेकर फैसला ले सकते हैं, लेकिन टीम में किसी से भी मैंने इस बारे में कुछ सुना नहीं है। इतना तय है कि कोहली और रोहित वनडे से एक साथ संन्यास नहीं लेंगे। टी20 विश्व कप के बाद ऐसा हुआ क्योंकि उस प्रारूप में उनके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हासिल करने के लिए और कुछ नहीं बचा था। अगर अन्य प्रारूप की बात करें तो कोहली की निगाह टेस्ट क्रिकेट में 10000 रन पूरे करने पर टिकी हैं। उनके समकालीन बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, जो रूट और केन विलियमसन पहले ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। एक टेस्ट क्रिकेटर के रूप में कोहली का आगे खेलना निश्चित है और इस साल होने वाले इंग्लैंड दौरे में उनकी जरूरत पड़ेगी। लेकिन यही बात रोहित के लिए नहीं कही जा सकती जो ऑस्ट्रेलिया के दौरे के दौरान अच्छी फॉर्म में नहीं होने के कारण सिडनी में खेले गए अंतिम टेस्ट मैच से स्वयं बाहर हो गए थे।

शिक्षा संग खिलवाड़ कर रही भाजपा सरकार: लाल बिहारी

चहनियां। वर्तमान भाजपा की सरकार शिक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। शिक्षा का भी निजीकरण होने जा रहा है। शिक्षा पुरी तरह से पूंजीपतियों के हाथ में जाने वाली है। अब शिक्षा को ठेकेदारों के द्वारा संचालित किया जायेगा। जो गरीबों के लिए बहुत ही घातक होगा। मैने कई बार इसके खिलाफ आवाज उठाई लेकिन सरकार जवाब नहीं दे रही है। उक्त बातें पहाड़पुर स्थित एक इंटर कालेज में वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि विधान परिषद के सदस्य एवं नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी ने कही।

वार्षिकोत्सव का उद्घाटन मा सरस्वती के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण करके किया। इस दौरान नन्हे मुन्नो ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शको की बाहबाही लूटी। कहा कि शिक्षा की बड़ी दुर्दशा है। अमीरों के लिए अलग पाठ्यक्रम है और गरीबो के लिए अलग। पैसे के आधार पर शिक्षा मिल रही है। गांव का गरीब किसान का बेटा बेटी जहां पहुँचना चाहिए पैसे के अभाव में नही पहुच पाता है। विशिष्ठ अतिथि स्नातक एम एल सी वाराणसी खण्ड आशुतोष सिंहा ने कहा पिछड़ो की मजबूत शिक्षा के हम लोग लगाकर सदन में आवाज उठा रहे।

सिर्फ आवाज ही नही उठा रहे है। हम पिछड़ो, अति पिछड़ो, दलितो सहीत सभी लोगो का जो अधिकार शिक्षा के प्रति होगा उसे दिलाकर रहेगे। शिक्षा वह शेरनी का दुध है जो समाज में हक दिलाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद बिरहा का मुकाबला शशि यादव एवं कविता रंजन के बीच हुआ। प्रबंधक संजीव यादव ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।प्रधानाचार्य रामनारायण यादव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान डा.अजय यादव, पंकज दुबे, रविंद्र यादव, रामदरश यादव, बजरंगी यादव, राजेन्द्र पाण्डेय, प्रभात यादव सहित सैकडो लोग उपस्थित रहे।

पहाड़पुर में एक विद्यालय में सम्बोधित करते प्रतिपक्ष नेता लाल बिहारी

तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव का आयोजन सोमवार से शाही किला में होगा। जिसकी जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं।

जौनपुर नामा

जौनपुर महोत्सव के माध्यम से स्थानीय कलाकारों को मिलेगा मंच : राज्यमंत्री

तैयारी

प्रेसवार्ता के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में दी जानकारी

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जौनपुर महोत्सव के संबंध में प्रेस वार्ता की गई। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय जौनपुर महोत्सव का आयोजन 10 से 12 मार्च तक शाही किला में होना है।

उन्होंने 10, 11 और 12 मार्च को होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 10 मार्च को अपराह्न 4 बजे से कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी जिसमें सर्वप्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, शहीदों के परिजन, प्रतिभाशाली खिलाड़ी सहित जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इसके पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा जिसमें शिव तांडव, महिषासुर मर्दिनी, स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि जौनपुर महोत्सव के माध्यम से हर स्थानीय कलाकार को मंच मिल सके जिससे वह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके। 11 मार्च को भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ ही भोजपुरी कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। 12 मार्च को सामूहिक विवाह के आयोजन के संदर्भ में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सामूहिक विवाह योजना के तहत 1001 जोड़ों को आशीर्वाद देंगे। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जौनपुर महोत्सव के दौरान हमने ऐसे सभी कलाकारों को आमंत्रित करने का प्रयास किया है जिन्हें हम मंच देकर उनके प्रतिभा को लोगों के सामने प्रस्तुत कर सकें। साथ ही उन्होंने बताया कि जनपद के विकास से संबंधी प्रदर्शनी भी लगेगी तथा सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं का प्रचार प्रचार कराया जाएगा जिससे पात्र और वंचित लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा सके। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज, पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वि./रा. राम अक्षयबर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, परियोजना निदेशक कृष्ण करुणाकर पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार उपस्थित रहे।

कोर्ट के आदेश पर 15 नामजद लोगों पर गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

जफराबाद। दो फरवरी को क्षेत्र के वसीरपुर गांव में हुए गोलीकांड में कोर्ट के आदेश पर 15 से ज्यादा लोगों पर गम्भीर धाराओं पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

ज्ञात हो कि उक्त गांव प्रधान के प्रतिनिधि रामहित निषाद तथा गांव के बीडीसी मनीष कुमार से प्रधानमंत्री आवास सर्वे के लिए विवाद हो गया था जिसमें गोलियां चली थी जिसमे मनीष कुमार, सूरज कुमार को गोली लग गयी थी। मामले में रामहित निषाद सहित पांच लोगों के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। सभी आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान भेज दिया था। उस समय रामहित निषाद के बार बार कहने के बाद भी पुलिस ने दूसरे पक्ष के लोगों के विरुद्ध मुकदमा नहीं दर्ज किया था। रामहित निषाद की पत्नी निर्मला देवी ने एसीजे (एसडी) के कोर्ट द्वितीय में रिट दायर किया। निर्मला ने कोर्ट को बताया कि प्रधानमंत्री आवास के लिए मनीष कुमार व अन्य जबरदस्ती कर रहे थे। जब रामहित ने मना किया तब बीडीसी सदस्य मनीष कुमार व उसके पिता उमाशंकर के नेतृत्व में भारी संख्या में लोग पीड़िता के घर पर चढ़ आये। वे वहां आकर घर में तोड़फोड़ करने लगे। जब घर के लोग घर में घुस गए तब उन लोगों ने सीसी कैमरा तोड़ डाला। घर में घुसने लगे तब रामहित निषाद ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से फायर किया। तब उन लोगों ने निर्मला के जेठ रामयश की दुकान में तोड़फोड़ कर काफी समान तोड़ डाला। उसके बाद दुकान का सामान तथा 10 हजार नकद उठा ले गये। घटना का विरोध करने पर पंकज, सचिन आदि पर जानलेवा हमला करके गम्भीर रूप से घायल कर दिया और धमकी देते हुए सब भाग गए। कोर्ट के आदेश पर घटना में शामिल ईशु पुत्र उमाशंकर, गीता देवी पत्नी उमाशंकर, लाल बहादुर पुत्र धनई, सोनू, लाली व राहुल पुत्रगण राजबहादुर, नीरज व सूरज पुत्रगण श्यामलाल, समीर पुत्र मोतीलाल, अभिषेक पुत्र मंगरु, बाबा उर्फ अनुरागमणि नामजद तथा कई अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर आरोपियों पर हत्या के प्रयास सहित अन्य कई गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करके कार्यवाही की जा रही है।

सीतापुर में पत्रकार की हत्या से साथियों में रोष

जनसंदेश न्यूज

मछलीशहर। सीतापुर में पत्रकार की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या को लेकर स्थानीय पत्रकारों में रोष व्याप्त है। पत्रकारों ने रविवार को रोडवेज परिसर में एक बैठक किया जिसमें सीतापुर में हुए पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या की घोर निंदा करते हुए उक्त घटना में संलिप्त दोषियों को तत्काल गिरफ्तारी कर कड़ी से कड़ी सजा देने की शासन से मांग की। इसके साथ ही मृतक परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से मांग किया कि उनके परिवार को उचित मुआवजा एवं सरकारी नौकरी भी दी जाय। बैठक में आरपी सिंह, रमाशंकर शुक्ल, अखिलेश श्रीवास्तव, अनुराग सिन्हा, मनोज कुमार तिवारी, अभिषेक नारायण सिंह, कमलेश कुमार, राकेश कुमार श्रीवास्तव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, विपिन कुमार मौर्य, राहुल गौतम सहित अन्य पत्रकार मौजूद थे।

संक्षेप

त्रयोदश संस्कार में अपव्यय को नियंत्रित करना नितांत आवश्यक

चंदवक। वर्तमान परिस्थितियों में विभिन्न कारणों से समाज में जनहानि की अधिकता आ गई है। जनहानि की असह्य पीड़ा के बावजूद समाज में व्याप्त विकृतियों के कारण त्रयोदशाह कार्यक्रम में अपव्यय करना लोगों की विवशता हो गई है। ऐसे में त्रयोदश संस्कार के नाम पर हो रहे अपव्यय को नियंत्रित करना नितांत आवश्यक हो गया है। उक्त बातें बड़वा गांव में जनजागरूकता कार्यक्रम के तहत आयोजित त्रयोदश संस्कार की विभीषिका को नियंत्रित करने की आवश्यकता विषयक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कही।वक्ताओं ने त्रयोदश संस्कार के नाम पर समाज में व्याप्त विकृतियों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर बल देते हुए कहा कि जनहानि के बाद त्रयोदश संस्कार के नाम पर अपव्यय करना वर्तमान में स्टेटस सिंबल हो गया है। जिसका शिकार आर्थिक रूप से कमजोर लोग हो रहे हैं। लोगों को जागरूक कर अपव्यय पर नियंत्रण करना अति आवश्यक हो गया है। वक्ताओं ने समाज के प्रभावशाली लोगों का आह्वान किया कि समाज मे व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के लिए कदम आगे बढ़ाएं। संगोष्ठी को प्रबंधक वीरेंद्र प्रताप सिंह, डा. देवेंद्र सिंह, डा. उमाशंकर सिंह, पूर्व प्रमुख केडी सिंह, श्रीकांत सिंह, राजेन्द्र सिंह, समाजसेवी अजीत सिंह, जय प्रकाश सिंह, संजय पांडेय ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता त्रिभुवन सिंह व संचालन गोपाल सिंह ने किया। इस अवसर पर श्रीप्रकाश सिंह, अखिलेश सिंह, जयकेश सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संदिग्ध हाल में फंदे से लटकता मिला युवती का शव

खुटहन। गभिरन गांव में रविवार को संदिग्ध हाल में एक युवती का शव पंखे के हुक से साड़ी के फंदे से लटका पाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। युवती का पूरा परिवार मुंबई में रहता है। वह इंटरमीडिएट की परीक्षा देने मुंबई से अकेले घर आयी थी। गांव निवासी 22 वर्षीया ऋतू विश्वकर्मा पुत्री गोपीचंद स्थानीय एक इंटर कालेज में इंटरमीडिएट की छात्रा थी। वह भी अपने माता पिता के साथ कुछ माह पूर्व मुंबई गयी थी जहां से बोर्ड की परीक्षा देने अकेले ही घर आयी थी। पड़ोसियों ने बताया कि शनिवार की शाम वह नित्य की तरह अपने घर का दरवाजा बंद कर भीतर सोने चली गई। दूसरे दिन दोपहर तक घर का दरवाजा नहीं खुला तो आस पास के लोगों को शंका हुई। उन लोगों ने दरवाजा पीटकर उसे आवाज दिया लेकिन अन्दर से कोई हलचल नहीं हुई। रोशनदान से देखा तो वहां का नजारा देख आवाक रह गये। ऋतू का शव फंदे पर लटक रहा था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। कमरे का दरवाजा तोड़ शव नीचे उतारा गया। मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। युवती की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। थानाध्यक्ष मुन्ना राम ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के बिषय में कुछ स्पष्ट हो पायेगा।

कुत्ते में भी पाया गया शुगर, सभी रहे हलकान

शाहगंज। खुटहन रोड निवासी एक पशुपालक के पालतू कुत्ते में शुगर पाए जाने पर शनिवार को लोग हलकान दिखे। इंसानों की तरह कुत्ते में शुगर पाए जाने को लेकर लोग चर्चा करते दिखे। बताया जा रहा है कि उक्त रोड निवासी पशुपालक नरेंद्र प्रताप सिंह का लेब्राडोर प्रजाति का सात वर्षीय कुत्ता विगत कई दिनों से अस्वस्थ चल रहा था। जहां उसे प्यास और पेशाब बार बार लग रहा था, वहीं दिन प्रतिदिन उसका वजन कम होता चला जा रहा था। इधर उधर से उपचार कराने के बाद पशुपालक द्वारा उसे सेण्ट थामस रोड स्थित पालीवाल पेट्स क्लीनिक एण्ड सर्जिकल सेण्टर पर पशु चिकित्सा अधिकारी डाक्टर आलोक सिंह पालीवाल के पास लाया गया, जहां डाक्टर पालीवाल द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए ब्लड की जांच करवायी गयी। जांच रिपोर्ट में कुत्ते का शुगर स्तर जहां 630 एमजी प्रति डेसी लीटर पाया गया, वहीं उसका वजन घटते हुए 20 किलोग्राम देखा गया। इंसानों की तरह कुत्ते में भी शुगर पाए जाने को लेकर सभी हलकान हो गए। इस बाबत डाक्टर पालीवाल ने अपने 12 वर्षों के सेवा काल में इसे पहला केस बताया। उन्होंने कहा कि अपवाद स्वरूप इस तरह का केस जानवरों में पाया जाता है। बहरहाल वर्तमान में उक्त कुत्ते का उपचार इंसुलिन द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने पशुपालक को कुत्ते के उचित खान-पान रखने और समय पर जांच कराते रहने की सलाह दिया।

प्रो. वंदना सिंह को राज्यपाल ने किया सम्मानित

सम्मान

महिला दिवस के अवसर पर राजभवन में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज भवन लखनऊ में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज भवन लखनऊ में विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सम्मानित किया है। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने महिलाओं के सशक्तिकरण, उनकी भूमिका, परिवार और समाज में उनके योगदान पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं में संवेदनशीलता और मानवता अधिक होती है, यही कारण है कि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में सेवा भाव भी प्रबल होता है, जो उन्हें जीवनभर कर्मशील बनाए रखता है। महिलाएं महिला अध्ययन की प्रभारी डॉक्टर जाह्नवी श्रीवास्तव ने बताया कि इसके साथ ही जौनपुर जनपद में समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने पर अंजू सिंह को एवं आंगनबाड़ी के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रतिभा सिंह को भी राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा सम्मान प्राप्त हुआ है। इस सम्मान के प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रोफेसर अजय द्विवेदी, प्रोफेसर मानस पांडे, प्रोफेसर राजेश सिंह, प्रोफेसर मनोज मिश्रा, प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह, प्रोफेसर सौरभ पाल, प्रोफेसर राजेश शर्मा, प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव, प्रोफेसर गिरधर मिश्र समेत अन्य ने शिक्षा एवं कर्मचारियों ने बधाई दी है।

चाहे घर में हों, कार्यालय में हों या किसी अन्य क्षेत्र में कार्यरत हों, वे सदैव ऊर्जा से भरपूर रहती हैं और स्वस्थ जीवन जीती हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक और पारिवारिक संघर्षों की प्रेरणादायक कहानी भी साझा की। महिलाओं और समाज की बेहतरी के लिए कुछ करने की इच्छाशक्ति ने उन्हें राजनीति की ओर प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि यह सम्मान पूरे विश्वविद्यालय का सम्मान है। विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करतीं रहेंगी।

होली के दिन दो बजे से होगी जुमे की नमाज

मड़ियाहूं। आगामी होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक कोतवाली परिसर में रविवार को प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

इस दौरान आगामी 14 मार्च को जुमे की नमाज व होली पर्व को लेकर दोनों समुदायों के लोगों के बीच अलग अलग वार्ता की गई, जिसमें 14 मार्च को हिंदू समुदाय के लोग 1 बजे तक होली खेलकर अपने घर लौट जाएंगे। इसके बाद 2 बजे से जुमे की नमाज होगी। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि हमारी प्राथमिकता क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। शांति समिति की बैठक में दोनों समुदायों के लोगों से अलग अलग चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि वह अपने-अपने त्योहार शांति और सद्भाव के साथ मनाएंगे। इस अवसर पर मौलाना जमीरुद्दीन, हाजी ईशा फारूकी, रहमत खान व्यापार मंडल अध्यक्ष राशिद अली हाशमी, अताउल्लाह खान, गयासुद्दीन अंसारी, मुन्ना हाशमी, कफील अहमद, सभासद इजहार अहमद गुड्डू, कयामूल हक अंसारी सहित तमाम मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे।

गैर जमानती वारंटी गिरफ्तार

पवांरा। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के आदेश के अनुपालन में चलाये जा रहे अपराध की रोकथाम, अपराधियों की धरपकड़ व गैरजमानती वारंटियों की धरपकड़ अभियान के तहत गैरजमानती वारंटी सुरेन्द्र प्रताप पुत्र बालजोर गौतम निवासी जगदीशपुर थाना पवांरा जो न्यायालय द्वारा वारंट जारी होने के बावजूद हाजिर नहीं हो रहा था। इसलिए न्यायालय ने उसके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया। रविवार की सुबह उपनिरीक्षक विनोद कुमार अंचल ने कान्सटेबल प्रभाकर सिंह के साथ उसके घर से गिरफ्तार कर चालान हेतु न्यायालय भेज दिया।

पीयू के 17 छात्रों को कोड इटरनिटी नोएडा में शानदार प्लेसमेंट

खेतासराय। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतिष्ठित आईटी कम्पनी कोड इटरनीटी, नोएडा ने कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान विश्वविद्यालय के 17 होनहार छात्रों का चयन किया है। इस सफलता से छात्रों और उनके परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

कम्पनी के प्लेसमेंट प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के वेब डेवलपर, ग्राफिक्स डिजाइन, सेल्स एग्जीक्यूटिव और एचआर मैनेजर पद के किये कुल 17 छात्रों का चयन हुआ। कम्पनी के सीईओ आदर्श श्रीवास्तव ने छात्रों की सराहना किया। चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहाकि वीबीएसपीयू के छात्रों में प्रतिभा और तकनीकी कौशल की कोई कमी नहीं है। वे नवाचार के लिए तैयार हैं और हमारी कम्पनी में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। वहीं कम्पनी के सीटीओ राहुल मिश्रा व चीफ टेक्निकल ऋषभ मिश्रा ने छात्रों के तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास की सरहना किया। चयनित छात्रों में 10 सीएम/आईटी, 4 एमसीए/बीसीए और 3 एचआरडी/सेल्स के छात्र शामिल है। केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. अवनीश डी. पाथर्डीकर ने कम्पनी भर्ती टीम को धन्यवाद देते हुए बताया कि कोड इटरनीटी एक प्रतिष्ठित आईटी कम्पनी है, जो वेब डेवलपमेंट, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस और क्लाउड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कार्यरत है। चयनित छात्रों को आकर्षक वेतन पैकेज और करियर ग्रोथ के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। अंत कार्यक्रम में प्लेसमेंट सेल के कार्यलय प्रभारी श्याम त्रिपाठी ने लोगों का आभार व्यक्त किया।

लायंस क्लब क्षितिज ने किया महिलाओं को सम्मानित

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। लायंस क्लब क्षितिज ने नगर के एक होटल में संस्थाध्यक्ष नीतू सिंह के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से समाज में अग्रणी भूमिका निभा रही महिलाओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने महिलाओं की परिवार व समाज में जिम्मेदारी, उनके अधिकारों, सुरक्षा, पारिवारिक मूल्यों के बारे में चर्चा की। विशिष्ट अतिथि सीता साहू (ज्ञानवापी केस में पक्षकार) ने नारी शक्ति के बारे में बताया कहा कि महिलाएं अधिक दृढ़ संकल्प से भरपूर हो तो आगे स्वयं बढ़ती चली जाएंगी। वंशराजी चाइल्ड & मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल से डॉक्टर मंजू यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि लायंस क्लब क्षितिज ने जो सम्मान मुझे दिया है, मुझे भी ऐसे कार्य करने को प्रेरित करता है कि मैं आपके दिए गए सम्मान का मान रख सकूं और मैं बच्चों के उपचार के लिए ऐसी सभी सुविधा प्रदान कर सकूं जिससे आपको जौनपुर से कहीं बाहर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित प्राथमिक विद्यालय रन्नो की अध्यापिका प्रीति श्रीवास्तव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सम्मानित होने के उपरांत कहा कि मैं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव कार्य कर रही हूं और करती रहूंगी। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को माल्यार्पण व अंगवस्त्रम देकर किया गया। इसके उपरान्त जौनपुर के विभिन्न क्षेत्रों से आयी महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में अन्वी सोनकर व आस्था आनंद सिंह खेल क्षेत्र से, डा. मंजू यादव चिकित्सा एवं समाज सेवा क्षेत्र से, बबीता निषाद स्वयं सहायता समूह से, प्रीति श्रीवास्तव शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र को सम्मानित किया गया। संस्थाध्यक्ष नीतू सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि हर क्षेत्र में महिलाओं का अतुलनीय योगदान रहा है। इसके पश्चात संस्थापक अध्यक्ष यवनिका सिंह ने अपने उदबोधन में महिला सशक्तिकरण एवं उनके मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

महिला दिवस

विभिन्न क्षेत्रों से समाज में अग्रणी भूमिका निभा रही महिलाओं को सम्मानित

तत्पश्चात कार्यक्रम संयोजक बबीता जायसवाल ने नारी की प्रचंड शक्ति का विस्तृत वर्णन किया। पूर्व अध्यक्ष सीमा सहाय व निवर्तमान अध्यक्ष किरन सेठ ने महिलाओं के अधिकार व सम्मान के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. प्रिया सिंह, जूही सिंह, रेखा सिंह, रिंकी श्रीवास्तव, निशा कनौजिया, आराधना सिंह ने सम्मानित होने वाली महिलाओं का जीवन परिचय दिया। ग्राम विकास अधिकारी श्रुति गुप्ता एवं मेनका सिंह ने इंटरनेशनल वूमेंस डे सेलिब्रेशन के संबंध में विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम संयोजक सीमा चक्रवाल ने महिला दिवस की बधाई देते हुए आए हुए सभी मातृ शक्तियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अर्चना सिंह (प्राचार्य टीएमसी स्कूल) ने किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष चेतना साहू, सुषमा सोनकर, चांदनी साहू, सरिता मिगलानी, ज्योति जयसवाल, नीतू गुप्ता, मीना गुप्ता, शिल्की श्रीवास्तव, नीलम जायसवाल, शिल्पी जायसवाल, उषा मोदनवाल, वंदना गुप्ता, पूनम जायसवाल, डाली गुप्ता, रितु त्रिपाठी, गीता गुप्ता, सोनी जायसवाल, मंजू लता सोनकर, शालिनी गुप्ता सहित जनपद की कई सम्मानित व सशक्त महिलाएं उपस्थिति रही।

विजय हिंद क्रिकेट क्लब भितरी का सर्वजेता ट्रॉफी पर कब्जा

केराकत। चैम्पियन ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला भितरी और बेहड़ा के बीच खेला गया। टी 20 मुकाबले के लिए टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए बेहड़ा की टीम ने 20 ओवर में जयहिंद के 31 रनो के बदौलत 9 विकेट खोकर 93 रन बनाये और जीत के लिए 94 रनों का विजयी लक्ष्य दिया। जवाब में रनों का पीछा करते हुए भितरी ने राजकुमार सिंह के शानदार 48 रनों की बदौलत 18.1 ओवर में 9 विकेट खोकर विपिन सिंह के विजयी छक्के के साथ 98 रन बनाकर विजय को हासिल कर लिया।

इस मैच के मुख्य अतिथि रहे बरसठी के जिला पंचायत सदस्य कैलाश दुबे। विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी जिला पंचायत सदस्य कैलाश दुबे व रविंद्रनाथ के हाथो दिया गया। मैन आफ दी मैच राजकुमार सिंह रहे। मैन ऑफ दी टूर्नामेंट अवनीश निषाद रहे। इस कार्यक्रम में कृष्णा प्रसाद सिंह, फौजदार सिंह, आजाद सिंह, रंग बहादुर सिंह व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मैच में निर्णायक की भूमिका अरुण सिंह व सचिन सिंह ने निभाई। स्कोरिंग की जिम्मेदारी रही कृतार्थ व आदर्श यादव के पास। कमेंट्री की जिम्मेदारी निभायी शुशांत सिंह व नितिन सिंह ने। पुरस्कार वितरण के उपरांत संयोजक ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष केराकत विपिन कुमार सिंह ने कहा कि यह उनके द्वारा लोगों के सहयोग से किया गया एक छोटा सा प्रयास है जिसका उद्देश्य मात्र है कि गांव में छिपी खेल प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करना जिससे उनके खेल में निखार आ सके और आगे चलकर वे प्रदेश और देश की टीम में अपना स्थान बना सकें। मैच समापन के उपरान्त भितरी खेल महोत्सव के आयोजक ग्राम प्रधान विपिन कुमार सिंह ने टूर्नामेंट में शामिल हुए मेहमानों का आभार ब्यक्त किया और सभी टीमों प्रति सहभागिता के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग ने दुकानों पर की जांच

जनसंदेश न्यूज

भदोही। जनपद में होली त्यौहार के दृष्टिगत खाद्य और पेय पदार्थों में सम्भावित मिलावट कर बिक्री और भण्डारण की रोकथाम हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बल्ली पट हाउस, रजपुरा चौराहा, जायसवाल किराना स्टोर, सरोई बाजार, यादव किराना स्टोर, औराई चौराहा, भदोही में मिठाई प्रतिष्ठानों व अन्य दुकानों का निरीक्षण किया गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य) खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन भदोही शशि शेखर द्वारा अवगत कराया गया कि खाद्य सुरक्षा-मानक अधिनियम 2006 के उल्लघंन के संदेह के आधार पर पेड़ा, बर्फी, पापड़, सरसों का तेल,

दूध के कुल 5 नमूने संग्रहित कर जॉच हेतु लैब भेज दिया गया। विवेचना के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। साथ ही खाद्य कारोबारकर्ता को निदेर्शित किया गया कि व्यापारी खाद्य पदार्थ में किसी भी प्रकार की कोई मिलावट न करें। खाद्य रंगो तथा वर्क का प्रयोग सीमित मात्रा में करें तथा खाद्य प्रतिष्ठान लाईसेंस,

नकली खोवा की जांच कैसे करें

खोया में आयोजित टिंचर डालने पर खोया का रंग बैगनी में गहरा नीला हो जाता है, तो वह खोया नकली है। किसी भी प्रकार की मिलावट की शिकायत विभागीय टोलफ्री नम्बर-1800112100 पर दर्ज कराई जा सकती है। जनस्वास्थ्य के हित में तत्काल कार्यवाही की जायेगी।

पंजीकरण प्रमाण पत्र सहज दृश्य स्थान पर प्रदर्शित करें, साथ ही किचेन क्षेत्र में सफाई सुनिश्चत करने हेतु किचन में सीसीटीवी कैमरा स्थापित कर उसकी दृश्यता उपभोक्ता क्षेत्र में प्रदर्शित की जाय।

डायग्नोस्टिक सेंटर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

जनसंदेश न्यूज

गोपीगंज। जिले में अल्ट्रासाउंड व पैथोलॉजी संचालकों की मनमानी रूकने का नाम नहीं ले रही है। मानक विहिन अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालक अनट्रेंड प्रशिक्षिकों को लगाकर अल्ट्रासाउंड करवाते हैं। एक सप्ताह पूर्व मिजार्पुर तिराहे पर संचालित एक अल्ट्रासाउंड को इन्हीं सब मामलों में संलिप्त होने पर सीज किया गया था। गोपीगंज निवासी गीता मिश्रा ने कुछ दिनों पूर्व गोपीगंज के मिजार्पुर तिराहा पर संचालित अनुराग डायग्नोस्टिक सेंटर की शिकायत करते हुए गलत डायग्नोसिस का आरोप लगाया था। मामला संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी विशाल सिंह ने एसडीएम अरूण गिरी को जांच सौंपी। जांच को पहुंचे एसडीएम ने पंजीकृत चिकित्सक के स्थान पर आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. कृष्णचंद सिंह निवासी मिजार्पुर को पाया। जांच में यह भी पता चला कि

मांग

गलत रिपोर्ट देने पर संबंधित सेंटर के खिलाफ क्षतिपूर्ति हेतु उपभोक्ता फोरम में जाने की तैयारी

उन्होंने लगभग एक दर्जन से ज्यादा मरीजो का अल्ट्रासाउंड कर चुके हैं। एसडीएम ने जब कड़ाई से पूछताछ शुरू की तो चिकित्सक फरार हो गए।

एसडीएम ने सेंटर पर अन्य भी कमियां पाई और सेंटर को सीज कर दिया। एक सप्ताह बीतने के बाद भी अग्रिम कार्यवाही होता ना देख गीता मिश्रा ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजते हुए संबंधित सेंटर पर परिवाद दाखिल कराने हेतु निवेदन किया है और उसके साथ भी साथ स्वयं के गलत रिपोर्ट आने पर संबंधित केंद्र पर क्षतिपूर्ति हेतु उपभोक्ता फोरम जाने का भी निर्णय लिया है।

भाजपा सरकार समाज को जोड़ने के बजाय फैला रही नफरतः श्यामला सरोज

भदोही। समाजवादी पार्टी के द्वारा पीडीए चर्चा कार्यक्रम के तहत रविवार को औराई विधानसभा क्षेत्र ग्राम बिजला से लिलाधरपुर में समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति के नेतृत्व में पीडीए पदयात्रा निकाली गई और बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समापन किया गया।

इस दौरान जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि इस सरकार को किसानों की पीड़ा, नौजवानों की नौकरी और रोजगार की समस्या, व्यापारियों की जीएसटी से संबंधित समस्याएं, महंगाई की समस्या नहीं दिखाई दे रही है बस विपक्षी नेताओं पर झूठे मुकदमे लगाने की कार्रवाई में ही मस्त है। पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत भदोही और प्रदेश उपाध्यक्ष महिला सभा श्यामला सरोज ने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोककल्याण और समाज को जोड ?ा होना चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार समाज में नफरत फैला रही है और भेदभाव कर रही है। इस कार्यक्रम में बिहारी लाल यादव, रवि यादव, रवि शिवकरण यादव, मनोज कनौजिया, सुभाष यादव, चन्द्र बालक यादव, दिलीप भीम कनौजिया, सुनील यादव, प्रदीप यादव, शिव प्रसाद यादव, घनश्याम पासी, प्रभु नारायण यादव, विकास यादव चौबेपुर, लहरी यादव, संतोष यादव कस्तूरीपुर महेश यादव आदि लोग शामिल रहे।

टूटे पोल व लटके तार से हो रही विद्युत आपूर्ति

जनसंदेश न्यूज

गोपीगंज। नगर मे बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। लम्बे समय तक आपूर्ति बंद रखने के बावजूद रात मे टूटे पोल व लटक रहे तार के माध्यम से ही आपूर्ति चालू कर दी गई। इसके चलते राहगीरो के साथ अगल बगल के लोग रात भर चैन की नींद नही ले सके।

लोगों का कहना है कि बिजली विभाग द्वारा नई बस्ती मेवड़ापुर आदि क्षेत्र मे विद्युत आपूर्ति के लिए मोड़ पर सिमेंटेड खंभा लगाकर हाई टेंशन के साथ घरेलू बिजली आपूर्ति के लिए तार ले जाया गया है। मोड़ पर लगाया गया सिमेंट का खंभा शनिवार को दिन में अचानक टूट गया था। दो भाग में बटे खंभे का आधा हिस्सा दिवार पर लटक गया और आधा तार सहित बाउड्री के अंदर लटक गया। खंभा टूट जाने से उत्तरी फीडर की आपूर्ति बंद हो गई थी। टूटे खंभे मे मात्र एक सरिया दिखाई दे रहा है जो विभाग की पोल खोल रहा है।

रमजान का महीना बड़ा ही बरकत वाला महीना हैः हाफिज परवेज

रमजान

जामा मस्जिद में विशेष नमाज तरावीह मुकम्मल

जनसंदेश न्यूज

भदोही। नगर के तकिया कल्लन शाह स्थित जामा मस्जिद में शनिवार को विशेष नमाज तरावीह मुकम्मल हुई। तरावीह की नमाज काजी-ए-शहर रूअते हेलाल कमेटी के सदर अल्हाज हाफिज परवेज उर्फ अच्छे मियां ने मुकम्मल कराई तो नमाजियों ने फूल मालाओं से लाद कर उनका इस्तकबाल किया। इस दौरान हाफिज परवेज उर्फ अच्छे मियां ने कहा कि माह-ए-रमजान शरीफ का पहला अशरा रहमत का होता है। जिसमें परवरदिगार की बेपनाह रहमतें बन्दों पर बरसती है। रमजान के महीने में बन्दे अपने रब की किब्रियाई हर वक़्त करते है। कहा कि रमजान शरीफ का चाँद दिखते ही हर मस्जिदों में नमाजे

तरावीह शुरू हो जाती है, ज्यादातर मस्जिदों में नमाजे तरावीह रमजान के पहले अशरे में ही मुकम्मल कर ली जाती है। लेकिन उसके बाद लोग तरावीह नहीं पढ़ते। हाफिज अच्छे मियां ने कहा कि तरावीह एक हफ्ते में मुकम्मल हो जाने का मतलब यह नहीं कि अब इबादत न करों। उसके बाद सुरह तरावीह शुरू कर दे। नमाजे तरावीह मुकम्मल होने पर इमाम व मुक्तदियों ने बारगाहे परवरदिगार में हाँथ उठा कर अपने गुनाहों पे नादिम हो कर दुआएं की और उसके बाद सलातो सलाम का नजरान-ए-अकीदत पेश किया गया। इमाम का इस्तकबाल करने में हाफिज सहजाद, हाफिज अली रजा, हाफिज हसनैन अंसारी, मो. याहिया, वसीम अंसारी, मो जैद, अमीन अंसारी, अबदुल्लाह खान, हाफिज आबिद, हाफिज फहद अत्तारी, मेराज हबीबी, बबलू अंसारी, सहित कई नमाजी मौजूद रहे।

नारी तू नारायणी.. न्याय, शिक्षा और समाज की अनूठी मिसाल

चर्चा

महिला दिवस पर अपने संघर्षों की बयां की कहानियां

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया

जनसंदेश टाइम्स

केराकत। देश भर में शनिवार को विश्व महिला दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। हर किसी ने अपने तरीके से इस पल को याद किया। टीवी हो या मोबाइल, हर जगह केवल महिला दिवस को लेकर चर्चा की जा रही थी।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि भले ही आज जमाना कितना भी आगे क्यों न बढ़ गया हो लेकिन महिलाओं को घर संभालने और पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए ही उत्तम माना गया है। आज भी हमारे इर्द-गिर्द ऐसे कई लोग मौजूद हैं, जो घर की चारदीवारी में महिलाओं को कैद रखने को ही अपना धर्म मानते हैं। वहीं बेटियों के जन्म पर खुशी मनाने के बजाय दबे जुबान स्वीकार करते हैं या दुनिया में आने से पहले ही कूड़ों के ढेर में लावारिश फेक देते हैं। इसके बाद भी समाज के हर क्षेत्र में महिलाएं, पुरुषों से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। प्रशासनिक सेवा, राजनीति व समाजसेवा में कई महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है।

वहीं आज महिलाएं न केवल आज अपने हक के लिए लड़ रही हैं, बल्कि अपने सपनों की उड़ान भरने के लिए वह सजग हैं। वहीं राजनीति में अगर बात करें तो मुंगराबादशाहपुर निवासी सांसद (राज्यसभा सदस्य) सीमा द्विवेदी, मछलीशहर की युवा सांसद प्रिया सरोज व मछलीशहर विधायक रागिनी सोनकर अपने पद की गरिमा से प्रदेश ही नहीं बल्कि देश को गौरवान्वित कर रही हैं।

मेरी मां मेरे लिए आदर्श : स्मिता सिंह

एटीएस विद्यालय मटियारी की भौतिक विज्ञान की शिक्षिका स्मिता सिंह ने कहा कि हर महिला अपने आप में ही शक्ति का रूप है हमने अपने जीवन में भी बहुत सारी विपरीत परिस्थितियों का सामना किया है और जब भी हताश होती थी तो मेरी मां बस एक ही बात कहती थी कि परेशान होने से कुछ हासिल नहीं होता है तुम बस एक प्यारी सी मुस्कान के साथ कोशिश करो सब ठीक हो जाएगा। आज मैं जहां भी हूं अपनी मां की वजह से हूं, मेरी मां हमेशा से ही मेरी प्रेरणास्रोत रही है, मैं पूरी कोशिश करती हूं कि मैं अपने कार्यों से लोगों को प्रेरित कर सकूं और हमेशा करती रहूंगी।

शिक्षा के माध्यम से बच्चों को आगे ले जाना है मकसद : कामना सिंह

एटीएस विद्यालय ग्यासपुर (सिरकोनी) की प्रवक्ता शिक्षिका कामना सिंह ने बताया कि संघर्ष कभी भी जाया नहीं जाता है। जब हम छोटे स्तर से बड़े सपने देखना शुरू करते है तो बड़े सपनों का एक आधार भी होता है और उस आधार के माध्यम से हम अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रयास करते है जीवन में बहुत सारा संघर्ष रहा। प्रारंभिक पढ़ाई से उच्च शिक्षा के बाद का जो सफर रहा वह बहुत ही संघर्षशील रहा, लेकिन हमने कभी भी अपने सपनों को नहीं छोड़ा और सारे बाधाओं को पार करते हुए हमने सारी परीक्षाओं को पास किया। कुल मिलाकर हमने बस एक ही ध्येय समझा कि आप जिस सेवा के लिए चयनित होते है, उस सेवा को और अपने शिक्षा के माध्यम से अपने बच्चों को आगे ले जाये वही आपकी असली उपलब्धि मानी जाएगी।

सपनों को साकार करने के लिये करना चाहिए परिश्रम : डॉ. श्रुति

प्रख्यात महिला प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. श्रुति कीर्ति श्रीवास्तव ने बताया कि जब हम किसी भी कार्य के लिये पहला कदम आगे बढ़ाते है तो सामने से 10 कदम आपको रोकने के लिये आते है, वहां हमें रुकना नहीं है, हमें अपना पहला कदम और फिर दूसरा कदम बढ़ाना है। दुनिया से कभी डरना नहीं है, अपने आपको पता होना चाहिए कि हम क्या कर रहे है और एक सीढ़ी चढ़ रहे तो वहीं दूसरी सीढ़ी का प्लान करना है। साथ ही परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुये अपने लिये और अपने सपनों को साकार करने के लिये परिश्रम करना चाहिए।

हर महिला स्वयं में है मर्दानी : रूबी यादव

रूबी यादव ने बताया कि हमने अभी तक दसों प्रतियोगी, परीक्षाओं में परीक्षा दी, लेकिन अभी तक सफलता हासिल नहीं हुई है, बावजूद इसके भी मेरा मनोबल टूटा नहीं है। जब तक सफलता नहीं मिल जाती है तब तक रुकने वाली नहीं हूं, क्योंकि हर महिला स्वयं में मर्दानी है। किसी भी तरह से कमजोर नहीं है, हर विषम परिस्थितियों में खुद को और अपने परिवार को सम्भाल सकती है।

अठारह लाख की लागत के सीसी रोड का जिपं सदस्य ने किया भूमिपूजन

भदोही। सुरियावां विकास खण्ड के बहरैची गाँव में पिच रोड से डुहिया भान ब्राह्मण बस्ती से तीन सौ मीटर सीसी रोड का क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य चन्द्र भूषण त्रिपाठी ने रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन किया।

बहरैची गाँव के ग्राम प्रधान अमित मिश्रा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जिला पंचायत सदस्य श्री त्रिपाठी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि इस सड़क की दशा बहुत दिनों से खराब थी। जनहित को देखते हुए क्षेत्र पंचायत द्वारा 18 लाख की लागत से यह सड़क बनाई जाएगी। निर्धारित समय से कार्य पूर्ण करा दिया जाएगा।

इस अवसर पर डंगहर के पूर्व प्रधान रामबली पांडेय, महजूदा ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक पाठक, पूर्व बीडीसी प्रमोद पांडेय, सुशील तिवारी, शंकर तिवारी, कुंदन तिवारी, पवन मिश्र, अवनीश पांडेय, आशुतोष सिंह आदि बहुत से लोग मौजूद रहे।

तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर सुइथाकला अव्वल

सुइथाकला। शिक्षा क्षेत्र शाहगंज के मुड़ैला स्थित मैदान में हुए तहसील स्तरीय खेलकूद महाकुंभ प्रतियोगिता के दौरान सर्वोच्च 79 अंक प्राप्त कर सुइथाकला अव्वल रहा जिसे लेकर शिक्षा क्षेत्र के खण्ड शिक्षा अधिकारी, शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों समेत अन्य गुरूजनों ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए व्यायाम शिक्षक और अनुदेशकों की प्रशंसा की। प्रतियोगिता में खंड शिक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश सिंह, व्यायाम शिक्षक राकेश कुमार यादव और अनुदेशकों के कुशल नेतृत्व में प्रतिभाग करने पहुंची टीम ने शानदार प्रदर्शन कर सर्वोच्च 79 अंक प्राप्त किया। वहीं शाहगंज 73 अंक प्राप्त कर दूसरे पायदान पर रहा। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, 100 व 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में पीएम श्री विद्यालय कोहड़ा का छात्र आदित्य प्रथम रहा, वहीं लम्बी कूद में भी कोहड़ा का छात्र शादान प्रथम पायदान पर कोहड़ा को बनाए रखा। गोला फेंक में बालिका वर्ग में सराय मोहिउद्दीनपुर की ज्योति पाल, खो-खो बालक वर्ग में कम्पोजिट विद्यालय रामनगर, वालीबॉल में बालक वर्ग सराय मोहिउद्दीनपुर तो बालिका में कोहड़ा प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा जारी किए गए अंक परिणाम के आधार पर सर्वोच्च 79 अंक प्राप्त कर सुइथाकला अव्वल रहा जिसे लेकर एआरपी पंकज सिंह, त्रिवेणी विंद, मनोज, एजाज, संजय, शिक्षक नेता सुधाकर सिंह, डॉ. रणंजय सिंह, अरविंद यादव, उमेश चन्द्र यादव, नरेंद्र बहादुर सिंह, अजय मिश्र समेत अन्य गुरूजनों ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए व्यायाम शिक्षक और अनुदेशकों के कार्यशैली की प्रशंसा की।

माहे रमजान धैर्य, भाईचारा और अनुशासन पैदा करता है : मौलाना उरूज

जौनपुर। शिया जामा मस्जिद नवाब बाग में पूरे माहे रमजान में इफ्तार का एहतेमाम किया जाता है। इसी सिलसिले में शेख नूरूल हसन मेमोरियल सोसायटी ने भी शिया जामा मस्जिद में इफ्तार का आयोजन किया।

इस मौके पर शेख नूरूल हसन मरहूम व शेख हसीन अहमद मरहूम के इसाले सवाब के लिए आयोजित मजलिस को सम्बोधित करते हुए मौलाना उरूज हैदर खां ने कहा कि रमजान का महीना

मुसलमानों में अनुशासन, भाईचारा एवं धैर्य पैदा करता है। इन्सान बुराईयों से अपने को दूर रखता है। अमीर गरीब का फर्क कम होता है। भूख प्यास का एहेसास कर्बला के शहीदों की भूख प्यास की याद दिलाती है। उन्होंने इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की शहादत का मसायब पढ़ा। मजलिस के बाद मौलाना उरूज हैदर खां के नेतृत्व में मोमनीन ने नमाज अदा की और इफ्तार किया। सोसायटी के सचिव/मैनेजर शेख अली मंजर डेजी ने तमाम लोगों का शुक्रिया अदा किया और देश व मिल्लत की खुशहाली के लिए और देश में अमन शांति के लिए दुआ की।

संक्षेप

चार युवकों ने मिलकर की एक युवक की पिटाई

गोपीगंज। चौकी अंतर्गत बस स्टैंड के पास भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में एक बाईक पर सवार चार युवकों ने पैदल घर जा रहे युवक को धक्का मारने के बाद जमकर धुनाई की। समसुद्दीन पुत्र शहजाद निवासी अलीनगर थाना गोपीगंज ठेले पर फल की दुकान लगाता है। रविवार को वह अपनी दुकान से वापस घर को जा रहा था, लोगों का कहना है कि इसी बीच एक बाईक पर सवार चार युवक स्टंट करते हुए युवक को धक्का मार दिये, उनको रोककर पूछने पर सभी एकजुट होकर उसकी जमकर धुनाई कर दी और मौके पर उपस्थित लोगों ने युवक को बचाते हुए एक को पकड़ लिया, बाकी तीन भागने में सफल रहे। युवक को पुलिस चौकी के हवाले कर पीड़ित ने शिकायती पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

स्वास्थ्य अनमोल धन है, व्यायाम अवश्य करें: अमित राय

गोपीगंज। भदोही साइकिलिंग क्लब के तत्वाधान में राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान साइकिल यात्रा निकाली गई। अताउल अंसारी की अध्यक्षता में निकली साइकिल यात्रा को भोजपुरी फिल्म के निदेशक अमित राय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। निदेशक अमित राय ने कहा कि जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग व्यायाम करते हैं उसी तरह पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए वृक्ष लगाते हैं। आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल करें। जितनी देर हम साइकिल चलाएंगे उतना समय मोटर साइकिल और कार से फैलने वाले प्रदूषण को भी रोकेंगे। साइकिल चलाने से हमारा व्यायाम होगा और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। साइकिल यात्रा आरंभ होकर गेराई के आस पास का भ्रमण करते हुए वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे भदोही को स्वस्थ बनाना है का नारा लगाते हुए लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए कौलापर तिराहा पर इसका समापन हुआ। वही अताउल अंसारी के इस पहल की लोगों मे खूब सराहना हो रही है। साइकिल यात्रा में सीए विजय तिवारी, एडवोकेट प्रेमधर त्रिपाठी, रजनीश दुबे, राकेश चौधरी, प्रवीण टंडन, अतुल शुक्ला, आकाश पांडेय समेत आदि शामिल रहे।

देह व्यापार की शिकायत पर पहुंची पुलिस

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के माधोपुर ग्राम स्थित एक निमार्णाधीन मकान पर शनिवार को एसडीएम, सीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापा मारा। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि काफी दिनों से की जा रही शिकायत पर शनिवार की देर शाम माधोपुर स्थित एक निमार्णाधीन मकान में देह व्यापार की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। मौके पर दो जोड़े मिले। जिन्हें पुलिस ने हिदायत देकर छोड़ दिया। पुलिस को काफी दिनों से सूचना मिल रही थी। शिकायत पर एसडीएम अरुण गिरी, सीओ ज्ञानपुर चमन सिंह चावड़ा ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को कुछ खास हाथ नहीं लगा। हालांकि कुछ युवतियां और युवक जरूर थे। वे सभी बालिग थे। पुलिस ने सभी को छोड़ दिया। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस पहुंची थी।

निधन पर शोक, दी गई श्रद्धांजलि

गोपीगंज। विकास खंड ज्ञानपुर के डूहिया भावसिंहपुर निवासी आचार्य पंडित दीनानाथ शुक्ल की पत्नी राजकुमारी शुक्ला 70 वर्ष के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त कर लोगों ने श्रद्धांजलि दी। नारायणी कटरा गोपीगंज मे शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मौजूद लोगो ने दिवंगत आत्मा की शांति व परिजनो को सहन शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की। शोक सभा में विभूति नारायण सिंह, सतीश तिवारी, विष्णु मोहन पांडेय, प्रमोद विश्वकर्मा, रामबाबू, मनीष ठाकुर व अन्य लोग मौजूद रहे।

शांति समिति की बैठक में हुआ निर्णय

रामपुर। रासवदिया और सिरौली गांव में शांति समिति की बैठक प्राथमिक विद्यालय परिसर में रविवार को थानाध्यक्ष देवानंद रजक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान आगामी 14 मार्च को जुमे की नमाज व होली पर्व को लेकर दोनों समुदायों के लोगों के बीच अलग अलग वार्ता की गई, जिसमें हिंदू समुदाय के लोग 1 बजे तक होली खेल कर अपने घर लौट जाएंगे। इसके बाद 2 बजे से जुमे की नमाज होगी। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि हमारी प्राथमिकता क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। शांति समिति की बैठक में दोनों समुदायों के लोगों से अलग अलग चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि वह अपने-अपने त्योहार शांति और सद्भाव के साथ मनाएंगे। इस अवसर प्रधान प्रतिनिधि शैलेश यादव, रामासरे मिश्र, मंगल पटेल सहित तमाम मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे।

वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंगराबादशाहपुर। स्थानीय पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक गंगा सागर मिश्रा मय हमराह ने एक वांछित अभियुक्त 19 वर्षीय नीरज चौहान पुत्र देवानन्द निवासी ग्राम सरोखनपुर, मुँगराबादशाहपुर को धारा 137(2) बीएनएस में उसके घर से रविवार को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में स्थानीय प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा, उ0नि0 गंगा सागर मिश्रा, का0 राजाभइया, हे0का0 धर्मेन्द्र सिंह शामिल रहे।

ग्राम सभा की जमीन पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जंघई। नागरिक इंटर व महाविद्यालय जंघई के प्रबन्धक पर ग्राम पंचायत सेमरी जंघई की ग्राम सभा की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगा कर ग्रामीणों ने भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव राजनाथ यादव की अगुवाई मे विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव राजनाथ यादव की अगुवाई में जंघई, सेमरी, करौर व बभनियांव के लोगों ने नागरिक इंटर कालेज व महाविद्यालय के प्रबन्धक पर सेमरी ग्राम सभा की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाकर प्रदर्शन किया। राजनाथ यादव का आरोप है कि कालेज के द्वारा ग्राम सभा की जमीन पर मैरिज हाल बनवा कर कमाई का जरिया बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली बैठक 26 फरवरी को हुई थी तब उस समय मैरिज हाल का नाम पुरन्दर वाटिका मैरिज हाल था लेकिन प्रबंधक का विरोध के बाद मैरिज हाल का नाम बदलकर नागरिक विद्यालय वाटिका रख दिया गया है। बैठक में आज भारतीय किसान यूनियन व ग्रामीण ने निर्णय लिया है कि जिलाधिकारी से मांग किया गया है कि ग्राम सभा की भूमि पर प्रबंधक द्वारा गैर कानूनी तरीके से निर्माण कराए गए मैरिज हाल व गेस्ट हाउस की जांच कराकर कानूनी कार्रवाई के साथ ग्राम सभा की भूमि खाली कराते हुए मैरिज हाल व गेस्ट हाउस को सीज किया जाय नहीं तो भारतीय किसान यूनियन व ग्रामीण 10 दिन के अन्दर बैठक कर आन्दोलन के लिए बाध्य होंगे। विरोध करने वालो में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव राजनाथ यादव, शिव शंकर पाठक, संजय शुक्ला, आशीष कुमार शुक्ला, राजेश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, गंगा प्रसाद, प्रहलाद सरोज, रोहित उपाध्याय, शिव कुमार सिंह, रईस अहमद, लल्लू यादव, अरविंद गौड़, बंशी गौतम, सुजीत पांडेय शामिल रहे।

महिला हिंसा रोकने में पुरुषों की सहभागिता जरूरी :चंदन राय

सुजानगंज। नारी चेतना फाउंडेशन द्वारा क्षेत्र के मटियाही जूनियर हाई स्कूल के परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बेटियों ने प्रतिभाग किया। सामाजिक कार्यकर्ता मुन्नी बेगम ने सभी महिलाओं का स्वागत और अभिनंदन करते हुए बताया कि महिलाएं और बेटियां जागरूक हो, हौसला बढ़ाते हुए अपनी समस्याएं खुद हल करे इसके लिए इन महिलाओं और बेटियों को सशक्त होना पड़ेगा। बाल कल्याण अधिकारी चंदन राय ने कहाकि बेटियों के साथ हो रहे जेंडर भेदभाव को दूर कर उनके स्वास्थ्य शिक्षा स्वविलंबन सम्मान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं की कड़ी में समाजसेवी सरताज ने कहाकि महिलाओं और बेटियों के सहयोग के बिना समाज देश का विकास असंभव है। एसआई रामनारायण ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बेटियां और महिलाएं स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहे शासन प्रशासन इनके साथ है, एक बेटी एक महिला मजबूत होने से दो परिवार मजबूत होता है इनकी सुरक्षा में पुलिस सदैव खड़ी है और बेटियां पढ़ेगी तो आगे बढ़ेगी। माता-पिता के सपनों को पूरा करें, किसी के बहकावे में न आयें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही उमंग संगठन की शीला महिलाओं और बेटियों को आह्वान किया। अंत में महिलाओं और किशोरियों ने अपना विचार व्यक्त किया। कोऑर्डिनेटर तीर्थराज महिमा, अल्फिया, संजू, मुजम्मिल हुसैन आदि लोगों ने भी अपना विचार व्यक्त किया।

बकरी चराने को लेकर हुई मारपीट में 9 घायल

सुइथाकला। शनिवार को स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र के संसार पट्टी गांव में बकरी चराने के विवाद में हुई मारपीट के दौरान दोनों पक्षों से कुल महिलाओं समेत नौ घायलों का रविवार को स्थानीय सीएचसी पर चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। वहीं पुलिस संबंधित मामले में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उक्त गांव में शनिवार को अनुसूचित जाति के दो पक्षों के बीच बकरी चराने को लेकर हुए विवाद में मारपीट हो गयी। जिसमें पुलिस स्थानीय सीएचसी पर दोनों पक्षों से, सिंगारी देवी, दुर्गावती, श्यामा देवी, रिंका, कंचन शिवराम, दिनेश कुमार, राम सिंगार, शिवम घायल हो गए। मामला पुलिस में जाने पर घायल का शनिवार को स्थानीय सीएचसी पर चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। मामले में प्रभारी निरीक्षक उदय प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से मिली तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।

प्रधान सम्पादक - सुभाष राय

स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा

पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

फोन नं. 8177008889

आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**

डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

ओंकार तिवारी

प्यासे को नहीं होता नसीब कुओं का पानी?

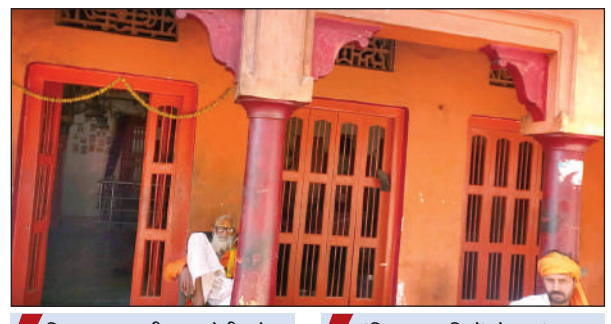

वाराणसी। नगर निगम प्रशासन अपनी सीमा में रहने वाले नागरिको को मूलभूत सुविधा मुहैया करा पा रहा है या नही। जनसमस्याओं को लेकर बखूबी जिम्मेदारी का निर्वाह कर भी पा रहा है या नही। लोग किन- किन समस्याओं से जूझ रहे है। क्या वार्ड के पार्षद जनता की समस्याओं को देखने और जानने वार्ड के इलाके में पहुंचते है, या नही।

जनप्रतिनिधि सदन में अपनी वार्ड की जनसमस्याओं को मजबूती से उठाते है या नही। जनता द्वारा चुने गए पार्षद जनता के बीच कितना समय देते है और अगर रहते भी है तो क्या अनकी समस्याओं का निस्तारण करा पाने में सफल भी होते है नही। जनता किन- किन समस्याओं से परेशान है। नगर निगम और जलकल के अधिकारी अनकी बातो को सुनते है या नही। अधिकारी जनता की समस्याओं के प्रति कितना सचेत रहते है और समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराते है या करते है अनदेखी। इन सभी सवालो को लेकर जनसंदेश टाइम्स जनता के बीच पहुंच रहा है।

कार्यक्रम के दसवें क्रम में वार्ड नं 36 चौकाघाट से। इस वार्ड की सबसे बड़ी समस्या सकरी गली,पुरानी सीवर लाइनें, सार्वजनिक कुओं में गंदगी और कई जगहो पर पेयजल पाइप लाइन का अभाव। नागरिको का कहना है कि कई समस्याओं से लोग परेशान है लेकिन कोई ध्यान देने वाला नही है। वार्ड के चौकाघाट रोड से ढेलवरियां जाने वाला क्षेत्र जैसे लगता है कि यह मुख्य रास्ता है, जहां दिन भर आना जाना लगा रहता है। गलियां इतनी सकरी है कि वाहनों के जाने और आने में जहां काफी दिकत्ते होती है,वही पैदल चलने वालो का तो उस वाहनो की कतार में जाना और आना ही मुश्किल है। लोगो का कहना है कि पहले तो आबादी कम था लेकिन अब बढ गया है जबकि मार्ग अलग से बनाया नही गया।

सकरी गलियो से हो रही मुसीबत को ध्यान में रखकर प्रशासन को चौकाघाट-वरूणा कारिडोर से एक नया रास्ता निकालना चाहिए। जिससे समस्या का निस्तारण किया जा सकता है। वार्ड में लगभग दो दर्जन के आस-पास सार्वजनिक कुआं है लेकिन इसकी सफाई नही किया जाता है जिससे उसके भीतर गंदगी बनी रहती है। भीषण गर्मी के दिनो में पानी की किल्लत होती है फिर भी प्यास बुझाने का यह सहारा भी लोगो को नसीब नही हो पाता है और नगर निगम को कोई ख्याल ही नही है।

मान्यता है कि इस वार्ड में एक ऐसा क्षेत्र है। जो पौराणिक ग्रंथो, अध्यामिक पुस्तको और सदियों पुरानी परम्पराओं के लिए जाना जाता है। क्षेत्र के निवासियो का कहना है कि लगभग 200 वर्षो पूर्व से लकड़ी मंडी के पास हनुमान मंदिर पर जहां प्रति वर्ष प्रसिद्ध रामलीला होती है,वही हजारो महिलाएं अंतरगृही परिक्रमा के दौरान वहां पहुंचती है और पड़ाव डाल कर रात भर पूजन -अर्चन करती है लेकिन प्रयाप्त जगह रहने के बाद भी यहां शौचालय का अभाव है। जिसके कारण श्रद्धालुओ को परेशानी होती है।

हाल-बेहाल

गंदगी के मकड़जाल में कई कूप, संकरी गलियों से गुजरना मुश्किल

मछली मंडी से फैलती है बदबू, परेशान लोग, नगर निगम नहीं लेता सुध

यहां चित्रकुट और मौनी बाबा रामलीला कमेटी की ओर से हर साल रामलीला का आयोजन किया जाता है। जिसमें हजारो लीला प्रेमी इकट्ठे होते है। नागरिको की शिकायत है कि चौकाघाट- वरूणापुल पर मछल्ली की मंडी लगाए जाने से गंदगी और बदबू होती है। जिससे लोगो को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इस मंडी को पुल से नीचे नदी के किनारे लगवाना चाहिए। नागरिकों ने कहा कि जी 20 के दौरान बाहर से आने वाले पर्यटको को दिखाने के लिए तो प्रशासन ने उक्त मछल्ली मंडी की दुकानों को तो हटवा दिया था लेकिन फिर उनके जाने और कार्यक्रम के समाप्त हो जाने के बाद ऐसे दुकानदारो को खुला छूट दे दिया। इसके कारण वे पुल पर पुनः मछल्ली मंडी लगाने लगे। जिससे काशी की जहां छवि धूमिल हो रही है, वही तेजी से बदबू होने से लोग हलकान है लेकिन नगर निगम सुध नही ले रहा है।

वार्ड के चौकाघाट स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पिछे गली में पेयजल की मेन पाइप काफी दूर रहने से जहां 50 घरो में पेयजल के लिए लोग परेशान है, वही पाइप लाइन के टुट जाने से पानी कम दबाब में मिल रहा है। जिससे लोगों के घरो में पेयजल की आपूर्ति ठीक से नही हो पा रही है। लोगों का कहना है कि उक्त गली में मेन लाइन से रबर की पाइप से कनेक्शन लिया गया है। जो जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

इस कारण गलियो में पानी बह रहा है और लोग पानी के तरस रहे है। लकड़ी मंडी के लोगो का कहना है कि रोड़ की सीवर लाइन जब जाम होता है तो उसके प्रेसर से गली में भी सीवर ओवरप्लो की समस्या उत्पन्न होती है और लोग परेशान होते है। क्षेत्र की विद्युत खम्बों पर लगे स्ट्रीट लाइटे कही कही नही जलते है अंधकार से लोगो को रात्रि में परेशानी उठानी पड़ती है।

वार्ड में शामिल मोहल्ले- ढेलवरियां, अम्बेडकर नगर, चौकाघाट, मलहियां, सनराइज कालोनी, आशिंक घौसाबाद आदि।

वार्ड की अनुमानित आबादी- 50 हजार के आस-पास।

अनुमानित बोटरो की संख्या-9 हजार पांच सौ के आस-पास।

वार्ड की विशेषताएं- प्राचीन हनुमान मंदिर जहां होता है रामलीला और अंतरगृही परिक्रमा।

सर्वाधिक जटिल समस्याएं- सकरी गली, पुरानी सीवर लाइनें और सार्वजनिक कुओं में गंदगी।

निदान के क्या हुए उपाय- प्रस्ताव दिया गया लेकिन नही हुई कार्रवाई।

किस उपक्रेंद से मिलती है बिजली- चौकाघाट उपकेंद्र से।

रोजाना कितने घंटे होती है आपूर्ति-ठीक।

पेयजल की स्थिति- ठीक

नियमित कूड़ा उठ पाता है या नहीं- नियमित नहीं उठता है।

चित्रकुट रामलीला कमेटी और मौनी बाबा कमेटी की ओर से कई वर्षो से जहां रामलीला का मंचन होता आ रहा है। उक्त मार्ग पर स्ट्रीट लाइटो के आए दिन खराब रहने से अंधकार बना रहता है।

अशोक कुमार सिंह

मंदिर पर सदियों से जहां ऐतिहासिक रामलीला होता है, वही अंतरगृही परिक्रमा के दौरान हजारों महिलाएं ठहरती है। यहां पौधे लगाने और शौचालय के निर्माण की व्यवस्था होनी चाहिए

मंहत- गुलाब चन्द्र पांडेय

सड़क में सीवर जाम से लकड़ी मंडी में भी सीवर लाइन ओवरप्लो होता है। जिससे मार्गो में पानी फैल जाने से आवागमन में लोगो को परेशानी होती है लेकिन विभाग ध्यान नही देता।

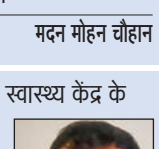

मदन मोहन चौहान

चौकाघाट-वरूणापुल पुल पर मछली मंडी लगाए जाने से गंदगी और बदबू होती है। जिससे लोगो को दिक्तो का सामना करना पड़ता है। इस मंडी को पुल से नीचे नदी के किनारे लगवाना चाहिए।

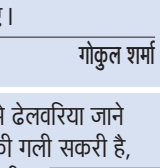

गोकुल शर्मा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पिछे गली में पेयजल की मेन पाइप काफी दूर रहने से जहां 50 घरो में पेयजल के लिए लोग परेशान है, वही पाइप लाइन के टुट जाने से पानी कम दबाब में मिल रहा है।

रनर्स अप- विशाल मौर्य

चौकाघाट से ढेलवरिया जाने वाले मार्ग की गली सकरी है, लोगों को परेशानी होती है। इसके लिए वरुणा कारिडोर से नया रास्ता निकाला जाय। क्षेत्र में नई सीवर लाइन डालने और सार्वजनिक कुओं की सफाई के लिए ननि को प्रस्ताव दिया है।

पार्षद -अमीत कुमार मौर्य रिंकू

श्मशानेस्वाक्रीड़ा स्मरहर पिशाचा सहचरा, चिताभस्मालेपो गरल मसनं दिक्पटधरो

मसान की होली काशी की परम्पराओं के साथ खिलवाड़

ज्योतिषाचार्य चन्द्रमौली उपाध्याय

पं. उमंगनाथ शर्मा

रामनारायण द्विवेदी

वेद प्रकाश मिश्र

वाराणसी। काशी धर्म शास्त्र की ज्ञान की राजधानी है। अतः अनैतिक तरीके से कार्य होने से प्रदेश में अनैतिकता के कारण खराब प्रभाव आसक्त है। पूर्व में यक्ष, गंधर्व, औघड़, सन्यासी देव ब्राह्मण, शिव दूत भगवान की शोभा यात्रा का विधान है। मसान नाथ के पुजारी व स्थानीय शिव भक्त के द्वारा न की मसान पर राम नाम की धुली को तांत्रिक, अघोड़ी, सिद्ध महात्मा लोग शान्त वातावरण में धर्म पथ पर अग्रसर होकर साधना करते है। अतः जबरन नई परम्परा कर जन मानस को धोखा देना उचित नहीं है।

शिव महिम्न स्तोत्र में पुष्पदन्त गंधर्व भगवान शिव द्वारा चिता भस्म के उपयोग के बारे में वर्णन करते हुए कहते हैं श्मशान में शिव अपने सहचरों भूत प्रेत पिशाच यक्ष किन्नर गंधर्व आदि के क्रीड़ा करते हैं। अकारण गृहस्थ जीवन यापन करने वालों को तो श्मशान में जाने की मनाही है ही महिलाओं को तो कदापि भूलकर भी श्मशान में नहीं जाना चाहिए। मसान की होली शास्त्रीय परम्परा नहीं है निजी स्वार्थ में काशी

बोले विद्वतजन

चिता भस्म की होली का कहीं भी उल्लेख नहीं है बावजूद इसके लोग इसे शास्त्रसम्मत मान रहे

शव के साथ जाने वालों के अलावा श्मशान में जाने की इजाजत गृहस्थ को नहीं है

की शास्त्रीय व धार्मिक महत्व के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस कृत्य से काशी की सामाजिक, आर्थिक व परिवारिक पीड़ा से धार्मिक सौहार्द बिगड़ता है।

ज्योतिषाचार्य पं.चन्द्रमौली उपाध्याय ने बताया कि शास्त्रों में श्मशान में प्रवेश वर्जित होने के उल्लेख साफ तौर पर कहा गया है। इधर कुछ वर्षो से जिन लोगों ने इसे ब्रांड बनाया है वह लोगों को मूर्ख बना रहे हैं बताया कि भगवान शंकर अपने शरीर पर भस्म लपेटे हैं ना कि भस्म की होली खेल रहें हैं। काशी की धार्मिक व आध्यात्मिक परम्पराओं के साथ खिलवाड़ है।

आज जिस तरह से इसे पेश किया जा रहा है वह पूरी तरह से शास्त्र संमत नहीं है। ज्योतिषाचार्य उमंगनाथ शर्मा ने बताया कि श्मशान और ऐसे स्थानों पर जाने से बचना चाहिए, क्योंकि वहां की संगति से अशुभ प्रभाव उत्पन्न होता है और पाप की संभावना बढ़ती है। इन शास्त्रीय प्रमाणों के आलोक में काशी के विद्वाज्जन और काशीवासी विचार करें कि विगत कुछ वर्षों से काशी की पवित्रता शुचिता और महिमा को धुरधूसरित कर 'मसाने की होली' या चिता भस्म होली के नाम पर कुछ मतिमूढ़ लोगों द्वारा युवाओं को इकट्ठा कर नशे में मदमस्त कर हुड़दंग मचाना उचित है?

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि शास्त्रों में साफ तौर पर लिखा गया है कि अस्थि, भस्म, कपाल, बाल, कण्टक, भूसी, अंगार और शुष्क गोबर पर कभी भी बैठना नहीं चाहिये। बुद्धिमान व्यक्ति को अग्नि का लंघन नहीं करना चाहिये।

इस तरह के आयोजन लोगों को मूर्ख बनाया जा रहा है। इससे काशी की धार्मिक छवि धूमिल हो रही है। आचार्य पं. वेद प्रकाश मिश्र कलाधर ने बताया कि कई ग्रंथो में लिखे दोहे उल्लेख है कि इस तरह के होली का कोई मान नहीं, कुछ लोगों ने इस पर ना सिर्फ गाना बना दिया बल्कि धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इसे बंद होनाचाहिए।

जीवन को बेहतर बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है शिक्षा : राजेंद्र

जनसंदेश न्यूज

लालगंज। व्यापारियों की युवा टीम द्वारा रविवार को शिक्षा उन्नयन गोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा के महत्व पर चर्चा के साथ ही मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का साधन नहीं बल्कि यह व्यक्ति और समाज को सही दिशा देने का माध्यम भी है।

गोष्ठी की अध्यक्षता पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह यादव ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षा सामाजिक असमानता को मिटाने और जीवन को बेहतर बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है। सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर हिंछलाल ने शिक्षा को निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बताते हुए कहा कि यह न केवल व्यक्ति को सशक्त बनाती है बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी लाती है। सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश मिश्रा ने पुरस्कारों को शिक्षा की सर्वोच्च उपलब्धि का प्रतीक बताते हुए कहा कि सम्मान से व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

दिलीप केसरी ने शिक्षा को व्यापारिक क्रांति का आधार बताते हुए कहा कि आज हर क्षेत्र में तरक्की का आधार ज्ञान है। पूर्व प्रधान मनोज केसरवानी ने चिकित्सा क्षेत्र में शिक्षा के योगदान को रेखांकित किया और कहा कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति भी शिक्षा की ही देन है। संचालन राजकुमार अग्रहरि ने किया।

पुलिस बल को कराया गया दंगा, बलवा नियंत्रण ड्रिल का पूर्वाभ्यास

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा की उपस्थिति में चन्दईपुर ग्राउण्ड में आगामी त्यौहार होली व रमजान, ईद-उल-फि तर को सकुशल सम्पन्न कराये जाने, जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाये रखने तथा आपात परिस्थितियों बलवाइयों, अराजतत्वों व गड़बड़ी फैलाने वालों से सख्ती से निपटने हेतु जनपदीय पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण द्वारा दंगा नियंत्रण, बल्वा मॉक ड्रिल का पूर्वाभ्यास कराया गया तथा शस्त्रों, उपकरणों की क्रियाशीलता एवं पुलिस द्वारा विषम परिस्थियों के दौरान दंगों से निपटने के लिए की जाने वाली कृत कार्यवाही को परखा गया तथा सम्बन्धित अधिकारीगण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

पूर्वाभ्यास करते एसपी

मॉक ड्रिल में पुलिस अधिकारीगण सहित निरीक्षक, उपनिरीक्षक, आरक्षी, मुख्य आरक्षी तथा महिला आरक्षियों को दंगा नियंत्रण उपकरणों का प्रयोग कराकर पूर्वाभ्यास कराया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारीगण को विषम परिस्थितियों से निपटने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर-नितेश सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर विवेक जावला, क्षेत्राधिकारी सदर अमर बहादुर, क्षेत्राधिकारी लालगंज अशोक कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी शिखा भारती, क्षेत्राधिकारी प्रज्ञान अंजय सिंह, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन मन मोहन सहित जनपद के प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्षगण, फायर सर्विस सहित पुलिस बल के अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे।

विधि-विधान से संपन्न हुई शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा

लालगंज। पतार कला चौंका गांव में नवनिर्मित शिव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान से संपन्न हुई। रविवार को पांच किलोमीटर लंबी कलश यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कुआं नदी से पवित्र जल भरकर महिलाएं और बालिकाएं सिर पर कलश धारण कर नगर भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंची।

पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल से सराबोर हो उठा और हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। मंगलवार से बुधवार तक अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है। जबकि प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। भक्तों की आस्था और उत्साह से माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा है। मुख्य यजमान भगौती गुप्ता और जयपति देवी ने बताया कि ग्रामवासियों के सहयोग से शिव मंदिर का निर्माण कराया गया है। प्रतिष्ठा अनुष्ठान के दौरान कर्मकांड विशेषज्ञ राकेश पांडेय और प्रिंस शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन संपन्न कराया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष लगाए। अनुष्ठान में मुख्य यजमान भगौती प्रसाद और जयपति देवी ने विधिपूर्वक पूजन किया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में रवि शंकर, महेश गुप्ता, उमाशंकर, लवकुश गुप्ता, संतोष सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

गाजे बाजे के साथ निकाली गई भगवान राम की शोभा यात्रा

हलिया। क्षेत्र के मड़वा धनावल गांव में नवनिर्मित मंदिर में भगवान राम माता सीता, लक्ष्मण व हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा के लिए रविवार शाम को भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।

मध्यप्रदेश शासन में पंचायत विभाग के ज्वाइंट कमिश्नर पद से सेवानिवृत्त हुए मड़वा धनावल गांव निवासी शंभू नारायण सिंह द्वारा पत्नी शांति देवी की स्मृति में चलंगा पहाड़ के नीचे भव्य मंदिर का निर्माण करवाया गया है। मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मध्य प्रदेश शासन में सहायक संचालक महिला बाल विकास आशीष सिंह व उनकी पत्नी प्रीति सिंह ने कलशयात्रा व भगवान राम की शोभा यात्रा से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मूर्ति पूजा करते हुए यात्रा का शुभारंभ किया।

गाजे बाजे, घंटा घड़ियाल और शंख ध्वनि के साथ रथ पर मूर्ति को रखकर गांव में शोभायात्रा निकाली गई। जय श्रीराम के जयकारों से गांव की गलियां गुंजायमान रही। मंदिर निर्माण कराने वाले शंभू नारायण सिंह ने बताया कि पत्नी की स्मृति में मंदिर का निर्माण करवाया गया है।

मंदिर में भगवान राम व माता जानकी की प्राण-प्रतिष्ठा विधि विधान से करवाए जाने के बाद सोमवार को मूर्ति स्थापित की जाएगी। हवन-पूजन के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सफाई कर्मियों के अभाव में ग्रामीण ने रोजे में की नाले की सफाई

जनसंदेश न्यूज

फूलपुर (आजमगढ़)। स्थानीय ब्लॉक के अधिकारियों की उदासीनता के कारण 157 सफाई कर्मियों की नियुक्ति और प्रतिमाह वेतन के नाम पर लाखो खर्च करने के बाद भी रमजान के पावन माह में तहसील मुख्यालय के सामने चकनुरी राजस्व गांव में अल्पसंख्यक रोजेदार नाली की सफाई करता नजर आया।

फूलपुर ब्लॉक अंतर्गत सुदनीपुर ग्राम पंचायत के राजस्व गाव चकनुरी में तहसील मुख्यालय स्थित है। मुख्यालय के सामने लखनऊ बलिया मार्ग के किनारे स्थित नाला वर्षों से सफाई के अभाव में बजबजाता है। नाला जाम के कारण घरों में पानी जमा होता है जिससे आवासीय भवन स्वामियों को काफी समस्या होती है।

सफाई कर्मियों व ब्लॉक अधिकारियों की शिथिल प्रणाली के कारण रमजान के इस पवित्र माह में रोजेदार नौसाद खुद नाली की सफाई करता नजर आया। उसने बताया कि नाला जाम है, घर के आंगन में पानी जमा हो गया।

सफाई कर्मी आते नहीं ऐसे में खुद साफ करना पड़ेगा। सफाई कर्मियों एवं अधिकारियों की उदासीनता के कारण ग्रामीण सफाई की समस्या झेल रहे हैं।

इस संबंध में खंड विकास अधिकारी विमला चौधरी ने बताया कि होली और रमजान के त्योहारों को देखते हुए समस्त सफाई कर्मियों को सर्वाजनिक स्थल मस्जिद नाली आदि की सफाई का निर्देश दिया गया है। सहायक विकास अधिकारी पंचायत व समस्त सचिवों को निर्देशित करुंगी की गांवों में स्थलीय निरीक्षण कर सफाई करायें।

रमजान माह में नाले की सफाई करता रोजेदार नौशाद।